वार्षिक प्रतिवेदन

2020-2021

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन)

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

प्रकाशक:
कुलसचिव
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन)
56-57, सांस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी,
नई दिल्ली-110058
ईपीएबीएक्स : 28524993, 28521994, 28524995
ई मेल : registrar.sansthan@gmail.com
वेबसाईट : www.sanskrit.nic.in

विषय-सूची

पृष्ठ

1. **पर्यावलोकन** 5-7

2. **प्राधिकरण एवं संरचना** 8-12

3. **छात्रों/शिक्षार्थियों के आंकड़े** 13-21

4. **2020-21 के दौरान केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के क्रियाकलाप**

4.1 मुख्यालय के क्रियाकलाप 23-48

4.1.1 प्रशासन अनुभाग 25

4.1.2 वित्त एवं लेखा अनुभाग 25

4.1.3 शैक्षणिक अनुभाग 26

4.1.4 शोध एवं प्रकाशन अनुभाग 27

4.1.5 परीक्षा अनुभाग 27

4.1.6 पुस्तकालय 31

4.1.7 विक्रय इकाई 31

4.1.8 योजना अनुभाग 32

4.1.9 छात्रवृत्ति अनुभाग 34

4.1.10 अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा 40

4.1.11 आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/शोधसंस्थान 41

4.1.12 परियोजनाएँ 42

4.1.13 पालि एवं प्राकृत 44

4.1.14 अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण 45

4.1.15 पत्राचार पाठ्यक्रम अनुभाग 48

4.1.16 मुक्तस्वाध्यायपीठम् (दूरस्थ शिक्षा संस्थान) 48

4.2 परिसरों के क्रियाकलाप 49-94

4.2.1 श्री गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) 51

4.2.2 श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओडिशा) 55

4.2.3 श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर) 59

4.2.4 गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर (केरल) 64

4.2.5 जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान) 66

4.2.6 लखनऊ परिसर, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) 68

4.2.7 श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी (कर्णाटक) 70

4.2.8 वेदव्यास परिसर, बलाहार (हिमाचल प्रदेश) 73

4.2.9 भोपाल परिसर, भोपाल (मध्य प्रदेश) 77

4.2.10 के.जे. सौमैया परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र) 82

4.2.11 एकलव्य परिसर, अगरतला (त्रिपुरा) 86
4.2.12 श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग (उत्तराखण्ड) 91

5. वर्ष 2020-21 की प्रमुख गतिविधियाँ 95-101

5.1 संस्कृत सप्ताहोत्सव 97
5.2 अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजन 99
5.3 हिन्दी पखवाड़ा 99
5.4 एकता दिवस 100
5.5 सतर्कता जागरुकता सप्ताह 100
5.6 स्वच्छता ही सेवा एवं स्वस्थ भारत अभियान 101
5.7 केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय स्थापना दिवस 101
5.8 राष्ट्रीय शिक्षा दिवस 101

6. संलग्नक 103-155

क. शासि परिषद् के सदस्यों की सूची 105
ख. विद्वत् परिषद् के सदस्यों की सूची 107
ग. वित्त-समिति के सदस्यों की सूची 115
घ. केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के संकाय-सदस्यों का परिसर-वार विवरण 116
ङ. विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) उपाधि प्राप्त शोध छात्रों का विवरण 126
च. केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय से सम्बद्ध संस्थाएँ 133
छ. परीक्षाओं को मान्यता देने वाली सरकारें 141
ज. परीक्षाओं को मान्यता देने वाले विश्वविद्यालय 144
झ. वार्षिक अनुदान स्वीकृत स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों की राज्य-वार संख्या का विवरण 150
ञ. केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की वित्तीय सहायता से प्रकाशित प्रकाशनों का विवरण 151
ट. प्रकाशन अनुदान हेतु अनुमोदित प्रस्तावों का विवरण 151
ठ. आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों का विवरण 153

7. 2020-21 का वार्षिक लेखा 157-220

क. वर्ष 2020-21 के लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा 159
ख. 'महानिदेशक लेखा-परीक्षा, केन्द्रीय व्यय' के द्वारा प्रदत्त 2020-21 वर्ष की रिपोर्ट 218

1. पर्यावलोकन

1.1 संस्था

संस्कृत आयोग 1956 की सिफारिशों के अनुसार भारत सरकार द्वारा वर्ष 1970 में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की संस्थापना हुई। इसका मुख्य उद्देश्य पूरे देश में संस्कृत शिक्षा, शिक्षण और अनुसंधान को बढ़ावा देना, प्रचार करना और संरक्षित करना है। यह पूरी तरह से मानव संसाधन विकास मंत्रालय (अब शिक्षा मंत्रालय) भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित किया गया था। पारम्परिक संस्कृत शिक्षा के प्रचार और प्रसार के क्षेत्र में इसके योगदान को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को 7 मई, 2002 में मानित विश्वविद्यालय का दर्जा दिया। तत्कालीन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) को केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2020 (2020 की संख्या 5) के अन्तर्गत संसद द्वारा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली के रूप में पारित किया गया है। महामहिम भारत के राष्ट्रपति के अनुमोदनोपरांत 30 अप्रैल, 2020 से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली के रूप में कार्य आरम्भ किया। नई दिल्ली में अपने मुख्यालय के साथ देश के विभिन्न राज्यों में बारह परिसरों का संचालन किया जा रहा है। इन परिसरों के अतिरिक्त देश के विभिन्न क्षेत्रों में स्थापित 58 संस्कृत संस्थानों को संबद्धता प्रदान कर रही है। इसके अतिरिक्त भारत सरकार की नोडल एजेंसी के रूप में भी कार्य कर रहा है। संस्कृत भाषा के समग्र प्रचार के लिए, संस्कृत शिक्षा के विकास के लिए भारत सरकार द्वारा संचालित निम्नलिखित केन्द्रीय योजनाओं को कार्यान्वयन के लिए दायित्व सौंपा गया है।

1. प्रमाणपत्र सहित राष्ट्रपति सम्मान एवं संस्कृत, पालि, प्राकृत, अरबी, फारसी, शास्त्रीय उड़िया, शास्त्रीय तमिल, शास्त्रीय कन्नड़, शास्त्रीय मलयालम भाषाओं के विद्वानों को महर्षि बादरायण व्यास सम्मान।
2. आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/आदर्श शोध संस्थान के रूप में मान्यता प्राप्त संस्थाओं को वित्तीय सहायता योजना।
3. स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों को वित्तीय सहायता।
4. संस्कृत शिक्षण के लिए वित्तीय सहायता।
5. पालि प्राकृत योजना।
6. संस्कृत के प्रचार प्रसार के लिए विभिन्न शोध परियोजनाओं/कार्यक्रमों/गतिविधियों के लिए गैर सरकारी संगठनों/मानित संस्कृत विश्वविद्यालयों/सी.बी.एस.सी./एन.सी.आर.टी./एस.सी.आर.टी. को वित्तीय सहायता।
7. दुर्लभ पुस्तकों के प्रकाशन/पुनर्मुद्रण और पुस्तकों की थोक खरीद के लिए वित्तीय सहायता।
8. पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/संस्थानों के छात्रों को व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए पंजीकृत शैक्षणिक संगठनों को वित्तीय सहायता।
9. संस्कृत शिक्षा विकास योजना के अन्तर्गत संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों/माध्यमिक/उच्च माध्यमिक विद्यालयों/महाविद्यालयों/विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान करने हेतु वित्तीय सहायता।
10. अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा।
11. सेवानिवृत्त/प्रतिष्ठित संस्कृत विद्वानों (शास्त्र चूड़ामणि) की सेवाओं के उपयोग के लिए वित्तीय सहायता।
12. विकट परिस्थितियों में स्थित संस्कृत पण्डितों को सम्मान राशि के रूप में वित्तीय सहायता।
13. संस्कृत डिक्शनरी प्रोजेक्ट डेक्कन कॉलेज, पुणे।
14. अष्टादशी परियोजना के अन्तर्गत वित्तीय सहायता (संस्कृत के विकास को बनाए रखने के लिए 18 परियोजनाएँ)।

इन योजनाओं के अन्तर्गत पूरे देश में संस्कृत के प्रचार और विकास में लगे संस्थानों/संगठनों/विद्वानों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

1.2 भूमिका एवं कार्य

संस्था के बहिर्नियम में निर्देशित केन्द्रीय संस्कृत

विश्वविद्यालय के मुख्य उद्देश्य संस्कृत शिक्षण और शोध का प्रसारण विकास व प्रोत्साहन है जिनका पालन करते हुए;

i. उच्च शिक्षा प्रदान करना ताकि विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग की रिपोर्ट (1948) और भारत में उच्चतर शिक्षा के नवीकरण एवं पुनरुद्धार (2009) और मानितविश्व-विद्यालयों के लिए समीक्षा समिति की रिपोर्ट (2009) के द्वारा विश्वविद्यालय के संदर्भ से पूर्णतया सहमत स्नातकोत्तर और अनुसंधान डिग्री स्तरों पर उचित मानी जाने वाली ज्ञान की ऐसी शाखाओं में उत्कृष्टता और नवाचार का प्रावधान करना।

ii. परम्परागत संस्थाओं द्वारा प्रदान किए जाने वाले कला, विज्ञान, इंजीनियरिंग, चिकित्सा, डेंटल, फार्मेसी, प्रबंध आदि विषयों में परम्परागत डिग्रियों तक पहुँचने के लिए सामान्य स्वरूप के कार्यक्रमों से अकादमिक विनियोजन को अलग करने वाले - विश्वविद्यालय शिक्षा प्रणाली के लक्ष्यों में महत्त्वपूर्ण भागीदारी करने के लिए योग्यता वाले विशिष्ट क्षेत्रों में लगना।

iii. विभिन्न विषयों में पर्याप्त संख्या में पूर्णकालिक संकाय/अनुसंधान शिक्षाविदों (पीएच्.डी. और पोस्ट डॉक्टोरल) द्वारा विभिन्न आन्तरिक अनुसंधान कार्यक्रमों के माध्यम से उच्च गुणवत्तापरक शिक्षण और अनुसंधान हेतु तथा ज्ञान की प्रगति और उसके वितरण हेतु प्रावधान करना।

iv. अकादमिक समुदाय के विशिष्ट व्यक्तियों के साथ विचार विमर्श की प्रक्रिया से विनिर्दिष्ट हमारी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए अथवा देश की प्रमुख आवश्यकताओं के लिए महत्त्वपूर्ण समझे जाने पर राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकार अथवा केन्द्र सरकार द्वारा अध्ययन और अनुसंधान के विशिष्ट क्षेत्रों में प्रायोजित - नवीन वर्ग के अंतर्गत ऐसे विशेष और उभरते क्षेत्रों में जिन्हें परंपरागत अथवा वर्तमान संस्थाओं द्वारा कार्य में नहीं लाया जा रहा है, के अंतर्गत मानितविश्वविद्यालय संस्थाओं के सृजन में सहायता करना।

v. संस्कृत अध्ययन की सभी शाखाओं में शोध कार्य करवाना, उस हेतु सहायता-प्रदान करना, प्रोत्साहन और संयोजन करना जिसमें शिक्षक-प्रशिक्षण, पाण्डुलिपि विज्ञान आदि संदर्भगत सम्बद्ध क्षेत्रों में उन आधुनिकतम शोधकार्यों के परिणामों को अन्त: सम्बन्धित करने के साथ पुस्तकों का प्रकाशन भी सम्मिलित होगा।

vi. संस्कृत के विकास के लिए भारत सरकार के केन्द्रक अभिकरण के रूप में कार्य कर सरकार की नीतियों, कार्यक्रमों और विभिन्न योजनाओं को लागू करना।

vii. ज्ञान की उन शाखाओं में अनुदेश और प्रशिक्षण का प्रबन्ध करना, जिन्हें विश्वविद्यालय उचित मानता हो।

viii. विद्या के प्रचार, प्रसार और अभिवृद्धि के लिए शोध का प्रावधान करना।

ix. समाज के विकास में योगदान करने के लिए बहिर्विश्व-विद्यालयीय अध्ययन, विस्तार कार्यक्रम एवं विभिन्न क्षेत्रीय गतिविधियों को आयोजित करना।

x. विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की पूर्ति और विकास के लिए आवश्यक या अपेक्षित विभिन्न प्रकार के ऐसे अन्य सभी कार्यक्रमों को आयोजित करना।

1.3 कार्यक्रम एवं क्रियाकलाप

विश्वविद्यालय अपने उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु निम्नलिखित प्रमुख कार्यक्रमों और क्रियाकलापों में कार्यरत है:

- विभिन्न राज्यों में परिसरों की स्थापना।
- माध्यमिक, पूर्वस्नातक, स्नातक, स्नातकोत्तर स्तरों पर परम्परागत पद्धति से संस्कृत शिक्षण तथा डाक्टरेट की उपाधि के स्तर पर शोध का संचालन करना।
- स्नातक स्तर पर शिक्षक- प्रशिक्षण शिक्षा शास्त्री (बी. एड.) का संचालन करना।
- संस्कृत के विभिन्न क्षेत्रों में शोध-कार्य का संचालन व समन्वयन।
- उभयनिष्ठ अभिरुचि वाली संयुक्त परियोजनाओं के प्रायोजन में अन्य संगठनों से सहयोग।
- संस्कृत पुस्तकालयों, पाण्डुलिपि संग्रहालयों की स्थापना और दुर्लभ पाण्डुलिपियों एवं महत्त्वपूर्ण ग्रन्थों का सम्पादन तथा प्रकाशन।
- स्वीकृत निर्धारित पाठ्यक्रम/शोध को संतोषजनक रूप से पूर्ण करके निर्धारित परीक्षायें उत्तीर्ण करने वाले व्यक्तियों को उपाधियाँ प्रदान करना और डिप्लोमा/प्रमाण-पत्र देना।
- विजिटरशिप, फेलोशिप, छात्रवृत्तियाँ, वज़ीफे, पुरस्कार तथा पदकों का संस्थापन एवं उन्हें प्रदान करना।
- दूरस्थ शिक्षा-कार्यक्रमों का संचालन।

– संस्कृत के प्रोन्नयन हेतु शिक्षा मन्त्रालय की योजनाओं का कार्यान्वयन।

1.4 अध्यापन

विश्वविद्यालय के अपने बारह परिसरों में विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित पाठ्यक्रम के आधार पर प्राक्शास्त्री से आचार्य स्तर तक शिक्षण का संचालन किया जाता है तथा विश्वविद्यालय से सम्बद्ध संस्थाओं में प्रथमा से आचार्य तक शिक्षण का प्रबन्ध किया जाता है।

स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा संचालित और विश्वविद्यालय से सम्बद्ध संस्कृत संस्थाएँ भी उसी पाठ्यक्रम के साथ शिक्षण प्रदान करती हैं।

1.5 शिक्षक-प्रशिक्षण

परिसरों में शिक्षण अभ्यास पर बल देते हुए एक शैक्षिक वर्ष हेतु शिक्षक-प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का संचालन किया जाता है, जिसमें बी.एड के समकक्ष शिक्षा-शास्त्री की उपाधि प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त, एम. एड. के समकक्ष शिक्षा-आचार्य उपाधि पाठ्यक्रम का संचालन जयपुर तथा भोपाल परिसरों में किया जाता है।

1.6 शोध

विश्वविद्यालय के सभी परिसरों में शोध हेतु छात्रों का पंजीकरण होता है और इसके सफल समापन पर उन्हें पी-एच्.डी. के समकक्ष विद्यावारिधि की उपाधि प्रदान की जाती है।

यद्यपि संस्कृत की चयनित शाखाओं में गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज विशेष रूप से अनुसन्धान गतिविधियों को समर्पित हैं। परिसर का पुस्तकालय देश के सबसे उच्च पुस्तकालयों में से एक है। पुस्तकालय में 57,957 से अधिक दुर्लभ पाण्डुलिपियाँ संरक्षित हैं।

1.7 प्रकाशन

शोध पत्रिकाएँ एवं पुस्तकें

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय **'संस्कृत विमर्शः'** और **'गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज शोध पत्रिका'** नामक दो शोध पत्रिकाएँ प्रकाशित करता है। जबकि पहली पत्रिका मुख्यालय द्वारा प्रकाशित होती है, दूसरी गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज द्वारा प्रकाशित की जाती है। इनके अतिरिक्त, परिसरों से वार्षिक साहित्यिक पत्रिकाएँ भी प्रकाशित की जाती हैं। सभी परिसर अपनी वार्षिक पत्रिका का उन्नयन कर शोध-पत्रिका के रूप में प्रकाशित किया है।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय एवं परिसरों द्वारा विद्वत्तापूर्ण प्रकाशनों, मूल पाठों एवं दुर्लभ पाण्डुलिपियों का प्रकाशन किया गया है। प्रकाशन एवं पुनर्मुद्रण योजना के अन्तर्गत अब तक कुल 688 दुर्लभ एवं अनुपलब्ध पुस्तकों का प्रकाशन किया जा चुका है।

'संस्कृत वार्ता' तिमाही समाचार बुलेटिन का भी नियमित रूप से प्रकाशन मुख्यालय से किया जाता है।

2. प्राधिकरण एवं संरचना

2.1 भारत के **महामहिम राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविन्द** केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के परिदर्शक होते हैं। शिक्षा मंत्रालय मंत्री, भारत-सरकार, विश्वविद्यालय के कुलाधिपति होते हैं। प्रतिवेदन-वर्ष के दौरान दिनांक 01.04.2020 से 31.03.2021 तक **माननीय डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक'** शिक्षा मंत्री, शिक्षा मन्त्रालय, भारत-सरकार, विश्वविद्यालय के कुलाधिपति रहे। कुलपति विश्वविद्यालय के प्रधान शैक्षिक एवं प्रशासनिक अधिकारी हैं। वे विश्वविद्यालय के सभी प्राधिकरण समितियों के अध्यक्ष भी हैं। वे विश्वविद्यालय के मामलों पर सामान्य पर्यवेक्षण तथा नियन्त्रण रखते हैं, नीतियों और कार्यक्रमों का निष्पादन करते हैं तथा विश्वविद्यालय के सभी प्राधिकरणों के निर्णयों को लागू करते हैं। वर्ष 2020-21 के दौरान **प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री** केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में आसीन रहे। कुलाध्यक्ष के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के निम्नलिखित स्वीकृत प्राधिकरण हैं:

1. **कोर्ट**- कोर्ट का गठन और कोर्ट की शक्तियां केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम 2020 के खण्ड 20 के अनुसार निर्धारित होंगी।
2. **शासी परिषद्**–विश्वविद्यालय में प्रबन्धन का प्रमुख अंग है। यह नीति-निर्णयों के निर्धारण तथा निर्णयों के कार्यान्वयन प्रतिपादन हेतु अधिकार-सम्पन्न है।
3. **विद्वत् परिषद्**-शिक्षा, शिक्षण, प्रशिक्षण, परीक्षा और शोध कार्यक्रमों के मानदण्डों के अनुरक्षण हेतु उत्तरदायी प्रधान शैक्षिक निकाय है।
4. **वित्त समिति**-शासी परिषद् के समक्ष वार्षिक लेखा व वित्तीय प्राक्कलन रखने, कुल व्यय की सीमाएँ निर्धारित करने और हर प्रकार के पदों के सृजन की संस्तुति हेतु उत्तरदायी प्रमुख वित्त निकाय है।
5. **योजना तथा पर्यवेक्षण मण्डल**-विकास कार्यक्रमों के परिवीक्षण हेतु उत्तरदायी प्रमुख योजना निकाय है।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, विश्वविद्यालय में अन्य निकाय भी संघटित हैं, जो अपने-अपने कार्य के स्वरूप के आधार पर संस्तुतियाँ तैयार करते हैं, यथा–सहायता अनुदान समिति, प्रकाशन समिति, छात्रवृत्ति चयन समिति, शोध मण्डल तथा परीक्षा मण्डल।

वर्ष 2020-21 में विश्वविद्यालय के प्राधिकरणों/निकायों द्वारा आयोजित बैठकों की संख्या दर्शाने वाली तालिका नीचे दी जा रही है:

मण्डल/परिषद्/समिति	बैठक की तिथियाँ
प्रबन्ध मण्डल	
80वीं बैठक	28.04.2020
शासी परिषद्	
प्रथम बैठक	30.06.2020
द्वितीय बैठक	25.07.2020
तृतीय बैठक	09.11.2020
चतुर्थ बैठक	25.02.2021

मण्डल/परिषद्/समिति	बैठक की तिथियाँ
विद्वत्परिषद्	
प्रथम बैठक	22.08.2020
द्वितीय बैठक	05.11.2020
तृतीय बैठक	30.03.2021
वित्त समिति	
प्रथम बैठक	30.06.2020
द्वितीय बैठक	21.01.2021
तृतीय बैठक	26.02.2021
चतुर्थ बैठक	17.03.2021
योजना तथा पर्यवेक्षण मण्डल	--

शासी परिषद्, विद्वत्परिषद् तथा वित्त समिति का संघटन क्रमशः **संलग्नक 'क', 'ख' एवं 'ग'** में दिया गया है।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का संगठन एवं संरचना

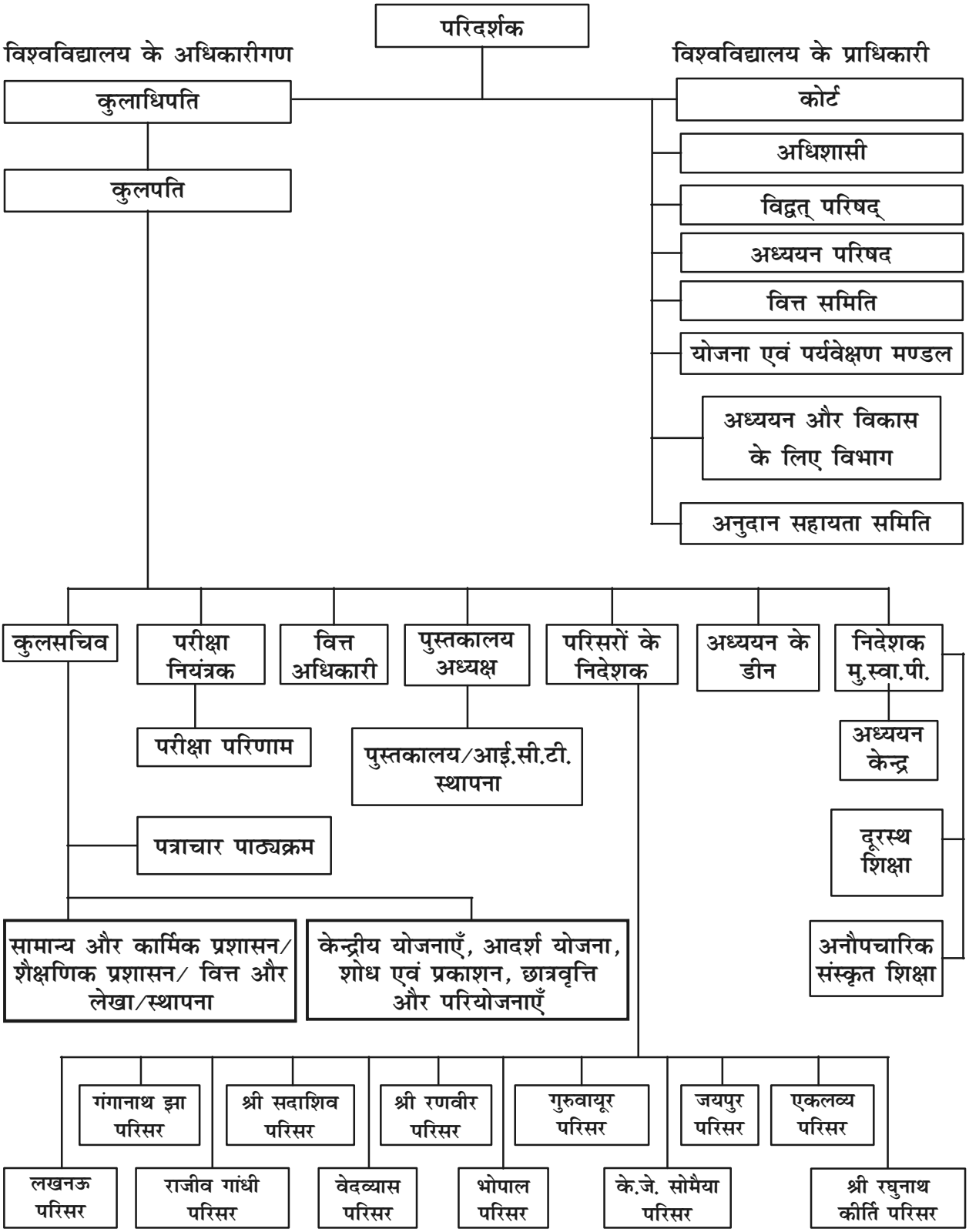

2.2 केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का मुख्यालय एवं परिसर

2.2.1 मुख्यालय

विश्वविद्यालय की गतिविधियाँ इसके मुख्यालयाधीन विभिन्न विभागों, अनुभागों व इकाइयों द्वारा सञ्चालित हैं जो कि अधोनिर्दिष्ट है:

1. सामान्य, वैयक्तिक, परिसरीय, शैक्षिक एवं प्रशासनिक अनुभागों का प्रशासन
2. वित्त अनुभाग
3. शोध एवं प्रकाशन अनुभाग
4. परीक्षा अनुभाग
5. शैक्षणिक अनुभाग
6. पुस्तकालय
7. विक्रय ईकाई
8. योजना अनुभाग
9. छात्रवृत्ति अनुभाग
10. आदर्श महाविद्यालय/शोध संस्थान
11. परियोजना विभाग
12. पालि एवं प्राकृत विभाग
13. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण
14. पत्राचार पाठ्यक्रम
15. मुक्तस्वाध्यायपीठम्

2.2.2 परिसर :

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा देश के विभिन्न भागों में निम्नलिखित परिसरों का संचालन किया जा रहा है :

क्रम सं.	परिसरों के नाम	स्थान
1.	श्री गंगानाथ झा परिसर	प्रयागराज, उत्तरप्रदेश
2.	श्री सदाशिव परिसर	पुरी, ओड़िशा
3.	श्री रणवीर परिसर	जम्मू, जम्मू और कश्मीर
4.	गुरुवायूर परिसर	त्रिचूर, केरल
5.	जयपुर परिसर	जयपुर, राजस्थान
6.	लखनऊ परिसर	लखनऊ, उत्तरप्रदेश
7.	श्री राजीव गांधी परिसर	शृंगेरी, कर्णाटक
8.	वेद व्यास परिसर	बलाहर, हिमाचलप्रदेश
9.	भोपाल परिसर	भोपाल, मध्यप्रदेश
10.	के.जे. सौमैया परिसर	मुम्बई, महाराष्ट्र
11.	एकलव्य परिसर	अगरतला, त्रिपुरा
12.	श्री रघुनाथकीर्ति परिसर	देवप्रयाग, उत्तराखण्ड

मुख्यालय से पत्राचार पाठ्यक्रम और दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। मुख्यालय के पास पुस्तकालय, प्रकाशन विभाग, शोध केन्द्र एवं प्रदर्शनी कक्ष उपलब्ध है। शेष सभी परिसरों में सभी उपस्करों सहित पुस्तकालय, प्रयोगशाला, छात्रकक्ष, स्टाफ क्वार्टर तथा छात्रावास उपलब्ध हैं। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय अधोनिर्दिष्ट नियमित पाठ्यक्रमों (कार्यक्रमों) को अपने परिसरों के माध्यम से सञ्चालित करता है। परिसरों में पढ़ाये जाने वाले नियमित पाठ्यक्रमों का विस्तृत विवरण प्रत्येक परिसर की गतिविधियों में जोड़ा गया है।

क्रम सं.	पाठ्यक्रम	के समकक्ष
1.	उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री	(सीनियर सेकेण्डरी--+2)
2.	शास्त्री, शास्त्रि प्रतिष्ठा	(बी.ए., बी.ए. प्रतिष्ठा)
3.	आचार्य	(एम.ए. संस्कृत)
4.	शिक्षाशास्त्री	(बी.एड्.)
5.	शिक्षा आचार्य	(एम.एड्.)
6.	विद्यावारिधि	(पी-एच्.डी.)

दूरस्थशिक्षा के पाठ्यक्रम/कार्यक्रम

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से प्राक्शास्त्री, शास्त्री, आचार्य (व्याकरण, ज्योतिष और साहित्य में) तथा अन्य प्रमाणपत्रीय/परिचय पाठ्यक्रमों का सञ्चालन अपने मुक्तस्वाध्यायपीठम् (दूरस्थ शिक्षा संस्थान) के द्वारा करता है, जो कि दिल्ली स्थित मुख्यालय और देश के विभिन्न स्थानों में संस्थापित परिसरों के स्वाध्याय केन्द्रों में क्रियान्वित किये जाते हैं। (विस्तृत विवरण के लिए प्रतिवेदन के 4.1.16 अनुभाग को देखें)

3. छात्रों/शिक्षार्थियों के आंकड़े

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के विविध कार्यक्रमों मे अध्येताओं की कुल संख्या **6140** है। जिसका पाठ्यक्रम/प्रणालीवार विवरण अधोलिखित है।

3.1. विश्वविद्यालय के परिसरों में नियमित अध्येताओं की संख्या

		कक्षा											
		प्राक् शास्त्री		शास्त्री			शिक्षा शास्त्री		आचार्य		शिक्षा आचार्य		विद्या-वारिधि
क्र.सं.	परिसर	I	II	I	II	III	I	II	I	II	I	II	
1.	श्री गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	49
2.	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	93	73	111	100	113	110	108	341	323	–	–	–
3.	श्री रणवीर परिसर, जम्मू	43	32	101	51	52	110	107	70	59	–	–	–
4.	गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर	24	28	70	67	68	54	55	64	42	–	–	–
5.	जयपुर परिसर, जयपुर	85	49	165	138	91	107	95	74	68	03	05	–
6.	लखनऊ परिसर, लखनऊ	30	24	69	47	44	56	55	61	26	61	26	–
7.	श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी	22	38	58	55	51	55	55	42	39	–	–	–
8.	वेदव्यास परिसर, बलहार	54	46	132	109	117	54	55	67	56	–	–	–
9.	भोपाल परिसर, भोपाल	30	35	104	54	61	110	109	72	55	16	06	–
10.	के.जे.सौमैया परिसर, मुम्बई	06	07	11	07	03	55	55	15	04	–	–	–
11.	मुख्यालय, नई दिल्ली	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
12.	एकलव्य परिसर, त्रिपुरा	20	03	32	18	15	55	53	78	33	–	–	–
13.	रघुनाथकीर्ति परिसर, देवप्रयाग	08	10	29	21	17	–	–	07	11	–	–	–
	योग	**415**	**345**	**887**	**667**	**632**	**766**	**747**	**891**	**716**	**19**	**11**	**49**
											कुल योग - 6140		

3.2 सम्बद्धताप्राप्त संस्थाओं में नियमित रूप में कक्षावार छात्रों की संख्या

क्र.सं.	संस्था का नाम	कोड सं.	पू.म. -I	पू.म. -II	उ.म./ प्राश-I	उ.म./ प्राश-II	शा- I	शा- II	शा- III	शा- IV	शा- V	शा- VI	शा- III	आ- I	आ- II	आ- III	आ- IV	शि.शा I	शि.शा. II	योग
	बिहार																			
1.	जगदीश नारायण ब्रह्मचार्य आश्रम संस्कृत विद्यालय	06	29	23	49	25	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	126
2.	देवरहा बाबा भक्त शिवशंकर संस्कृत महाविद्यालय	07	16	18	12	10	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	56
3.	डॉ. रामजी मेहता आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	08	02	02	10	21	28	23	15	15	17	21	-	17	15	09	08	-	-	203
4.	राजकुमारी गणेश शर्मा आदर्श संस्कृत विद्यापीठ	10	-	-	44	45	73	69	41	39	30	30	-	40	39	15	15	-	-	480
5.	सरस्वती आदर्श संस्कृत म.वि.	12	01	05	20	10	08	08	12	12	08	08	-	08	06	10	10	-	-	126
6.	रामसुन्दर संस्कृत विश्व विद्या प्रतिष्ठान	13	57	65	70	60	43	38	30	30	27	27	-	38	35	16	17	-	-	553
7.	डॉ. मण्डन मिश्र संस्कृत म.वि.	14	29	43	39	20	16	16	13	11	20	20	-	-	-	-	-	-	-	227
8.	अजीत कुमार मेहता संस्कृत शिक्षण संस्थान	15	59	49	54	53	18	16	08	07	05	05	-	14	07	08	07	-	-	310
9.	लक्ष्मी हरिकान्त संस्कृत प्राथमिक सहमाध्यमिक विद्या.	16	18	24	14	14	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	70
10.	दीनानाथ मिथिला सं.विद्यापीठ	18	37	13	25	05	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	80
11.	जगदीश नारायण ब्रह्मचार्य आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	19	-	-	13	17	31	29	41	41	28	29	-	14	15	25	26	-	-	309
	दिल्ली																			
12.	श्री मोतीनाथ संस्कृत म.वि.	26	10	17	14	11	18	17	05	03	11	11	01	13	12	03	03	-	-	149
13.	श्रीराम ज्यौतिष कर्मकाण्ड महाविद्यालय	28	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	04	03	03	03	-	-	13
14.	वसन्तग्राम आदर्श सं.विद्यालय	29	12	10	10	08	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	40
15.	शारदादेवी संस्कृत विद्यापीठ	32	16	32	22	28	17	16	22	20	19	19	02	-	-	-	-	-	-	213
16.	श्री महावीर विश्व विद्यापीठ	34	11	10	17	12	25	24	23	23	18	18	-	13	10	18	17	-	-	239
17.	श्री हनुमान सं. महाविद्यालय	35	11	24	12	19	11	11	02	02	02	02	05	-	-	-	-	-	-	101
18.	आर्य कन्या गुरुकुल	36	13	11	09	11	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	44
19.	श्री रामऋषि संस्कृत म.वि.	37	10	12	17	12	14	14	11	10	11	11	01	-	-	-	-	-	-	123

क्र.सं.	संस्था का नाम	कोड सं.	पू.म. -I	पू.म. -II	उ.म./ प्राश-I	उ.म./ प्राश-II	शा- I	शा- II	शा- III	शा- IV	शा- V	शा- VI	शा- III	आ- I	आ- II	आ- III	आ- IV	शि.शा I	शि.शा. II	योग
20.	आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, हरेवली	38	12	16	18	16	10	05	06	05	01	01	-	-	-	-	-	-	-	90
21.	बाल विद्या मन्दिर	39	15	11	05	05	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	36
	गुजरात																			
22.	श्री रघुवर रामानन्द वेदांत म.वि.	47	01	-	-	02	01	02	01	01	01	01	02	05	04	03	03	-	-	27
	हरियाणा																			
23.	आलोक संस्कृत महाविद्यालय	52	-	-	03	-	27	26	29	29	34	34	-	-	-	-	-	-	-	182
24.	हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ	53	-	-	05	05	34	33	33	30	32	34	-	12	07	15	16	-	-	256
25.	श्री रामानन्द ब्रह्मऋषि सं.म.वि.	55	09	10	07	03	02	02	03	03	06	06	-	-	-	-	-	-	-	51
26.	श्री लज्जाराम संस्कृत म.वि.	56	16	19	21	29	51	47	52	49	46	46	01	36	35	15	15	-	-	478
	जम्मू																			
27.	श्री गुरु गंगादेवजी सं.म.वि.	62	14	19	34	17	12	12	07	07	06	06	-	06	06	03	03	-	-	152
	झारखण्ड																			
28.	लक्ष्मीदेवी श्रॉफ आदर्श सं.म.वि.	09	-	-	19	28	08	15	12	18	08	08	-	20	30	16	17	-	-	199
	केरल																			
29.	भारतीय संस्कृत महाविद्यालय	66	-	-	15	16	17	17	18	18	09	09	-	03	03	06	06	-	-	137
30.	श्री रामकृष्ण आदर्श संस्कृत म.वि.	67	-	-	12	14	05	05	11	11	10	10	-	08	07	05	05	-	-	103
31.	श्री शंकर सं.वि. इड्डाकडोम	68	-	-	05	03	02	02	07	07	02	02	-	05	03	07	07	-	-	52
32.	कालीकट आदर्श सं. विद्यापीठ	70	-	-	11	21	28	61	62	58	49	49	-	41	40	31	31	-	-	542
33.	कोडंगलूर विद्वत्पीठम्	71	-	-	11	05	06	04	02	02	06	06	-	03	02	01	01	-	-	49
34.	श्री शंकर संस्कृत वि. हीरा हेवन	73	-	-	12	05	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	17
35.	माहेश्वरी संस्कृत कालेज	75	-	-	10	14	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	24
	महाराष्ट्र																			
36.	मुम्बादेवी आदर्श संस्कृत महा.	81	-	-	04	07	09	07	09	07	09	11	-	10	06	06	06	-	-	91
	मणिपुर																			
37.	मणिपुर संस्कृत महाविद्यालय	86	45	45	84	89	58	44	23	18	24	23	-	28	24	16	15	-	-	536
38.	श्री राधामाधव आदर्श सं.महा.	87	117	159	252	243	133	127	119	115	73	73	-	24	21	13	13	-	-	1482
	पंजाब																			
39.	श्री बाबा हरिदत्त गिरिजी सं.म.वि.	96	-	-	06	14	10	09	11	11	05	05	01	12	12	03	03	-	-	102
40.	श्री सरस्वती संस्कृत कालेज	97	-	-	15	10	26	24	31	21	27	27	27	-	-	-	-	-	-	208

क्र.सं.	संस्था का नाम	कोड सं.	पू.म. -I	पू.म. -II	उ.म./ प्राश-I	उ.म./ प्राश-II	शा- I	शा- II	शा- III	शा- IV	शा- V	शा- VI	शा- III	आ- I	आ- II	आ- III	आ- IV	शि.शा I	शि.शा. II	योग
	राजस्थान																			
41.	नवजागृति संस्कृत विद्यापीठ	102	07	10	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	17
	उत्तर प्रदेश																			
42.	रानी पद्मावती तारायोग तन्त्र उच्च माध्यमिक विद्यालय	113	18	24	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	42
43.	श्री बटुकनाथ संस्कृत महावि.	114	35	23	25	14	31	22	29	20	26	21	11	11	07	21	18	-	-	314
44.	गिन्नीदेवी मोदी संस्कृत विद्यापीठ	115	01	06	05	05	09	09	02	02	05	05	-	-	-	-	-	-	-	49
45.	श्री टिबरीनाथ सांगवेद सं.म.वि.	118	29	32	26	19	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	106
46.	गांधी संस्कृत महाविद्यालय	119	-	-	07	12	20	13	28	11	07	04	-	08	03	11	06	-	-	130
47.	अनन्तदेवी संस्कृत महाविद्यालय	120	-	-	15	17	32	28	16	16	23	23	-	12	11	10	10	-	-	213
48.	रानी पद्मावती तारायोग तन्त्र आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	123	-	-	38	30	47	36	37	40	37	32	-	40	46	27	27	-	-	437
	उत्तराखण्ड																			
49.	आदर्श संस्कृत विद्यापीठ	112	01	05	04	08	08	06	06	06	06	-	-	-	-	-	-	-	-	50
	पश्चिम बंगाल																			
50.	हरेश्वर संस्कृत म.वि. लिंगसे	106	17	09	08	07	10	09	02	02	02	02	-	-	-	-	-	-	-	68
51.	पगलानन्द संस्कृत महाविद्यालय	126	40	15	57	34	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	146
52.	श्री सीताराम वैदिक आदर्श सं.म.	127	-	-	05	03	28	27	24	23	35	35	-	77	67	88	88	-	-	500
53.	ठाकुर गदाधर संस्कृत विद्यापीठ	128	15	13	16	10	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	54
54.	कालियाचक बिक्रम किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	129	-	-	03	02	37	30	54	52	43	43	-	42	37	38	40	-	-	421
55.	मदर उषा मेमोरियल ओरियण्टल	130	49	76	69	70	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	264
56.	भारती चतुष्पति संस्कृत महा.	131	-	-	07	10	57	43	108	103	81	87	-	52	50	58	57	-	-	723
		योग	**772**	**850**	**1285**	**1168**	**1080**	**946**	**956**	**898**	**819**	**804**	**51**	**616**	**563**	**500**	**493**	**-**	**-**	**11810**

आदर्श संस्कृत महाविद्यालय

कक्षावार :- आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों में नियमित रूप में कक्षावार छात्रों की संख्या

क्र.सं.	परिसर का नाम	कोड	पू.म. I	पू.म II	उ.म/प्रा.श. I	उ.म./प्रा.श. II	शास्त्री I	शास्त्री II	शास्त्री III	शास्त्री IV	शास्त्री V	शास्त्री VI	आचार्य I	आचार्य II	आचार्य III	आचार्य IV	**कुल**
1.	डॉ. रामजी मेहता आदर्श संस्कृत महाविद्यालय मालीघाट, मुजफ्फरनगर-842001 (बिहार)	08	02	02	10	21	28	23	15	15	17	21	17	15	09	08	**203**
2.	राजकुमारी गणेश शर्मा आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, पो.आ.-कोलहन्टा पटौरी जिला-दरभंगा-846003 (बिहार)	10	-	-	44	45	73	69	41	39	30	30	40	39	15	15	**480**
3.	राम सुन्दर संस्कृत विश्व विद्या प्रतिष्ठान पो.आ. रमौली बेलौन (लक्ष्मीनाथ नगर) वाया-बेहरा, जिला-दरभंगा-847201 (बिहार)	13	57	65	70	60	43	38	30	30	27	27	38	35	16	17	**553**
4.	जगदीश नारायण ब्रह्मचर्य आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, पो.आ. लगमा (आर.बी.पुर), वाया-लोहना रोड जिला-दरभंगा-847407, (बिहार)	19	29	23	49	25	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	**126**
5.	लक्ष्मीदेवी सर्राफ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, हरीशरणम् कुटीर, काली रेखा, बैद्यनाथ धाम, देवधर-814112, झारखण्ड	09	-	-	19	28	08	15	12	18	08	08	20	30	16	17	**199**
6.	हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ पो.आ. बघौला, तहसील पलवल, जिला-पलवल, पिन-121102, हरियाणा	53	-	-	05	05	34	33	33	30	32	34	12	07	15	16	**256**

7.	कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ पो.आ. बालुसरी जिला-कालीकट-673612, केरल	70	-	-	11	21	88	61	62	58	49	49	41	40	31	31	**542**
8.	मुम्बादेवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय राष्ट्रीय विद्या भवन, डॉ. कुलपति मुंशी मार्ग, मुम्बई	81	-	-	04	07	09	07	09	07	09	11	10	06	06	06	**91**
9.	श्री राधा माधव आदर्श संस्कृत महाविद्यालय पो.आ. नम्बोल, पिन-795134, मणिपुर	87	117	159	252	243	133	127	119	115	73	73	24	21	13	13	**1482**
10.	रानी पद्मावती तारायोग तंत्र आदर्श संस्कृत महाविद्यालय इन्द्रपुर (शिवपुर) वाराणसी, पिन-221003, उत्तर प्रदेश	123	-	-	38	30	47	36	37	40	37	32	40	46	27	27	**437**
11.	श्री. सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, 7/2, पी.डब्लू.डी. रोड, कोलकता, पिन-700035, पश्चिमी बंगाल	127	-	-	05	03	28	27	24	23	35	35	77	67	88	88	**500**
12.	कालियाचक विक्रम किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, गाँव-कालियाचक, पो.आ.-हरिया, जिला-पूर्वी मिदिनापुर, पिन-721430 पश्चिमी बंगाल	129	-	-	03	02	37	30	54	52	43	43	42	37	38	40	**421**
															कुल		**5290**

3.3 दूरस्थ शिक्षण कार्यक्रमों की छात्र संख्या (सत्र 2020-21) :

	सेतु एवं प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष
प्राक्शास्त्री सेतु	47	–	–	–
प्राक्शास्त्री	–	18	66	–
शास्त्री सेतु	212	–	–	–
शास्त्री	–	–	176	116
आचार्य सेतु	144	–	–	–
आचार्य	–	–	534	–
प्रारम्भिक-पालि-ज्ञान पाठ्यक्रम	01	–	–	–
प्रारम्भिक-प्राकृत-ज्ञान पाठ्यक्रम	–	–	–	–
पालि-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रम	04	–	–	–
प्राकृत-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रम	11	–	–	–
संस्कृत-पत्रकारिता-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रम	14	–	–	–
योग	**433**	**18**	**776**	**116**
कुल योग	**1343**			

3.4 अनौपचारिक संस्कृतशिक्षण केन्द्रों से लाभान्वित अध्येताओं की संख्या :

क्रम सं	राज्य	केन्द्र	छात्र संख्या
1.	आन्ध्रप्रदेश	02	
2.	बिहार	01	
3.	छत्तीसगढ़	01	
4.	गोवा	03	
5.	गुजरात	04	
6.	जम्मू-कश्मीर	01	
9.	महाराष्ट्र	13	
10.	मध्यप्रदेश	07	4700
11.	उड़ीसा	04	
12.	पंजाब	03	
13.	राजस्थान	01	
14.	तमिलनाडु	01	
15.	तेलंगाना	02	
16.	उत्तराखंड	02	
17.	उत्तरप्रदेश	07	
18.	पश्चिमी बंगाल	06	
19.	पूर्वोत्तर राज्य	19	
	कुल	**77**	

3.5 पत्राचार पाठ्यक्रम के लिए नामांकित छात्रों की संख्या :

क्र.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	छात्रों की संख्या
1.	हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम (प्रथम वर्ष)	7025
2.	हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम (द्वितीय वर्ष)	

विश्वविद्यालय के परिसरों के विभिन्न नियमित कक्षाओं में प्रविष्ट छात्रों, छात्राओं तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों की संख्या निम्नलिखित हैं–

कक्षा	अनु. जाति	अनु. ज.जा.	पिछड़ा वर्ग	ई.डब्ल्यू. एस.	सामान्य अन्य	अन्य/दि. मुस्लिम	पुरुष	स्त्री	योग
प्राक् शास्त्री–I	22	21	95	01	275	01	276	139	**415**
प्राक् शास्त्री–II	29	10	69	03	234	00	216	129	**345**
शास्त्री–I	69	35	217	00	557	04	518	284	**882**
शास्त्री–II	59	22	156	02	425	03	398	269	**667**
शास्त्री–III	62	20	170	07	368	05	407	225	**632**
आचार्य–I	63	27	243	07	545	06	451	440	**891**
आचार्य–II	61	25	184	01	444	01	327	389	**716**
शिक्षा–शास्त्री–I	68	32	237	46	380	03	366	400	**766**
शिक्षा–शास्त्री–II	54	23	275	18	375	02	354	393	**747**
शिक्षा–आचार्य–I	00	00	05	03	11	00	12	07	**19**
शिक्षा–आचार्य–II	01	00	01	00	09	00	10	01	**11**
विद्यावारिधि	03	01	11	00	16	18	29	20	**49**
कुल योग	**491**	**216**	**1663**	**88**	**3639**	**43**	**3444**	**2696**	**6140**

4.1 मुख्यालय के क्रियाकलाप

4.1 मुख्यालय के क्रियाकलाप

4.1.1 प्रशासन

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय प्रशासनिक सेवाओं के तत्संबंधी प्रकरण अधोलिखित एककों के द्वारा प्रभारी अधिकारी की अध्यक्षता में सम्पादित किये जाते हैं:-

(क) सामान्य प्रशासन/स्थापना

(ख) कार्मिक प्रशासन

(ग) परिसरीय प्रशासन

उपरिलिखित प्रमुख गतिविधियों के साथ-साथ यह शाखा सेवाएँ तथा आपूर्ति, भूमि अर्जन एवं भवन निर्माण, नूतन परिसरों की स्थापना के कार्यों का संचालन करती है तथा कोर्ट, कार्यकारी परिषद एवं वित्त समिति की बैठकों का आयोजन भी करती है। भिन्न-भिन्न परिसरों के भवन निर्माण के विविध प्रस्ताव अनुमानित व्यय सहित प्रतिवेदित अवधि के दौरान स्वीकृत किये गये, जिनका संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है:-

(क) श्रीरघुनाथकीर्ति परिसर (उत्तराखण्ड) 2580 लाख रुपये (ख) गुरुवायूर परिसर, (केरल)-300 लाख रुपये।

सूचना के अधिकार के अधिनियम 2005 के अन्तर्गत मुख्यालय में 177 आर.टी.आई. एवं 17 प्रथम अपील आवेदन प्राप्त हुए जिसमें से 176 आर.टी.आई. आवेदनों का उत्तर एवं 16 प्रथम अपील आवेदनों का उत्तर दिया गया। 27 आवेदन सम्बद्ध परिसरों तथा संस्थानों में स्थानान्तरित किये गये हैं।

4.1.2 वित्त एवं लेखा

वर्ष के दौरान इस अनुभाग के द्वारा प्रतिवेदित महत्त्वपूर्ण गतिविधियाँ निम्नलिखित हैं–

बजट (2020-21) :

वर्ष 2019-20 की रु. 505.50 लाख रूपये (रू. 505. 50 लाख राजस्व निधि हेतु) की अप्रयुक्त शेष धनराशि को वित्तीय वर्ष 2020-21 में समाविष्ट किया गया। मन्त्रालय के द्वारा (गत वर्ष के अव्ययित शेष सहित) रू. 19790.57 लाख रूपये का कुल बजट स्वीकृत किया गया। इस राशि को विश्वविद्यालय के अधीन इकाईयों को निम्नलिखित रूप से आबंटित किया गया:-

क्रमांक	एकक का नाम	निर्गत राशि (रु.की संख्या लाखों में)
1.	मुख्यालय, नई दिल्ली	7388.41
2.	श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओड़िशा)	1230.08
3.	श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं काश्मीर)	861.03
4.	श्री गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज (उत्तर प्रदेश)	561.22
5.	गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर (केरल)	1577.13
6.	जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)	1375.07
7.	लखनऊ परिसर, लखनऊ (उत्तर प्रदेश)	1027.83

8.	श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी (कर्णाटक)	672.68
9.	वेद व्यास परिसर, बलहार (हिमाचल प्रदेश)	549.07
10.	भोपाल परिसर, भोपाल (मध्य प्रदेश)	946.39
11.	के.जे. सौमैया परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र)	294.55
12.	एकलव्य परिसर, अगरतला (त्रिपुरा)	467.45
13.	श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग (उत्तराखण्ड)	2839.66
	कुल योग	**19790.57**

वर्ष के दौरान यह धन वेतन और भत्ते, छात्रवृत्तियाँ, प्रख्यात संस्कृत विद्वानों को राष्ट्रपति सम्मान एवं संस्कृत शिक्षण के विकास के अन्तर्गत अन्य विभिन्न योजनाओं तथा व्यय की अन्य रख-रखाव सम्बन्धी मदों पर उपयोग में लाया गया।

लेखा

यह अनुभाग विश्वविद्यालय के विविध एककों से प्राप्त लेखों के समेकन और लेखा-परीक्षा हेतु महानिदेशक लेखा परीक्षा केन्द्रीय व्यय को प्रस्तुत करने के लिए उत्तरदायी है। वर्ष 2020-21 हेतु परीक्षित वार्षिक लेखा तथा लेखा-परीक्षा प्रतिवेदन **संलग्नक-'ड'** में रखे गये हैं।

भविष्य निधि खातों का अनुरक्षण

यह अनुभाग मुख्यालय के अधिकारियों व अन्य कर्मचारियों के वेतन व भविष्य निधि खातों का अनुरक्षण करता है। वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर अविलम्ब प्रत्येक सदस्य को वार्षिक भविष्य निधि खाते का विवरण प्रदान किया जाता है।

लेखा-परीक्षा आपत्तियों का निराकरण

वर्ष में लेखा-परीक्षा आपत्तियों को निपटाने के लिए संगठित प्रयास किए गए। इसके लिए सभी परिसरों को ये निर्देश दिए गए कि वे आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही करें। इसके अनुपालन के उत्तर लेखा-परीक्षा अधिकारियों को भेजे गए। इस प्रकार इस वर्ष में बहु-संख्यक लेखा-परीक्षा आपत्तियों को निपटाया गया।

4.1.3 शैक्षणिक अनुभाग

इस अनुभाग के महत्त्वपूर्ण उत्तरदायित्व हैं :-

- विश्वविद्यालय के शैक्षणिक क्रियाकलापों को सुव्यवस्थित करना।
- प्रथमा से लेकर आचार्य कक्षाओं के लिए पाठ्यक्रमों का निर्माण करना।
- प्रथमा से आचार्य कक्षाओं के लिए पाठ्यक्रम बनाने हेतु विभिन्न विषयों की समितियों (पाठ्य बोर्ड) का गठन करना।
- विद्वत् परिषद् व अध्ययन परिषद् की बैठक का आयोजन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अनुरुप करना तथा उनके अनुसार अनुवर्ती कार्रवाई करना।
- विगत वर्ष के दौरान शैक्षणिक विभाग में विद्वत परिषद की तीन बैठकें आयोजित की गईं। (22 जुलाई, 05 नवम्बर, 2020 एवं 30 मार्च, 2021)
- शैक्षणिक विभाग को संस्थाओं को संवर्धन देने के कार्य की जिम्मेदारी सौंपी गई है, विश्वविद्यालय की शुरुआत कुछ केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों से हुआ था, परन्तु बाद में कुछ निजी शिक्षण संस्थाओं को भी सम्बद्धता प्रदान की गयी। इन संस्थाओं को केवल प्रथमा से आचार्य एवं विद्यावारिधि के लिए सम्बद्धता प्रदान की गई है। फिलहाल विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देश के तहत नये विद्यालय/महाविद्यालयों को सम्बद्धता नहीं दी जा रही है, पूर्व में सम्बद्धता प्राप्त विद्यालयों को विद्वत् परिषद् एवं शासी परिषद् की अनुशंसा के आधार पर इस शैक्षणिक वर्ष भी यथावत् रखने का निर्णय किया गया।

4.1.4 शोध एवं प्रकाशन अनुभाग

इस अनुभाग के महत्त्वपूर्ण दायित्व हैं-

अ. केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के शोध सम्बद्ध क्रियाकलापों का समन्वयन।

ब. केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रकाशन कार्य का अवलोकन।

स. प्रकाशन, दुर्लभ संस्कृत ग्रन्थों का पुनर्मुद्रण तथा संस्कृत ग्रन्थों का थोक क्रय योजनाओं का समन्वयन। उपरोक्त कार्यों के अतिरिक्त केन्द्रीय शोध मण्डल और प्रकाशन समिति के उपवेशनों का आयोजन करना भी इस अनुभाग का दायित्व है।

विश्वविद्यालय के केन्द्रीय शोध-मंडल की बैठक 06.07.2020 को संपन्न हुई। विद्यावारिधि शोध उपाधि पाठ्यक्रम हेतु विभिन्न परिसरों से प्राप्त शोध प्रारूपों की स्वीकृति प्रदान की गई। विश्वविद्यालय के विभिन्न परिसरों में विद्यावारिधि में 04 कनिष्ठ शोध अध्येताओं का पंजीकरण किया गया है। इसके अतिरिक्त संस्कृत वार्ता पत्रिका एवं संस्कृत-विमर्श शोध पत्रिका का निरन्तर प्रकाशन किया जाता है।

4.1.5 परीक्षा अनुभाग

परीक्षा विभाग का मुख्य दायित्व केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा संचालित पूर्वमध्यमा से आचार्य, शिक्षाशास्त्री, शिक्षाचार्य एवं विद्यावारिधि नियमित पाठ्यक्रमों के साथ-साथ मुक्तस्वाध्यायपीठम् द्वारा संचालित प्राक्शास्त्री सेतु से आचार्य पाठ्यक्रमों तक की परीक्षाओं का आयोजन तथा परिणाम घोषणा कराना है। ये परीक्षायें शैक्षिक परिषद् एवं परीक्षा मंडल द्वारा निर्धारित मार्गदर्शी सिद्धान्तों के अनुसार संचालित की जाती हैं।

वर्ष 2020-21 में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के परिसर एवं सम्बद्ध प्राप्त विद्यालय/महाविद्यालयों से प्राप्त परीक्षा आवेदनपत्रानुसार संस्था/कक्षावार परीक्षार्थीयों की संख्या निम्न लिखित प्रकार से हैं-

कक्षा	छात्र संख्या			सम्मिलित छात्र	उत्तीर्ण छात्र	EP/Com.	Fail	उत्तीर्ण%
	पुरुष	स्त्री	कुल					
पूर्वमध्यमा-I	504	267	771	–	–	–	–	–
पूर्वमध्यमा-II	554	292	846	828	828	0	–	100 %
उत्तरमध्यमा-I	342	154	496	–	–	–	–	–
उत्तरमध्यमा-II	259	134	393	388	388	–	–	100 %
प्राक्शास्त्री-I	727	436	1163	–	–	–	–	–
प्राक्शास्त्री-II	660	451	1111	1087	1085	1	1	99.816 %
शास्त्री-I	–	–	–	under process		–	–	–
शास्त्री-II	–	–	–	under process		–	–	–
शास्त्री-III	–	–	–	under process		–	–	–
शास्त्री-I सेमेस्टर	1145	636	1781	1731	1698	27	6	98.093 %
शास्त्री-II सेमेस्टर	1012	555	1567	1543	1508	32	3	97.731 %
शास्त्री-III सेमेस्टर	972	531	1503	1485	1462	20	3	98.451 %
शास्त्री-IV सेमेस्टर	872	485	1357	1348	1336	12	–	99.109 %
शास्त्री-V सेमेस्टर	835	482	1317	1306	1298	7	1	99.387 %
शास्त्री-VI सेमेस्टर	840	482	1322	1316	1252	11	53	95.136 %
शास्त्री प्रति. I सेमेस्टर	86	89	175	174	174	–	–	100 %
शास्त्री प्रति. II सेमेस्टर	87	83	170	169	168	1	–	99.408 %
शास्त्री प्रति. III सेमेस्टर	75	114	189	188	188	–	–	100 %
शास्त्री प्रति. IV सेमेस्टर	73	110	183	183	183	–	–	100 %
शास्त्री प्रति. V सेमेस्टर	60	129	189	189	188	1	–	99.470 %
शास्त्री प्रति. VI सेमेस्टर	60	131	191	190	180	1	9	94.736 %
शिक्षा शास्त्री-I	358	401	759	758	749	2	–	98.812 %
शिक्षा शास्त्री-II	353	407	760	760	759	1	–	99.868 %
आचार्य-I	–	–	–	under process		–	–	–
आचार्य-II	–	–	–	under process		–	–	–
आचार्य-I सेमेस्टर	789	659	1448	1419	1410	4	5	99.365 %
आचार्य-II सेमेस्टर	730	616	1346	1329	1314	14	1	98.871 %
आचार्य-III सेमेस्टर	536	630	1166	1158	1155	3	–	99.740 %
आचार्य-IV सेमेस्टर	538	629	1167	1164	1128	3	33	96.907 %
शिक्षा आचार्य- I सेमेस्टर	12	7	19	19	19	–	–	100 %
शिक्षा आचार्य-II सेमेस्टर	12	7	19	19	19	–	–	100 %
शिक्षा आचार्य- III सेमेस्टर	16	12	28	28	27	–	1	96.428 %
शिक्षा आचार्य-IV सेमेस्टर	15	12	27	27	27	–	–	100 %
योग	**12522**	**8941**	**21463**	**18806**	**18543**	**140**	**116**	**98.853 %**

परिसरों के छात्रों ने 2020-21 की वार्षिक परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन किया। निम्नांकित ग्राफ परिणाम की प्रतिशतता को प्रति कक्षानुसार/सेमेस्टरनुसार दर्शाता है–

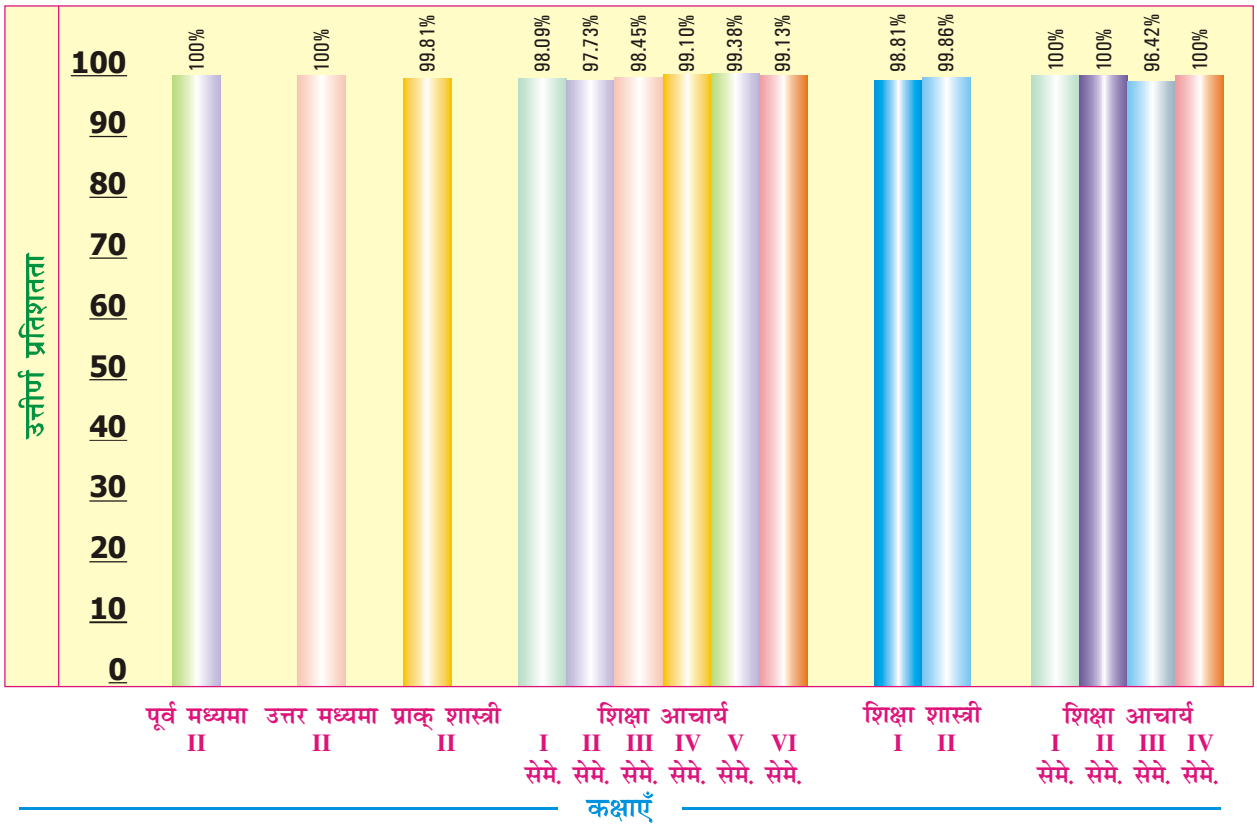

परिसरों में प्रशिक्षित नियमित शिक्षण संकाय है। नियमित संकाय सदस्यों का विवरण **संलग्नक-घ** में दिया गया है इस वर्ष के दौरान दिनांक 01.04.2020 से 31.03.2021 तक कुल 118 छात्रों को विद्यावारिधि की उपाधि प्रदान की गई। इन शोध-छात्रों का विवरण **संलग्नक-'ङ'** में दिया गया है।

विश्वविद्यालय के संबद्ध विद्यालय महाविद्यालय एवं परीक्षाओं को मान्यता देने वाले सरकारों एव विश्वविद्यालयों विवरण **(संलग्नक च छ ज)** है। इस वर्ष के दौरान वार्षिक परीक्षा 2020-2021 में पाठ्यक्रमानुसार सर्वोच्च स्थान पाने वालें छात्रों का विवरण निम्नलिखित है।

क्र.सं.	अनुक्रमांक	छात्र का नाम	विषय	परिसर/संस्थान
1.	200707	प्रिया शर्मा	पूर्वमध्यमा	नवजागृति संस्कृत विद्यापीठ, गंगापुर सिटी, स्वामी माधोपुर, राजस्थान
2.	201173	सुमित तिवारी	उत्तरमध्यमा	श्री हनुमान संस्कृत महाविद्यालय, रघुबीर नागर, नई दिल्ली
3.	202396	इन्दुजा एम्.	प्राक् शास्त्री	भारतीय संस्कृत महाविद्यालय, पिलथारा, कन्नूर, केरल
4.	179083	गीतांजलि माल्वे	शास्त्री	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी
5.	179978	देवश्री गोयल	शास्त्री प्रतिष्ठा	कालियाचक बिक्रम किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, पश्चिम बंगाल

6.	30345	श्यामदेव	नव्यन्यायाचार्य	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, उत्तराखण्ड
7.	31611	तनुश्री मैती	साहित्याचार्य	कालियाचक बिक्रम किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, पश्चिम बंगाल
8.	31389	अभिनव आनन्द पाण्डेय	सिद्धान्तज्यौतिषार्य	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर, लखनऊ
9.	31034	चिन्मया पारिदा	फलितज्यौतिषार्य	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री सदाशिव परिसर, पुरी
10.	31212	रोजालिन महाराणा	सर्वदर्शनाचार्य	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री सदाशिव परिसर, पुरी
11.	30301	विकास सरकार	धर्मशास्त्राचार्य	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला
12.	31204	सत्या शतपथी	पुराणेतिहासाचार्य	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री सदाशिव परिसर, पुरी
13.	31399	विनय कुमार मिश्रा	वेदाचार्य	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर, लखनऊ
14.	31482	शिवम मिश्रा	पुराणेतिहासाचार्य	रानी पद्मावती तारा योग तन्त्र आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, वाराणसी
15.	30651	गुरमीत शर्मा	काश्मीर शैवदर्शन	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री रणवीर परिसर, जम्मू
16.	30989	स्वप्लिन जैन	जैन दर्शनाचार्य	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल
17.	31384	संजय कुमार	बुद्ध दर्शनाचचार्य	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, राजीव गांधी परिसर शृंगेरी
18.	31214	अर्पिता इति शोभाग्यवती साहू	सांश्ययोगाचार्य	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री सदाशिव परिसर, पुरी
19.	30890	शर्मा कामत के.	नव्यव्याकरणाचार्य	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, राजीव गांधी परिसर शृंगेरी
20.	30891	दत्तात्रेय श्रीकान्त हेगड़े	मीमांसाचार्य	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, राजीव गांधी परिसर शृंगेरी
21.	30883	तीर्थांकर दे	अद्वैतवेदान्ताचार्य	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, राजीव गांधी परिसर शृंगेरी
22.	20092	हीराकान्ती मांझी शोभाग्यवती साहू	शिक्षा शास्त्री	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री सदाशिव परिसर, पुरी
23.	1116	बिन्दुलता साहू	शिक्षा आचार्य	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री सदाशिव परिसर, पुरी

4.1.6 पुस्तकालय

बारह परिसरों के समृद्ध पुस्तकालयों के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के मुख्यालय में भी शैक्षणिक कार्यकलापों और आगन्तुक विद्वानों की सुविधा हेतु 27,696 से भी अधिक संस्कृत ग्रन्थों से युक्त पुस्तकालय स्थापित है। विश्वविद्यालय के अधीन सभी पुस्तकालयों की नेटवर्किंग आरम्भ की गई है। अब तक 20,000 के लगभग प्रविष्टियाँ वर्तमान वर्ष में की जा चुकी हैं।

विश्वविद्यालय के पुस्तकालय हेतु इस वर्ष प्राप्त ग्रन्थों पर हुए व्यय का विवरण निम्नलिखित है–

1. कुल पुस्तकें –	27696
2. पुस्तकों का मूल्य–	रु. 56,66,172/–

4.1.7 विक्रय इकाई

विश्वविद्यालय के मुख्यालय में विद्यमान विक्रय इकाई केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रकाशनों को सर्वजन साधारण तक पहुँचाने के लिए निर्गमद्वार के रूप में कार्य करती है। यह इकाई अधोलिखित क्रियाकलापों को सञ्चालित करती है–

- विश्वविद्यालय के प्रकाशनों के विक्रयण हेतु मुख्यालय के विक्रय-केन्द्र का सञ्चालन
- विभिन्न परिसरों के मान्यता प्राप्त विक्रय-केन्द्रों को विक्रय हेतु पुस्तकों/प्रकाशनों को वितरित करना।
- सम्पूर्ण देश में विविध संगठनों द्वारा आयोजित पुस्तक मेलों के दौरान संस्कृत ग्रन्थों के प्रचार एवं विक्रय को बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करना।

मुख्यालय में विक्रय इकाई द्वारा प्रकाशनों के विक्रय से प्राप्त राशि का विवरण अधोलिखित हैं –

1. विश्वविद्यालय द्वारा पुनर्मुद्रित पुस्तकें	रुपये	3,26,301/–
2. विश्वविद्यालय के प्रकाशन	रुपये	261,31,668/–
3. ज्ञान दर्शन डी.वी.डी./सान्द्रमुद्रिकाएँ	रुपये	–
कुल योग	**रुपये**	**29,57,969.00**

4.1.8 योजना अनुभाग

यह अनुभाग संस्कृत भाषा और साहित्य के संवर्धन तथा प्रचार हेतु शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा अन्तरित निम्नलिखित योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु उत्तरदायी है:–

योजना

योजना-I
संस्कृत शिक्षण हेतु वित्तीय सहायता
(क) पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/विद्यालयों/महाविद्यालयों के संस्कृत शिक्षकों के वेतन हेतु
(ख) पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/विद्यालयों/महाविद्यालयों के आधुनिक विषयों के शिक्षकों के वेतन हेतु
(ग) राज्य सरकार के माध्यमिक/उच्चमाध्यमिक विद्यालयों के संस्कृत शिक्षकों के वेतन हेतु

योजना-II
असहाय परिस्थितियों में विद्यमान प्रसिद्ध संस्कृत पण्डितों को सम्मान राशि

योजना-III
संस्कृत के प्रोन्नयन सम्बन्धी विभिन्न कार्यक्रमों/गतिविधियों और शोध परियोजनाओं पर स्वैच्छिक संगठनों/संस्थाओं को वित्तीय सहायता।

योजना-IV
प्रकाशन, दुर्लभ संस्कृत ग्रन्थों का पुनर्मुद्रण तथा संस्कृत ग्रन्थों का थोक क्रय

योजना-V
साहित्यिक संस्कृत विद्वानों (शास्त्रचूड़ामणि) को सेवानिवृत्ति के पश्चात् सेवाओं के उपभोग हेतु वित्तीय सहायता।

योजना-VI **(व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना)**
पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं, संस्थाओं, पंजीकृत शैक्षिक संगठनों के छात्रों को "प्रायोगिक प्रशिक्षण", व्यावसायिक प्रशिक्षण हेतु वित्तीय सहायता

योजना-VII
संस्कृत शिक्षण के स्तरवर्धन के लिए विश्वविद्यालयों/मानित विश्वविद्यालयों/सी.बी.एस.ई./एन.सी.ई.आर.टी./एस.सी.ई.आर.टी को वित्तीय सहायता।

योजना-VIII
संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों/माध्यमिक/उच्च माध्यमिक विद्यालयों/विद्यालयों के छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करना।

योजना-IX
अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

I. संस्कृत शिक्षण के लिए वित्तीय सहायता

(क) पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/विद्यालयों/ महाविद्यालयों में संस्कृत अध्यापकों को वित्तीय सहायता

इस योजना के अन्तर्गत चयनित संगठनों को उनके संस्कृत अध्यापकों को वेतन, छात्रों को छात्रवृत्ति, पुस्तकालय अनुदान के रूप में वित्तीय सहायता की स्वीकृति दी जाती है।

इस योजना के अन्तर्गत वर्ष 2020-21 में विश्वविद्यालय द्वारा रुपये 687.98 लाख की राशि व्यय की गई। इस वित्तीय वर्ष के दौरान 420 संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई। योजनानुसार प्रत्येक संस्था में वित्तीय सहायता को संस्कृत विषयों में चार शिक्षकों तक सीमित किया गया है। **(राज्य वार विवरण संलग्नक - झ)**

(ख) पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में आधुनिक विषयों के अध्यापकों को वित्तीय सहायता

संस्कृत संवर्धन की इस योजना के अन्तर्गत केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में शिक्षकों हेतु आधुनिक विषयों के लिए प्रतिमाह रु. 8000/- प्रति विषय की दर से वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। योजनानुसार प्रत्येक संस्था में वित्तीय सहायता को आधुनिक विषयों में तीन शिक्षकों तक सीमित किया गया है। विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2020-21 में इस योजना के अन्तर्गत रु. 182.52 लाख व्यय किए गए। 148 संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

(ग) राज्य सरकार से सम्बन्धित माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में संस्कृत के अध्यापकों को वित्तीय सहायता

संस्कृत संवर्धन योजना के अन्तर्गत केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा सरकारी या सरकारी सहायता प्राप्त माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में या ऐसे विद्यालयों विभिन्न राज्यों में सरकारी विद्यालयों के संस्कृत शिक्षकों को वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। यह सहायता एक संस्कृत शिक्षक के वेतन हेतु प्रदान की जाती है। वर्ष 2020-21 में कुल 13 सरकारी विद्यालय लाभग्राही थे और इस योजना के अधीन रु. 11.52 लाख की राशि का उपयोग किया गया।

(घ) अभावग्रस्त परिस्थितियों में रहने वाले संस्कृत पण्डितों को सम्मान राशि

इस योजना के अन्तर्गत, 65 वर्ष की आयु-सीमा से अधिक आयु वाले प्रसिद्ध उन योग्य विद्वानों को सम्मानराशि दी जाती है, जिन्होंने संस्कृत के लिये अपना जीवन समर्पित कर दिया है, लेकिन कोई स्थायी आय-स्रोत नहीं है ऐसे सुझाव राज्य सरकारों से सीधे प्राप्त होते हैं अथवा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के माध्यम से पहुँचते हैं। प्रत्येक चयनित विद्वान् को रुपये 36000/- प्रतिवर्ष, अन्य आय की कटौती बिना दिये जाते हैं। इस उद्देश्य हेतु केवल उन्हीं पण्डितों पर विचार किया जाता है जिसकी आय रुपये 1,00,000/- प्रतिवर्ष से कम है।

II. संस्कृत के स्तर उन्नयन के विभिन्न कार्यक्रमों/ गतिविधियों और शोध परियोजनाओं पर स्वैच्छिक संगठनों, संस्कृत विश्वविद्यालयों/संस्थाओं को वित्तीय सहायता

एवं

III. संस्कृत शिक्षण के मानकों को समुन्नित करने हेतु विश्वविद्यालयों/ मानित विश्वविद्यालयों/ सी.बी.एस.ई./ एन.सी.ई.आर.टी./एस.सी.ई.आर.टी. इत्यादि को वित्तीय सहायता।

गैर सरकारी संगठन/मानित संस्कृत विश्वविद्यालयों/ विश्व-विद्यालयों/संस्थाओं द्वारा संस्कृत के विकास एवं प्रचार हेतु आरम्भ की गई विविध परियोजनाओं व कार्यक्रमों से सम्बन्धित शत-प्रतिशत व्यय का वहन केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा किया जाता है। वर्ष 2020-21 में विश्वविद्यालय ने विभिन्न परियोजनाओं हेतु रु. 2.70 लाख व्यय किए।

IV. प्रकाशन, दुर्लभ संस्कृत ग्रन्थों का पुनर्मुद्रण तथा संस्कृत ग्रन्थों का थोक क्रय

वर्ष 2020-2021 में विश्वविद्यालय की अनुदान समिति की बैठक दिनांक 10.03.2021 को हुई जिसमें विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत कई महत्त्वपूर्ण प्रस्तावों का अनुमादन किया गया।

संस्कृत वाङ्मय सृजन योजना के अन्तर्गत विश्वविद्यालय की वित्तीय सहायता से विभिन्न विद्वानों ने 8 ग्रन्थों का सम्पादन एवं प्रकाशन किया तथा 13 अन्य ग्रन्थों के प्रस्तावों को प्रकाशन अनुदान हेतु स्वीकृति प्रदान कीगई जिसका

विवरण **संलग्नक 'ञ'** एवं **'ट'** में द्रष्टय है। इसके अतिरिक्त 12 संस्कृत पत्रिकाओं को भी वार्षिक प्रकाशन अनुदान प्रदान किया गया।

इस वर्ष का ग्रन्थ क्रय योजना से संबंधित विवरण निम्नलिखित है–

आवेदकों की संख्या – 124

प्रस्तुत किए गए शीर्षकों की संख्या – 437

कुल क्रय किए गए शीर्षकों की संख्या – 204

V. सेवानिवृत्त/ख्याति प्राप्त साहित्यिक संस्कृत विद्वानों (शास्त्र चूड़ामणि) की सेवाओं की उपयोगिता के लिए वित्तीय सहायता

इस योजना के अन्तर्गत आदर्श पाठशालाओं और राज्य सरकारों द्वारा चलाए जा रहे संस्कृत महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों एवं स्वैच्छिक संगठनों में सेवानिवृत्त प्रख्यात संस्कृत विद्वानों की सेवाओं का उपयोग किया जाता है।

इस योजना को आरम्भ करने का उद्देश्य यह है कि परम्परागत पद्धति से संस्कृत शिक्षा प्रदान करने वाले केन्द्रों में विभिन्न शास्त्रीय विषयों के गहन अध्ययन को संरक्षित किया जा सके। योजना के अनुसार परम्परागत–संस्कृत विद्वानों को रुपये 10,000/– प्रति माह दो वर्ष की अवधि हेतु दिए जाते हैं। अनुदान समिति की संस्तुति पर एक वर्ष हेतु इनकी नियुक्ति का कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है।

वर्तमान में नियुक्त विद्वानों के अतिरिक्त 18 अन्य शास्त्रचूडामणि विद्वानों का चयन वर्ष 2020–21 में किया गया। इस योजना के अन्तर्गत रु. 45.60 लाख व्यय किये गये।

VI. पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/संस्थाओं के छात्रों हेतु व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजन के लिए पंजीकृत शैक्षिक संगठनों को वित्तीय सहायता

इस योजना के अन्तर्गत चयनित संस्थाओं को उनके ज्योतिष, कर्मकाण्ड, पुरालिपि–शास्त्र, सूची–निर्माण, पाण्डुलिपि विज्ञान, संस्कृत आशुलिपि और टंकण आदि विद्या विशेषों में कार्यशालाओं के आयोजन तथा प्रायोगिक प्रशिक्षण के संचालन हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना के अन्तर्गत वर्ष 2020–21 में रु. 1.26 लाख व्यय किए गए।

4.1.9 छात्रवृत्ति अनुभाग

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय तीन प्रकार की छात्रवृत्तियाँ आवंटित करता है –

1. आंतरिक छात्रवृत्ति, जो कि विश्वविद्यालय के अपने परिसरों में पारम्परिक रूप से संस्कृत का अध्ययन करने वाले नियमित छात्रों को प्रदान की जाती है।

2. अखिल भारतीय स्तर पर आधुनिक और पारंपरिक धाराओं के संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों/उच्च/उच्च–माध्यमिक विद्यालयों/कॉलजों में अध्ययनरत छात्रों के लिए छात्रवृत्ति हेतु वित्तीय सहायता।

पूर्वोक्त 1, 2 प्रकार की छात्रवृत्तियों में प्रकार '1' की छात्रवृत्ति (परिसरीय छात्रों को दी जाने वाली आन्तरिक छात्रवृत्ति) अर्हों को विश्वविद्यालय के परिसरों के द्वारा साक्षात् दी जाती है। द्वितीय प्रकार की छात्रवृत्तियाँ भारत सरकार के 'संस्कृत शिक्षा का विकास' योजना के अन्तर्गत प्रदान की जाती है। योजना के अन्तर्गत छात्रवृत्तियों का आवंटन विश्वविद्यालय मुख्यालय के छात्रवृत्ति विभाग द्वारा क्रियान्वित होता है।

आन्तरिक (प्रकार–1) छात्रवृत्तियाँ

प्राक्शास्त्री, शास्त्री, शिक्षा–शास्त्री तथा आचार्य पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों हेतु परिवर्धित छात्रवृत्ति की दर क्रम से 600/– रुपये, 800/– रुपये, 800/– रुपये तथा 1000/– रुपये प्रतिमास है। विद्यावारिधि उपाधि के प्राप्ति हेतु प्रयत्नशील शोध में जुटे शोध–छात्रों को 8000/– रुपये की छात्रवृत्ति प्रतिमाह दी जाती है, साथ ही दो वर्षों के लिए 8000/– रुपये वार्षिक सांयोगिक धनराशि भी दी जाती है। यह सांयोगिक धनराशि की दर दिनांक 18.02.2016 से लागू है।

निम्नलिखित तालिका वर्ष 2020-21 में विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों को दी गई छात्रवृत्तियों का विवरण दर्शाती है :-

		कक्षा											
		प्राक् शास्त्री		शास्त्री			शिक्षा शास्त्री		आचार्य		शिक्षा आचार्य		विद्या-वारिधि
क्र..	परिसर	I	II	I	II	III	I	II	I	II	I	II	
1.	श्री गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	46
2.	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	36	36	36	36	36	66	66	162	163	-	17	21
3.	श्री रणवीर परिसर, जम्मू	36	32	36	36	36	66	67	36	36	-	-	13
4.	गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर	03	06	13	11	08	02	-	02	05	-	-	-
5.	जयपुर परिसर, जयपुर	36	36	72	72	72	66	66	37	37	03	04	-
6.	लखनऊ परिसर, लखनऊ	13	12	25	28	30	30	29	28	18	-	-	08
7.	श्री राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी	19	36	36	36	36	33	33	39	37	-	-	0 4
8.	वेदव्यास परिसर, बलाहर	36	36	69	72	60	33	32	17	45	-	-	-
9.	भोपाल परिसर, भोपाल	12	26	36	36	36	60	60	35	36	16	06	14
10.	के.जे. सौमैया परिसर, मुम्बई	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-		-
11.	मुख्यालय, नई दिल्ली	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-		01
12.	एकलव्य परिसर, त्रिपुरा	20	03	23	17	07	33	33	58	28	-	-	-
13.	श्रीरघुनाथकीर्तिपरिसर, देवप्रयाग	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	07
	योग	**211**	**223**	**346**	**344**	**321**	**389**	**386**	**414**	**405**	**19**	**27**	**117**
										कुल योग -			**3202**

छात्रवृत्ति प्रदान किये गए छात्रों, छात्राओं तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ावर्ग के छात्रों की कक्षावार संख्या निम्नलिखित है–

कक्षा	अनु. जाति	अनु. जनजाति	पिछड़ा वर्ग	ई.डब्ल्यू.एस.	सामान्य	अन्य	पुरुष	स्त्री	योग
प्राक् शास्त्री-I	13	19	48	01	130	00	138	75	**211**
प्राक् शास्त्री-II	22	07	42	02	150	00	135	88	**223**
शास्त्री-I	48	21	82	00	195	00	198	148	**346**
शास्त्री-II	46	16	90	00	192	00	201	143	**344**
शास्त्री-III	41	15	71	02	191	01	200	121	**321**
आचार्य-I	34	14	105	04	255	02	194	220	**414**
आचार्य-II	36	26	96	01	225	01	178	227	**405**
शिक्षा शास्त्री-I	39	18	127	13	188	04	182	202	**389**
शिक्षा शास्त्री-II	37	14	111	08	210	06	195	191	**386**
शिक्षा आचार्य-I	00	00	05	00	14	00	12	07	**19**
शिक्षा आचार्य-II	01	00	05	00	21	00	15	12	**27**
विद्यावारिधि	07	01	19	00	90	00	74	43	**117**
कुल योग	**324**	**151**	**801**	**31**	**1881**	**14**	**1722**	**1480**	**3202**

2. आधुनिक और पारंपरिक धाराओं में अखिल भारतीय स्तर पर संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों/ उच्च/उच्च माध्यमिक विद्यालयों/कॉलेजों के छात्रों को छात्रवृत्ति के पुरस्कार के लिए वित्तीय सहायता।

परिचय: -

संस्कृत/पाली/प्राकृत में छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए, संस्कृत/पाली/प्राकृत शिक्षा की योजना के तहत केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा एक योग्यता छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है, जो संस्कृत/पाली/प्राकृत को मुख्य या वैकल्पिक विषय के रूप में नियमित रूप से पढ़ाती है। किसी भी मान्यता प्राप्त संस्कृत पाठशाला/संस्कृत महाविद्यालय/पारंपरिक धारा में संस्कृत विश्वविद्यालय में/पूर्व-मध्यमा (प्रथम वर्ष)/9 वीं कक्षा, पूर्व-मध्यमा (द्वितीय वर्ष)/10 वीं कक्षा, उत्तर-मध्यमा में आधुनिक धारा, प्राक्शास्त्री (प्रथम वर्ष) /11 वीं कक्षा, उत्तर-मध्यमा/ प्राक्शास्त्रि (2 वर्ष)/12 वीं कक्षा, शास्त्री/बी. ए. (प्रथम/द्वितीय/तृतीय वर्ष), आचार्य/एम.ए. (प्रथम/द्वितीय वर्ष), विद्यावरिधि/पीएच.डी. या समकक्ष हो। छात्रवृत्ति की दर अधोनिर्दिष्ट प्रकार से है:-

योजना के अन्तर्गत छात्रवृत्तियाँ (प्रकार 2)

पाठ्यक्रम/स्तर	**राशि**
* 9वीं एवं 10वी तथा समकक्ष	रु.500/-प्रतिमाह (10 माह)
* 11वीं एवं 12वी तथा समकक्ष	रु. 600/- प्रतिमाह (10 माह)
* बी.ए./बी.ए. (आनर्स) तथा समकक्ष	रु. 800/- प्रतिमाह (10 माह)
* एम.ए. (संस्कृत)/पालि/प्राकृत तथा समकक्ष	रु. 1000/- प्रतिमाह (10 माह)
पी-एच.डी. तथा संस्कृत/पालि/प्राकृत समकक्ष	रु. 2500/- प्रतिमाह रु. 5000/-प्रतिवर्ष सांयोगिक अनुदान। (24 माह)

योजना के अन्तर्गत प्रतिवर्ष प्रदान की जाने वाली छात्रवृत्तियों की संख्या का निश्चय भारत सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई धनराशि के आधार पर अधिकाधिक प्रतिशतता वाले छात्रों की वरीयता क्रम से कट-ऑफ लिस्ट के अनुसार किया जाता है। इस संदर्भ में भारत सरकार की आरक्षण नीति का भी पालन किया जाता है।

वर्ष-2019-20 के लिए छात्रवृत्ति हेतु 36944 आवेदन पत्र इस योजना के अन्तर्गत विश्वविद्यालय को प्राप्त हुए है जिनमें से 12299 आवेदनों को निर्धारित मानदण्ड के अनुसार आधुनिक तथा परम्परागत धारा के संस्थाओं/ महाविद्यालय/ विद्यालयों में नवमी कक्षा से पी-एच.डी. तक के छात्रों को छात्रवृत्ति के लिए चुना गया। धन की उपलब्धता के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2019-20 की प्रस्तावित छात्रवृत्ति का कक्षावार विवरण निम्न प्रकार से है :

(क) परम्परागत धारा

कुल छात्र संख्या								
कक्षा	**सामान्य**	**अनु. जाति**	**अनु.जन. जाति**	**दिव्यांग श्रेणी**	**पिछड़ा वर्ग**	**आर्थिक कमजोर वर्ग**	**छात्र संख्या छात्रवृत्ति दर**	**कुल राशि**
पूर्व मध्यमा-प्रथम/9वीं	327	63	17	00	151	03	561x5000	28,05,000
पूर्व मध्यमा-द्वितीय 10वीं	277	94	28	00	150	06	555x5000	27,75,000
उत्तरमध्यमा प्रथम/प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष/11वीं	232	83	26	00	129	07	477x6000	28,62,000
उत्तरमध्यमा द्वितीय/प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष/12वीं	263	34	28	02	121	03	451x6000	27,06,000
शास्त्री/बी.ए. प्रथम वर्ष	213	61	11	03	110	12	410x8000	32,80,000
शास्त्री/बी.ए. द्वितीय वर्ष	247	74	21	01	133	19	495x8000	39,60,000
शास्त्री/बी.ए. तृतीय वर्ष	207	64	19	00	115	22	427x8000	34,16,000
आचार्य/एम.ए. प्रथम वर्ष	183	60	07	01	107	40	398x10000	39,80,000
आचार्य/एम.ए. द्वितीय वर्ष	175	59	14	01	107	39	395x10000	39,50,000
विद्यावारिधि	74	23	03	00	42	16	158x35000	55,30,000
कुल	**2198**	**615**	**174**	**08**	**1165**	**167**	**4327**	**3,52,64,000**

(ख) परम्परागत धारा (पूर्वोत्तर)

कुल छात्र संख्या								
कक्षा	सामान्य	अनु. जाति	अनु.जन. जाति	दिव्यांग श्रेणी	पिछड़ा	आर्थिक कमजोर वर्ग	छात्र संख्या छात्रवृत्ति दर	कुल राशि
पूर्व मध्यमा–प्रथम/9वीं	01	00	00	00	00	00	01x5000	5000
पूर्व मध्यमा–द्वितीय 10वीं	02	00	00	00	00	00	02x5000	10000
उत्तरमध्यमा प्रथम/प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष/11वीं	08	00	00	00	00	00	08x6000	48000
उत्तरमध्यमा द्वितीय/प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष/12वीं	01	00	00	00	00	00	01x6000	6000
शास्त्री/बी.ए. प्रथम वर्ष	12	00	00	00	04	00	16x8000	128000
शास्त्री/बी.ए. द्वितीय वर्ष	08	00	01	00	05	00	14x8000	112000
शास्त्री/बी.ए. तृतीय वर्ष	08	02	00	00	02	00	12x8000	96000
आचार्य/एम.ए. प्रथम वर्ष	06	01	00	00	00	00	07x10000	70000
आचार्य/एम.ए. द्वितीय वर्ष	10	00	01	00	03	00	14x10000	140000
विद्यावारिधि	04	00	00	00	00	00	04x35000	140000
कुल	**60**	**03**	**02**	**00**	**14**	**00**	**79**	**7,55,000**

(ग) आधुनिक धारा

कुल छात्र संख्या								
कक्षा	सामान्य	अनु. जाति	अनु.जन. जाति	दिव्यांग श्रेणी	पिछड़ा वर्ग	आर्थिक कमजोर वर्ग	छात्र संख्या छात्रवृत्ति दर	कुल राशि
9वीं	418	132	66	03	238	41	898x5000	44,90,000
10वीं	447	146	73	04	263	45	978x5000	48,90,000
11वीं	297	119	60	01	215	80	772x6000	46,32,000
12वीं	335	141	70	07	253	94	920x6000	55,20,000
बी.ए.–प्रथम वर्ष	238	89	42	03	160	42	574x8000	45,92,000
बी.ए.–द्वितीय वर्ष	243	74	31	01	133	12	494x8000	39,52,000
बी.ए.–तृतीय वर्ष	166	51	33	00	92	00	342x8000	27,36,000
एम.ए.–प्रथम वर्ष	198	89	44	10	160	59	560x10000	56,00,000
एम.ए.–द्वितीय वर्ष	192	73	36	03	131	48	483x10000	48,30,000
पी.एच.डी.	66	15	05	22	29	10	127x35000	44,45,000
कुल	**2620**	**929**	**460**	**2274**	**1774**	**431**	**6148**	**4,56,87,000**

(घ) आधुनिक धारा (पूर्वोत्तर)

कुल छात्र संख्या								
कक्षा	सामान्य	अनु. जाति	अनु.जन. जाति	दिव्यांग श्रेणी	पिछड़ा वर्ग	आर्थिक कमजोर वर्ग	छात्र संख्या छात्रवृत्ति दर	कुल राशि
9वीं	23	02	00	00	08	01	34x5000	1,70,000
10वीं	37	07	02	00	24	00	70x5000	3,50,000
11वीं	165	04	00	00	14	01	184x6000	11,04,000
12वीं	09	01	00	00	00	00	10x6000	60,000
बी.ए.-प्रथम	20	00	00	00	07	00	27x8000	2,16,000
बी.ए.-द्वितीय	17	00	00	00	07	00	24x8000	1,92,000
बी.ए.-तृतीय	02	00	00	00	01	00	03x8000	24,000
एम.ए.-प्रथम	26	05	03	00	27	01	62x10000	6,20,000
एम.ए.-द्वितीय	22	05	03	00	21	01	52x10000	5,20,000
पी.एच.डी.	04	00	00	00	00	02	06x35000	2,10,000
कुल	**325**	**24**	**03**	**00**	**109**	**06**	**330**	**34,66,000**

(च) आधुनिक धारा (संस्कृत प्रतिष्ठा)

कुल छात्र संख्या								
कक्षा	सामान्य	अनु. जाति	अनु.जन. जाति	दिव्यांग श्रेणी	पिछड़ा वर्ग	आर्थिक कमजोर वर्ग	छात्र संख्या छात्रवृत्ति दर	कुल राशि
बी.ए. प्रथम वर्ष	18	02	00	00	03	00	23x8000	1,84,000
बी.ए. द्वितीय वर्ष	17	04	00	00	03	00	24x8000	1,92,000
बी.ए. तृतीय वर्ष	29	06	04	00	27	00	66x8000	5,28,000
कुल	**64**	**12**	**04**	**00**	**33**	**00**	**113**	**9,04,000**

कुल योग - (क), (ख), (ग), (घ) एवं (च)

कुल छात्र संख्या								
कक्षा	**सामान्य**	**अनु. जाति**	**अनु.जन. जाति**	**दिव्यांग श्रेणी**	**पिछड़ा वर्ग**	**आर्थिक कमजोर वर्ग**	**कुल छात्र**	**कुल राशि**
परम्परागत	2198	615	174	08	1165	167	4327	3,52,64,000
परम्परागत (पूर्वोत्तर)	60	03	02	00	14	00	79	7,55,000
आधुनिक	2620	929	460	34	1674	431	6148	4,56,87,000
आधुनिक (पूर्वोत्तर)	325	24	08	00	109	06	472	34,66,000
आधुनिक (प्रतिष्ठा)	467	174	87	05	313	114	1160	92,80,000
आधुनिक (प्रतिष्ठा) (पूर्वोत्तर)	64	12	04	00	33	00	113	9,04,000
कुल योग	**5734**	**1757**	**735**	**47**	**3308**	**718**	**12299**	**9,53,56,000**

4.1.10 अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं एवं गुरुकुलों में अध्ययनरत प्रतिभान्वित छात्रों के उत्साहवर्धन के लिए केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा प्रतिवर्ष अखिल भारतीय संस्कृत शास्त्रीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। राष्ट्रिय स्तर पर भागग्रहण के लिए अर्ह स्पर्धियों के चयन हेतु राज्य स्तर पर भी शास्त्रीय प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं।

कोविड-19 की महामारी के कारण इस वर्ष प्रतिस्पर्धाएँ आयोजित नहीं की जा सकीं।

4.1.11 आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/शोध संस्थान

योजना का नाम-आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों के रूप में मान्यता-प्राप्त संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु योजना

परिचय

आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों के रूप में मान्यता-प्राप्त संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु योजना वर्ष 1978 में भारत सरकार द्वारा पारम्परिक संस्कृत शिक्षण संस्थानों को सहायता प्रदान करने के लिए शुरु की गयी थी। इस योजना को समय-समय पर परिवर्तित/समीक्षित किया गया। इस योजना को प्रथम बार 1983 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र क्रमांक F. 80-7/88-Skt-I दिनांक 06 अक्टूबर 1983 के माध्यम से संशोधित किया गया। पुनः इस योजना को 1993 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र क्रमांक F. 30-19/88-Skt-I दिनांक 06 जुलाई 1993 के माध्यम से संशोधित किया गया। बाद में इस योजना के क्रियान्वयन हेतु मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के पत्र क्रमांक F. 8-3/94-Skt-I दिनांक 16.06.1995 के माध्यम से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय को स्थानान्तरित किया गया। मानव ससाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र क्रमांक F.N. 31-4/2009 Skt-I दिनांक 29 जून, 2012 के माध्यम से इस योजना को पुनः संशोधित किया गया।

इस योजना के अन्तर्गत देश के विभिन्न भागों में 26 संस्थाएँ भारत सरकार की वित्तीय सहायता से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा संचालित हो रही हैं एवं इस योजना हेतु वित्त का बड़ा भाग केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा दिया जाता है। इसके अन्तर्गत 22 आदर्श संस्कृत महाविद्यालय एवं 04 आदर्श शोध संस्थान सम्मिलित हैं। ऐसी अनुदानग्राही संस्थाएँ स्वीकृत आवर्ती मद का 95 प्रतिशत एवं स्वीकृत अनावर्ती मद का 75 प्रतिशत (अधिकतम रुपये पाँच लाख) प्राप्त करती हैं।

उद्देश्य

इस योजना का उद्देश्य पारम्परिक संस्कृत शिक्षा तथा शोध को सहायता देना एवं प्रोत्साहित करना है। इसी प्रयोजन से इस योजना के अन्तर्गत, संस्कृत महाविद्यालयों को शास्त्री एवं आचार्य स्तर पर पाठ्यक्रमों का संचालन करने हेतु और शोध संस्थानों को पी.एच.डी. एवं पी.एच.डी. से उच्च स्तरों पर शोध का आयोजन तथा संचालन और शोध आधारित प्रकाशन व शोध पत्रिका हेतु सहायता प्रदान की जाती है।

आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/आदर्श शोध संस्थानों को वित्तीय वर्ष 2020-21 में निर्गत किये गये अनुदान का विवरण-

क्र.सं.	राज्य का नाम	कुल आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ शोध संस्थानों की राज्यवार संख्या	वित्तीय वर्ष 2019-20 में निर्गत राशि का विवरण
1.	तेलंगाना	01	95,39,822.00
2.	बिहार	05	8,30,00,073.00
3.	हरियाणा	02	3,19,21,563.00
4.	हिमाचल प्रदेश	02	3,65,55,677.00
5.	झारखण्ड	01	93,64,320.00
6.	कर्नाटक	01	1,17,65,819.00
7.	केरल	02	2,54,12,526.00
8.	महाराष्ट्र	02	1,02,59,663.00

9.	मणिपुर	01	48,86,740.00
10.	तमिलनाडु	02	2,77,69,882.00
11.	उत्तराखण्ड	01	1,04,56,359.00
12.	उत्तर प्रदेश	03	5,08,83,989.00
13.	पश्चिम बंगाल	02	4,65,42,650.00
14.	राजस्थान	01	87,97,906.00
कुल निर्गत अनुदान राशि		**26**	**36,71,56,989.00**

4.1.12 परियोजनाएँ

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ने वर्ष 2003 से कुछ परियोजनायें प्रारम्भ की हैं। निम्नलिखित उन सम्पन्न/प्रवर्तमान योजनाओं का विवरण दिया जा रहा है।

1. भाषा मन्दाकिनी (दूरदर्शन प्रसारण)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय सितम्बर, 2003 से संस्कृत कार्यक्रमों का प्रसारण इग्नू के ज्ञान दर्शन चैनल के द्वारा प्रतिदिन एवं सप्ताह में तीन दिन क्रमशः डी.डी. भारती और डी.डी. इण्डिया से कराता है। प्रारम्भ से अभी तक तीस मिनट के 730 कथानक इग्नू से प्रसारित हो चुके हैं। इसका अग्रिम कार्य अभी प्रगति पर है।

2. संस्कृत साहित्य का राष्ट्रिय ई-डाटा बैंक (ई-टैक्स्ट्)

परियोजना का उद्देश्य संस्कृत में ई-लर्निंग विकसित करना एवं ई-संस्कृत संग्रह को इलैक्ट्रानिक्स टैक्स्टों एवं इन्टरनेट के माध्यम से जन सामान्य को उपलब्ध कराना है। विश्वविद्यालय के विभिन्न परिसरों के शिक्षकों को उनकी विशेषज्ञता एवं अध्ययन के क्षेत्र के आधार पर ग्रंथ आबंटित किये गये हैं। ग्रंथों को टंकित करने एवं कम्प्यूटर पर फाईल तैयार करने के लिए डाटा एन्ट्री आपरेटरों की नियुक्ति की गयी है। 120 ग्रन्थ वेबसाईट पर डाल दिये गये हैं।

3. श्रव्य/दृश्य माध्यमों के द्वारा संस्कृत शिक्षण (मल्टी मीडिया परियोजना)

इस परियोजना में, डीवीडी एलबम तैयार किये जा चुके है। संस्कृत भाषा शिक्षण, वैदिक गणित, संक्षेप रामायणम्, नाट्यविंशतिका, कथादशकम्, प्रथमा दीक्षा वी.सी.डी. तदेव गगनं सैव धरा, कविभास्करी, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, शब्दकल्पद्रुम एवं भासनाटकचक्रम् विक्रय हेतु उपलब्ध हैं। इस परियोजना को विकसित करते हुए संस्कृत भाषा शिक्षण की 120 व्याख्यानों की वीडियो विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। जिसको निःशुल्क डाउनलोड कर अध्ययन कर सकते हैं।

4. एम.पी.-3 ऑडियो

प्रो. के.ई. देवनाथन, तिरुपति द्वारा रिकार्डिड 'तत्त्वचिन्तामणि' तथा श्री वेदमूर्ति प्रभाकरशास्त्री बापट एवं श्री पुण्डलिक कृष्ण भागवत के द्वारा तैयार की गई 'राणायणीयं सामगानम्' एम.पी-3 ऑडियो विक्रय हेतु उपलब्ध है।

5. ई-ग्रन्थालय

ई-ग्रन्थालय साफ्टवेयर के द्वारा विश्वविद्यालय एवं सभी परिसरों के पुस्तकालयों को नेटवर्किंग के माध्यम से निकट भविष्य में जोड़ा जा रहा है। प्रथम स्तर पर 3,05,567 प्रविष्टियां की जा चुकी हैं।

6. मानस साफ्टवेयर

मानस साफ्टवेयर के द्वारा इलाहाबाद परिसर में स्थित संस्कृत पाण्डुलिपियों का डाटा बैंक तैयार किया जा रहा है।

7. हू इज हू (Who is Who)

विश्वविद्यालय के द्वारा संस्कृत के विद्वानों का डाटा बैंक पुस्तक के रूप में और साफ्टवेयर के रूप में तैयार किया गया है। पुस्तक के रूप में 'संस्कृतविद्वत्परिचायिका' नाम से संस्कृत विद्वानों की एक पंजिका 15 वें विश्व संस्कृत सम्मेलन के अवसर पर जनवरी 2012 में प्रकाशित हो चुकी है और अन्तर्जाल में स्थापित भी की जा चुकी है।

8. संस्कृत शब्दकोश

अन्तर्भाषीय अध्ययन भाषाओं के प्रोत्साहन व संरक्षण के लिये एक उपयुक्त मार्ग उपलब्ध करा सकता है। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ने 'बोलियों व उप-बोलियों सहित संस्कृत एवं अन्य भारतीय भाषाओं का शब्दकोश' की एक परियोजना प्रारम्भ की है। यह परियोजना 2009 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन वित्तीय सहायता के साथ शुरू की गयी है। यह परियोजना विविध भारतीय बोलियों व उप-बोलियों में समान पारिभाषिक शब्दों के अध्ययन के माध्यम से पारम्परिक ज्ञान एवं भाषाई दक्षता के संरक्षण एवं सुरक्षा में योगदान देगी। निम्नलिखित शब्दकोशों का विवरण इस प्रकार है-

(i) भोपाल परिसर, भोपाल में 'बुन्देली-संस्कृत-शब्दकोश' एवं 'मालवी-संस्कृत-शब्दकोश' तैयार किये जा रहे हैं। **'बुन्देली-संस्कृत-शब्दकोश'** में बुन्देली के 14000 शब्दों के संकलन का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा स्वर, कवर्ग, च, छ, ज वर्णों से प्रारम्भ होने वाले बुन्देली शब्दों के बुन्देली से संस्कृत शब्दार्थ का कार्य पूर्ण हो चुका है। शेष शब्दों का संकलन कार्य पूर्ण हो चुका है। **'मालवी- संस्कृत-शब्दकोश'** में मालवी के 15000 शब्दों के संकलन एवं टंकण का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा स्वर, कवर्ग, चवर्ग के मालवी शब्दों का संस्कृत रूपान्तर का कार्य पूर्ण हो चुका है।

(ii) संस्कृत साहित्य परिषद्, कोलकाता में चल रहे **'पूर्व एवं पूर्वोत्तर राज्य की बोलियाँ एवं उपबोलियाँ'** परियोजना के अन्तर्गत उड़िया एवं बांग्ला भाषाओं के कुल 11,487 शब्दों का चयन किया गया है।

(iii) विश्वविद्यालय मुख्यालय में **'संस्कृत-फारसी-उर्दू-हिन्दी- शब्दकोश'** तैयार किया जा रहा है। इस योजना के अन्तर्गत स्वरों पर आधारित प्रथम भाग प्रकाशित हो चुका है तथा व्यञ्जनों में 'क' से 'ध' तक का कार्य किया जा चुका है। शेष पर कार्य जारी है।

9. सांख्ययोग/पातञ्जल योग दर्शन

इस परियोजना में पातञ्जल योगदर्शन के नवीन संस्करण को तैयार किया जा रहा है जिसमें समृद्ध अलंकारपूर्ण पारिभाषिक शब्दों एवं बारह पौराणिक टीकाओं का समावेश है। यह प्राच्य संस्कृत पाठ्यपुस्तकों के संरक्षण में सहायक होगी। इस योजना में प्रथम चरण का कार्य सम्पन्न हो चुका है, जिसमें प्रथम पाद के 51 सूत्रों पर 11 टीकाओं एवं उनमें उपलब्ध पारिभाषिक शब्दों को संयोजित किया गया है। परिशिष्टात्मक भाग में योग सूत्र के पाठभेद एवं उद्धृत श्लोकों को अकारादिक्रम से संयोजित कर प्रथम खण्ड को प्रकाशन हेतु शोध एवं प्रकाशन विभाग को दिया गया है। पातञ्जलयोगसूत्र की 7 एवं सांख्यप्रवचनभाष्य की 4 टीकाओं पर कार्य किया जा रहा है।

10. पाण्डुलिपियों के डिज़िटाईजेशन एवं एकत्रीकरण हेतु विशेष अभियान

विश्वविद्यालय के सभी परिसरों में स्वतंत्र पुस्तकालय हैं। इसके अतिरिक्त इलाहाबाद, पुरी, गुरुवायूर एवं लखनऊ परिसरों में पाण्डुलिपियों हेतु अलग से ग्रन्थालय का प्रावधान है। 2008-09 से गुरुवायूर परिसर द्वारा पाण्डुलिपियों को एकत्र करने हेतु विशेष अभियान चलाया गया है। विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध पाण्डुलिपियों के डिज़िटाईजेशन हेतु परिसरों के विभिन्न पुस्तकालयों में पहल की जा रही है। डिज़िटाईजेशन का कार्य राष्ट्रीय सूचना केन्द्र (एन.आई.सी.) के माध्यम से सम्पन्न होगा।

राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन, नई दिल्ली से प्राप्त जानकारी के अनुसार इलाहाबाद परिसर में 55369 पाण्डुलिपियों में से कुल 52187 पाण्डुलिपियों के डिज़िटाईजेशन का कार्य सम्पन्न हो चुका है।

11. विश्वविद्यालय के परिसरों में लघु एवं बृहद् अनुसंधान परियोजनायें

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय शिक्षण एवं अनुसंधान द्वारा संस्कृत शास्त्रों के विकास हेतु निरन्तर प्रयासरत है। इसके

अनुरूप विश्वविद्यालय के विभिन्न परिसर उच्च शिक्षा की विभिन्न शाखाओं के अनुसन्धान के केन्द्रों के रूप में कार्यरत है। विश्वविद्यालय के द्वारा परियोजनाओं के माध्यम से तदीय परिसरों में कार्यरत प्राध्यापकों की अनुसन्धान के क्षेत्र में सम्वर्द्धन हेतु सहायता प्रदान करता है। इस क्रम में विश्वविद्यालय विभिन्न परिसरों की प्रतिवर्ष 1-2 बृहद् परियोजनाएं और 1-2 लघु परियोजनाएं उपलब्ध कराने के लिए कृत संकल्प है। इस लक्ष्य को पुरा करने हेतु प्रथम चरण में 32 (4 बृहत एवं 28 लघु परियोजना) परियोजनाएँ प्रचलित है।

12. मूक्स परियोजना

मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम (Mooc) के अन्तर्गत केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के परिसरों में कार्यरत सभी विभाग के अध्यापकों को Moocs पाठ्यक्रम निर्माण पद्धति के ऊपर एक कार्यशाला मार्च 22-28, 2018 को एकलव्य परिसर, अगरतला (त्रिपुरा) में आयोजित किया गया जिसमें संसाधकों के रूप में एन.सी.ई.आर.टी. से प्राध्यापक आए।

13. भारतवाणी परियोजना

भारतवाणी एक परियोजना है, जिसका उद्देश्य मल्टीमीडिया (पाठ, श्रव्य, दृश्य एवं छवि) का उपयोग करते हुए भारत की समस्त भाषाओं के बारे में एवं भारतीय भाषाओं में उपलब्ध ज्ञान को एक पोर्टल (वेबसाइट) पर उपलब्ध कराना है। भारतवाणी, भारतीय भाषाओं/मातृ भाषाओं को बृहद पैमाने पर उपलब्ध करायेगा। भारतवाणी पोर्टल पर उपलब्ध समस्त सामग्री को शैक्षिक और अनुसंधान प्रयोजना के लिए नि:शुल्क उपयोग में लाया जा सकता है। एतदर्थ भारतवाणी परियोजना के निवेदन के अनुसार प्रथम चरण में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित 40 ग्रंथों को भारतवाणी पोर्टल पर अपलोड किया गया।

वर्तमान में प्रचलित परियोजनायें

1. डेक्कन (Deccan) महाविद्यालय संस्कृत शब्दकोश परियोजना

शिक्षा मंत्रालय के आर्थिक सहयोग से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के माध्यम से डेक्कन महाविद्यालय के संस्कृत विभाग में ऐतिहासिक तथ्य/सिद्धान्त आधारित बृहत् संस्कृत कोश नामक परियोजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस परियोजना के अन्तर्गत अब तक 35 संस्करणों का मुद्रण किया जा चुका है।

2. राजभाषा

मंत्रालय द्वारा केन्द्र सरकार के कार्यालयों में हिन्दी भाषा के प्रचार एवं प्रसार हेतु राजभाषा नामक कार्यक्रम सफलता पूर्वक संचालित किया जाता रहा है। इस क्रम में विश्वविद्यालय के द्वारा पर्याप्त मात्रा में हिन्दी के माध्यम से कार्यालयीय कार्य एवं विभिन्न कार्यक्रम किए जा रहे हैं। हिन्दी में किए जा रहे कार्यों का प्रतिवेदन अन्य गतिविधियों के अतिरिक्त मंत्रालय को प्रति तीन माह में भेजा जाता है।

4.1.13 पालि एवं प्राकृत

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की पहल पर वर्ष 2009 में प्रारंभ की गई 'पालि-प्राकृत योजना' पंचवर्षीय योजना (वर्ष 2012-2017) के बाद केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा संचालित योजनाओं का अभिन्न अंग बन चुकी है। इस योजना के अन्तर्गत वर्ष 2020-21 में दिल्ली, लखनऊ एवं जयपुर केन्द्रों में निम्नलिखित गतिविधियाँ सम्पन्न हुईं –

लखनऊ परिसर - पालि अध्ययन केन्द्र

1. शोध पत्रिका-"पालि प्राकृत अनुशीलनम्" प्रकाशन योग्य है।
2. संशोधन के पश्चात् प्रकाशन होने वाले ग्रन्थ-1. कथावत्थुपालि, 2. अपादान, 3. धम्मसंगणि, 4. दीपवंस, 5. चुळनिद्देस, 6. सासनवंस, 7. पट्ठानपालि-1, 8. पट्ठानपालि-2, 9. पुग्गलपञ्ञति।

उपर्युक्त सभी पालि ग्रन्थ संस्कृतछाया एवं हिंदी अनुवाद सहित प्रकाशित होंगे।

जयपुर परिसर - प्राकृत अध्ययन शोध केन्द्र

प्रकाशनाधीन ग्रन्थ-

1. दंसणकहरयणकंरडु-भाग-2 (संपादन एवं हिंदी अनुवाद सहित) 2. पउमचरियं-भाग-2,3,4 (संस्कृत्छाया एवं हिंदी अनुवाद सहित) 3. कहकोसु- भाग-2,3 (हिंदी अनुवाद सहित) 4. पुहवीचंदचरियं- भाग-1,2।

4.1.14 अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ने शैक्षिक वर्ष 2020-21 में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण विभाग के माध्यम से निम्नलिखित कार्यक्रमों का संचालन किया–

1. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का सञ्चालन
2. अभिविन्यास कार्यक्रम

1. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का सञ्चालन

संस्कृत भाषा भारतीय मनीषा एवं संस्कृति की अनुपम निधि है। संस्कृत का स्वरूप बहुत विशाल एवं व्यापक है। असंख्य भारतीय अपने भारतीय स्वरूप की रक्षा तथा दृढ़ता के लिए संस्कृत पढ़ना चाहते हैं। उन्हें सरल प्रक्रिया से संस्कृत भाषा एवं उसमें सन्निहित ज्ञान-विज्ञान का परिज्ञान कराना है। इस महान् उद्देश्य की संकल्पना के साथ समाज के विविध क्षेत्र के संस्कृत जिज्ञासुओं को संस्कृताध्ययन की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण का आरम्भ किया गया है।

देश के सुप्रतिष्ठित उच्चशिक्षण संस्थाओं यथा भारतीय प्रौद्योगिक संस्थानों (IIT) अभियान्त्रिक एवं आयुर्वेद संस्थानों, आधुनिक महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों से प्राप्त आवेदन के आधार पर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा केन्द्रों का निर्धारण किया गया। इन केन्द्रों मे विश्वविद्यालय द्वारा प्रशिक्षित संस्कृत भाषा शिक्षक को वर्तमान शैक्षिक सत्र के लिए नियुक्त किया। अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र के सुचारू सञ्चालन हेतु संस्था प्रमुख के द्वारा प्रत्येक केन्द्र में एक अधिकृत अधिकारी को नामित किया गया। अधिकृत अधिकारी की सहायता से शैक्षिक सत्र 2020-21 में पूर्वोत्तर राज्यों, पश्चिम बंगाल, आन्ध्रप्रदेश, बिहार, गोवा, महाराष्ट्र, गुजरात, छत्तीसगढ़, जम्मू-कश्मीर, मध्यप्रदेश, उड़ीसा, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तराखण्ड तथा उत्तरप्रदेश में कुल 77 केन्द्रों का सञ्चालन किया गया। अधिकृत अधिकारी अपने केन्द्र के विविध क्रियाकलापों तथा शिक्षकों का मासिक प्रगति विवरण इस विभाग को प्रेषित किए।

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण द्वारा सञ्चालित संस्कृत भाषा प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम तथा संस्कृत भाषा दक्षता पाठ्यक्रम में विभिन्न आयु वर्ग के कुल 4700 अध्येता इस शैक्षिक सत्र में नामाङ्कन कराए।

राज्यानुसार 2020-21 सत्रीय केन्द्रों की सूची

1.	आन्ध्रप्रदेश	02
2.	बिहार	01
3.	छत्तीसगढ़	01
4.	गोवा	03
5.	गुजरात	04
6.	जम्मू कश्मीर	01
7.	महाराष्ट्र	13
8.	मध्यप्रदेश	07
9.	उड़ीसा	04
10.	पंजाब	03
11.	राजस्थान	01
12.	तमिलनाडु	01
13.	तेलंगाना	02
14.	उत्तराखण्ड	02
15.	उत्तरप्रदेश	07
16.	पश्चिम बंगाल	06
17.	पूर्वोत्तर राज्य	19
	कुल	**77**

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का सञ्चालन न केवल नगरों और महानगरों में किया गया अपितु सुदूरवर्ती छोटे कस्बों, जम्मू-कश्मीर तथा उत्तर-पूर्व (North-East) राज्यों के दुर्गम क्षेत्रों में भी किया गया। इन केन्द्रों में विद्यार्थियों, अध्यापकों, प्राध्यापकों, चिकित्सकों, वैज्ञानिकों, सहित विविध व्यवसाय से जुड़े पुरुष तथा महिलाओं ने अत्यन्त उत्साह के साथ भाग लिया।

संस्कृतभाषा प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम तथा संस्कृतभाषा दक्षता पाठ्यक्रम में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई प्रथमा एवं द्वितीया दीक्षा नामक पाठ्य-सामग्री का अध्यापन किया जाता है। अध्येताओं ने इस पाठ्यक्रम की भूरिशः प्रशंसा की है। संस्कृतभाषा प्रमाणपत्रीय तथा संस्कृतभाषा दक्षता परीक्षा में उत्तीर्ण अध्येताओं को अंकपत्र तथा प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा। विभिन्न केन्द्रों में भव्य उद्घाटन तथा समापन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें संस्कृतेतर क्षेत्र में कार्य करने वाले महत्त्वपूर्ण अभ्यागतों ने अपने विचारों को व्यक्त करते हुए संस्कृत भाषा के संवर्धन की आवश्यकता बतायी। संस्था प्रमुखों ने अपनी संस्था में अग्रिम शैक्षिक सत्र में भी अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र सञ्चालित करने हेतु विश्वविद्यालय को निवेदन किया है।

उपर्युक्त केन्द्रों के सञ्चालन में राज्य संयोजकों का महत्त्वपूर्ण योगदान होता है। शैक्षिक सत्र 2020-21 में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र के राज्य संयोजकों की सूची अधोलिखित है-

क्र.सं.	राज्य	संयोजक का नाम एवं पता
1.	आन्ध्रप्रदेश	डॉ. यू. वेंकटरमणमूर्ति, लेक्चरर इन संस्कृत, शिवाराय स्ट्रीट, सत्यनारायणपुर, विजयवाडा-520011, आन्ध्रप्रदेश
2.	बिहार	प्रो. श्रीप्रकाश पाण्डेय, संस्कृतविभाग, बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, क्वा. नं. 23, विश्वविद्यालय परिसर, मुजफ्फरपुर-1 (बिहार)
3.	झारखण्ड	डॉ. ताराकान्त शुक्ल, संस्कृतविभाग, विनोबाभावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग, झारखण्ड
4.	दिल्ली	डॉ. कीर्तिकान्त शर्मा, कलानिधिविभाग, पाण्डुलिपि ईकाई, इन्दिरा गान्धी राष्ट्रिय कला केन्द्र, जनपथ, नई दिल्ली-01
5.	गुजरात	डॉ. भा.वं. रामप्रिय, प्राचार्य, दर्शनम् संस्कृत महाविद्यालय, एस्.जी.वी.पी. सर्किल, ए. जी. हाईवे, छारोडी, अहमदाबाद-3284818 (गुजरात)
6.	हरियाणा	डॉ. सुरेन्द्रमोहन मिश्र, संस्कृत विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र-136119 (हरियाणा)
7.	हिमाचल प्रदेश	डॉ. भक्तवत्सल शर्मा, प्राचार्य, सनातन धर्म आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, डोहगी, जिला-ऊना, हिमाचल प्रदेश-174 307
8.	जम्मू एवं कश्मीर	प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री, भूतपूर्व प्राचार्य, 3/127, इन्दिरा विहार, ओल्ड जानीपुर, जम्मू जम्मू-कश्मीर-180 007
9.	कर्नाटक	डॉ. हरिप्रसाद के., केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री राजीव गान्धी परिसर, जिला- चिकमंगलूर, कर्नाटक शृंगेरी-577139
10.	केरल	प्रो. सीएच्.एल्.एन्. शर्मा, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गुरुवायूर परिसर, डाकघर-पुरनाट्टुकरा-680551 जिला-त्रिचूर (केरल)
11.	महाराष्ट्र	प्रो. रवीन्द्र अंबादास मुले, संस्कृत-प्रगत-अध्ययन केन्द्र, पुणे विश्वविद्यालय, गणेश खिण्ड रोड, पुणे-411037 (महाराष्ट्र)
12.	मध्यप्रदेश	डॉ. श्रीगोविन्द पाण्डेय, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, संस्कृत मार्ग, बाग सेवनिया, भोपाल-462043 (मध्य प्रदेश)

13.	ओड़िसा	प्रो. हरेकृष्ण माहापात्र, प्राचार्य, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री सदाशिव परिसर, पुरी
14.	छत्तीसगढ़	डॉ.मुकुन्द हेम्बरडे, एफ-7, पेंशनवडा, नीयर कुंदन पैलेस, रायपुर, छत्तीसगढ़-492001
15.	पूर्वोत्तर राज्य	डॉ. धरणी डुगल, जिला-बारतीगुड़ी, पोस्ट-गमीरी, डिस्ट्रिक-विश्वनाथ, असम-784172
16.	पंजाब	प्रो. इन्द्रमोहन सिंह, संस्कृत-विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला-14702 (पंजाब)
17.	राजस्थान	प्रो. वाई.एस. रमेश, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा, बाईपास, जयपुर-302 018 राजस्थान
18.	तमिलनाडु	डॉ. आर्. रामचन्द्रन्, संस्कृत विभाग, रामकृष्ण मिशन विवेकानन्द कालेज, मलईपुर, चेन्नई-04, (तमिलनाडु)
19.	उत्तराखण्ड	डॉ. हरीशचन्द्र गुरुराणी, उत्तराखण्ड संस्कृत एकेडमी, रानीपुर झाल, ज्वालापुर, हरिद्वार, उत्तराखण्ड-249407
20.	उत्तर प्रदेश	प्रो. गोपबन्धुमिश्र, विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, कलासंकाय, काशीहिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तरप्रदेश
21.	पश्चिम बंगाल	डॉ. दीपा वन्द्योपाध्याय, डिपार्टमेंट ऑफ संस्कृत, आशुतोष कालेज, कोलकाता
22.	गोवा	श्री आनन्द देसाई, करूषनेई हाउस नं. 214, दीमानी, कानकोलिम, सालसेट, गोवा-403703

2. ऑनलाइन माध्यम से केन्द्रीय समिति का उपवेशन

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण की केन्द्रीय समिति की बैठक दिनांक 09.07.2020 को ऑनलाइन माध्यम से सम्पन्न हुई।

स्थान	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या	सदस्य
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	09.07.2020	06	प्रो. पी.एन. शास्त्री प्रो. गोपबन्धु मिश्र श्री सत्यनारायण भट्ट डॉ. रंजीत तिवारी श्री वेङ्कटेश मूर्ति डॉ. रत्नमोहन झा

4.1.15 पत्राचार पाठ्यक्रम

पत्राचार विभाग, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान) देश और विदेश में संस्कृत भाषा सीखने के जिज्ञासु अध्येताओं के लिए हिंदी और अंग्रेजी माध्यम से संस्कृत सिखाने के लिए द्विवर्षीय पत्राचार पाठ्यक्रम का संचालन वर्ष 1970 से करता आ रहा है।

(अ) संस्कृत में प्रारम्भिक पाठ्यक्रम-प्रथम वर्ष (हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम)

(ब) संस्कृत में प्रारम्भिक पाठ्यक्रम-द्वितीय वर्ष (हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम)

सत्र 2020-21 में पत्राचार पाठ्यक्रम में संस्कृत सीखने के लिए 292 भारतीय छात्रों एवं 12 विदेशी छात्रों ने पंजीयन कराया। वर्तमान में पत्राचार पाठ्यक्रम में कुल 7,025 छात्र नामांकित हैं। सत्र 2020-21 में 45 छात्रों ने पाठ्यक्रम उत्तीर्ण कर प्रमाण पत्र प्राप्त किए गए।

4.1.16 मुक्तस्वाध्यायपीठम्

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के अधीन संचालित मुक्तस्वाध्यायपीठम् (Institute of Distance Education) के माध्यम से परम्परागत पाठ्यक्रमों का शुभारम्भ अगस्त, 2010 में किया गया।

मुक्तस्वाध्यायपीठम् के डिग्री एवं प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम दूरस्थ शिक्षा परिषद् (इग्नू) एवं दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त हैं। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के मुख्यालय (नई दिल्ली) सहित सभी परिसरों में संचालित इसके अध्ययन केन्द्रों को 'स्वाध्याय केन्द्र' कहा जाता है।

संचालित पाठ्यक्रम

1. प्राक्शास्त्री (2 वर्ष)-साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष।
2. प्राक्शास्त्री सेतु/संस्कृतावतरणी (6 माह)।
3. शास्त्री (3 वर्ष) - साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष।
4. शास्त्री सेतु/संस्कृतावगाहनी (1 वर्ष) - साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष।
5. आचार्य (2 वर्ष) - साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष।
6. आचार्य सेतु/शास्त्रावगाहनी (1 वर्ष)-साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष।
7. पालि प्रारंभिक ज्ञान पाठ्यक्रम (03 माह)।
8. प्राकृत प्रारंभिक ज्ञान पाठ्यक्रम (03 माह)।
9. संस्कृत पत्रकारिता प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम (06 माह)।
10. पालि प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम (06 माह)।
11. प्राकृत प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम (06 माह)।

शैक्षिक सत्र 2020-21 में प्रवेश लेने वाले छात्रों का विवरण

मुक्तस्वाध्यायपीठम् के सभी स्वाध्याय केन्द्रों में शैक्षिक वर्ष 2020-21 में लगभग 1343 छात्रों ने प्रवेश लिया। जिनका विस्तृत विवरण इस वार्षिक प्रतिवेदन के क्र.सं. **3.3** में दिया गया है।

अभिकल्प समिति

अभिकल्प समिति मुक्तस्वाध्यायपीठम् की नियामक परिषद है। इस वर्ष अभिकल्प समिति की बैठक विश्वविद्यालय मुख्यालय, नई दिल्ली में दिनांक 15.07.2020 को आयोजित की गई।

सम्पर्क कक्षाएँ

स्वाध्यायकेन्द्र (मुक्तस्वाध्यायपीठम्) द्वारा संचालित सभी पाठ्यक्रमों की परामर्श/सम्पर्क-कक्षाएँ कोविड-19 के कारण संगरोध होने से ऑनलाइन चलायी जा रही हैं।

4.2 परिसरों के क्रियाकलाप

परिसरों की एक झलक

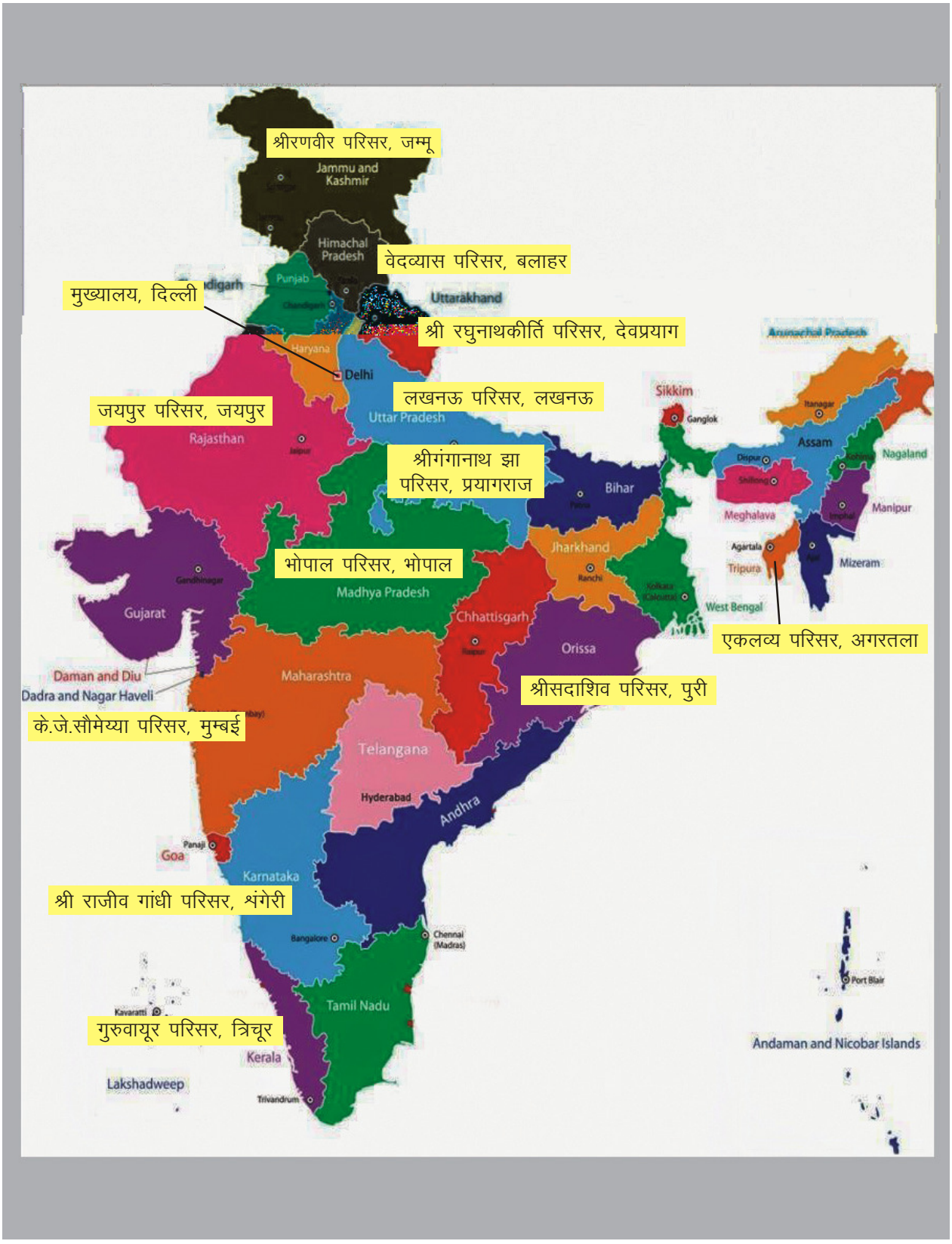
श्रीरणवीर परिसर, जम्मू
Jammu and Kashmir
Himachal Pradesh
वेदव्यास परिसर, बलाहर
मुख्यालय, दिल्ली
Punjab
Uttarakhand
श्री रघुनाथकीर्ति परिसर, देवप्रयाग
Haryana
Delhi
लखनऊ परिसर, लखनऊ
जयपुर परिसर, जयपुर
Uttar Pradesh
Rajasthan
श्रीगंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज
Bihar
भोपाल परिसर, भोपाल
Madhya Pradesh
Jharkhand
Gujarat
Chhattisgarh
Orissa
एकलव्य परिसर, अगरतला
Daman and Diu
Dadra and Nagar Haveli
Maharashtra
श्रीसदाशिव परिसर, पुरी
के.जे.सौमेय्या परिसर, मुम्बई
Telangana
Hyderabad
Andhra
Goa
Karnataka
श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी
Tamil Nadu
गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर
Kerala
Lakshadweep
Andaman and Nicobar Islands
Sikkim
Assam
Nagaland
Manipur
Meghalaya
Tripura
Mizeram
West Bengal

4.2 परिसरों के क्रियाकलाप

4.2.1 श्री गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज (उत्तरप्रदेश)

1. परिचय-

गंगा यमुना और सरस्वती नदी के पावन संगम नगरी प्रयागराज में 17 नवम्बर 1943 को गंगानाथ झा शोध संस्थान की स्थापना की गई थी। इसकी स्थापना पं. मदन मोहन मालवीय, डॉ. सर तेज बहादुर सप्रू, डॉ. भगवान दास, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन, न्यायमूर्ति श्री कमलाकान्त वर्मा, डॉ. गोपीनाथकविराज, डॉ. अमरनाथझा, डॉ. ईश्वरी प्रसाद, डॉ. बाबूराम सक्सेना, उपराज्यपाल आदित्यनाथ झा आदि उनके अनुयायियों और विद्यार्थियों द्वारा, उनके द्वितीय पुण्य स्मृति के अवसर पर की गई थी।

यह शोध संस्थान सोसाइटी एक्ट 1860 के अन्तर्गत 12 जनवरी 1945 को पंजीकृत हुआ। डॉ. उमेश मिश्र के प्रयास से कम्पनीबाग में चन्द्रशेखर आजाद पार्क के पिछले हिस्से में 1.5 एकड़ भूमि प्राप्त होने पर उत्तर प्रदेश के तत्कालीन माननीय राज्यपाल सर मारिस हैलट के द्वारा 3 फरवरी 1945 को इस शोध संस्थान की आधारशिला रखी गई।

डॉ. सर तेजबहादुर सप्रू (1943-49) इसके प्रथम अध्यक्ष रहे। इसके अतिरिक्त कुछ प्रमुख उत्तराधिकारियों में डॉ. भगवान् दास (1949-59), डॉ. एस. राधाकृष्णन् (1959-63), न्यायमूर्ति श्री कमलाकान्त वर्मा (1963-65) और डॉ. गोपीनाथ कविराज (1965-71) रहे। 01 अप्रैल 1971 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली ने इसे अपने विद्यापीठ के रूप में अधिगृहीत किया। उस समय से यह शोध संस्थान गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ के रूप में प्रसिद्ध हुआ। जब राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने 2002 में मानित विश्विद्यालय का दर्जा प्राप्त किया तब इसका नाम राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) गंगानाथ झा परिसर हुआ। 29 अप्रैल 2020 से यह परिसर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय गंगानाथ झा परिसर के रूप में विख्यात है। उच्च अध्ययन के क्षेत्र में सम्पूर्ण विश्व और भारत वर्ष में यह परिसर महत्त्वपूर्ण शोधसंस्थान के रूप में प्रसिद्ध है, जो संस्कृत विद्या की विविध शाखाओ में शोध के लिये समर्पित है।

2. गंगानाथ झा परिसर की अवस्थिति-

यह परिसर चन्द्रशेखर आजाद पार्क इण्डियन प्रेस चौराहा के निकट स्थित है। इसके उत्तर में पन्नालाल रोड, जवाहर लाल नेहरू रोड तथा पीछे इलाहाबाद संग्रहालय, कमलानेहरू रोड है। यह परिसर सिविल लाइन्स बस अड्डे से 3 कि.मी. पर तथा प्रयागराज रेलवे स्टेशन से 5 कि.मी. तथा बमरौली प्रयागराज एयरपोर्ट से 15 कि.मी. दूरी पर स्थित है।

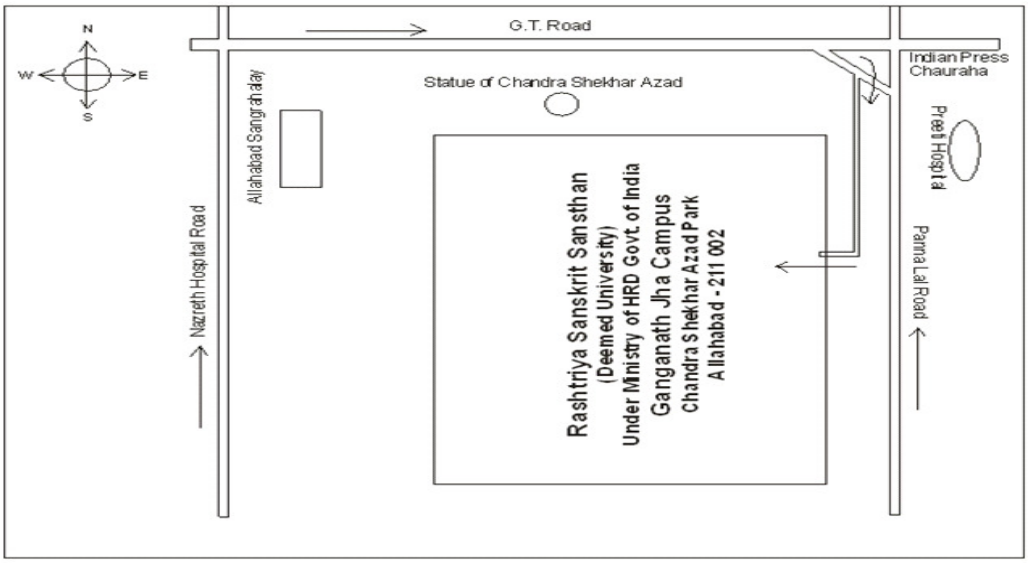

3. मुख्यगतिविधियों-

गंगानाथ झा परिसर मुख्य रूप से शोध संस्थान है इसके मुख्य कार्यक्षेत्र निम्नलिखित हैं।

i. शोध

ii. शोधप्रशिक्षण (केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली के अन्तर्गत सभी परिसरों के नवागन्तुक पंजीकृत शोधछात्रों के लिए प्राक्शोधपाठ्यक्रम।

iii. महत्त्वपूर्ण अप्रकाशित एवं दुर्लभ पाण्डुलिपियों का सम्पादन।

iv. प्रकाशन-

(अ) परिसरीय प्रोजेक्ट के अन्तर्गत सम्पादित पाण्डुलिपियों व अन्य ग्रन्थों का प्रकाशन

(ब) 'जर्नल ऑफ गंगानाथ झा कैम्पस'- जो भारतीय ज्ञान पर आधारित तथा प्राच्य अध्ययन से सम्बन्धित शोध पत्रिका का प्रकाशन।

(स) उशती- जो शास्त्र अध्ययन व संस्कृत अध्ययन पर आधारित शोध पत्रिका का प्रकाशन।

v. पाण्डुलिपियों का संरक्षण व संवर्धन।

इसके अलावा परिसर (दूरस्थ शिक्षण के माध्यम से) प्राक्शास्त्री, शास्त्री, आचार्य (साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष) प्राक्शास्त्री सेतु, शास्त्री सेतु, आचार्य सेतु हेतु कक्षाएँ भी संचालित करता है।

7. परिसर द्वारा आयोजित संगोष्ठियाँ/कार्यशालाओं/व्याख्यानों और विभिन्न गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण:

7.1 संस्कृत सप्ताह के उपलक्ष्य में राष्ट्रिय संस्कृत सम्मेलन 27.08.2020-30.08.2020

यह कार्यक्रम "संस्कृत सप्ताह" समारोह के दौरान ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किया गया था, जिसमें कुल 356 प्रतिभागियों का पंजीकरण किया गया था। इसमें 7 अलग-अलग सत्र हुए। विभिन्न सत्रों के मुख्य वक्ताओं में पद्मश्री चमू कृष्ण शास्त्री, प्रो. हरिदत्त शर्मा, प्रो. काशीनाथ न्योपाने, प्रो. सच्चिदानंद मिश्र, प्रो. हरेराम त्रिपाठी, प्रो. संतोष कुमार शुक्ला, डॉ. वेदवीर आर्य और प्रो. अंबा कुलकर्णी प्रमुख थे। सत्र की अध्यक्षता आचार्य वी. कुटुंब शास्त्री, प्रो. रमेश कुमार पांडेय, आचार्य मणिद्राविड, प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी, प्रो. के. एस. कन्नन और प्रो. पी.एन. शास्त्री ने की। प्रो. गया चरण त्रिपाठी, न्यायमूर्ति शबीहुल हसनैन, प्रो. कृष्णबिहारी पांडेय, आचार्य रेवा प्रसाद द्विवेदी मुख्य अतिथि थे। विशेष अतिथि आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी थे। इनके साथ-साथ पूरे भारतवर्ष के कई संस्कृत विद्वानों ने भी इसमें भाग लिया। अन्य उल्लेखनीय अतिथियों में प्रो. वी मुरलीधर शर्मा, प्रो. गोपबंधु मिश्र, प्रो. राजाराम शुक्ल, प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी, प्रो. हरिहर होता, प्रो. सुदेश कुमार शर्मा, प्रो. रत्ना बसु, प्रो. मनुलता शर्मा, प्रो. अरुण रंजन मिश्र, प्रो. नीरज शर्मा, प्रो. सुदेशना भट्टाचार्य, प्रो. मनोज कुमार मिश्र, प्रो. दयाशंकर तिवारी, डॉ. बलराम शुक्ला, प्रो. विजय कुमार जैन, प्रो. रामसलाही द्विवेदी, प्रो. भारत भूषण त्रिपाठी, प्रो. धनंजय कुमार पांडेय, प्रो. विष्णुपद महापात्र, प्रो. शिवशंकर मिश्र, प्रो. प्रमोद कुमार शर्मा, डॉ जानकी शरण आचार्य, प्रो. दीनबंधु पांडेय, प्रो. सर्वनारायण झा, प्रो. मृदुला त्रिपाठी, डॉ कमला दुबे, डॉ. सनंदन त्रिपाठी, प्रो. सतीश कपूर, डॉ कनकलता दुबे, प्रो. दीप्ति मिश्रा शर्मा, प्रो. अंबुजा सलगांवकर, डॉ साई सुसरला, प्रो. सत्यमूर्ति लक्ष्मीनरसिंहन्, प्रो. सदाशिव कुमार द्विवेदी, और प्रो. राम कुमार शर्मा आदि थे।

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी के मार्गदर्शन में समन्वय समिति के सदस्यों - प्रो. जनार्दन प्रसाद पांडेय मणि, प्रो. रामकृष्ण पांडेय परमहंस, डॉ. अपराजिता मिश्रा, डॉ. सुरेश पांडेय, डॉ. मोनाली दास, डॉ. श्याम सुंदर पांडेय ने सक्रिय रूप से कार्य किया। कार्यक्रम के संरक्षक केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. पी. एन. शास्त्री थे।

7.2 हिन्दी दिवस समारोह- 14.09.2020

यह कार्यक्रम ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किया गया था। जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज प्रयागराज की प्राचार्य प्रो. कमला दुबे मुख्य वक्ता रहीं। इस सत्र की अध्यक्षता प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने की। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. अपराजिता मिश्रा और डॉ मोनाली दास ने किया। स्वागत भाषण प्रो. जनार्दन प्रसाद पांडेय ने दिया और धन्यवाद ज्ञापन प्रो. रामकृष्ण पांडेय ने किया। प्राक्- शोध पाठ्यक्रम के छात्रों सहित अन्य सभी शैक्षणिक सदस्य और व्यवस्थापक कर्मचारी एवं विद्यार्थी प्रतिभागी थे।

7.3 पाठसमालोचन कार्यशाला- 01.11.20-10.11.2020

यह कार्यक्रम 10 दिन का था, जो ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किया गया था । मुख्य वक्ता गुजरात विश्वविद्यालय

के संस्कृत विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. बसंत एम. भट्ट थे। कुलपति प्रो. पी.एन. शास्त्री मुख्य संरक्षक थे। उद्घाटन सत्र में श्रीलालबहादुर शास्त्री, राष्ट्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के कुलपति प्रो. रमेश कुमार पांडेय मुख्य अतिथि थे तथा समापन सत्र में मुख्य अतिथि श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, वेरावल के कुलपति प्रो. गोपबंधु मिश्र थे। कार्यक्रम के मुख्य समन्वयक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी थे और इसका समन्वय एवं सह सयोजन डॉ. अपराजिता मिश्रा और डॉ. मोनाली दास ने संयुक्त रूप से किया।

7.4 राष्ट्रिय शिक्षादिवस समारोह- 11.11.2020

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. हरिदत्त शर्मा, मुख्य वक्ता प्रो. सुदेश कुमार शर्मा थे और इस सत्र की अध्यक्षता प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने की। कार्यक्रम की संयुक्त समन्वयक डॉ. अपराजिता मिश्रा और डॉ. मोनाली दास थीं। इस कार्यक्रम में छात्रों सहित सभी परिसरीय सदस्यों ने हिस्सा लिया।

7.5 संविधान दिवस- 26.11.2020

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. श्याम मोहन मिश्र थे और मुख्य वक्ता माननीय इलाहाबाद उच्च न्यायलय के गर्वनमेन्ट एडवोकेट श्री शिवकुमार पाल थे। सत्र की अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने की। कार्यक्रम के मुख्य समन्वयक डॉ. श्याम सुंदर पांडेय थे। इस कार्यक्रम में छात्रों सहित सभी परिसरीय सदस्यों ने भाग लिया।

7.6 अन्तर्जालीया भारतीयदर्शन कार्यशाला - 01.12.2020-21.12.2020

यह 21 दिनों तक चलने वाली कार्यशाला थी, जो ऑनलाइन माध्यम से आयोजित की गई थी। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. जटाशंकर त्रिपाठी, विशेष अतिथि प्रो. सुब्राय वी भट्ट, मुख्य वक्ता प्रो. सच्चिदानंद मिश्र थे और सत्र की अध्यक्षता प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने की। इस कार्यशाला में 42 अलग-अलग सत्र हुए। इस अवसर पर विभिन्न सत्रों के मुख्य वक्ता प्रो. सुब्राय वी भट्ट, प्रो. सच्चिदानंद मिश्र, डॉ वी. ताताचार्य, प्रो. सूर्यनारायण भट्ट, आचार्य मणिद्राविड, प्रो. एन.आर.एस ताताचार्य, प्रो. हरेराम त्रिपाठी, प्रो. संतोष कुमार शुक्ल, प्रो. काशीनाथ न्योपाने और प्रो. के.ई. देवनाथन थे। समापन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो पी.एन. शास्त्री ने की, मुख्य अतिथि प्रो के.ई. देवनाथन, मुख्यातिथि वक्ता प्रो. सच्चिदानंद मिश्र थे। कार्यशाला के मुख्य समन्वयक प्रो ललित कुमार त्रिपाठी और संयुक्त समन्वयक डॉ अपराजिता मिश्रा और डॉ मोनाली दास थीं।

7.7 भारतीयविद्याव्याख्यानमाला एवं भारतीयविद्या-ग्रन्थपाठमाला- 11.01.2021

परिसर की व्याख्यान शृंखला (विभिन्न विषयों पर) का उद्घाटन सत्र था, जो परिसर के आधिकारिक फेसबुक चौनल के माध्यम से आयोजित किया गया था । इस सत्र में मुख्य अतिथि आचार्य मणिद्राविड थे, विशिष्ट अतिथि प्रो. रामकुमार शर्मा थे, सम्मानित अतिथि डॉ गणेश ईश्वर भट्ट थे। समन्वय समिति के सदस्यों- प्रो. जनार्दन प्रसाद पांडेय मणि, प्रो. रामकृष्ण पांडेय परमहंस, डॉ. अपराजिता मिश्रा, डॉ. सुरेश पांडेय, डॉ. मोनाली दास ने गंगानाथ झा परिसर के केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी के मार्गदर्शन में सक्रिय रूप से कार्य किया।

7.8 भारतीयविद्याग्रन्थपाठमाला के अन्तर्गत न्यायदर्शन-ग्रन्थपाठमाला- 21.01.2021-31.03.2021

इस व्याख्यानमाला का विषय "न्यायसिद्धांतमुक्तावली" था। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी के दर्शन विभाग के प्रो. सच्चिदानंद मिश्र ने इस पर व्याख्यान दिए । इस व्याख्यान शृंखला के मुख्य समन्वयक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी और संयुक्त समन्वयक डॉ. अपराजिता मिश्रा और डॉ. मोनाली दास थे।

7.9 भारतीयविद्याग्रन्थपाठमाला के अन्तर्गत व्याकरण-ग्रन्थपाठमाला- 24.01.2021-29.01.2021

इस शृंखला का मुख्य विषय "परिभाषेन्दुशेखर" पर था, इस ग्रंथ का अध्यापन कार्य प्रो. रामसलाही द्विवेदी (व्याकरण विभाग) श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय, संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने किया। इस व्याख्यान शृंखला के मुख्य समन्वयक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी और संयुक्त समन्वयक डॉ. अपराजिता मिश्रा और डॉ. मोनाली दास थे।

7.10 भारतीयविद्याग्रन्थपाठमाला के अन्तर्गत व्याकरण-ग्रन्थपाठमाला - 16.01.2021-03.02.2021

इस व्याख्यानमाला के मुख्य वक्ता वाराणसी के संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के व्याकरण विभाग के अध्यक्ष प्रो. बृजभूषण ओझा थे। इसका विषय कारकप्रकरण था, जो व्याकरण के सिद्धांतकौमुदी प्रौढ़मनोरमा तथा लघुशब्देन्दुशेखर

पर आधारित था। इस व्याख्यानमाला के मुख्य समन्वयक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी और संयुक्त समन्वयक डॉ. अपराजिता मिश्रा और डॉ. मोनाली दास थे।

7.11 भारतीयविद्याव्याख्यानमाला के अन्तर्गत व्याकरण-भाषाविज्ञानव्याख्यानमाला - 14.01.2021 - 19.01.2021

इस व्याख्यानमाला के मुख्य वक्ता डॉ. सुद्युम्न आचार्य थे, जो वेदवाणीवितान प्राच्यविद्या शोधसंस्थान के निदेशक हैं। इस व्याख्यान शृंखला के मुख्य समन्वयक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी और संयुक्त समन्वयक डॉ. अपराजिता मिश्रा और डॉ. मोनाली दास थे।

7.12 भारतीयविद्याव्याख्यानमाला के अन्तर्गत पुराणेतिहास धर्मशास्त्रव्याख्यानमाला - 17.01.2021 - 23.01.2021

इस शृंखला के मुख्य वक्ता कोल्हान विश्वविद्यालय झारखंड के कुलपति प्रो. गंगाधार पंडा थे। मुख्य समन्वयक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी और संयुक्त समन्वयक डॉ. अपराजिता मिश्रा और डॉ. मोनाली दास थे।

7.13 भारतीयविद्याव्याख्यानमाला के अन्तर्गत दर्शन-व्याख्यानमाला- 11.01.2021-12.01.2021

इस व्याख्यानमाला के मुख्य वक्ता आचार्य मणिद्राविड, मीमांसा विभाग, मद्रास संस्कृत कॉलेज, मायलापुर थे। इस व्याख्यान शृंखला के मुख्य समन्वयक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी और संयुक्त समन्वयक डॉ अपराजिता मिश्रा और डॉ मोनाली दास थे।

7.14 भारतीयविद्याव्याख्यानमाला के अन्तर्गत दर्शन-व्याख्यानमाला- 20.01.2021-29.01.2021

इस शृंखला के मुख्य वक्ता कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय बंगलौर के कुलपति प्रो. के.ई. देवनाथन थे। इस व्याख्यान शृंखला के मुख्य समन्वयक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी और संयुक्त समन्वयक डॉ अपराजिता मिश्रा और डॉ मोनाली दास थे।

7.15 भारतीयविद्याव्याख्यानमाला के अन्तर्गत दर्शन-व्याख्यानमाला - 13.01.2021-27.01.2021

इस शृंखला के मुख्य वक्ता डॉ. गणेश ईश्वर भट्ट, विभागाध्यक्ष, अद्वैतवेदांत विभाग, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, राजीवगांधी परिसर, श्रृंगेरी थे। इस व्याख्यान शृंखला के मुख्य समन्वयक प्रो ललित कुमार त्रिपाठी और संयुक्त समन्वयक डॉ अपराजिता मिश्रा और डॉ मोनाली दास थे।

7.16 भारतीयविद्याग्रंथपाठमाला के अन्तर्गत काव्य-शास्त्रीयग्रन्थपाठमाला - 11.01.2021 - 31.03.2021

यह व्याख्यान शृंखला ऑनलाइन माध्यम से परिसर के फेसबुक पेज के माध्यम से आयोजित की गई थी। यह शृंखला काव्यप्रकाश में "अर्थालंकार" पर केंद्रित थी। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर के साहित्य संकायाध्यक्ष प्रो. रामकुमार शर्मा इस शृंखला के मुख्य वक्ता थे। इस व्याख्यान शृंखला के मुख्य समन्वयक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी और संयुक्त समन्वयक डॉ. अपराजिता मिश्रा और डॉ. मोनाली दास थे।

7.17 भारतीयविद्याव्याख्यानमालायां के अन्तर्गत संस्कृत-संगीतव्याख्यानमाला- 01.02.2021-08.02.2021

इस व्याख्यान शृंखला ने संस्कृत विद्वानों को नयी विचार दिशा की ओर प्रेरित किया। मुख्य वक्ता डॉ ऋषिराज पाठक, संस्कृत विभाग, प्रो. श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य थे। इस व्याख्यान शृंखला के मुख्य समन्वयक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी और संयुक्त समन्वयक डॉ. अपराजिता मिश्रा और डॉ. मोनाली दास थे।

7.18 मातृभाषा दिवस- 21.02.2021

यह कार्यक्रम ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम के प्रतिभागी हमारे परिसर के छात्र और प्राक- शोध पाठ्यक्रम के छात्र रहे। उन्होंने गीत, भाषण, सुविचार और लघु नैतिक कहानियों को अपनी मातृभाषा में प्रस्तुत किया। यह एक बहुत ही सफल कार्यक्रम था। कार्यक्रम के मुख्य समन्वयक प्रो. रामकृष्ण पांडेय परमहंस और डॉ. मोनाली दास थे।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या:

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	-	00
उत्तर प्रेषित	-	00

4.2.2 श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओड़िशा)

1. परिसर परिचय

भारतीय संसद के एक अधिनियम द्वारा स्थापित राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के समस्त द्वादश परिसरो में श्री सदाशिव परिसर, पुरी वृहत्तम एवं महत्त्वपूर्ण परिसर है।

1865 से ही नित्यनूतन परिस्थितियों के साथ पारंपरिक संस्कृतशिक्षा में सन्नद्ध श्री सदाशिव केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ (SKSV), पुरी अपने गौरवपूर्ण विकास के साथ 15/8/1971 को उडिशा के पूर्ववर्ती श्री सदाशिव महाविद्यालय के प्रबन्धन को स्थानान्तरित होने के बाद नूतन उपलब्धियों एवं आदर्श गुणवत्ता को स्थापित करता रहा है। तत्कालीन मूर्धन्य विद्वानों में विख्यात स्वर्गीय पण्डित हरिहर दास के संकल्प एवं बलरामपुर-उत्तरप्रदेश रियासत के मुखिया श्री दिग्विजयसिंह बहादुर के आर्थिक सहयोग से एक संस्कृत टोल की शुरुआत हुई। जो श्री सदाशिव मिश्र के भगीरथ प्रयासों एवं सन् 1888 में जिलाधीस-पुरी द्वारा गठित समिति के पर्यवेक्षण में टोल विद्यालय के रूप में परिणत हुआ। इसी क्रम में 1918 में उडीसा एवं बिहार की संयुक्त सरकार द्वारा उपहार स्वरूप प्रदत्त भाटक मुक्त वर्तमान भूमि पर वह विद्यालय महाविद्यालय के रूप में संवर्धित हुआ। महाविद्यालय की सेवाओं को राज्य सरकार द्वारा मान्यता दिए जाने के वाद सन 1951 में महाविद्यालय श्री सदाशिव परिसर, पुरी के नाम से अस्तित्व में आया। दिनांक 15.08.1971 को सदाशिव महाविद्यालय को राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान ने अधीग्रहण किया तब से सदाशिव संस्कृत केन्द्रिय विद्यापीठ नाम से जाना जाता था। दिनांक 07. 05.2002 से जब राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान मानित विश्वविद्यालय हुआ तब से श्री सदाशिव परिसर पूरी नाम से जाना जाता है।

परिसर की स्थिति

अब इस परिसर में गांधीघाट मौजा एवं बालूखण्ड मौजा नाम से दो भूखण्ड हैं। शैक्षिक परिसर गांधीघाट मौजा की 4. 7 एकड भूमि पर तथा आवासीय परिसर बालूखण्ड मौजा में 10.5 एकड भूमि पर स्थित है, अर्थात् शहर के महत्त्वपूर्ण स्थान पर परिसर के पास 15.2 एकड जमीन है। परिसर के मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति एवं मुक्त छात्रावास की सुविधा प्रदान की जाती है। वर्तमान में परिसर के विभिन्न कक्षाओं में 2500 छात्र नामांकित हैं तथा संयुक्त से शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों की संख्या 100 है।

परिसर संस्कृत भाषा एवं संस्कृत की शिक्षा के प्रचार-प्रसार एवं जनप्रिय बनाने की दिशा में समर्पण भाव से योगदान दे रहा है।

1.2 पाठ्यक्रम (संपूर्ण विवरण के साथ)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के सदाशिव परिसर में प्राक्शास्त्री (+12) शास्त्री (B.A.) शिक्षाशास्त्री (B.Ed.) शिक्षा आचार्य (M.Ed.)आचार्य (M.A.) की कक्षायें अद्वैतवेदान्त, साहित्य, व्याकरण, धर्मशास्त्र, सर्वदर्शन, ज्योतिष, पुराणेतिहास, नव्यन्याय एवं सांख्ययोग के साथ-साथ विद्यावारिधि (Ph.D.) के शिक्षण-प्रशिक्षण एवं अनुसंधान कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम संचालित किये जाते है। परिसर में आधुनिक विषयों का भी पाठ्यक्रम संचालित होता है यथा, इतिहास, अंग्रेजी, संगणक शिक्षा एवं लघ्वावधिक प्रमाणपत्र-कार्यक्रम जैसे कि, भारतीय ज्योतिर्विज्ञान इत्यादि।

1.3 मुक्त स्वाध्याय पीठ

आभासीय माध्यम से 11.02.2021 को नव-सत्र 2020-21 का शुभारम्भ किया गया। जिसमें मुख्यातिथि के रूप में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षानिदेशक आचार्य सुकान्त कुमार सेनापति एवं सह संयोजक के रूप में आचार्य हरिप्रसाद के. एवं निदेशक आचार्य खगेश्वर मिश्र ने अपने आशीर्वचनों से छात्रों एवं श्रोताओं को प्रोत्साहित किया।

1.4 छात्रवास

परिसरीय छात्रावासों की संख्या 2 है।

1. सुभद्रा बालिका छात्रावास-इस अन्तः परिसरीय छात्रावास में 300 छात्राओं के रहने एवं भोजन की व्यवस्था है।

2. वाल्मीकि छात्रावास- बालकों के लिए इस छात्रावास में 200 छात्रों के भोजन की व्यवस्था एवं रहने का प्रबन्धन है।

1.5 जलपान गृह

शिक्षकों, छात्रो एवं परिसर के सभी कर्मचारियों को स्वास्थ्यवर्धक और पौष्टिक जलपान/भोजन उचित दर पर उपलब्ध हो सके इसके लिए परिसर के अन्दर एक जलपान गृह कार्यरत है।

1.6 पुस्तकालय

भारत के प्रतिष्ठित पुस्तकालयों में से एक श्री सदाशिव परिसर का पुस्तकालय, जहाँ 60000 पुस्तके, 130 हस्तलेख, 310 शोधप्रबन्ध एवं 110 लघुशोध प्रबन्ध हैं। पुस्तकालय के पास आधुनिक व्यवस्था के साथ अपना शिक्षण कक्ष भी है।

1.7 ई-पुस्तकालय

सर्वसुलभ पुस्तकीय ज्ञान के लिए परिसर में ई-पुस्तकालय विकसित किया गया है। जो ई-ग्रन्थालय के नाम से जाना जाता है।

1.8 वेधशाला (ज्योतिष-विभाग)

परिसर द्वारा ज्योतिष का सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक ज्ञान देने के लिए एक लघुवेधशाला विकसित किया गया है। वेधशाला में टेलीस्कोप के साथ-साथ हस्तनिर्मित ग्रहोपग्रह के प्रतिमान, चन्द्रग्रहण एवं सूर्यग्रहण को प्रदर्शित करती हुई आकृतियाँ तथा गोलायात्रा अध्ययन-अध्यापन को सरल बनाती हैं।

1.9 संगोष्ठी कक्ष

जयदेव भवन के नाम से परिसर में एक वृहद् वार्तालाय निर्मित है। जिसमें 250 से ज्यादा लोगो के लिए उपवेशन की क्षमता है तथा भवन शीतोपकरणों एवं आधुनिक संचार-यन्त्रों से सुसज्जित है।

1.10 वाग्वर्धिनी संवादशाला

2000 छात्रों की उपवेशन व्यवस्था के साथ परिसर में व्याख्यान, नृत्य, नाटक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के सुखद संचालनार्थ वाग्वर्धिनी संवादशाला की स्थापना की गई है।

1.11 संगणक कक्ष

प्राकशास्त्री एवं शास्त्री कक्षाओं के छात्रों को संगणकीय शिक्षा प्रदान करने के लिए आधुनिक-शिक्षा विभाग द्वारा संगणक प्रयोगशाला का निर्माण किया गया है। जिसमें उत्तम उपवेशन व्यवस्था, वाई-फाई, आन्तर्जालिक सुविधा के साथ 20 संगणक सेवा प्रदान कर रहे हैं।

1.12 विभागीय संगणक

परिसर के विविध विभागों में सहज कार्य संपादनार्थ प्रिंटर के साथ संगणक शैक्षणिक उपक्रमों में सहायता प्रदान कर रहे हैं।

1.13 विभागीय पुस्तकालय

पुस्तकालयों को ज्ञानकोष के रूप में विकसित करते हुए विभागीय पुस्तकालयों की व्यवस्था की गई है। जिससे छात्र एवं अध्यापक दोनों लाभान्वित हो रहे हैं।

1.14 भाषाप्रयोगशाला

शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा एकसाथ 40 छात्रों की क्षमता वाला भाषा प्रयोगशाला विकसित किया जा रहा है जिसके माध्यम से छात्रों को उच्चारण शुद्धि, नवीन-भाषा को सीखने एवं मनोवैज्ञानिक सिद्धान्तों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

1.15 अत्याधुनिक शिक्षण कक्ष

पूर्णतया वातानुकूलित एवं L.E.D. प्रोजेक्टर युक्त अत्याधुनिक कक्षा की स्थापना परिसर के द्वारा किया गया है जो शिक्षा संबन्धी आधुनिक दायित्वों के निर्वहन में प्रासंगिक है।

1.16 कर्मचारी आवास

निदेशक के अतिरिक्त छात्रावास के अधिकारियों एवं शिक्षकों के लिए कार्मचारी आवास परिसर में उपलब्ध है।

1.17 व्यायामशाला

छात्रों एवं अध्यापकों के उत्तम स्वास्थ्य को सुनिश्चित करवाने के लिए आधुनिक उपकरणो एवं प्राचीन उपकरण के साथ व्यायामशाला परिसर में विद्यमान है।

1.18 क्रीडाङ्गन

परिसर के अन्तर्गत एक खूबसूरत एवं हरित क्रीडाङ्गन

विकसित किया गया है जिसके साथ ही एक मुक्ताकाश क्रीडाङ्गन भी है।

2. परिसर में सम्पन्न विविध गतिविधियाँ

2.1 संस्कृत सप्ताह समारोह (31.07.2020-06.08. 2020)

आभासीय माध्यमों का प्रयोग करते हुए 31 जुलाई से 06 अगस्त 2020 तक संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया गया। संस्कृत सप्ताह समारोह के प्रथम दिन श्री जगन्नाथ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. किशोरचन्द्र पाढी की गरीमयी उपस्थिति, पूर्व-प्राचार्य श्री सदाशिव परिसर प्रो. हरेकृष्ण महापात्र एवं निदेशक प्रो. खगेश्वर मिश्र का मार्गदर्शन संस्कृत को जनभाषा के रूप में स्थापित करनें हेतु सार्थक सिद्ध हुआ।

2.2 स्वतंत्रता दिवस 15.08.2020

प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी 74वाँ स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। स्वतंत्रता आन्दोलन में अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीरों को याद करते हुए परिसर निदेशक प्रो. खगेश्वर ने ध्वजोत्तोलन किया। कार्यक्रम में सभी विभागों के सभी आचार्य एवं कार्मचारी उपस्थित रहे।

2.3 एन्.ई.पी. -2020

30 वर्षो के अनन्तर भारत सरकार नई शिक्षा नीति लाने जा रही है। अत: एक जागरण अभियान के तहत परिसर निदेशक की अध्यक्षता में गूगल मीट माध्यम से वेबीनार आयोजित किया गया, जिसमें पद्मश्री चमुकृष्णशास्त्री ने सभी विभागों के आचार्यगण एवं शोधार्थियों को सम्बोधित किया।

2.4 भागवत जन्मोत्सव

02.09.2020 को प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी पुराणेतिहास विभाग के नेतृत्व में भागवत जन्मोत्सव मनाया गया। जिसमें परिसर निदेशक प्रो. खगेश्वर मिश्र एवं विभागाध्यक्षा प्रो. मिनती रथ के अतिरिक्त विद्वानों एवं छात्रों ने भाग लिया।

2.5 शिक्षकदिवस (05.09.2020)

गूगल मीट के माध्यम से डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी के जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में 05.09.2020 को मनाया गया। इस अवसर पर शिक्षाशास्त्र विभाग की ओर से भाषण प्रतियोगिता एवं प्रश्नमंच प्रतियोगिता आयोजित करवाई गई।

2.6 हिन्दी पखवाडा (14.09.2020)

14 अक्टूवर को हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में हिन्दी की सेवानिवृत्त आचार्या श्रीमति केतकी महापात्र, सम्मानितअतिथि डा.श्रीनिवास आचार्य एवं मुख्यवाक्ता डा. राजेश शुक्ला उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. खगेश्वर मिश्र द्वारा किया गया।

2.7 राष्ट्रीय एकता दिवस 31.10.2020

लौहपुरुष श्री वल्लभभाई पटेल को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए 31 अक्तूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया।

2.8 राष्ट्रीय शिक्षा दिवस

11.11.2020 को मौलाना अबुल कलाम आजाद के जन्मदिन को राष्ट्रीय शिक्षादिवस के रूप में मनाया गया तथा इस अवसर पर शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा आनलाइन भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। समारोह में मुख्यातिथि प्रो. नीलकन्ठ पति पूर्वतन कुलपति श्री जगन्नाथ विश्वविद्यालय की उपस्थिति आकर्षण का केन्द्रविन्दु रही तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक प्रो. खगेश्वर मिश्र ने की।

2.9 गणतन्त्र दिवस

26.01.2020 को भारत के गणतन्त्र दिवस का महोत्सव मनाया गया। प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी छात्रों मे विशेष जोश एवं उत्साह देखने को मिला। वीरों एवं स्वतंन्त्रता-सेनानियों को याद करते हुए परिसर निदेशक प्रो. खगेश्वर मिश्र ने ध्वजोत्तोलन किया। सभी विभागीय आचार्यो छात्रों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति नें इस राष्ट्रीय पर्व को आकर्षक बना दिया।

2.10 मातृभाषा दिवस (22.02.2021)

22 फरवरी 2021 को श्री सदाशिव परिसर में मातृभाषा दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सामन्त चन्द्र शेखर महाविद्यालय, पुरी के ओडिया विभागाध्यक्ष डॉ. दिलीप स्वाईं मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री सदाशिव परिसर, पुरी प्रो. खगेश्वर मिश्र ने किया।

2.11 साहित्य स्पर्धा

आभासीय माध्यम से छात्रों के मध्य साहित्यिक स्पर्धा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अनन्तर छात्रों को पुरस्कृत किया।

2.12 वार्षिक क्रीडोत्सव

परिसर द्वारा प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी वार्षिक क्रीडोत्सव आयोजित किया गया। इस महोत्सव का शुभारम्भ परिसर निदेशक प्रो. खगेश्वर मिश्र द्वारा किया गया।

2.13 अनुसन्धानप्रविधि एवं शोधोपकरण निर्माण कार्यशाला (03.03.2021 से 05.03.3021)

शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा पाठ्यक्रमानुरूप शिक्षाचार्य छात्रों की अनुसन्धान योग्यता के संवर्धन हेतु अनुसन्धान कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम-संयोजक प्रो. देवदत्त सरोदे, कार्यक्रम-अध्यक्ष प्रो. वी.पी. कछवाह तथा संसाधक- 1. प्रो. आशुतोष विश्वाल 2. डॉ. दिवाकर षडङ्गी का सार्थक प्रयास छात्रों के लिए हितकर रहा। कार्यक्रम का शुभारम्भ परिसर के निदेशक प्रो. खगेश्वर मिश्र की अध्यक्षता में हुआ।

2.14 छात्र योगदान एवं उपलब्धियाँ

- राष्ट्रीय योग प्रतियोगिता में परिसर के तीन छात्रों नें भाग लिया। जिसमें एक छात्र कांस्य पदक प्राप्त करने मे सफल रहा।
- राष्ट्रस्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में तीन छात्रों ने भाग लिया तथा उनका प्रयास अत्यन्त उत्साहवर्धक रहा।
- दो छात्रों ने कनिष्ट राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में भाग लिया।

3. प्रमुख सामाजिक गतिविधियाँ

1. परिसर द्वारा सतर्कता जागरुकता सप्ताह का पालन, शपथ ग्रहण कार्यक्रम के साथ किया गया।
2. परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।
3. जैव रक्षणार्थ भोजन-आवास हेतु सहयोग किया गया।
4. अनाथाश्रमों को भोजन सामग्री भेजी गई।
5. वृक्षारोपण कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया।
6. स्वच्छता कार्यक्रम (अन्तः परिसरीय) परिपालित हुआ।
7. महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का सफल आयोजन, विविध कार्यक्रमों के साथ सम्पन्न हुआ।

3.1 व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम

संध्यावेला में छात्रों के समग्र विकास हेतु परिसर में विविध कार्यक्रम संचालित किये जाते हैं। यथा-

- खेल एवं क्रीडा
- समसामयिक विषयों पर छात्रचर्चा
- संभाषणात्मक कौशल-विकास
- सुलेख कौशल-विकास

3.2 स्वागत एवं विदाई कार्यक्रम

श्री सदाशिव परिसर द्वारा 2020-21 के अन्तराल में निम्न विद्वानों का (स्थानान्तरण/नवनियुक्ति) स्वागत किया गया- प्रो. के.वि. सुब्बारायुडु (प्रोफेसर, अद्वैत वेदान्त विभाग)-15.02.2021, डॉ. आर. वालामुरगन (सहायकाचार्य नव्यन्याय)-02.03.21, डॉ. पद्मजा शतपथी (अतिथि अध्यापक-इतिहास विभाग)-01.03.2021, श्रीमती मधुस्मिता मिश्रा (अतिथि अध्यापक- (आँग्ल विभाग)-01.03.2021, डा. गणेश कुमार मिश्रा (अतिथि अध्यापक- (ज्योतिष विभाग)-01.03.2021, प्रो. के.सी पाढी (अतिथि अध्यापक, व्याकरण- दूरस्थशिक्षा) -01.03.2021, श्री प्रमोद कुमार मिश्रा (अतिथि अध्यापक, साहित्य- दूरस्थशिक्षा)-01.03.2021 विद्वानों के श्री सदाशिव परिसर के साथ जुडने के उपलक्ष्य में स्वागत कार्यक्रम आयोजित किये गये एवं 31.01.2021 को श्री भागीरथी वारिक (MTS) के कार्यकाल समापन अवसर पर परिसर में विदाई दिया गया।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्याः

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	-	00
उत्तर प्रेषित	-	00

4.2.3 श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर)

1. परिचय

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के बारह परिसरों में जम्मू स्थित श्री रणवीर परिसर अन्यतम है। यह परिसर 84 कनाल भूमि पर निर्मित है।

1.1 उद्देश्य एवं पृष्ठभूमि

जम्मू-काश्मीर के महाराजाधिराज श्री रणवीर सिंह ने संस्कृत विद्या के पारम्परिक एवम् अगाध-अद्भुत ज्ञान के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से जम्मू प्रान्त में सन् 1800 के उत्तरार्ध में श्रीरघुनाथ संस्कृत महाविद्यालय की स्थापना की थी। दिनांक 01 अप्रैल, 1971 को केन्द्र सरकार ने इसका अधिग्रहण किया तथा इसे "श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ" का नाम दिया। दिनांक 02 मई, 2002 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को वृहत्तम बहुपरिसरीय संस्कृत विश्वविद्यालय घोषित किया गया। तब से श्री रणवीर परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, (मानित विश्वविद्यालय) के नाम से विख्यात है। इस परिसर के प्रथम प्राचार्य डॉ. अनन्तमराल शास्त्री थे तथा क्रमशः डॉ. दयानन्द भार्गव, डॉ. जे. गांगुली, डॉ. जगन्नाथ पाठक, डॉ. राघव प्रसाद चौधरी, डॉ. रामकिशोर शुक्ल, डॉ. प्रियतम चन्द्र शास्त्री (कार्यवाहक), डॉ. जी. गंगन्ना, प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री, प्रो. यशपाल खजूरिया (कार्यवाहक), प्रो. एम्. चन्द्रशेखर (कार्यवाहक), प्रो. पी.एन. शास्त्री (कार्यवाहक), प्रो. रामानुज देवनाथन, प्रो. बच्चा भारती (कार्यवाहक), प्रो. लोकमान्य मिश्र (कार्यवाहक), प्रो. फतह सिंह (कार्यवाहक), श्री शरत् चन्द्र शर्मा (कार्यवाहक) प्राचार्य रहें हैं। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, (मानित विश्वविद्यालय) के केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय घोषित होने के बाद प्रो. वासुदेव शर्मा परिसर के अन्तिम (कार्यवाहक) प्राचार्य तथा प्रथम निदेशक थे। वर्तमान में प्रो. मदन मोहन झा परिसर के निदेशक पद पर आसीन है।

1.2 विषय एवं विभाग

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, श्री रणवीर परिसर में अध्ययन विषयानुरूप आठ विभाग हैं -

1. व्याकरण विभाग
2. साहित्य विभाग
3. सर्वदर्शन विभाग
4. ज्योतिष विभाग
5. वेद विभाग
6. आधुनिक विषय विभाग
7. शिक्षाशास्त्र विभाग
8. स्वाध्यायकेन्द्र (मुक्तस्वाध्यायपीठम्)

1.3 अध्ययन-अध्यापन एवं शोध कार्य

श्री रणवीर परिसर में पारम्परिक शिक्षा प्रणाली के अन्तर्गत आधुनिक विषयों का भी सुन्दर सामंजस्य स्थापित कर अध्ययन-अध्यापन किया जाता है। मुख्यालय के निर्देशानुसार सत्रार्द्ध परीक्षा प्रणाली चल रही है। कक्षानुसार परिसर में अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था इस प्रकार है-

(i) पारम्परिक संस्कृत शिक्षा

पारम्परिक संस्कृत शिक्षा के अन्तर्गत श्री रणवीर परिसर में प्राकशास्त्री (इण्टरमीडिएट 10+2), शास्त्री (B.A.) तथा आचार्य (M.A.) शैक्षणिक अध्ययन की व्यवस्था है। इन कक्षाओं में वेद, व्याकरण शास्त्र, साहित्य शास्त्र, दर्शन शास्त्र, सिद्धान्त एवं फलित ज्योतिष शास्त्र तथा संस्कृत के पारम्परिक शास्त्रीय विषयों के साथ-साथ हिन्दी, डोगरी, अंग्रेजी, इतिहास, राजनीति विज्ञान, कम्प्यूटर एवं पर्यावरण शिक्षा इत्यादि आधुनिक विषयों का भी अध्ययन करवाया जाता है।

(ii) व्यावसायिक शिक्षा

श्री रणवीर परिसर में व्यावसायिक शिक्षा के अन्तर्गत शिक्षाशास्त्र विभाग (Education Department) में शिक्षाशास्त्री (B.Ed.) का प्रशिक्षण दिया जाता है।

(iii) शोधकार्य

संस्कृत विद्या की विविध विद्याओं में प्रासंगिक विषयों में बहुआयामी शोध के उद्देश्य से श्रीरणवीर परिसर में विद्यावारिधि

(Ph.D.) के निर्देशन की भी समुचित व्यवस्था है। गत वर्षों तक इस परिसर में 120 शोधार्थी विद्यावारिधि (Ph.D.) की उपाधि प्राप्त कर चुके हैं। वर्तमान सत्र में पंजीकृत शोधार्थियों की संख्या 13 है।

1.4 मुक्त स्वाध्याय केन्द्र

मुक्त स्वाध्याय केन्द्र के वर्तमान सत्र में 44 विद्यार्थी हैं। इसमें प्राकशास्त्री (10+2) से आचार्य (M.A.) कक्षा पर्यन्त अध्ययन-अध्यापन वार्षिक परीक्षा प्रणाली (Annual System) द्वारा चल रहा है। मुक्तस्वाध्याय की विशेष उपादेयता एवं आकर्षण यह है कि इसमें संस्कृतेतर (Non&Sanskrit) विद्यार्थियों तथा अन्य जिज्ञासुजनों के संस्कृत में प्रवेश लेने के लिये विविध स्तरों पर सेतु पाठ्यक्रमों (Bridge courses) को भी तैयार किया गया है। इसमें विद्यार्थियों को पुस्तकीय सामग्री के साथ-साथ दृश्य-श्रव्य (Audio & Visual) सामग्री भी उपलब्ध करवाई जाती है ताकि संस्कृत से अनभिज्ञ लोग भी अत्यन्त अल्प अवधि में सरल संक्षिप्त मार्ग से संस्कृत का सामान्य एवं शास्त्रीय ज्ञान अर्जित कर सकें।

केन्द्र में साहित्य, व्याकरण एवं ज्योतिष विषयों के साथ संस्कृत पत्रकारिता प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम चल रहा है। भविष्य में अन्य शास्त्रीय विषयों की भी सुचारू व्यवस्था किये जाने की योजना सुनिश्चित है। इनके अतिरिक्त नाट्यशास्त्र, पालि, प्राकृत आदि विविध विषयों में प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम (Certificate Courses) प्रारम्भ किये जायेंगे। सूत्रपात के लिए संस्कृत के क्षेत्र में संस्थान मुख्यालय, मुक्तस्वाध्यायपीठ एवं सभी संस्कृतानुरागी बधाई के पात्र हैं विविध पाठ्यक्रमों में समाज का प्रबुद्धवर्ग भी जुड़ा है जिसमें इंजीनियर, डॉक्टर, वकील, प्राध्यापक आदि हैं।

1.5 कश्मीर शैवदर्शन परियोजना

कश्मीर शैव दर्शन जम्मूकश्मीर प्रान्त की अमूल्य धरोहर है। इस धरोहर के संरक्षण के उद्देश्य से श्री रणवीर परिसर में कश्मीर शैव दर्शन परियोजना चल रही है। यह परियोजना संस्थान के केवल इसी परिसर में है। स्वर्गीय डॉ. बलजिन्नाथ पण्डित एवं शैवदर्शन कोश से सम्बद्ध शोध सहायकों के अथक प्रयास से कश्मीर-शैवदर्शन कोश का प्रकाशन दो भागों (2 Volumes) में हो चुका है। ये दोनों भाग विक्रय के लिये सर्वजन सुलभ हैं। इनकी प्रतियाँ सम्पूर्ण भारत में तथा भारत से बाहर विदेशों में भी जा रही हैं। इस विभाग में लगभग 125 दुर्लभ पाण्डुलिपियाँ विद्यमान हैं। ये पाण्डुलिपियाँ शारदालिपि एवं देवनागरी लिपि में लिपिबद्ध हैं।

1.6 प्रकाशन

विविध ज्ञान-विज्ञान, दर्शन आदि से सम्बन्धित 23 ग्रन्थ परिसर द्वारा प्रकाशित किये जा चुके हैं। इनमें कश्मीर शैव दर्शन से सम्बन्धित ग्रन्थों की माँग सम्पूर्ण देश से की जा रही है। संस्कृत, हिन्दी, डोगरी तथा अंग्रेजी भाषा में गवेषणा पूर्ण वैचारिक निबन्ध, कविता आदि से सुसज्जित श्रीवैष्णवी नामक वार्षिक शोध पत्रिका का प्रकाशन भी विगत वर्षों से होता आ रहा है।

सत्र 2011-12 से परिसर के शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा भी शिक्षामृतम् नामक शिक्षाशास्त्र पत्रिका का प्रकाशन प्रारम्भ किया गया है। सत्र 2016-17 से परिसरीय विभागीय शोध पत्रिकाओं का प्रकाशन प्रारम्भ किया गया। सत्र 2019-20 से एक अन्य परिसरीय पत्रिका वैखरी का प्रकाशन भी प्रस्तावित है जिसमें परिसर के छात्रों के कविता, गीत, लेख इत्यादि सम्मिलित होंगे।

1.7 पुस्तकालय

श्री रणवीर परिसर का अपना सुसमृद्ध पुस्तकालय है जिसमें विविध विषयों की लगभग 46,000 पुस्तकें उपलब्ध हैं। पुस्तकालय में 72 दुर्लभ पांडुलिपियां भी हैं। पांडुलिपियां शारदा और देवनागरी लिपियों में हैं।

1.8 ई-पुस्तकालय

श्री रणवीर परिसर की ग्रन्थात्मक ज्ञाननिधि को परिचयात्मक दृष्टि से सर्वजन सुलभ बनाने के उद्देश्य से परिसर में ई-पुस्तकालय (ई-ग्रंथालय) की अंकनात्मक प्रविष्टि की प्रक्रिया चल रही है।

1.9 वेधशाला

विद्यार्थियों को सौविध्यपूर्वक ज्योतिष शास्त्र का सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक ज्ञान प्रदान करने की दृष्टि से श्री रणवीर परिसर में एक लघु वेधशाला भी स्थापित की गई है। इस वेधशाला में लघु तारामण्डल, दूरवीक्षण यन्त्र, ग्रहकक्षा क्रम यन्त्र, चन्द्रकला यन्त्र, सौरचन्द्रग्रहण यन्त्र तथा गोल यन्त्र आदि अनेक यन्त्र एवं चित्रफलक विद्यमान हैं।

1.10 सम्मेलन कक्ष

श्री रणवीर परिसर में एक मन्त्रणा सभागार बनाया गया है जो कि माइक्रोफोन और एलईडी प्रोजेक्टर प्रणाली के साथ आधुनिक एवम् उत्कृष्ट सुविधाजनक फर्नीचर से सुसज्जित

है। इस मन्त्रणा सभागार में 62 व्यक्तियों के बैठने की सुखद व्यवस्था है।

1.11 वाणी विलास सभागार

विद्वद्व्याख्यान तथा विद्यार्थियों की नृत्य-नाट्य-भाषाणादि, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के सुचारू संचालन के लिये श्री रणवीर परिसर में आधुनिक तकनीक युक्त ध्वनि प्रकाशादिव्यवस्था से सम्पन्न तथा सुन्दर फर्नीचर से सुसज्जित 'वाणीविलास' सभागार भी है। इस भव्य सभागार में 500 लोगों के बैठने की पर्याप्त व्यवस्था है।

1.12 संगणक कक्ष

आधुनिक विषयों के अन्तर्गत शास्त्री स्तर तक विद्यार्थियों को कम्प्यूटर की शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से परिसर में संगणक कक्ष भी बनाया गया है। इस संगणक कक्ष में पर्याप्त रूप से उपयोगी फर्नीचर की सुविधा सहित 17 संगणक यन्त्रों की व्यवस्था है। संगणक कक्ष इन्टरनेट सुविधा से युक्त है।

1.13 प्रति विभाग संगणक

विभागीय कार्यों को सुचारू गति देने और अधिक व्यवस्थित ढंग से कार्यों के सम्पन्न करने के लिए परिसर के प्रत्येक विभाग में एक एक संगणक इन्टरनेट सुविधा सहित लगाये गए हैं।

1.14 विभागीय पुस्तकालय

शिक्षकों और छात्रों को किताबें आसानी से उपलब्ध कराने और उनमें किताबों के प्रति रुचि पैदा करने के लिए, परिसर के सभी विभागों में विभागीय पुस्तकालय स्थापित किए गए हैं।

1.15 स्मार्ट कक्षा कक्ष

इस वर्ष शिक्षण-अधिगम को अधिक प्रभावी बनाने के लिए परिसर में सात सुसज्जित स्मार्ट कक्षा स्थापित किए गए हैं।

1.16 भाषा प्रयोगशाला

परिसर के शिक्षा शास्त्र विभाग (Pedagogy) में सत्र 2016-17 में भाषा प्रयोगशाला का निर्माण हुआ। इस में दस छात्रों एवं एक अनुदेशक के लिए भाषा कौशल अधिगम की व्यवस्था की गई है। इस में 10 अधिगम संगणक एवं 01 अनुदेशक संगणक व्यवस्थित है।

1.17 मनोविज्ञान प्रयोगशाला

परिसर के शिक्षाशास्त्र विभाग में मनोविज्ञान प्रयोगशाला में नवीन उपकरणों की व्यवस्था की गई। जिस में अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी सम्मिलित हैं।

1.18 छात्रावास

दूरदराज के क्षेत्रों तथा अन्य राज्यों से आने वाले विद्यार्थियों के लिये श्री रणवीर परिसर में छात्र-छात्राओं के लिये अलग-अलग पर्याप्त विस्तृत सुविधासम्पन्न पुरुष छात्रावास तथा महिला छात्रावास हैं। इन छात्रावासों में कुल 84 आवास कक्ष हैं। जिनमें 168 विद्यार्थियों के रहने की व्यवस्था है। छात्रावासों में 4 गीजर भी हैं। छात्रावासीय छात्रों एवं छात्राओं की भोजन व्यवस्था के लिये दोनों छात्रावासों में सुविधा युक्त भोजनालय भी बनाए गये हैं।

दोनों छात्रावासों सहित पूरे परिसर में इस वर्ष यथापेक्षित नवीनीकरण के साथ सफेदी और रंगाई पुताई करवाई गई है।

1.19 कर्मचारी आवास

प्राचार्य, छात्रावासीय-अधीक्षक तथा परिसरीय सदस्यों की आवासीय सुविधार्थ परिसर में शिक्षक-आवास बनाये गए हैं।

1.20 व्यायाम शाला

विद्यार्थियों के मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य के लिए परिसर में योग-क्रीडा तथा व्यायाम का भी प्रशिक्षण दिया जाता है। जिस के लिए एक व्यायाम शाला का निर्माण किया गया है। इस व्यायाम शाला में विविध आधुनिक व्यायाम उपकरण उपलब्ध हैं और दस सीटों वाला कार्यकेन्द्र स्थापित किया गया है।

1.21 क्रीडा क्षेत्र

परिसर में एक विशाल खेल का मैदान भी है जिस में सभी प्रकार की क्रीडात्मक गतिविधियों का संचालन किया जाता है।

2. साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ

2.1 सरस्वती परिषद् एवं विभागीय गोष्ठी

विद्यार्थियों के व्यक्तित्व एवं बौद्धिक विकास के उद्देश्य से श्री रणवीर परिसर में सन् 1971 से प्रतिमास सरस्वती परिषद् का आयोजन किया जाता है। सन् 2006 से साहित्य व्याकरण, दर्शन, ज्योतिष, शिक्षाशास्त्र एवं आधुनिक विषयों

की भी विभागीय परिषद् (गोष्ठी) प्रत्येक मास के तृतीय सप्ताह में अपने-अपने विषय में भाषण, कण्ठस्थ ग्रन्थपाठ, श्लोकपाठ, उच्चारण आदि का अभ्यास करवाती है। इन सभी विभागीय परिषदों को मिलाकर प्रत्येक मास के अन्तिम सप्ताह में सरस्वती परिषद् का आयोजन किया जाता है जिसके अन्तर्गत सम्मिलित रूप से सभी विषयों की शैक्षणिक, शास्त्रीय आदि विविध प्रतियोगिताएँ करवाई जाती हैं।

2.2 शास्त्राभ्यास

शास्त्र में विशेष रुचि रखने वाले जिज्ञासु विद्यार्थियों को नियमित कक्षा के पश्चात् विविध शास्त्रों का अभ्यास करवाया जाता है। स्वावलम्बन हेतु विद्यार्थियों को रूद्राष्टाध्यायी एवं विविध वैदिक मन्त्रों का भी विधि-विधान सहित पाठ कण्ठस्थ करवाया जाता है। एतदर्थ परिसर में शास्त्राभ्यास कक्ष की विशेष व्यवस्था की गई है।

2.3 संस्कृत सप्ताहोत्सव

दिनांक 30.07.2020 से 05.08.2020 तक परिसर में संस्कृत सप्ताह समारोह ऑनलाइन आयोजित किया गया। इसके अन्तर्गत विविध प्रतियोगिताओं के प्रतिभागी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

2.4 वार्षिक शैक्षिक क्रीडा एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता

परिसर में प्रतिवर्ष भाषण, वाद विवाद, श्लोक पाठ, काव्य पाठ, अन्त्याक्षरी एवं प्रश्नमंच आदि शैक्षिक प्रतियोगिताओं तथा खेलकूद की विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। इन में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को वार्षिकोत्सव में पुरस्कृत किया जाता है। इस वर्ष, ऐसी विभिन्न प्रतियोगिताएं जो संभव हो सकती थीं, ऑनलाइन माध्यम से आयोजित की गईं।

2.5 विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

- जनवरी 2021 में शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का ऑनलाइन आयोजन किया गया।
- सत्र 2021 में ज्योतिष विभाग द्वारा 10 से 11 फरवरी तक "ज्योतिषशास्त्रे ग्रहणविमर्श:" विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का ऑनलाइन आयोजन किया गया।
- सत्र 2021 साहित्य विभाग द्वारा 16 से 17 फरवरी तक दो दिवसीय राष्ट्रीय संस्कृत कवि सम्मेलन "राष्ट्रीय-संस्कृत-कवि-समवाय" का ऑनलाइन आयोजन किया गया।

2.6 श्री शंकर शास्त्रार्थ परिषद्

सत्र 2014-15 से परिसर में श्री शंकर शास्त्रार्थ परिषद् का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें यथाशक्य प्रतिमास परिसर के प्रत्येक विभाग के प्राध्यापकों द्वारा अपने अपने विषय का शास्त्रार्थ प्रस्तुत किया जाता है। शास्त्रार्थ-सम्बद्ध शोधपत्रों का पर्याप्त संकलन होने पर उन्हें संग्रहग्रन्थ के रूप में प्रकाशित भी किया जाता है। "शास्त्रसौरभम्" नामक शोधपत्रसंग्रहग्रन्थ सत्र 2015-16 में श्रीरणवीर परिसर से प्रकाशित हो चुका है।

2.7 श्री शारदा विशिष्ट व्याख्यानमाला

प्रतिवर्ष परिसर में श्री शारदा विशिष्ट व्याख्यानमाला का आयोजन किया जाता है जिसके अन्तर्गत परिसर के सभी विभागों की ओर से अपने अपने विषय के विशेषज्ञ विद्वानों को आमन्त्रित कर विशिष्ट व्याख्यानों का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष श्री शारदा विशिष्ट व्याख्यानमाला के आयोजन की रूपरेखा तैयार होकर अपनी क्रियान्विति की ओर उन्मुख है।

3. शैक्षणिक सत्र 2020-21 में सम्पन्न वार्षिक गतिविधियों का विवरण

- दिनांक 21.06.2020 को परिसर में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का ऑनलाइन आयोजन किया गया।
- दिनांक 15.08.2020 को परिसर में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। परिसर निदेशक द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।
- 05.09.2020 को परिसर में ऑनलाइन शिक्षक दिवस मनाया गया।
- दिनांक 14.09.2020 से 24.10.2020 तक "हिंदी पखवाड़ा" समारोह ऑनलाइन आयोजित किया गया। इसके अन्तर्गत विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग ग्रहण किया तथा पुरस्कार प्राप्त किये।
- महात्मा गांधी की 152वीं जयंती के अवसर पर 01.10.2020 से 07.10.2020 तक परिसर में ऑनलाइन स्वच्छता सप्ताह का आयोजन किया गया। जिसमें स्वच्छता के सन्दर्भ में महत्त्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। परिसर द्वारा आयोजित इस अभियान में भलवाल प्रखंड के सदस्यों एवं परिसर के स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया।
- दिनांक 12.10.2020 से 18.10.2020 तक परिसर में

डिजिटल संस्कृतशिक्षण प्रशिक्षण पर सप्तदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

- दिनांक 31.10.2020 को परिसर में श्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की 145वीं जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया।
- दिनांक 12.11.2020 को परिसर में शिक्षा दिवस मनाया गया।
- दिनांक 26.01.2021 को परिसर में गणतंत्र दिवस मनाया गया। परिसर निदेशक द्वारा ध्वजारोहण किया गया।
- दिनांक 29.01.2021 को वसंत पंचमी के अवसर पर सरस्वती पूजन का आयोजन किया गया।
- दिनांक 08.02.2021 को परिसर में श्री शंकर शास्त्रार्थ परिषद् का उद्घाटन हुआ जिसमें वेद विभाग द्वारा वेद विषयक शास्त्रार्थ प्रस्तुत किया गया।
- दिनांक 21.02.2021 को आधुनिक विषय विभाग द्वारा "मातृ-भाषा दिवस" ऑनलाइन आयोजित किया गया।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्याः

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	-	00
उत्तर प्रेषित	-	00

4.2.4 गुरुवायूर परिसर, पुरनाट्टुकरा, त्रिचूर (केरल)

परिसर के बारे में

1. केरल, भगवान का अपना देश, के जन्म से पवित्र हुआ।

आदि शंकर, जगद गुरु श्री शंकराचार्य के अद्वैत वेदांत के दर्शन से प्रभावित होने के कारण जाति, रंग, लिंग और पंथ के भेदभाव के बिना रहने की जगह के रूप में शिखर पर पहुंचा है।

संस्कृतप्रणयभाजनम पीटी कुरियाकोस मास्टर ने 1909 में पावरट्टी में गुरुवायूर साहित्य दीपिका संस्कृत विद्यापीठ की शुरुआत की और 1934 में मदर्स विश्वविद्यालय के तहत यूजी और पीजी पाठ्यक्रम शुरू किए गए, जिसे बाद में 1972 में राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा लिया गया और इसे साहित्य दीपिका संस्कृत विद्यापीठ के रूप में फिर से नाम दिया गया। 1979 में इसका नाम बदलकर गुरुवायूर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ कर दिया गया और 1983 में इसे वर्तमान स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया।

16 अगस्त 1998 को तत्कालीन माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. मुरली मनोहर जोशी ने पुरनाट्टुकरा में स्थित नए प्रशासनिक और शैक्षणिक संभाग का उद्घाटन किया।

वर्तमान में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गुरुवायूर परिसर के नाम से जाना जाता है।

2. स्थान

यह शारदा गर्ल्स हाई स्कूल के ठीक पीछे त्रिशूर जिले के अडाट पंचायत में पुरानाट्टुकारा में स्थित है। यह अमला इंस्टीट्यूट मेडिकल साइंसेज, रामकृष्ण आश्रम गुरुकुलम स्कूल, आईईएस इंजीनियरिंग कॉलेज और केंद्रीय विद्यालय से घिरा हुआ है। यह त्रिशूर से NH 47 पर 8 किमी दूर है। निकटतम हवाई अड्डा कोच्चि, नेडुम्पाश्शेरी में है।

3. उपलब्ध पाठ्यक्रम

इस परिसर में प्राक-शास्त्री (+2 संस्कृत) से लेकर शास्त्री, आचार्य, शिक्षा-शास्त्री एवं विद्यावारिधि तक की शिक्षा प्रदान की जाती है तथा एकवर्षीय योगा एवं आयुर्वेद साहित्य डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी चलाया जाता है।

पावरट्टी सेंटर में मुक्तस्वाध्याय पीठ के संचालित पाठ्यक्रम

ब्रिज कोर्स - शास्त्री और आचार्य

शास्त्री - व्याकरण, साहित्य और ज्योतिष

आचार्य - व्याकरण, साहित्य और ज्योतिष

प्राथमिक पाठ्यक्रम - पाली और प्राकृत

सर्टिफिकेट कोर्स - पाली, प्राकृत और पत्रकारिता

आयोजित कार्यक्रम

1. 74वां भारतीय स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2020 को मनाया गया।
2. श्री.पी.टी. कुरियाकोस मास्टर की 131वीं जयंती 08 अक्टूबर 2020 को आयोजित की गई।
3. 72वां भारतीय गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2021 को मनाया गया।
4. परिसर के संस्थापक, श्री.पी.टी.कुरियाकोस मास्टर की स्मृति में 11वां अंतर्राष्ट्रीय व्याख्यान 26.02.2021 को आयोजित किया गया।

7. अन्य गतिविधियाँ

वाग्वर्धिनी सभा

यह प्रत्येक बुधवार को दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक सभी कक्षाओं के लिए आयोजित होता है और 30 से अधिक बैठकों में वाक्यार्थ विचार, शास्त्रपरिचर्चा, समकलीना विषय, प्रश्नोत्तरी और कलाविनोद आदि पर चर्चा की गई।

वाक्यार्थ परिषद

छात्रों में शास्त्रों का तलस्पर्श ज्ञानसम्पादन हेतु अध्यापकों का वाक्यार्थ आयोजन किया।

योग दिवस

21 जून 2021 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग शिक्षक श्री के प्रदर्शन के साथ मनाया गया। धनेश पी.वी. और योग और आयुर्वेद डिप्लोमा छात्र एवं सभी अध्यापक और कर्मचारी शामिल हुए।

6. शिक्षा शास्त्री विभाग के कार्यक्रम का विवरण

1. संस्कृत सप्ताह समारोह
2. 21 दिवसीय भाषा शिक्षण कार्यशाला
3. 5 सितंबर, 2020 को शिक्षक दिवस मनाया गया।
4. 11 नवंबर, 2020 को मनाया गया शिक्षा दिवस।
5. दस दिवसीय योग कार्यशाला।
6. प्रतिभा दिवस का आयोजन।
7. मैक्सिमों का पाठ।
8. माइक्रो-टीचिंग का आयोजन।
9. स्कूल समझ कार्यक्रम का आयोजन।
10. व्यक्तित्व विकास कक्षाओं का आयोजन।
11. विभागीय स्टाफ और छात्रों ने 14 सितंबर से 29 सितंबर 2020 तक हिंदी पखवाड़ा में भाग लिया है।
12. 21 फरवरी 2021 को आयोजित मातृभाषाम में विभागीय कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया।
13. विभागीय कर्मचारियों ने केरल के यूडब्ल्यूएएस के सहयोग से एन.पी.ई.-2020 की एक संगोष्ठी में भाग लिया है।

7. आधुनिक विभाग के कार्यक्रम का विवरण

1. आधुनिक विषय विभाग ने 14 सितंबर से 29 सितंबर 2020 तक हिंदी पखवाड़ा आयोजित किया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. के. अजिता, कुलसचिव, कोचीन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कोचीन थे। परिसर अध्यापक और छात्रों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।
2. मातृभाषा दिवस 21 फरवरी 2021 को आयोजित किया गया। परिसर निदेशक आचार्य ई.एम. राजन ने उद्‌बोधन किया। स्टुडेंट्स ने विभिन्न भाषाओं में पाठ प्रस्तुत किए।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या:

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	-	01
उत्तर प्रेषित	-	01

4.2.5 जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)

1. परिसर का परिचय

राजस्थान राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री माननीय स्व. श्री शिवचरणमाथुर जी के अनुरोध पर पद्मश्री डॉ. मण्डनमिश्र (पूर्वनिदेशक) के सत्प्रयासों से राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के प्रथम निदेशक प्रो. रामकरण शर्मा के द्वारा 13.05. 1983 को यह परिसर "केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ" के नाम से स्थापित किया गया। कालान्तर में यह परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) जयपुर परिसर के नाम से प्रसिद्ध हुआ। संसद द्वारा पारित अधिनियम से दिनांक 30 अप्रैल 2020 से यह परिसर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर परिसर के नाम से जाना जाता है। परम्परागत शिक्षा के प्रचार-प्रसार, दुर्लभ पाण्डुलिपियों के संरक्षण, उनके प्रकाशन, संस्कृत-विद्या क्षेत्र में शोध-कार्यों के संवर्धन तथा शास्त्रज्ञान के साथ-साथ आधुनिक, लोकोपयोगी, नूतन विषयों के ज्ञान प्रदान के लिए प्रयासरत यह परिसर इस वर्ष अपनी स्थापना के 38 गौरवपूर्ण वर्ष पूर्ण कर रहा है।

2. परिसर की स्थिति

डॉ. सरोजिनी महिषी महोदया के उपाध्यक्ष काल में उनके सत्प्रयासों तथा भारत सरकार के द्वारा दी गई वित्तीय सहायता से राजस्थान की राजधानी जयपुर में नगर के केन्द्रीय क्षेत्र में 7.27 एकड़ भूखण्ड में 60 कमरों से युक्त संस्थान का यह विशाल भवन अध्यापन कक्षों, प्रशासन खण्ड, व्यायामशाला, सुसज्जित सभागार, पुस्तकालय, परियोजना खण्ड, कम्प्यूटर प्रयोगशाला, प्राकृत शोध अध्ययन केन्द्र, मुक्त स्वाध्याय केन्द्र, छात्र-छात्राओं का पृथक्पृथक् छात्रावास, प्राध्यापक-कर्मचारी आवास, क्रीडांगण, बाग-बगीचेइत्यादि भौतिक सम्पदाओं से युक्त है। इस वर्ष भवन के नवीनीकरण, मरम्मत तथा नवीन सौन्दर्यीकरण जैसे कार्य भी किये गये हैं। छात्रों की संख्या में वृद्धि के कारण कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु नूतन अत्याधुनिक संगणक प्रयोगशाला का निर्माण किया गया।

3. सत्र 2020-21 में भौतिक विकास कार्य

दिनांक 27 जनवरी 2020 को 34,4950276 करोड़ की लागत से बन रहे बहु-उद्देश्यीय भवन का शिलान्यास कुलपति प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री एवं प्राचार्य प्रो. अर्कनाथ चौधरी द्वारा भूमिपूजन के साथ माननीय राज्यपाल श्री कलराज मिश्र के कर कमलों से किया गया। निर्माणाधीन यह भवन सुसज्जित सभागार, अतिथिगृह, चार लिफ्ट, पार्किंग आदि सभी आधुनिक सुविधाओं से युक्त है। राष्ट्रिय सेवा योजना के अन्तर्गत व्यापक स्तर पर परिसरीय स्वच्छता एवं वृक्षारोपण आदि कार्य भी इस सत्र में उल्लेखनीय रूप से किये गये।

4. परिसर में संचालित विभाग

परिसर में साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष (सिद्धान्त ज्योतिष एवं फलित ज्योतिष), धर्मशास्त्र, जैनदर्शन, सर्वदर्शन, वेद, शिक्षाशास्त्र (शिक्षाशास्त्री एवं शिक्षाचार्य), शिक्षाचार्य, विद्यावारिधि सभी शास्त्रों में, योग एवं आयुर्वेद, शोधादि 10 विभाग संचालित हैं।

5. अन्य क्रियाकलाप/समारोह/कार्याशालाएँ

- अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून, 2020
- पौधारोपण कार्यक्रम 30.07.2020
- संस्कृत सप्ताह महोत्सव का आयोजन 03-06 अगस्त 2020
- स्वतंत्रता दिवस का आयोजन दिनांक 15.08.2020
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 संस्कृत शिक्षा 24.08.2020
- तकनीकि प्रशिक्षण कार्यशाला 05-10 सितम्बर 2020
- संस्कृत भाषा अभ्यास वर्ग दिनांक 01.10.2020 से 31. 10.2020
- ऑनलाइन सतर्कता जागरुकता सप्ताह, 04-10.11.2020
- संविधान दिवस कार्यक्रम 26.11.2020
- अन्तरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस 10.12.2020
- 150वां गांधी जयन्ती उत्सव व्याख्यान दिनांक 10.12. 2020
- प्राकृत स्वाध्याय माला कार्यक्रम दिनांक 11-25.01. 2021
- राष्ट्रीय युवा दिवस दिनांक 12.01.2021
- मातृभाषा दिवस कार्यक्रम दिनांक 21.02.2021

6. राष्ट्रीय सेवा योजना

परिसर में सत्र 2020–21 में राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत 02 इकाईयों में कुल 185 स्वयं सेवकों का पंजीकरण किया गया। जिनमें 123 छात्र 62 छात्राएँ है। राष्ट्रीय सेवा योजना का अनुदान युवा कल्याण एवं खेल मन्त्रालय, भारत सरकार के युवा कल्याण विभाग, रा.से.यो. के अन्तर्गत राज्य सरकार द्वारा सत्र 2020–21 में नियमित गतिविधियों के लिए रू. 18,000/– जारी किया गया तथा परिसर के छात्रकोष से भी विशेष गतिविधियों के अन्तर्गत सहयोग प्रदान किया जाता है। कार्यक्रम समन्वयक, डॉ. शीश राम एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. कैलाश चन्द्र सैनी के मार्गनिर्देशन में 02 इकाईयाँ सफलतापूर्वक संचालित की जा रही है।

सत्र 2020–21 में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया गया

21.06.2020 6वाँ अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस (Online)

01.08.2020 वृक्षारोपण (Save over city के सौजन्य से) स्थानीय विधाायक डॉ. अशोक लाहोटी एवं परिसर निदेशक

03.09.2020 वृक्षारोपण कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना

05.09.2020 शिक्षक दिवस (शिक्षाशास्त्र विभाग एवं रा.से.यो.)

14.09.2020 द्वितीय इकाई आवंटन, रा.से.यो.

17.10.2020 नो मास्क नो एन्ट्री कार्यक्रम

30.10.2020 से 04.11.2020 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह (Online)

26.11.2020 संविधान दिवस (Online)

12.01.2021 राष्ट्रीय युवा दिवस (Online)

26.01.2021 गणतन्त्रता दिवस

21.02.2021 अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस (Online)

03.03.2021 से 09.03.2021 तक कार्यक्रम अधिकारी, रा. से.यो. अभिविन्यास कार्यक्रम, महाराणा प्रताप कृषि एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, उदयपुर (डॉ. शीश राम)

08.03.2021 अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस

09.03.2021 से 11.03.2021 तक मेरा परिसर स्वच्छ परिसर कार्यक्रम

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या:

प्रार्थना–पत्र प्राप्त	–	03
उत्तर प्रेषित	–	03

4.2.6 लखनऊ परिसर, लखनऊ (उ.प्र.)

1. परिसर का संक्षिप्त परिचय

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा पूर्णरूप से वित्तपोषित वर्ष 1986 में केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ के रूप में लखनऊ में स्थापित हुई। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय लखनऊ परिसर में प्राक्शास्त्री, शास्त्री, शिक्षाशास्त्री, आचार्य एवं विद्यावारिधि पर्यन्त शिक्षा की व्यवस्था है। यहाँ व्याकरणशास्त्र, साहित्य, ज्योतिष, वेद, बौद्धदर्शन, शिक्षाशास्त्र के साथ हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीतिशास्त्र, अर्थशास्त्र एवं संगणक आदि विषयों का अध्यापन होता है। छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु क्रीडा-विभाग में आधुनिक यंत्रों की समुचित व्यवस्था है। लखनऊ परिसर में महिला एवं पुरुष अध्येताओं के लिए पृथक-पृथक आवास की व्यवस्था है। यह परिसर 10 एकड़ भूमि में सुशोभित है।

2. परिसर की स्थिति

संस्कृत शिक्षा के क्षेत्र में यह एक सुप्रतिष्ठित संस्था उत्तपर प्रदेश की राजधानी लखनऊ महानगर के गोमती नगर में स्थापित है। यह परिसर अन्य शास्त्रीय विद्याओं के साथ-साथ प्राच्य विद्या का भी केन्द्र है। भारतीय संस्कृति का विकास, राष्ट्रीय एकता एवं सर्वधर्मसमन्वय आदि की दृष्टि से अवध क्षेत्र के इस नगर में इस तरह के परिसर होना अपने आप में एक विशिष्ट महत्त्व रखता है।

3. परिसर में उपलब्ध पाठ्यक्रम

परिसर में प्राक् शास्त्री, शास्त्री, आचार्य, शिक्षाशास्त्री एवं विद्यावारिधि पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं एवं मुक्त स्वाध्यायपीठ के प्राक् शास्त्री, शास्त्री, आचार्य पाठ्यक्रम तथा पालि, प्राकृत, भोट, ज्योतिष परिचय प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम भी संचालित किए जा रहे हैं।

4. सत्र 2020-21 में परिसर में हुई अन्य गतिविधियाँ

वर्तमान सत्र का सत्रारम्भ कार्यक्रम-दिनांक 11.09.2020 से परिसर के वर्तमान सत्र का आरम्भ हुआ। परिसर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित हुए हैं, जो कि निम्नलिखित हैं-

- हिन्दी पखवाड़ा दिवस - 29 सितम्बर, 2020 को हिंदी पखवाड़ा दिवस का उद्घाटन ऑनलाइन द्वारा किया गया।
- गाँधी जयंती- 02 अक्टूबर, 2020 को राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी की 151वी वर्षगाँठ ऑनलाइन द्वारा मनाया गया।
- संविधान दिवस-26 नवम्बर, 2020 को आयोजन किया गया। जिसमें समस्त परिसरीय छात्र-छात्राओं, कर्मचारीगण तथा प्राध्यापकों ने शपथ ली।
- 26 जनवरी 2021 गणतन्त्र दिवस में कोविड-19 की गाइडलाईन के अनुसार आयोजित किया गया, जिसमें प्रो. सर्वनारायण झा, निदेशक द्वारा उद्बोधन किया गया।
- सरस्वती पूजा- 15 फरवरी, 2021 को परिसर में माँ सरस्वती पूजा का आयोजन किया गया।
- अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस- 21 फरवरी, 2021 को मनाया गया।
- अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस- 08 मार्च, 2021 को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में "21 वीं सदी में महिलाओं की स्थिति-सुरक्षा सम्मान एवं स्वावलंबन" विषयक ऑनलाइन वेबीनार का आयोजन किया गया, इसकी अध्यक्षता परिसरीय निदेशक प्रो. सर्वनारायण झा ने की इसमें मुख्यातिथि के रूप में डॉ. पूजा व्यास, निदेशक आई.सी.पी.आर., लखनऊ तथा विशिष्ट अतिथि श्रीमती पुष्पा सिंह, नेहरु युवा केंद्र, लखनऊ रही।
- राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.), केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर की गतिविधियाँ।
- नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती - दिनांक 23.1.2020 को नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 125 वीं वर्षगाँठ मनाई गयी। भाषण एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया इसमें परिसर के प्रो. लोकमान्य मिश्र, प्रो. मदन मोहन पाठक, प्रो. धनीन्द्र कुमार झा, प्रो. देवी प्रसाद द्विवेदी, प्रो. गजाला अंसारी, डॉ. गुरुचरण सिंह नेगी, डॉ. पवन कुमार आदि उपस्थित रहे।
- मतदाता दिवस- दिनांक 25.1.2020 को राष्ट्रीय सेवा

योजना के स्वयं सेवकों, प्राध्यापकों, कर्मचारियों तथा निर्वाचन आयोग से आये हुए बी.एल.ओ. को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी शपथ पत्र को प्रो. सर्वनारायण झा द्वारा पढ़कर शपथ ग्रहण कराया।

6. विशेष उपलब्धियाँ

सेवानिवृत्ति एवं नियुक्तियाँ-

- प्रो. सर्वनारायण झा (विभागाध्यक्ष, ज्योतिष) ने लखनऊ परिसर में दिनांक 28 दिसम्बर, 2020 को निदेशक के पद पर कार्यभार ग्रहण किया।
- प्रो. हरिनारायण तिवारी ने 29 जून, 2020 में राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी परिसर से स्थानांतरित होकर लखनऊ परिसर के व्याकरण विभाग में कार्य भार ग्रहण किया।
- श्री हर्षित निगम, एम.टी.एस. की नियमित नियुक्ति दिनांक 04.09.2020 को हुई।
- ज्योतिष विभाग में डॉ अश्वनी पाण्डेय तथा श्री आनन्द प्रकाश पाठक का अतिथि प्राध्यापक के रूप में चयन हुआ।
- संगणक विभाग में श्री सी. पुरुषोत्तम अतिथि प्राध्यापक के रूप में चयनित हुए।
- लखनऊ परिसर परिवार के श्री तारकेश्वर चौबे, एम.टी.एस. दिनांक 30.03.2021 को सेवानिवृत्त हुये।
- प्रो. विजय कुमार जैन, अध्यक्ष, बौद्ध दर्शन विभाग दिनांक 30-06-2021 को सेवानिवृत्त हुए।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्याः

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	-	01
उत्तर प्रेषित	-	01

4.2.7 श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी (कर्णाटक)

1. परिसर का संक्षिप्त इतिहास

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने अपनी अंगीभूत इकाई के रूप में 13 जनवरी 1992 को राजीव गाँधी केंद्रीय संस्कृत विद्यारपीठ की स्थापना शृंगेरी में की। उस समय भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. अर्जुन सिंह जी संस्थान के अध्यक्ष थे। भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति महामहिम श्री आर.वेंकटरामन् के कर कमलों द्वारा दिनांक 05 मार्च 1992 को इस परिसर का उद्घाटन हुआ। वर्तमान में यह परिसर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, राजीव गाँधी परिसर के नाम से जाना जाता है। इस परिसर के मुख्य भवन का निर्माण केंद्रीय निर्माण विभाग ने 1.63 करोड़ की लागत से किया। द्वितीय चरण में छात्र एवं छात्राओं के लिए छात्रावास, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के लिए आवास का निर्माण रू 4.17 करोड़ की लागत से किया गया। अभी मुख्य भवन का विस्तार, छात्रावास का विस्तार तथा क्रीडांगण निर्माण रू 8.05 करोड़ की लागत से किया गया। जिस का उद्घाटन विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति जी के द्वारा किया गया है।

2. परिसर में वर्तमान सत्र

2020-21 में कुल 435 छात्र-छात्राओं ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त किया है। यह परिसर, श्रद्धेय श्री जगद्गुरु श्री श्री भारती तीर्थ महास्वामी जी तथा श्रद्धेय जगद्गुरु श्री विधुशेखर भारती महास्वामी जी और आदरणीय पद्मश्री. डा. वी.आर. गौरीशंकर प्रशासक श्री शारदापीठ, शृंगेरी, एवं स्थानीय सलाहकार समिति राजीव गाँधी परिसर शृंगेरी, के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता है। जिनकी महान उदारता से हमारे परिसर के छात्र -छात्राओं को दोपहर का भोजन शारदा प्रसाद के रूप में उपलब्ध कराया जाता है।

3. परिसर की भौगोलिक स्थिति

परिसर हेतु कर्नाटक राज्य सरकार द्वारा शृंगेरी मेणसे में 10.2 एकड़ भूमि प्रदान की गई है, जो राज्य के चिकमंगलूरू जिले में स्थित है। यह परिसर मंगलूर से 120 कि.मी., बेंगलूर से 380 कि.मी., उडुपि से 90 कि.मी., और शिवमोग्गा जंक्शन से 105 कि.मी., की दूरी पर स्थित है। शिवमोग्गा (जं) बेंगलूर से रेलमार्ग द्वारा जुड़ा है।

4. उपलब्ध पाठ्यक्रम

यह परिसर साहित्य, नव्यव्याकरण, अद्वैतवेदान्त मीमांसा, नव्यन्याय और फलितज्योतिष विषयों में आचार्य (एम.ए.) शास्त्री (बी.ए.) स्तर तक की, शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) और प्राक्शामस्त्री (इण्टरमीडिएट) स्तर तक की शिक्षा प्रदान करता है। इस परिसर द्वारा शोध छात्रों को शोध कार्य पूर्ण करने के पश्चात्, विद्यावारिधी (पी.एच.डी) की उपाधि प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त आधुनिक विषयों के अंतर्गत हिंदी, कन्नड़, अंग्रेजी, इतिहास, कंप्यूटर विज्ञान और शारीरिक शिक्षा की विशेष व्यवस्था है। साथ ही वास्तुशास्त्र के डिप्लोमा कोर्स एवं शास्त्री प्रतिष्ठा वर्ग का भी आरंभ किया गया है।

4. छात्रों के लिए पुरस्कार

- परिसर की स्थानीय प्रशासन समिति के अध्यक्ष पद्मश्री विभूषित श्री. वि.आर. गौरीशंकर के माता-पिता महामहोपाध्याय श्रीमती विद्द्यानिधि एवं वि.एस. रामचन्द्र शास्त्री श्री रामभक्त की स्मृति में प्राक-शास्त्री-शिक्षाशास्त्री स्तर पर एक-एक, शास्त्री-आचार्य स्तर पर प्रत्येक शास्त्र में एक-एक तथा जगद्गुरु शंकराचार्य जी श्री श्री भारतीतीर्थ स्वामी जी की ओर से बारह स्वर्ण पदक प्रदान किए जाते हैं।
- होरनाडु स्थित आदिशक्ति अन्नपूर्णेश्वरी देवी के देवालयीय धर्मकर्ता श्री भीमेश्वर जोशी के द्वारा छात्रों के प्रोत्साहन हेतु ज्योतिष एवं अन्य शास्त्रों में शास्त्री तृतीय वर्ष में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए पुरस्कार स्वरूप 25000 रु. की राशि निर्धारित की गई है।
- कीर्ति शेष श्री महाबल भिडे महोदय की स्मृति में उनके पुत्र श्री एन.एम. भिडे के द्वारा प्राक-शास्त्री द्वितीय वर्ष

में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए पुरस्कार स्वरूप 11000 रु की राशि निर्धारित की गई है।

- कीर्ति शेष छात्र श्री बी.जी. शेष गोपाल की स्मृति में उनके पिता श्री गणेश भट्ट द्वारा शास्त्री तृतीय वर्ष में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं हेतु 11000 रु. की राशि पुरस्कार स्वरूप निर्धारित की गई है।
- आचार्य स्तर पर सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं हेतु परिसर प्राध्यापक पक्ष द्वारा गुरुकृपा नाम से रु. 11000/- की राशि पुरस्कार स्वरूप निर्धारित की गई है।
- ब्रह्म श्री शेषगिरि कृष्णमूर्ति की माता के नाम पर आचार्य द्वितीय वर्ष में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं के प्रोत्साहनार्थ रु. 12000/- राशि सहित कावेरम्मा पुरस्कार निर्धारित किया गया है। यह पुरस्कार न्याय-वेदान्त शास्त्रों में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रदान किया जाता है।
- परिसर के पूर्व ज्योतिष अध्यापक श्री.एच.वि. श्रीनाथ के द्वारा माता ललिताम्मा के षश्ठ्यब्द संस्मरण में शास्त्री तृतीय वर्ष में ज्योतिष शास्त्र में सर्वाधिक अंक प्राप्त करनेवाले छात्र/छात्राओं के लिए पुरस्कार स्वरूप 25000 रु की राशि प्रदान की जाती है।
- शृंगेरी कुलपती श्री शंकरनारायण जोयिस के कुटुम्ब के सदस्यों द्वारा उनकी स्मृति में पुरस्कार रूप में रु. 25000/- की राशि निर्धारित की गई है। यह राशि ज्योतिष शास्त्र/किसी भिन्न शास्त्र/विद्यावारिधि उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए प्रदान की जाती है।
- राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति के शिक्षा विभागीय सदस्य डा. पि.वि. वेंकटराव द्वारा रु. 11000/- राशि बतौर पुरस्कार प्रदान करने हेतु निर्धारित की गई है। यह राशि शिक्षाशास्त्र में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए प्रदान की जाती है।
- परिसर के वेदान्त विभाग के पूर्वाध्यक्ष प्रो. महाबलेश्वर पी. भट्ट के द्वारा उनके गुरु वेदान्त केसरी के.एन. नारायण भट्ट के नाम से रु. 32000/- की राशि निर्धारित की गई है। यह राशि बतौर पुरस्कार वेदान्त आचार्य में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए प्रदान की जाती है।

5. मुक्त स्वाध्याय पीठ

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा स्थापित मुक्त स्वाध्याय पीठ का एक केन्द्र परिसर में भी कार्यरत है। यहाँ व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष शास्त्रों में प्राकशास्त्री सेतु, प्राकशास्त्री ख्रशास्त्री सेतु, शास्त्री-आचार्य सेतु और आचार्य परीक्षाएँ संचालित की जाती हैं। इसके साथ ही संस्कृत पत्रकारिता, पाली, प्राकृत प्रमाण पत्र परीक्षा भी आयोजित की जाती है।

6. परिसर में आयोजित कार्यक्रम

- **सत्रारम्भ**- ग्रीष्मावकाश के उपरान्त लाकडाउन के बीच जुलाई 2020 की प्रथम दिनांक को परिसर में सत्रारम्भ हुआ।
- **संस्कृत उत्सव**- दिनांक 4.08.2020 से 06.08.2020 तक श्रीमठ में संस्कृत उत्सव आयोजित किया गया। शुभारंभ के दौरान शंकराचार्य जगद्गुरु श्री भारतीतीर्थ स्वामी और श्री विधुशेखरजी के कर-कमलों से दीप प्रज्वलन एवं अनुग्रह भाषण द्वारा परिसर के प्राध्यापक एवं छात्र लाभान्वित हुए। अग्रिम तीन दिवसों में डॉ. गणेश ईश्वर भट्ट के संयोजन में गठित संस्कृत उत्सव समिति द्वारा आयोजित वाक्यार्थ कार्यक्रम में परिसर के अध्यापकों ने भाग ग्रहण किया।
- **स्वतंत्रता दिवस**- 15 आगस्त 2020 को स्वतन्त्रता दिवस कार्यक्रम के उपलक्ष्य में झंडा रोहण परिसर निदेशक प्रो. सुब्राय वि. भट्ट जी द्वारा किया गया। निदेशक जी की अध्यक्षता में सभा आयोजित हुई। इस अवसर पर कई प्राध्यापकों एवं छात्रों ने अपने विचार सभा में प्रस्तुत किए। राष्ट्रप्रेम से सम्बन्धित सांस्कृतिक कार्यक्रम उत्तम रीति से छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजकत्व का दायित्व डॉ. दयानिधि शर्मा और श्री. रामचन्द्र एच.डी को दिया गया।
- **नूतन शिक्षा नीति चर्चा सत्र**- नूतन शिक्षा नीति के समन्वयन के विषय में परिसर में अक्टूबर मास में एक चर्चा सत्र का आयोजन किया गया। इस चर्चा सत्र में पद्मश्री चम्मूकृष्ण शास्त्री मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे। डा. नारायण वैद्य ने कार्यक्रम का संचालन किया।

- **स्वच्छ भारत अभियान कार्यक्रम**- परिसर में दिनांक 01.10.2020 से 07.10.2020 तक स्वच्छता सप्ताह कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ. अरविन्द कुमार सोमदत्त एवं श्री रामचन्द्र एच.डि. के संयोजकत्व में यह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।
- **राष्ट्रीय एकता दिवस और राष्ट्रीय सतर्कता जागरण सप्ताह**- राष्ट्रीय एकता दिवस और राष्ट्रीय सतर्कता जागरण सप्ताह परिसर में दिनांक- 31.10.2020 से दिनांक- 04.11.2020 तक राष्ट्रीय एकता दिवस एवं राष्ट्रीय सतर्कता जागरण सप्ताह मनाये गये। इस कार्यक्रम में भारत सरकार के द्वारा निर्दिष्ट प्रतिज्ञा का पालन निदेशक जी एवं अन्य शिक्षकों द्वारा किया गया। डा. रामचन्द्र बालाजी ने कार्यक्रम का संचालन किया।
- **राष्ट्रीय शिक्षा दिवस**- 11 नवम्बर 2020 को परिसर में अन्तर्जाल के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम का संयोजन डा. विनय कोम्पेल्लि ने किया।
- **संविधान दिवस**- दिनांक - 26.11.2020 को संविधान दिवस अन्तर्जाल के माध्यम से आयोजित किया गया। डॉ. दयानिधि शर्मा ने कार्यक्रम का संयोजन किया।
- **शारदा पूजा**- दिनांक- 02.12.2020 को परिसर में निदेशक जी एवं शिक्षको ने मिलकर शारदा पूजा का आयोजन किया।
- **गणतंत्र दिवस**- 26 जनवरी 2021 को परिसर में गणतंत्र दिवस का आचरण किया गया। परिसर निदेशक प्रो. सुब्राय वि. भट्ट ने प्रातः 8.30 बजे ध्वजारोहण किया। इसके उपरान्त सभागार में छात्र-छात्राओं ने राष्ट्रीय भावों से परिपूर्ण होकर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम संचालन डॉ. नारायण वैद्य ने किया।
- **भूमि पूजन कार्यक्रम**- दिनांक-04.02.2021 को दोनों जगद्गुरुओं के दिव्य आशीर्वाद से संकल्पित नूतन शैक्षिक भवन के भूमि पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में श्री विधुशेखरभारती जी ने भूमि पूजन संपूर्ण शात्र विधि से किया। सभी प्राध्यापक एवं छात्र इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। प्रो. सूर्यनारायण भट्ट इस कार्यक्रम की संयोजन समिति के समन्वयक थे।
- **मातृभाषा दिवस**- परिसर में 21 फरवरी 2021 को अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डा. वेंकटेश तातार्चार्य इस कार्यक्रम के संयोजक थे।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्याः

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	-	02
उत्तर प्रेषित	-	02

4.2.8 वेद व्यास परिसर, बलाहार (हिमाचल प्रदेश)

1. परिसर परिचय

भारतीय संसद के अधिनियम के द्वारा स्थापित केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली के 12 परिसरों में अन्यतम वेदव्यास परिसर है। जो पूर्व में 2002 से 30 अप्रैल 2020 तक भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के अधीन संचालित राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय, नई दिल्ली का एक परिसर रहा। इससे पूर्व यह राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली के परिसर के रूप में केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ के नाम से हिमाचल प्रदेश में कांगड़ा जिले के गरली ग्राम में भारत स्वतंत्रता की स्वर्ण जयन्ती वर्ष में दिनांक 16.09.1997 को स्थापित हुआ। वर्तमान में यह परिसर बलाहर ग्राम में 13.26 करोड़ रुपये की लागत से अपने नव निर्मित भवन में संचालित है।

वेदव्यास परिसर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के स्वप्न एवं लक्ष्य को वास्तविकता में परिणत करने में सतत प्रगतिशील है। परिसर के लक्ष्य एवं उद्देश्य संस्कृत भाषा एवं उसके विविध शास्त्रीय परम्परा का परिरक्षण करना है। परिसर व्याकरण, ज्योतिष, साहित्य एवं अद्वैत वेदान्त दर्शन विषयों में प्राक्शास्त्री, शास्त्री तथा आचार्य पाठ्यक्रमों को संचालित कर रहा है। उपर्युक्त विषयों में विद्यावारिधि (पी.एच.डी.) उपाधि के लिए शोध भी उपलब्ध है। वर्तमान में शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) पाठ्यक्रम भी उपलब्ध है। इसके अलावा संगणक विज्ञान, पर्यावरण, हिन्दी, अंग्रेजी, इतिहास एवं अर्थशास्त्र आदि आधुनिक विषयों को भी स्नातक स्तर तक पढ़ाया जाता है। यह उल्लेखनीय है कि एक ग्रामीण क्षेत्र में संचालित होने के कारण परिसर के विकास एवं संस्कृत भाषा के प्रचार हेतु अधिक सम्भावनाएँ हैं। हिमाचल प्रदेश के लोग अत्यन्त विनम्र और उदार प्रकृति के होते हैं तथा धार्मिक परम्पराओं एवं भारतीय संस्कृति में विश्वास रखते हैं। यह परिसर समीपस्थ जन समुदायों को संस्कृत से जोड़ने के लिए प्रयासरत है। इस दिशा में परिसर के छात्रों एवं अध्यापकों का योगदान उल्लेखनीय है।

2. परिसर की अवस्थिति

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, वेदव्यास परिसर हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में देहरा तहसील के पास बलाहर नामक एक लघु ग्राम में व्यास नदी के तट पर अवस्थित है। इस परिसर के आस-पास के क्षेत्रों में प्रसिद्ध देवी-देवाताओं के मन्दिर चिन्तपूर्णी, ज्वालाजी, बगुलामुखी एवं कालेश्वर महादेव अवस्थित हैं।

3. उपलब्ध पाठ्यक्रम :

3.1 नियमित पाठ्यक्रम :- परिसर में निम्नलिखित नियमित पाठ्यक्रम परिचालित हैं।

क्र.सं.	कक्षा	अवधि	समकक्षता	शास्त्रीय विषय	आधुनिक विषय
1.	प्राक्शास्त्री	2 वर्ष	+2 बारहवीं	व्याकरण/ साहित्य/ फलित ज्योतिष	हिन्दी, अंग्रेजी, संगणक विज्ञान, इतिहास, अर्थशास्त्र, शारीरिक शिक्षा
2.	शास्त्री/शास्त्री प्रतिष्ठा	3 वर्ष	बी.ए.	व्याकरण/साहित्य/फलित ज्योतिष/अद्वैत वेदान्त	हिन्दी, अंग्रेजी, संगणक विज्ञान, इतिहास, अर्थशास्त्र, शारीरिक शिक्षा, पर्यावरण अध्ययन
3.	आचार्य	2 वर्ष	एम.ए.	व्याकरण/साहित्य/फलित ज्योतिष/अद्वैत वेदान्त	-
4.	विद्यावारिधि		पी.एच.डी.		
5.	शिक्षा-शास्त्री	2 वर्ष	बी.एड.	संस्कृत शिक्षण, हिन्दी शिक्षण/अंग्रेजी शिक्षण/ सामाजिक विज्ञान शिक्षण	

3.2 दूरस्थ पाठ्यक्रम :-

परिसर में मुक्तस्वाध्यायपीठ के स्वाध्याय केन्द्र द्वारा निम्नलिखित पाठ्यक्रम संचालित हैं।

क्र.सं.	कक्षा	अवधि	शास्त्रीय विषय	आधुनिक विषय
1.	प्राक्शास्त्री	2 वर्ष	व्याकरण, साहित्य, फलित ज्योतिष	हिन्दी, अंग्रेजी, इतिहास, राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र
2.	शास्त्री	3 वर्ष	व्याकरण, साहित्य, फलित ज्योतिष	हिन्दी, अंग्रेजी, इतिहास, राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र
3.	आचार्य	2 वर्ष	व्याकरण, साहित्य, फलित ज्योतिष	–
4.	प्राक्शास्त्री सेतु (संस्कृतावतरणी)	6 माह	सामान्य संस्कृत	–
5.	शास्त्री सेतु (संस्कृतावगाहनी)	1 वर्ष	व्याकरण, साहित्य, फलित ज्योतिष	–
6.	आचार्य सेतु (शास्त्रावगाहनी)	1 वर्ष	व्याकरण, साहित्य, फलित ज्योतिष	–

4. अन्य गतिविधियाँ

(क) परिसरीय पाठ्येतर कार्यक्रम-

➢ अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस (21.06.2020)

परिसर में निदेशक की अध्यक्षता में अध्यापकों व कर्मचारियों ने मिलकर गुगलमीट के द्वारा ऑनलाइन अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम् ने किया।

➢ संस्कृत सप्ताह (31.07.2020 से 06.08.2020)

भारत सर्वकार के आदेशानुसार हर वर्ष श्रावणपूर्णिमा को संस्कृत दिवस के रूप में मनाया जाता है तथा प्राप्त निर्देशों के अनुरूप संस्कृत सप्ताह का भी आयोजन इस सन्दर्भ में किया जाता है। इस सत्र में दिनांक 31.07.2020 से 06.08.2020 तक संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया गया। इस सन्दर्भ में विभागशः व्याख्यानों का आयोजन ऑनलाइन हुआ। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. सोमनाथ साहू थे।

➢ पुस्तकालय दिवस (12.08.2020)

12.08.2020 को ऑनलाइन माध्यम से परिसर में श्री विक्रमजीत जी के संयोजन में पुस्तकालय दिवस का आयोजन किया गया।

➢ स्वतन्त्रता दिवस (15.8.2020)

परिसर में स्वतन्त्रता दिवस के उपलक्ष्य में 15.08.2020 को "बेटी बचाओ, बेटी पढाओ" के अन्तर्गत बेटियों को सम्मान देने के उद्देश्य से परिसर अध्यापिका डॉ. प्रतिज्ञा आर्य एवं डॉ. के. मनोज्ञा द्वारा ध्वजारोहण कराया गया।

➢ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 परिचर्चा (24.08.2020) में मुख्यवक्ता पद्मश्री चमूकृष्णशास्त्री जी रहे।

➢ शिक्षक दिवस (05.09.2020)

स्वर्गीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में भारत सरकार के द्वारा हर वर्ष मनाये जाने वाला शिक्षक दिवस परिसर में भी श्रद्धा के साथ मनाया गया। छात्रों द्वारा यह ऑनलाइन कार्यक्रम प्रो. सोमनाथ साहू के मार्गदर्शन में सम्पन्न कराया गया। मुख्यवक्ता प्रो. वेदनारायण चौधरी, शिक्षाशास्त्री विभागाध्यक्ष भोपाल परिसर।

➢ परिचयात्यमक एवं प्रेरणात्मक गोष्ठी (14.09.2020)

भावव्यक्तीकरण सभी प्रकार के विकास के लिये अनिवार्य साधन है। छात्रों में इस प्रवृत्ति को जगाने तथा विकसित करने हेतु वाग्वर्धिनी एवं अन्य परिषदों/क्लब का आयोजन किया जाता है। इस सत्र के परिषदों का औपचारिक उद्घाटन किया गया जैसे वाग्वर्धिनी परिषद, व्याकरण परिषद, साहित्य परिषद, अद्वैतवेदान्त परिषद, ज्यौतिष परिषद, शिक्षाशास्त्र परिषद, आधुनिक विषय परिषद, संगणक मंच, पर्यावरण मंच, कलारञ्जनी मंच, संस्कृत प्रचार मंच, महिलाकेन्द्र,

छात्रपरामर्श केन्द्र, स्वास्थ्य मंच, क्रीडापरिषद्, राष्ट्रिय सेवा योजना आदि। नव प्रविष्ट छात्रों के समक्ष इस अवसर पर सभी विभागों का परिचय तत्तद् विभागाध्यक्ष प्रस्तुत किये। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. पुरुषोत्तम ने किया।

➢ हिन्दी पखवाड़ा (14.09.2020 से 29.09.2020)

भारत सरकार के प्रयासों एवं निर्देशों के अनुरूप परिसर में भी हिन्दी पखवाड़ा 14.09.2020 से 29.09.2020 तक मनाया गया। इस दौरान छात्रों के लिए कविता पाठ तथा व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. पुरूषोत्तम ने किया।

➢ स्थापना दिवस (16.09.2020)

परिसर का तेईसवाँ स्थापना दिवस प्रेरणा तथा संकल्प दिवस के रूप में दिनांक 16.09.2020 को मनाया गया। इस परिसर की स्थापना सितम्बर 16 सन् 1997 को हुई थी। इस उपलक्ष्य में "परिसर विकास" विषय पर परिसरीय सदस्यों का ऑनलाइन अन्तः क्रियात्मक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका संयोजन डॉ. पी.वी.बी. सुब्रहमण्यम ने किया।

➢ संस्कृत सम्भाषण शिविर (16.09.2020 से 25.09.2020)

डॉ. पुरूषोत्तम के समन्वयकत्व में परिसर में नये प्रविष्ट छात्रों में संस्कृत सम्भाषणाभ्यास के लिए माइक्रोसॉफ्ट टीम माध्यम से तीन समूहों में (प्राक्शास्त्री प्रथम, शास्त्री प्रथम अ, शास्त्री प्रथम ब) उक्त कार्यक्रम संचालित किया गया। संयोजन डॉ. पुरूषोत्तम तथा शिक्षण डॉ. मनीष जुगरान, डॉ. सत्यदेव, केवल, मोनिका, रीना कुमारी, अक्षय, किशोरी के द्वारा किया गया।

➢ शिक्षाशास्त्री द्वितीय वर्षीय छात्रों का शिक्षण अभ्यास

यह कार्यक्रम 05 समूहों में ऑनलाइन टीम एप के माध्यम से किया गया।

➢ शोध समिति बैठक (06.10.2020)

दिनांक 06.10.2020 को स्थानीय शोध समिति की ऑनलाइन बैठक सम्पन्न हुई।

➢ डाक जागरूकता कार्यक्रम (09.10.2020 से 15.10.2020)

डाक सप्ताह 09.10.2020 से 15.10.2020 के अन्तर्गत स्थानीय डाक विभाग के द्वारा यह कार्यक्रम ऑनलाइन सम्पन्न कराया गया।

➢ विद्यावारिधि एवं शिक्षाशास्त्री प्रवेश परीक्षा- (18.10.2020)

परिसर में दिनांक 18.10.2020 को पूर्व शिक्षाशास्त्री, शिक्षाचार्य, विद्या-वारिधि प्रवेश दिनांक 18.10.2020 को सम्पन्न कराई गई। केन्द्राध्यक्ष निदेशक महोदय रहे।

➢ राष्ट्रीय शिक्षा दिवस- (15.11.2020)

परिसरीय शिक्षाशास्त्री छात्रों की सहभागिता में यह कार्यक्रम परिसर निदेशक के व्याख्यान के साथ सम्पन्न हुआ।

➢ युवा प्रेरणा पखवाड़ा- (13.01.2021-30.01.2021)

नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की जयन्ती से लेकर गांधीजी के निर्वाण दिवस पर्यन्त यह कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसके मध्य स्वामी विवेकानन्द तथा डॉ. भीमराव अम्बेडकरजी की प्रेरणाओं को छात्रों में प्रसारित किया गया। इस कार्यक्रम श्रृंखला में विभूतियों की जीवन चर्चा पर परिसर आचार्यों के व्याख्यान हुए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दीप कुमार ने किया।

➢ गणतन्त्र दिवस- (26.01.2021)

परिसर में गणतन्त्र दिवस के उपलक्ष्य में "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" अभियान के तहत बेटियों को सम्मान देने के उद्देश्य से परिसर की अध्यापिका कु. रागिनि शर्मा के साथ कु. पूनम और चांदनी, आचार्य द्वितीय वर्ष (साहित्य) दो छात्राओं द्वारा ध्वजारोहण कराया गया।

➢ सरस्वती पूजन- (16.02.2021)

परिसर में दिनांक 16.02.2021 को शास्त्री तृतीय वर्ष के छात्रों के साथ सरस्वती पूजन किया गया। इसका संयोजन डॉ. मंजूनाथ एस. जी. ने किया।

➢ मातृभाषा दिवस - (22.02.2021)

परिसर के प्रांगण में भाषा विविधता तथा बहुभाषावाद को संसाधन के रूप में प्रयोग करने की प्रेरणा देते हुए सभी भाषाओं का समादर भाव जागृत करने हेतु यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें परिसर के विभिन्न भाषा-भाषी छात्रों एवं अध्यापकों ने अपनी-अपनी मातृभाषा का प्रयोग करते हुए विशिष्टता प्रकट की। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. मंजूनाथ एस.जी. थे। संचालक डॉ. पुरूषोत्तम थे।

➢ सामूहिक कोरोना परीक्षण- (01.03.2021)

परिसर में दिनांक 01.03.2021 को सभी सदस्यों का कोरोना परीक्षण किया गया।

➢ महिला दिवस – (08.03.2021)

दिनांक 08.03.2021 को महिला दिवस ऑनलाइन माध्यम से मनाया गया।

➢ शिक्षाशास्त्री द्वितीय वर्ष की वार्षिक प्रायोगिक परीक्षा (17.05.2021 से 19.05.2021)

शिक्षाशास्त्री द्वितीय वर्ष की वार्षिक प्रायोगिक परीक्षा ऑनलाइन माध्यम से माइक्रोसॉफ्ट टीम के द्वारा सम्पन्न हुई। बाह्य परीक्षक प्रो. रमेश प्रसाद पाठक (दिल्ली) आन्तरिक परीक्षक प्रो. लक्ष्मी निवास पाण्डेय (परिसर निदेशक) तथा कार्यक्रम समन्वयक डॉ. सत्यदेव, तकनीकी संयोजक डॉ. पुरूषोत्तम थे।

(ख) व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम एवं छात्र सुविधाएँ

➢ शिक्षणेतर गतिविधियों के माध्यम से छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए निरन्तर निम्नलिखित कार्यक्रम सायं काल में चलाए जाते हैं। हर एक गतिविधि के लिए विभिन्न अध्यापक, अध्यक्ष एवं संयोजक के रूप में मार्गदर्शन देते हैं तथा एक छात्र एवं एक छात्रा प्रतिनिधि इसका संचालन करते हैं। इस वर्ष कोरोना के कारण ये कार्यक्रम निरन्तर नहीं हो सके, कुछ कार्यक्रम ऑनलाइन सम्पन्न हुए।

➢ छात्रावास– किराए पर दो छात्रावासों को लिया गया है।

(1) पुरुष छात्रावास, बलाहर में
अधिष्ठाता– डॉ. पुरुषोत्तम,

(2) महिला छात्रावास, नगरोटा में
अधिष्ठात्री– डॉ. प्रतिज्ञा आर्या

➢ परिसरीय बस व्यवस्था – प्रतिदिन 3 चक्कर लगाकर नगरोटा, गरली, प्रागपुर से छात्रों के गमनागमन व्यवस्था संयोजक डॉ. संजय कुमार के पर्यवेक्षण में होता है।

➢ अन्नपूर्णा मन्दिर–कैन्टीन – "अन्नपूर्णा मन्दिर"–कैण्टीन में अध्ययनार्थी छात्रों के लिए स्वास्थ्यकर एवं पौष्टिक भोजन न्यून मूल्य पर उपलब्ध कराया जाता है।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या:

प्रार्थना–पत्र प्राप्त	–	04
उत्तर प्रेषित	–	04

4.2.9 भोपाल परिसर, भोपाल (मध्य प्रदेश)

1. परिसर परिचय

भोपाल प्राचीनकाल से प्राकृतिक, बौद्धिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं राजनैतिक आदि विभिन्न सम्पदा से सम्पन्न रहा है। अत: यहाँ भोपाल परिसर को स्थापित करने के लिए तत्कालीन केन्द्रीय मन्त्री डॉ. मुरली मनोहर जोशी, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार ने पत्र क्रमांक संस्कृत-1- सैक्शन दिनांक 31 मार्च 2002 के द्वारा स्थापना आदेशपत्र निर्गत किया था। उक्त शासनादेश को क्रियान्वित करने के लिए रा.सं.सं. नई दिल्ली ने पत्र क्रमांक-37021/2002-admin/1108 कार्यालय आदेश संख्या 107/दिनांक 05.06.2002 के द्वारा एतदर्थ प्राचार्य आदि विभाग उपलब्ध कराकर 1 जुलाई 2002 से भोपाल परिसर को क्रियाशील किया था। यद्यपि इस तिथि से प्राय: दस वर्ष पूर्व ही 1991-92 में तत्कालीन मानव संसाधन विकास मन्त्री माननीय अर्जुन सिंह की घोषणा से भोपाल परिसर के स्थापना की योजना प्रकल्पित हुई थी और उसी समय मध्यप्रदेश शासन ने पत्र क्रमांक-एफ 6730/शास./सा.-2बी/93 दिनांक 27.05.1993/20.07.1993 के शासनादेश के द्वारा इस परिसर के विकास के लिए 10 एकड़ भूमि नि:शुल्क आवंटित की थी। इस प्रकार भोपाल में 6 जुलाई 2002 से बरकत-उल्ला विश्वविद्यालय के अतिथि गृह के कक्ष में भोपाल परिसर की गतिविधि प्रारम्भ होने पर 02 अगस्त 2002 को अरेरा कॉलोनी में भाटक भवन प्राप्त करके उसमें छात्रों के प्रवेश एवं शिक्षण की गतिविधि प्रारम्भ हुई।

तत्पश्चात् मध्यप्रदेश के तत्कालीन राज्यपाल महामहिम भाई महावीर ने संस्थान के तत्कालीन कुलपति प्रो. वेम्पटि कुटुम्ब शास्त्री और परिसर संस्थापक प्राचार्य प्रो. आजाद मिश्र जी के साथ संस्कृत जगत् के मूर्धन्य विद्वज्जनों की उपस्थिति में दिनांक 16 सितम्बर 2002 को भोपाल परिसर के औपचारिक उद्घाटन की उद्घोषणा की थी। तदनन्तर मध्यप्रदेश के तत्कालीन मुख्यमन्त्री माननीय श्री दिग्विजय सिंह ने अपने करकमलों से दिनांक 27.02.2003 को आवंटित भूखण्ड पर परिसर का शिलान्यास किया था। यह परिसर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर के रूप में जाना जाता है। भोपाल परिसर के सम्बन्ध में निम्न बिन्दु महत्त्वपूर्ण हैं-

- इसके अतिरिक्त आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 333 छात्रों का पुरुष छात्रावास, 108 छात्राओं का महिला छात्रावास, अतिथि निवास, प्राचार्य एवं कर्मचारी आवासों के निर्माण का कार्य हो गया है।
- परिसर में वर्तमान में साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष, शिक्षा, जैनदर्शन तथा आधुनिक विभाग सञ्चालित हैं। साथ ही वेद, पुराण इतिहास, सांख्य योग इत्यादि विभागों की स्वीकृति उपलब्ध है। प्राकशास्त्री, शास्त्री, आचार्य, शिक्षाशास्त्री (B.Ed.) शिक्षाचार्य (M.Ed.) तथा विद्यावारिधि पाठ्यक्रम परिसर में गुणवत्तापूर्ण पद्धति से सञ्चालित किए जा रहे हैं।
- साथ ही अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण, वास्तु, ज्योतिष के प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रमों के साथ मुक्त स्वाध्याय पीठ में दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से भी पाठ्यक्रम सञ्चालित हो रहे हैं। इस प्रकार यह परिसर संस्कृत शिक्षा के विकास हेतु निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति में अग्रसर है।
- परिसर में निरौपचारिक रूप से 'मुक्तस्वाध्यायपीठ' सञ्चालित होता है जहाँ दूरस्थ माध्यम से संस्कृत शिक्षा का प्रसार-प्रचार किया जाता है।
- परिसर में AC आदि सुविधाओं से युक्त 'वररुचि ग्रंथागार' एक केन्द्रीय पुस्तकालय हैं, जिसमें अभी सञ्चालित विभागों के लिए उपयोगी पुस्तकें उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त शिक्षाशास्त्र, व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, आधुनिक विभाग और नाट्य अनुसन्धान केंद्र के अपने स्वतन्त्र विभागीय पुस्तकालय भी हैं।
- परिसर में संगणक, ज्योतिष, भाषा, पाठ्यचर्या और मनोविज्ञान की प्रयोगशालाएँ भी हैं, जहाँ विद्यार्थी प्रायोगिक ज्ञान प्राप्त करते हैं।
- परिसर में 'भरत रंगमण्डप' एक मुक्त सभागार और 'भवभूति प्रेक्षागार' एक AC आदि सुविधाओं से युक्त सभागार है, जहाँ 300 दर्शकों के बैठने लिए स्थान उपलब्ध होता है।

- ‘नाट्य अनुसन्धान केन्द्र’ भोपाल परिसर में सञ्चालित एक विशिष्ट उपक्रम है, संस्कृत नाटकों के मंचन और संस्कृत गीत एवं श्लोकों के प्रस्तुतीकरण पर कार्य किया जाता है।
- परिसर प्रकाशन के क्षेत्र में भी सक्रिय है। शास्त्रमीमांसा (ISSN- 2231-2129) के द्वारा गुणवत्तापूर्ण शोधपत्रों का और राष्ट्री (ISSN- 2321-6948) के द्वारा आलेखों, गीतरचना आदि प्रकाशन किया जाता है।

2. उपलब्ध पाठ्यक्रम

प्राक् शास्त्री (+2), शास्त्री (बी.ए.), आचार्य (एम.ए.), शिक्षाशास्त्री (बी.एड.), शिक्षा आचार्य (एम. एड.), विद्यावारिधी (पी.एच.डी.) पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं।

3. अन्य क्रियाकलाप/समारोह कार्यशालाओं का विवरण

➢ ऑनलाइन संस्कृत महोत्सव

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के भोपाल परिसर में 2 अगस्त 2020 से 4 अगस्त 2020 तक ऑनलाइन संस्कृत महोत्सव का आयोजन किया। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. रामकुमार शर्मा, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर से थे और समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, पूर्व कुलपति केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली तथा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर के निदेशक आचार्य प्रकाश पाण्डेय ने इन सत्रों की अध्यक्षता की। इस अवसर पर छात्रों के लिए ऑनलाइन भाषण और श्लोकपाठ आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

➢ स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम

15 अगस्त 2020 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर के निदेशक आचार्य प्रकाश पाण्डेय ने परिसर परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। अपने संबोधन में उन्होंने आग्रह किया कि सभी लोगों को COVID-19 महामारी के इस कठिन समय में एकजुट होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम सभी को एक तरफ कोरोना को फैलने से रोकने के लिए योद्धा की तरह काम करना चाहिए और दूसरी तरफ अपने देश की प्रगति के लिए अपने कर्तव्यों का पालन करते रहना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विवेक सिंह ने किया एवं सहयोग श्री सुमित सक्सेना, श्री प्रेम शंकर, श्री अजीत सिंह, श्री बसंत नायक और श्री रमेश अधिकारी ने किया।

➢ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर वेबिनार “संस्कृतवैभवम्”

राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर वेबिनार 28 अगस्त 2020 को दोपहर 2:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक “संस्कृतवैभवम्” विषय पर आयोजित किया गया था। इस वेबिनार में मुख्य वक्ता श्री चमुकृष्ण शास्त्री, सचिव, संस्कृत संवर्धन प्रतिष्ठान, नई दिल्ली थे। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर के निदेशक आचार्य प्रकाश पाण्डेय ने इस समारोह की अध्यक्षता की। इस वेबिनार में छात्रों और अकादमिक के साथ-साथ आधिकारिक कर्मचारियों ने ऑनलाइन/ऑफलाइन दोनों तरीकों से भाग लिया। यह कार्यक्रम ऑनलाइन http://www.facebook.com/csubhopalcampus/ लिंक के माध्यम से उपलब्ध था। श्री शास्त्री ने संस्कृत भाषा के समकालीन उपयोगों पर अपने नवीन विचार व्यक्त किए। आचार्य प्रकाश पाण्डेय ने सभी छात्रों के लिए नए तकनीकी साधनों को सुलभ बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। इन साधनों के प्रयोग से विद्यार्थियों के घरों में शिक्षा दी जा सकती है।

➢ डॉ. राधाकृष्णन स्मृति व्याख्यानमाला-स्मारक व्याख्यान

डॉ. राधाकृष्णन स्मृति व्याख्यान की शृंखला में 5 सितम्बर, 2020 को प्रो. पंकज जानी, कुलपति पाणिनी संस्कृत वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन द्वारा विशेष व्याख्यान का आयोजन केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर में किया गया। यह एक ऑनलाइन कार्यक्रम था जो केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर के आधिकारिक फेसबुक पेज पर उपलब्ध था। आचार्य प्रकाश पाण्डेय, निदेशक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल ने इस समारोह की अध्यक्षता की। प्रो. जानी ने आधुनिक संदर्भ में डॉ. राधाकृष्णन् के शैक्षिक विचारों की प्रासंगिकता के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि शिक्षा के सभी सिद्धांतों के मूल उद्देश्य सार्वभौमिक हैं और सभी युगों में समान रूप से उपयोगी हैं।

➢ हिंदी पखवाड़ा

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर में दिनांक 14.09.2020 से 28.09.2020 तक हिंदी पखवाड़ा मनाया

गया। इस उत्सव का उद्घाटन 14 सितंबर 2020 को आयोजित किया गया था जिसमें प्रो. जितेंद्र श्रीवास्तव, निदेशक, पर्यटन और अतिथि प्रबंधन - विद्यापीठ और पूर्व रजिस्ट्रार इग्नू नई दिल्ली, मुख्य अतिथि थे और आचार्य प्रकाश पाण्डेय, निदेशक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर अध्यक्ष थे। समापन समारोह 29 सितंबर 2020 को आयोजित किया गया था जिसमें मुख्य वक्ता प्रो. सत्यकाम कुलपति, इग्नू नई दिल्ली और आचार्य प्रकाश पाण्डेय, निदेशक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर ने इस समारोह की अध्यक्षता की। यह ऑनलाइन कार्यक्रम गूगल मीट और केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर के आधिकारिक फेसबुक पेज पर उपलब्ध था। इस पखवाड़ा में सभी विद्यार्थियों के लिए प्रश्न मंच एवं हिन्दी साहित्य गीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की संयोजक डॉ. अर्चना दुबे एवं संचालक डॉ. रमण मिश्र थे।

➢ शिक्षा विभाग द्वारा तीन दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर के शिक्षा विभाग ने 14 अक्टूबर 2020 से 16 अक्टूबर 2020 तक "संस्कृत शिक्षा में NEP 2020 का कार्यान्वयन" विषय पर तीन दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया।

इस वेबिनार में प्रो. पी.एन्. शास्त्री सहित देश के जाने-माने शिक्षाविद् प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, सुश्री इंदुमति कटदारे, प्रो. चांदकिरण सलूजा, प्रो. हृषिकेश सेनापति, प्रो. सुदेश शर्मा, प्रो. वाई. एस. रमेश, प्रो. गोपबन्धु मिश्र, डॉ. विकास दबे, प्रो. रचना वर्मा मोहन, प्रो. अमिता पाण्डेय भारद्वाज आदि ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। इस वेबिनार में देश भर से 250 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस वेबिनार आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रो. जे. भानुमूर्ति, संयोजक प्रो. नीलाभ तिवारी और सचिव डॉ. नितिन जैन थे।

➢ अनुभाग अधिकारी श्री शंकर जयकिशन जी का विदाई समारोह

30 सितंबर 2020 को परिसर परिवार ने श्री शंकर जयकिशन, अनुभाग अधिकारी को भोपाल परिसर से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर में स्थानांतरित होने पर विदाई दी। परिसर परिवार की ओर से निदेशक आचार्य प्रकाश पाण्डेय ने उनकी कड़ी मेहनत और क्षमता की सराहना की और उनके स्वास्थ्य, परिवार और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

➢ अनुभाग अधिकारी श्री संजय कुमार मिश्र जी का स्वागत समारोह

01/10/2020 को परिसर परिवार ने श्री संजय कुमार मिश्र, अनुभाग अधिकारी के भोपाल परिसर में शामिल होने पर उनका स्वागत किया। उनका स्थानान्तरण प्रयागराज (इलाहाबाद परिसर) से भोपाल हो गया।

➢ राष्ट्रीय शिक्षा दिवस

भारत के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती, राष्ट्रीय शिक्षा दिवस, 11 नवंबर, 2020 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर में मनाया गया। इस वर्चुअल कार्यक्रम में सभी शिक्षकों और छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। सभी विभागों के प्रमुखों ने अपने विचार रखे। निदेशक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल, आचार्य प्रकाश पाण्डेय ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा अज्ञानता, शोषण, भ्रष्टाचार आदि सभी प्रकार के बंधनों की कुंजी है। यदि हम अपने राष्ट्र का विकास करना चाहते हैं तो प्रत्येक बच्चे को शिक्षा प्राप्त करनी चाहिए।

➢ आचार्य प्रकाश पाण्डेय निदेशक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर का विदाई समारोह

आचार्य प्रकाश पाण्डेय, निदेशक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर की विदाई 31 दिसंबर 2020 को आयोजित की गई थी क्योंकि वे इस दिन सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर समस्त शिक्षकगण एवं समस्त कर्मचारीगण उपस्थित थे। नवनियुक्त निदेशक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर में प्रोफेसर जे. भानुमूर्ति ने उन्हें परिसर परिवार की ओर से विदाई दी। अपने संबोधन में प्रोफेसर भानुमूर्ति ने आचार्य पाण्डेय को उनके बहुमूल्य मार्गदर्शन और परिसर के सुचारू संचालन में विशेष समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने जीवन के सभी क्षेत्रों में उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

➢ प्रो. जे. भानुमूर्ति, निदेशक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर भोपाल में स्वागत समारोह 4/01/2021

04.01.2021 को परिसर परिवार ने केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर के नवनियुक्त निदेशक प्रोफेसर जे. भानुमूर्ति का स्वागत किया, जिन्होंने आचार्य प्रकाश पाण्डेय से कार्यभार संभाला। इस अवसर पर प्रो. सुबोध शर्मा,

प्रो. हंसधर झा, प्रो. नीलाभ तिवारी, डॉ. सनन्दन कुमार त्रिपाठी, डॉ. अर्चना दुबे और डॉ. योगेशकुमार जैन ने अपने-अपने विभागों की ओर से प्रो. भानुमूर्ति का स्वागत किया, नाट्यशास्त्र अनुसंधान केंद्र और कार्यालय के सभी स्टाफ सदस्यों ने भी अपनी खुशी साझा की। प्रो. भानुमूर्ति ने केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर परिवार के सभी सदस्यों से परिसर के विकास में योगदान देने और इस संबंध में अपना सर्वश्रेष्ठ सहयोग देने का आग्रह किया।

➢ नाट्यशास्त्र एवं सांस्कृतिक रंगमंच प्रशिक्षण प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम का शुभारम्भ 18/01/2021

नाट्यशास्त्र अनुसंधान केंद्र, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर ने 18 जनवरी 2021 से एक नया पाठ्यक्रम "नाट्यशास्त्र और संस्कृत रंगमंच प्रशिक्षण सर्टिफिकेट कोर्स" शुरू किया। इस धारा के तहत प्राचीन नाट्य सिद्धांतों और उनके अभ्यासों का ज्ञान छात्रों को दिया जाएगा। यह छह महीने का कोर्स है।

➢ प्रो. हंसधर झा द्वारा 'व्यक्तित्वविकासे ज्योतिष-शास्त्रयोगदानम् विषय पर व्याख्यान

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर की व्यक्तित्व विकास, रोजगार परामर्श एवं नियोजन समिति ने 23 जनवरी, 2021 को प्रो. हंसधर झा, अध्यक्ष ज्योतिष विभाग, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर द्वारा "व्यक्तित्वविकासे ज्योतिषशास्त्रयोगदानम्" विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया। निदेशक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर प्रो. जे भानुमूर्ति ने इस ऑनलाइन कार्यक्रम की अध्यक्षता की। प्रोफेसर झा ने भारतीय ज्योतिष शास्त्र की परंपरा और सिद्धांतों पर चर्चा की और आम जीवन में उनकी उपयोगिता के बारे में बताया। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. डंबरूधर पति थे और सह संयोजक डॉ. कालिका प्रसाद शुक्ल थे। इस कार्यक्रम में सभी शिक्षक व विद्यार्थी शामिल हुए।

➢ गणतंत्र दिवस कार्यक्रम

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर में समारोहपूर्वक गणतंत्र दिवस मनाया गया। 26 जनवरी 2021 को सुबह 9 बजे प्रो. जे भानुमूर्ति, निदेशक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और सभी छात्रों और स्टाफ सदस्यों को संबोधित किया। यह कार्यक्रम ऑनलाइन के साथ-साथ ऑफलाइन भी आयोजित किया गया था। जे. भानुमूर्ति ने सभी लोगों को हमारे राष्ट्र की अखंडता और एकता बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. विवेक सिंह ने किया।

➢ नाट्य शास्त्र अनुसंधान केंद्र में कार्यशाला दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

नाट्यशास्त्र अनुसंधान केंद्र केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर में 28/01/2021 से 29/01/2021 तक कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्यालय केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली द्वारा गठित समिति ने भोपाल परिसर का निरीक्षण किया। इस समिति के अध्यक्ष प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, पूर्व कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली, संयोजक प्रो. जे. भानुमूर्ति, निदेशक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर थे और सदस्य आचार्य भारत रत्न भार्गव, नाट्यकुलम् जयपुर और श्री भार्गव ठक्कर अभिनेता और निर्देशक अहमदाबाद थे। इस समिति ने नाट्यशास्त्र अनुसंधान केंद्र, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर द्वारा किए गए कार्यों के दायरे पर विचार और विश्लेषण किया और इस केंद्र को नाटकीय कला के अध्ययन में एक अंतरराष्ट्रीय केंद्र के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव तैयार किया।

➢ सरस्वती पूजा (बसंत पंचमी)

16 फरवरी, 2021 को बसंत पंचमी के अवसर पर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर में सरस्वती पूजा का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर सभी शिक्षक और अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। निदेशक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर प्रो. जे. भानुमूर्ति ने परिसर परिवार की ओर से प्रार्थना की। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए मन का संतुलन बहुत जरूरी है। हम सभी को ईश्वर के आशीर्वाद के लिए प्रार्थना करने की आवश्यकता है ताकि हम अपने कर्मों में शुद्धता और ईमानदारी बनाए रख सकें। इस समारोह का आयोजन प्रो. सुबोध शर्मा, प्रो. हंसधर झा, डॉ. सनन्दन कुमार त्रिपाठी और डॉ. कालिका प्रसाद शुक्ला ने किया। इस कार्यक्रम के आयोजन में डॉ. भूपेंद्र पाण्डेय, श्री रोहित पचौरी, श्री दीनबंधु पाण्डेय, श्री शुभम पाण्डेय, श्री बसंत नायक, श्री विकास और श्री साहिल ने सहयोग किया।

➢ "आत्मनिर्भर भारत एवं व्यक्तित्व विकास" पर श्री स्वतंत्र रंजन का व्याख्यान

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर की व्यक्तित्व विकास, रोजगार परामर्श एवं नियोजन समिति द्वारा 20 फरवरी, 2021 को "आत्मनिर्भर भारत एवं व्यक्तित्व विकास" विषय पर स्वंत रंजन, राष्ट्रीय बौद्धिक प्रमुख एवं शिक्षाविद् के व्याख्यान का आयोजन किया। निदेशक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर प्रो. जे. भानुमूर्ति ने इस ऑनलाइन कार्यक्रम की अध्यक्षता की। श्री रंजन ने विभिन्न तरीकों और प्रयासों पर प्रकाश डाला जो आत्मनिर्भरता विकसित करने में सहायक हैं। उन्होंने कहा कि यदि आम नागरिक अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए कड़ी मेहनत करें तो पूरा देश प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता है। इस ऑनलाइन कार्यक्रम के संयोजक डॉ. डंबरूधर पति थे और सह संयोजक डॉ. अनिल कुमार थे। इस कार्यक्रम में सभी शिक्षक व विद्यार्थी शामिल हुए।

➢ दिल्ली से मातृभाषा दिवस उद्घाटन समारोह का सीधा प्रसारण

मातृभाषा दिवस समारोह के उद्घाटन समारोह वेबिनार में 21 फरवरी, 2021 को पूर्वाह्न 11.00 बजे केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर के सभी शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया। इस वेबिनार का लिंक मुख्यालय द्वारा प्रदान किया गया था। इस वेबिनार का सीधा प्रसारण भोपाल परिसर स्थित भवभूति सभागार में किया गया। यह वर्चुअल प्रोग्राम भोपाल परिसर के आधिकारिक फेसबुक वेब पेज के साथ-साथ गूगल मीट लिंक पर सभी छात्रों के लिए उपलब्ध कराया गया था। निदेशक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर प्रो जे भानुमूर्ति ने सभी लोगों से अपनी मातृभाषाओं को संरक्षित और पोषित करने का आग्रह किया क्योंकि बहुभाषावाद भारतीय परंपरा की एक अनूठी विशेषता है। उन्होंने कहा कि हम सभी को एक-दूसरे की भाषाओं का सम्मान करना चाहिए।

➢ शिक्षा विभाग द्वारा कार्यशाला

शिक्षा विभाग द्वारा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर में 25 फरवरी, 2021 से 27 फरवरी 2021 तक शोध सामग्री तैयार करने, विकास एवं लेखन पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें सभी शोधार्थी एवं एम.एड. के छात्रों ने भाग लिया। आरआईई, एनसीईआरटी भोपाल के प्रो. एन.सी. ओझा और आरआईई एनसीईआरटी भोपाल के प्रो. आर. रायजादा सेवानिवृत्त प्रोफेसर इस कार्यशाला में मुख्य संसाधक एवं विषयविशेषज्ञ थे। इस कार्यशाला के संयोजक प्रो. नीलाभ तिवारी, डॉ. नागेंद्र नाथ झा और डॉ. नितिन जैन थे। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर के निदेशक प्रो. जे. भानुमूर्ति ने अपने संबोधन में बताया कि शोध कार्य में सटीकता सबसे महत्त्वपूर्ण चीज है। वस्तुनिष्ठता और सटीकता किसी भी शोध कार्य की गुणवत्ता को बनाए रखती है। अनुसंधान कार्यों के परिणाम आने वाली नीतियों को तय करते हैं, इसलिए डेटा संग्रह प्रक्रियाओं के साथ-साथ उनका विश्लेषण और सांख्यिकी त्रुटिपूर्ण और सावधानीपूर्वक होनी चाहिए।

➢ केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर नई वेबसाइट लॉन्च

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर की नई वेबसाइट 27 फरवरी, 2021 को निदेशक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर प्रो. जे. भानुमूर्ति द्वारा लॉन्च की गई थी। नई वेबसाइट www.csu - bhopal-edu-in को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली मुख्यालय के मार्गदर्शन में परिसर द्वारा विकसित किया गया है। इस अवसर पर प्रो. जे. भानुमूर्ति ने परिसर परिवार को बधाई दी। इस वेबसाइट को श्री सुमित सक्सेना द्वारा विकसित किया गया है।

➢ समूह चर्चा कार्यक्रम (शिक्षा विभाग)

शिक्षा विभाग, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर ने एम.एड. के छात्रों के लिए 3-4 मार्च, 2021 को "शिक्षाधिगम के विकास में गणचर्चा का महत्त्व" विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के प्रो. के.जी. सुरेश, कुलपति, माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय भोपाल मध्य प्रदेश संसाधक थे। इस कार्यक्रम के अध्यक्ष केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर के निदेशक प्रो. जे. भानुमूर्ति थे।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्याः

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	-	00
उत्तर प्रेषित	-	00

4.2.10 के.जे. सोमैया परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र)

1. परिसर का संक्षिप्त परिचय

परोपकारी और एक महान् दूरदर्शी पद्मभूषण से सम्मानित श्री करमशी जेठाभाई सोमैया का शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में महान् योगदान रहा है। उन्होंने सोमैया विद्याविहार में एक शैक्षणिक संस्थान की स्थापना की, जो भारत भर में बड़े और सम्मानित शैक्षणिक संस्थानों में से एक है। सोमैया परिवार संस्कृत एवं संस्कृति के प्रति असीम श्रद्धावान् है। श्री शांतिलाल सोमैया, सुपुत्र श्री के.जे. सोमैया ने सोमैया ट्रस्ट के माध्यम से मुम्बई, विद्याविहार में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मा. वि.) नई दिल्ली का एक परिसर स्थापित करने तथा उसके भवन निर्माण हेतु एक एकड़ भूमि देने के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय को प्रस्ताव प्रस्तुत किया। परिणामस्वरूप, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने यहाँ विद्यापीठ की स्थापना हेतु एक निरीक्षण समिति को भेजा था तदनुसार मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने 31-03-2002 को परिसर के रूप में स्वीकृति दी। के.जे. सोमैया ट्रस्ट ने जब तक कि परिसर के भवन का निर्माण पूरा नहीं हो जाता तब तक के लिए संस्था को अपने भवन का उपयोग करने की अनुमति दी। 16 मई 2002 के शुभ दिन पर, भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के तत्कालीन माननीय मंत्री, डॉ. मुरली मनोहर जोशी ने मुंबई परिसर का उद्घाटन किया। इस भूमि पर नए भवन का निर्माण व्यवस्था के अधीन प्रगति पर है। सत्र 2003 से विधिवत् अध्ययन अध्यापन का कार्य यहां प्रारंभ हुआ। 2005 से एन.सी.टी.ई. द्वारा अनुमोदित शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम का भी प्रारंभ हुआ।

2. परिसरकी स्थिति

यह परिसर, भारत की आर्थिक राजधानी, मुंबई, महाराष्ट्र के घाटकोपर, विद्याविहार पूर्व में स्थित है। के.जे. सोमैया ट्रस्ट ने परिसर भवन निर्माण के लिए एक एकड़ भूमि प्रदान की है। भवन निर्माण की सभी औपचारिकताएं लगभग पूरी हो चुकी हैं। वर्तमान में, शास्त्र-शिक्षाशास्त्र की कक्षाएं, अध्ययन-अध्यापन और अनुसंधान कार्य चाणक्य भवन में चल रहा है। प्राचार्य कक्ष और प्रशासनिक कार्यालय परिसर के सुरुचि भवन में स्थित है। सुरुचि भवन के नजदीक एक अन्य भवन में ग्रंथालय की व्यवस्था की गई है। सोमैया विद्याविहार के पोलिटेक्निक छात्रावास में 20 छात्र-छात्राओं को रहने के लिए 04 कक्ष उपलब्ध हैं। इस परिसर का निकटतम रेलवे स्थानक लोकमान्य तिलक टर्मिनल एवं लोकल रेलवे स्थानक विद्याविहार, घाटकोपर है।

3. परिसर में उपलब्ध पाठ्यक्रम

नियमित रूप से चार विभागों के पाठ्यक्रम (शिक्षाशास्त्र, व्याकरण, ज्योतिष, साहित्य) यहां कार्यरत हैं। संस्कृत शास्त्रों के साथ आधुनिक भाषाएं एवं विषय (हिन्दी, अंग्रेजी, मराठी, राजनीतिशास्त्र, संगणक विज्ञान तथा शारीरिक विज्ञान) भी पढ़ाये जाते हैं। इसके साथ ही परिसर में मुक्त स्वाध्याय केन्द्र, दूरस्थ शिक्षण संस्था भी है। पाठ्यक्रमों का विवरण -

1. प्राक्शास्त्री (दो साल का पाठ्यक्रम)
2. शास्त्री (तीन साल का पाठ्यक्रम)
3. आचार्य (दो साल का पाठ्यक्रम)
4. शिक्षाशास्त्री (दो साल का पाठ्यक्रम)
5. विद्यावारिधि (पीएच.डी.)
6. मुक्त स्वाध्याय केन्द्र (दूरस्थ शिक्षा)

4. सत्र 2020-21 परिसर में हुई शैक्षणिक गतिविधियां

➢ शैक्षिक सत्रारम्भ

इस शैक्षिक सत्र में कोविड-१९ के कारण आनलाईन कक्षाएं निरन्तर चल रही थीं। यथाविधि शैक्षिक सत्रारंभ 02-07-2020 को हुआ।

➢ अन्ता राष्ट्रिय योग दिवस

दिनांक 21-06-2020 को अन्ताराष्ट्रिय योग दिवस परिसर में सोत्साह मनाया गया।

➢ स्वतन्त्रता दिवस

सोमैया परिसर में 15.08.2020 को स्वतन्त्रता दिवस मनाया गया, जिसमें सभी सदस्य उपस्थित हुए।

➢ संस्कृत सप्ताह समारोह

प्रति वर्ष की भाँति इस वर्ष भी संस्कृत सप्ताह दिनांक 04-08-2020 से 06-08-2020 तक मनाया गया। कोविड-१९ के कारण आनलाईन माध्यम से कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें उद्घाटन समारोह एवं समापन समारोह के अतिरिक्त विभिन्न शास्त्रीय परिचर्चा का समायोजन किया गया।

➢ शिक्षक दिवस

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् जी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में दिनांक 05.09.2020 को परिसर द्वारा शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया जिसमें सभी आचार्यों ने अपने वक्तव्य से शिक्षक के गौरव को प्रतिष्ठापित किया।

➢ शिक्षा दिवस

दिनांक 11.11.2020 को ऑनलाइन गूगल मीट (Google Meet) के माध्यम से शिक्षा दिवस मनाया गया। शिक्षा दिवस के अवसर पर दो विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन हुआ, जिसमें प्रथम व्याख्यान प्रो. सोहन लाल पाण्डेय एवं द्वितीय व्याख्यान प्रो. लोकमान्य मिश्र जी का था। अध्यक्ष के रूप में प्रो. भारत भूषण मिश्र ने अपने विचार व्यक्त किए। इस ऑनलाइन कार्यक्रम में परिसरीय सभी अध्यापक, कर्मचारी और छात्र आभासीय रूप से जुड़े थे।

➢ संविधान दिवस

दिनांक 26.11.2020 को ऑनलाइन माध्यम गूगल मीट (Google Meet) से संविधान दिवस मनाया गया। जिसमें मुख्यातिथि के रूप में मुम्बई हाईकोर्ट की वरिष्ठ अधिवक्ता श्रीमती आभा सिंह, अध्यक्ष- प्रो. भारत भूषण मिश्र, कार्यक्रम संयोजक- डॉ. रंजय कुमार सिंह ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए। इस ऑनलाइन कार्यक्रम में परिसरीय सभी अध्यापक, कर्मचारी और छात्र आभासीय रूप से जुड़े थे।

➢ राष्ट्रीय एकता दिवस

दिनांक 31.10.2020 को ऑन लाइन गूगल मीट (Google Meet) से राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। जिसमें अध्यक्ष के रूप में प्रो. भारत भूषण मिश्र थे। एवं प्रो. बोध कुमार झा, प्रो. लीना सक्करवाल, डॉ. वी.एस. वी. भास्कर रेड्डी ने अपना विचार व्यक्त किया। राष्ट्रिय एकता दिवस कार्यक्रम का समापन शपथ ग्रहण करके किया गया।

➢ सतर्कता जागरूकता सप्ताह

दिनांक 31.10.2020 से 04.11.2020 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह ऑनलाइन गुगल मीट (Google Meet) के माध्यम से मनाया गया। जिसमें सतर्कता जागरूकता की शपथ ली गई। 02.11.2020 को निबन्ध प्रतियोगिता, 03.11.2020 को भाषण प्रतियोगिता, 04.11.2020 सतर्कता जागरूकता पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्यातिथि के रूप में श्रीकान्त नेतागणि तथा प्रो. बोध कुमार झा एवं अध्यक्ष प्रो. भारत भूषण मिश्र ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए।

➢ गीताजयन्ती महोत्सव

दिनांक 26.12.2020 ऑनलाइन गूगल मीट के द्वारा गीताजयन्ती महोत्सव का आयोजन किया गया। इस ऑनलाइन कार्यक्रम में अध्यक्ष प्रो. भारत भूषण मिश्र, मुख्यातिथि प्रो. बोध कुमार झा, वक्ता डा. स्वर्ग कुमार मिश्र तथा डा. नवीन कुमार मिश्र एवं संयोजक डा. कुमार थे। इस कार्यक्रम में डा. श्वेता सूद ने मङ्गलाचरण एवं डा. गीता दूबे ने धन्यवाद समर्पण किया जिसमें परिसरीय सभी अध्यापक, कर्मचारी और छात्र आभासीय रूप से जुड़े थे।

➢ स्वामी विवेकानन्द जयन्ती

दिनांक 12 जनवरी 2021 को स्वामी विवेकानन्द की 158 वीं जयन्ती का आयोजन किया गया। जिसमें अध्यक्ष के रूप में प्रो. भारत भूषण मिश्र, मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. लीना सक्करवाल, मुख्य वक्ता - डॉ. रंजय कुमार, विशिष्ट वक्ता डॉ. नवीन कुमार मिश्र ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए। इस ऑनलाइन गुगल मीट (Google Meet) कार्यक्रम में परिसरीय सभी अध्यापक, कर्मचारी और छात्र आभासीय रूप से जुड़े थे।

➢ पराक्रम दिवस

दिनांक 23.01.2021 को क.जे. सोमैया परिसर, मुम्बई में नेताजी सुभाषचन्द्र बोस जयंती का पराक्रम दिवस के रूप में आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता परिसर के निदेशक प्रो. भारत भूषण मिश्र ने की। मुख्यातिथि श्री कृष्णचंद्र दुबे, विशिष्ट वक्ता डॉ. वी. एस. वी. भास्कर रेड्डी, मुख्य वक्ता डॉ. रंजय कुमार सिंह ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए तथा

कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अनिरुद्ध नारायण शुक्ल के द्वारा किया गया। इस ऑनलाइन कार्यक्रम में परिसरीय सभी अध्यापक, कर्मचारी और छात्र आभासीय रूप से जुड़े थे।

➢ गणतंत्र दिवस

सोमैया परिसर में 26.01.2021 को गणतंत्र दिवस मनाया गया जिसमें परिसर के सदस्यों ने सोत्साह भाग लिया।

➢ सरस्वती पूजनोत्सव

दिनांक 16.02.2021 को परिसर में निदेशक महोदय की अध्यक्षता में सरस्वती पूजनोत्सव का आयोजन हुआ, जिसमें विद्या की आधिष्ठात्री देवी का सभी छात्रों एवं अध्यापकों द्वारा षोडशोपचार पूजन व स्तोत्र पारायण किया गया।

➢ छत्रपति शिवाजी महाराज जयन्ती

महाराष्ट्र में छत्रपति शिवाजी महाराज जयन्ती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम दिनांक 19.02.2021 को परिसर में ऑनलाइन गूगल मीट के माध्यम से मनाया गया। जिसकी अध्यक्षता परिसर के निदेशक प्रो. भारत भूषण मिश्र ने की। मुख्य वक्ता के रुप में डॉ. शंकर आंधळे ने अपना विचार व्यक्त किया तथा कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन सुश्री. वैशाली निवडुंगे के द्वारा किया गया। इस ऑनलाइन कार्यक्रम में परिसरीय सभी अध्यापक, कर्मचारी और छात्र आभासीय रूप से जुड़े थे।

➢ मातृभाषा दिवस

दिनांक 22 फरवरी 2021 को मातृभाषा दिवस मनाया गया। जिसमें अध्यक्ष के रूप में प्रो. बोध कुमार झा, मुख्य अतिथि के रूप में हिंदी भाषा सलाहकार, सदस्य भारत सरकार के श्री गजेन्द्र सोलंकी, वक्ता - डॉ. वी.एस.वी. भास्कर रेड्डी, कार्यक्रम संयोजक - डॉ. रंजय कुमार सिंह तथा परिसरीय छात्र-छात्राओं ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये। इस ऑनलाइन कार्यक्रम में परिसरीय सभी अध्यापक, कर्मचारी और छात्र आभासीय रूप से जुड़े थे।

5. परिसर में हुई अन्य गतिविधियां

1. शिक्षाशास्त्री सत्रारम्भ

कोविड -19 के कारण आनलाईन कक्षाएं निरंतर हुई हैं। दिनांक 02.07.2020 को शिक्षाशास्त्री द्वितीय वर्ष और 11.01.2021 को प्रथम वर्ष की कक्षाएं यथाविधि शुरू हुईं। आनलाईन के माध्यम से प्राध्यापकों द्वारा छात्रों को सम्बोधित करते हुए राष्ट्र के विकास में शिक्षक की भूमिका के विषय में बताया गया।

2. संस्कृत भाषा बोधन वर्ग

शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा दिनांक 30.03.2021 से 19.04.2021 तक आनलाईन माध्यम से भाषा बोधन वर्ग का आयोजन किया गया।

3. शिक्षणाभ्यास कार्यक्रम

शिक्षाशास्त्री द्वितीय वर्ष के छात्राध्यापकों ने पाठ्यक्रम के अन्तर्गत शिक्षण अभ्यास कार्यक्रम को आनलाईन माध्यम से दिनांक 10.02.2021 से 10.03.2021 तक मुम्बई स्थित विभिन्न केन्द्रीय विद्यालयों के सहयोग से संपादित किया। शिक्षाशास्त्री प्रथम वर्ष के छात्राध्यापकों का विद्यालय अवबोध कार्यक्रम भी इन्ही दिनों में सम्पन्न किया गया।

4. प्रायोगिक परीक्षा

शिक्षाशास्त्री द्वितीय वर्ष के छात्रों का अन्तिम प्रायोगिक शिक्षणाभ्यास एवं मनोवैज्ञानिक प्रायोगिक परीक्षा का आयोजन दिनांक 26.04.2021 से 29.04.2021 तक आनलाईन माध्यम से केन्द्रीय विद्यालयों के सहकार से किया गया।

6. सहशैक्षणिक कार्यक्रम, राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यानमाला-

आइ.क्यू.ए.सी. (IQAC) के मार्गदर्शन अनुसार परिसर में स्थित विभिन्न विभागों द्वारा राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। विवरण निम्नलिखित है।

➢ ज्योतिष विभाग

दिनांक 22.12.2020 को क.जे सोमैया परिसर मुम्बई में "भारतीय ग्रहगणना का व्यावहारिक पक्ष एक परिचर्चा" इस विषय पर ऑनलाइन संगोष्टी का आयोजन किया गया। जिसमें अध्यक्ष परिसर के निदेशक प्रो. भारत भूषणमिश्र, मुख्यातिथि राष्ट्रपति सम्मानित देश-विदेश में विख्यात दैवज्ञ प्रो. रामचन्द्र पाण्डेय, मुख्य वक्ता डॉ. अरूण कुमार उपाध्याय, सारस्वत अतिथि पं. वैद्यनाथ मिश्र जी थे। इन मनीषियों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए। इस संगोष्ठी में अनेकों विश्वविद्यालयों के श्रेष्ठ दैवज्ञों ने अपना अभिमत प्रकट किया। कार्यक्रम में वैदिक मंगलाचरण डॉ. नवीन कुमार मिश्र जी के द्वारा एवं धन्यवाद ज्ञापन सभी उपस्थित आचार्यों का श्लोक के माध्यम से डॉ. धीरज कुमार मिश्र के द्वारा किया गया तथा ऐसे महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अनिरुद्ध

नारायण शुक्ल के द्वारा किया गया।

➢ शिक्षाशास्त्र विभाग

1. परिसंवाद- राष्ट्रिय शिक्षानीति में प्रस्तुत संस्कृत से संबद्ध विचारों का परिसंवाद कार्यक्रम आनलाईन माध्यम से दिनांक 26.08.2020 को परिसरीय निदेशक प्रो. सुदेश कुमार शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ, जिस में मुख्यवक्ता के रूप में पद्मश्री श्रीमन् च.मू. कृष्णशास्त्री उपस्थित थे। परिसरीय सभी सदस्य एवं छात्र इस अभासीय कार्यक्रम में गूगल-मीट द्वारा जुडे थे।

2. शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा दिनांक 22.03.2021 से 23.03.2021 तक अन्तर्जाल की सहायता से द्विदिवसीय संगोष्ठी (वेबिनार) डॉ. वि.एस.वि. भास्कर रेड्डि के संयोजकत्व में आयोजित की गई, जिस में देश के विभिन्न कोने-कोने से बहुत लोगों ने भाग ग्रहण किया।

7. विशेष उपलब्धियां

➢ परिसर की महती उपलब्धि

आपदा को अवसर के रूप में बदलने के मंत्र के अनुसार लाकडाऊन की अवधि में आने जाने का जो समय बचा, उसका सदुपयोग करके व्याकरण विभाग ने स्मार्ट-क्लास के अनुरूप व्याकरणशास्त्रीय सर्वातिशय प्रौढ एवं गम्भीर ग्रन्थ महामहोपाध्याय नागेशभट्ट विरचित लघुशब्देन्दुशेखर की अध्यापन सामग्री को बनाया। 85% कार्य सम्पन्न हो चुका है। उल्लेखनीय है कि यह ग्रन्थ आचार्य कक्षा के छह (6) पत्रों में पढ़ाया जाता है एवं 600 अंकों की परीक्षा इस ग्रन्थ से आयोजित होती है। इस अध्यापन सामग्री में प्राचीन दशाधिक टीकाओं, क्रोड पत्रों एवं प्राप्त अनुभवों का अनुप्रयोग किया गया है। यह अध्यापन सामग्री पारम्परिक शास्त्रीय ग्रन्थों को नई शिक्षा नीति के अनुरूप पढ़ने-पढ़ाने के लिए मील का पत्थर साबित होगी।

➢ इस शैक्षिक सत्र हेतु पुस्तकालय के मद में रु. 1,00,000/- (एक लाख रुपये) का व्यय किया गया।

➢ मुम्बई की संकटपूर्ण कोविड-19 की परिस्थिति में भी दिनांक 18.10.2020 को शिक्षाशास्त्री एवं शिक्षाचार्य कक्षा की प्रवेश परीक्षा का समायोजन किया गया।

➢ कुमारी मैत्रेयी जानी एवं सुदीप जोशी ने वाराणसी में सम्पन्न व्याकरण शलाका परीक्षा में सफलता पूर्वक भाग ग्रहण किया।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या:

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	-	00
उत्तर प्रेषित	-	00

4.2.11 एकलव्यपरिसर, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा

1. परिसर परिचय

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा विभिन्न राज्यों की भांति ही पूर्वोत्तर राज्यों में भी अनवरत संस्कृत का प्रचार-प्रसार हो, ऐसी अभिलाषा से त्रिपुराराज्यस्थ अगरतला में भगवती माँ त्रिपुरेश्वरी के करकमलों के सानिध्य में 4 जून, 2013 को एकलव्य परिसर का समुद्घाटन किया गया। इस परिसर में संस्कृत-शास्त्रीय विषयों (यथा-व्याकरण, साहित्य, अद्वैत-वेदान्त, ज्योतिष, धर्मशास्त्र, बौद्धदर्शन एवं शिक्षाशास्त्र) के अतिरिक्त आधुनिक (यथा-आंग्ल, हिन्दी, राजनीति विज्ञान, शारीरिक-शिक्षा, संगणक एवं बांग्ला) विषयों में भी अध्ययन-अध्यापन सुचारू रूप से प्रचलित हो रहा है। मुक्तस्वाध्यायपीठद्वारा संचालित दूरस्थ-शिक्षा-प्रणाली से व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष विषयों में भी प्राक्शास्त्री से स्नातकोत्तरपर्यन्त अध्ययन-अध्यापन सुचारु रूप से चल रहा है। वर्तमान सत्र 2020-21 में एकलव्य परिसर में सभी विभागों में कुल मिलाकर 307 छात्रों ने प्रवेश लिया। वर्तमान में 17 शोधार्थी इस परिसर में शोधकार्य कर रहें हैं।

2. परिसर का स्वरूप

वर्तमान में एकलव्य परिसर अगरतला नगर में राधानगर नामक स्थान पर बुद्धमन्दिर के निकट पुरातन IASE भवन में चल रहा है, जो कि त्रिपुरा सरकार द्वारा प्रदत्त है। लेम्बूछेरास्थी परिसर में नवीन बालक छात्रावास, बालिका छात्रावास एवं अतिथि भवन का निर्माण सम्पवन्न् हुआ है तथा शैक्षणिक भवन निर्माणाधीन है।

परिसर निदेशक प्रो. रणजित् कुमार बर्मन के मार्गनिर्देशन में एकलव्य परिसर के द्वारा इस सत्र में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनका वर्णन निम्नरलिखित हैं -

3. परिसर में संचाल्यमान पाठ्यक्रम

क्र.सं.	कक्षा	अवधि	समकक्ष	शास्त्रीय विषय	आधुनिक विषय
1.	प्राक्शास्त्री	2 वर्ष	बारहवीं	ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, दर्शन, बौद्धदर्शन	हिन्दी, अंग्रेजी, सङ्गणक विज्ञान, इतिहास, अर्थशास्त्र, शारीरिक शिक्षा, पर्यावरण
2.	शास्त्री	3 वर्ष (6 सत्रार्ध)	बी.ए.	ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, अद्वैत वेदान्त, बौद्धदर्शन, धर्मशास्त्र	हिन्दी, अंग्रेजी, सङ्गणक विज्ञान, इतिहास, अर्थशास्त्र, शारीरिक शिक्षा, पर्यावरण
3.	शिक्षा-शास्त्री	2 वर्ष	बी.एड.	--	
4.	आचार्य	2 वर्ष (4 सत्रार्ध)	एम.ए.	ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, अद्वैत वेदान्त, बौद्धदर्शन, धर्मशास्त्र	
5.	विद्यावारिधि	-	पीएच.डी		

4. परिसर में सम्पन्न गतिविधियाँ

➢ नूतन सत्रारम्भ

ग्रीष्मावकाश के उपरान्त 18 जून, 2020 को वाग्देवी माँ सरस्वती की समर्चना से नूतन सत्र का शुभारम्भ हुआ। इस अवसर पर परिसर निदेशक प्रो. रणजित् कुमार बर्मन सहित परिसर के प्राध्यापक एवं कार्यालयीय कर्मचारीगण उपस्थित हुए।

➢ अन्तर्राष्ट्रिय योग दिवस

अगरतलास्थित केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के एकलव्य परिसर में 21 जून, 2020 को अन्तर्राष्ट्रिय योग दिवस का

आयोजन ऑनलाइन माध्यम से किया गया। मानव जीवन में योगाभ्यास की नितान्त आवश्यकता है तथा इसी योगाभ्यास के माध्यम से ही मनुष्य आध्यात्मिक, मानसिक एवं शारीरिक शान्ति को प्राप्त करता है। इसी चिन्तन को परिलक्षित कर परिसर के प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के द्वारा स्वास्थ्यवर्धक विभिन्न आसनों का अभ्यास स्वस्थान से किया गया। इस अवसर पर परिसर निदेशक प्रो. रणजित् कुमार बर्मन ने ऑनलाईन माध्यम से वर्तमान समय में योगाभ्यास का अत्यधिक महत्व बताते हुए अपने उद्बोधन में प्रतिदिन योगाभ्यास के लिए कुछ समय निकालने की प्रेरणा प्रदान की।

➢ संस्कृत सप्ताह महोत्सव

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी अगरतला स्थित केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के एकलव्य परिसर में 01-07 अगस्त, 2020 तक ऑनलाईन (गूगलमीट) के माध्यम से संस्कृत सप्ताह महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए संस्कृत गीत-गायन, सुभाषित कण्ठपाठ, संस्कृत-भाषण इत्यादि स्पयर्धाओं का आयोजन किया गया। दिनांक : 01.08.2020 को परिसर के निदेशक आचार्य रणजित् कुमार बर्मन के द्वारा संस्कृत सप्ताह महोत्सव का उद्घाटन किया गया। इसके पश्चात् 02.08.2020 को छात्रों के लिए संस्कृत गान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दिनांक : 03.08.2020 को संस्कृत भाषण तथा सुभाषित कण्ठपाठ स्पर्धा का आयोजन किया गया। दिनांक: 04.08.2020 को संस्कृत सप्ताह के उपलक्ष्य में महामारीकाले संस्कृतशास्त्राणां लोकोपकारकत्वम् इस विषय पर राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें अध्यक्ष के रूप में आचार्य गोपबन्धु मिश्र, कुलपति, सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, गुजरात, मुख्यातिथि के रूप में आचार्य विष्णुपद महापात्र, लालबहादुरशास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, विशिष्टातिथि के रूप में आचार्य हरेकृष्ण महापात्र, पूर्वनिदेशक, श्रीसदाशिवपरिसर, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी एवं सारस्वतातिथि के रूप में डॉ. तुलसी कुमार जोशी, चिन्मय विश्वविद्यालय, केरल ने उपस्थित होकर न्याय, वेदान्त, व्याकरणादि शास्त्रों में निहित लोकोपयोगी विषयों पर प्रकाश डाला। दिनांक 05.08.2020 को ज्योतिषशास्त्रस्य लोकोपकारकत्वम् इस विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें अध्यक्ष के रूप में डॉ. रामकृष्ण पेजपत्ताय, सहाचार्य, चिन्मय विश्वविद्यालय, केरल, मुख्यवक्ता के रूप में डॉ. अशोक थपलियाल, सहाचार्य, श्रीलालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय ने उपस्थित होकर वर्तमान काल में ज्योतिषशास्त्र की अध्ययनविधि के विषय में स्वकीय उद्बोधन प्रदान किए। 06.08.2020 को साम्प्रतिके युगे संस्कृतज्ञानां दायित्वम् विषय पर आयोजित राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें अध्यक्ष के रूप में आचार्य बच्चा भारती, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला, मुख्यातिथि के रूप में डॉ. भावप्रकाश, सर्वकारी विनयन वाणिज्य महाविद्यालय, गुर्जर प्रदेश, सारस्वतातिथि के रूप में डॉ. दीपकुमार, वेदव्यास परिसर, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश तथा विशिष्टातिथि के रूप में डॉ. अरुणकुमार, आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, जांगला, हि.प्र. ने उपस्थित होकर स्वकीय व्याख्यानों से श्रोतागण को लाभान्वित किये। संस्कृत सप्ताह का सम्पूर्ति-समारोह 07.08.2020 को आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम आचार्य के. ई. देवनाथन, पूर्व कुलपति, श्री वेंकटेश्वर वेद विश्वविद्यालय, तिरूपति, आन्ध्रप्रदेश की अध्यक्षता में, आचार्य श्रीनिवास वरखेडी, कुलपति, कविकुलगुरुकालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, नागपुर, महाराष्ट्र के विशिष्टातिथ्य में तथा परिसर निदेशक आचार्य रणजित् कुमार बर्मन के मार्गदर्शन में सुसम्पन्न हुआ। तीनों वक्ताओं ने त्रिपुरा राज्य में संस्कृतान्तरर्गत शास्त्राध्ययन की पद्धति पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. सच्चिदानन्द तिवारी, साहित्यविभागाध्यक्ष एवं संचालक डॉ. गणेश्वरनाथ झा, व्याकरणविभागाध्यक्ष थे।

➢ शिक्षक दिवस

इस वर्ष शिक्षा-शास्त्र विभाग के द्वारा ऑनलाईन (गूगलमीट) के माध्यम से 05.09.2020 को शिक्षक दिवस का पालन किया गया। इस कार्यक्रम में शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. बच्चा भारती ने डॉ. सर्वपल्लीराधाकृष्णन के जीवन चरित्र को उद्घाटित करते हुए कहा की इनका जीवन अत्यन्त आदर्शमय रहा है। यद्यपि डॉ. सर्वपल्लीराधाकृष्णन अपने जीवन में अनेक उच्च पदों पर आरूढ़ रहें हैं तथापि शिक्षक के रूप में उन्होंने सदैव स्वयं को गौरवान्वित महसूस किया है। इसलिए उनकी जन्मतिथि को सम्पूर्ण भारतवर्ष में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस कार्यक्रम में शिक्षाशास्त्र विभाग के समस्त प्राध्यापकगण तथा छात्र उपस्थित रहे।

➢ स्वतन्त्रता दिवस समारोह

परिसर में 15 अगस्त, 2020 को स्वतन्त्रता दिवस समारोह सोत्साहपूर्वक पालन किया गया। प्रात: 8 बजे राष्ट्रध्वजारोहण करने के पश्चात् परिसर निदेशक आचार्य

रणजित् कुमार बर्मन ने अपने उद्बोधन में सम्बोधित करते हुए कहा कि महामारी काल में सरकार के नियमों का पालन करते हुए हम सभी को राष्ट्र सेवा एवं मानवता के प्रति तत्पर रहना चाहिए। इस कार्यक्रम में परिसर के समस्त प्राध्यापक तथा कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

➢ राष्ट्रिय शिक्षा नीति परिसंवाद

परिसर में दिनांक 28 अगस्त, 2020 को प्रातः 11.00 बजे से ऑनलाईन (गूगलमीट) के माध्यम से राष्ट्रिय शिक्षा नीतौ संस्कृतम् विषय पर परिसंवाद का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्यवक्ता के रूप में संस्कृत संवर्धन प्रतिष्ठान के सचिव पद्मश्री श्रीचमूकृष्ण शास्त्री ने उपस्थित होकर विविध राज्यों के पाठ्यक्रम में संस्कृत की वर्तमान स्थिति, राष्ट्रिय शिक्षा नीति को लागू करने के पश्चात् संस्कृत के भविष्य की स्थिति, राष्ट्रिय शिक्षा नीति के अनुसार पाठ्यक्रम का निर्माण एवं संस्कृत अध्येताओं की सहभागिता के साथ उनकी संख्या में अभिवृद्धि के उपाय इत्यादि विषयों पर स्वाभिमत उपस्थापित किये। इस परिसंवाद में परिसर के निदेशक आचार्य रणजित् कुमार बर्मन, समस्त अध्यापक एवं छात्रवृन्द उपस्थित थे। परिसंवाद के संयोजक प्रो. पवन कुमार आचार्य, शिक्षाविभाग थे। इस कार्यक्रम का संचालन व्याकरणविभागाध्यक्ष डॉ. गणेश्वर नाथ झा ने किया।

➢ हिन्दी पखवाड़ा

प्रतिवर्ष की भांति राजभाषाविभाग के आदेशानुसार एकलव्य परिसर में 1 सितम्बर, 2020 को हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम का उद्घाटन परिसर निदेशक आचार्य रणजित् कुमार बर्मन की अध्यक्षता में तथा साहित्यविभागाध्यक्ष आचार्य सच्चिदानन्द तिवारी के मुख्यातिथ्य में सुसम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि महोदय ने हिन्दी की दशा एवं दिशा पर अपने विचार रखे। अध्यक्षीय भाषण में परिसर के निदेशक आचार्य रणजित् कुमार बर्मन ने बताया कि हिन्दी सम्पूर्ण भारत में आदान-प्रदान का माध्यम है, इसलिए हिन्दी भाषा को राष्ट्रभाषा का दर्जा मिलना चाहिए। दिनांक 02.09.2020 को हिन्दी भाषा में देवनागरी लिपि एवं पाण्डुलिपि का महत्व पर बौद्धदर्शन विभाग के प्राध्यापक डॉ. उत्तम सिंह जी ने व्याख्यान दिया। इसके पश्चात् 03.09.2020 को कार्यालय के कर्मचारियों के लिए सम्पादक को हिन्दी भाषा के प्रचार-प्रसार विषय पर पत्रलेखन प्रतियोगिता तथा दिनांक 04.09.2020 को टिप्पणी-लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। दिनांक 07.09.2020 को हिन्दी भाषा के विकास के सन्दर्भ में विचार विमर्श विषय पर उद्बोधन हुआ। जिसमें हिन्दी-पखवाड़ा के संयोजक हिन्दी प्राध्यापक डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्र ने अपने विचार प्रस्तुत किये। दिनांक 09.09.2020 को छात्रों के लिए राष्ट्रीय एकता में हिन्दी भाषा का महत्व पर निबन्ध लेखन प्रतियोगिता आयोजित हुई। दिनांक 10.09.2020 को ज्योतिष विभाग के सहायकाचार्य डॉ. मनोज श्रीमाल द्वारा हिन्दी साहित्य में श्रीकृष्ण पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया तथा हिन्दी-पखवाड़ा समापन-समारोह 14.09.2020 को सम्पन्न हुआ। जिसमें मुख्यातिथि के रूप में डॉ. राजेश कुमार शुक्ल, हिन्दी सहायकाचार्य, श्री रंगलक्ष्मी आर्दश संस्कृत महाविद्यालय, वृन्दावन, मथुरा, विशिष्टातिथि के रूप में डॉ. प्रतिभा गोस्वामी, प्रकाशन प्रशिक्षण एवं शोध अधिकारी, राज्य हिन्दी संस्थान, उ.प्र., सारस्वतातिथि के रूप में श्री सन्दीप शर्मा, प्राचार्य, गोकुल मान्टेसरी वरिष्ट मा. विद्यालय, नेहरियां, हिमाचलप्रदेश, अध्यक्ष के रूप में प्रो. बच्चा भारती, कार्यवाहक प्राचार्य के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में प्रो. शिशिर कुमार पाण्डेय, हिन्दी विभाग, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनउ परिसर ने स्वकीय आशिवर्चन से श्रोतागण को लाभान्वित किया। व्याकरण विभाग के प्राध्यापक श्री विजय कुमार पयासी ने कार्यक्रम का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्र, हिन्दी प्राध्यापक के द्वारा किया गया। सभी कार्यक्रम ऑनलाईन (गूगल मीट) के माध्यम से सुचारू रूप से सम्पन्न हुए और सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाणपत्र भी दिया गया और इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्र, हिन्दी प्राध्यापक एवं समन्वयक डॉ. मनोज श्रीमाल, सहायकाचार्य, ज्योतिष विभाग थे।

➢ शिक्षा-दिवस

11 नवम्बर, 2020 को एकलव्य परिसर में शिक्षाविभाग के द्वारा शिक्षा-दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्यातिथि के रूप में आचार्य रजनीकान्त शुक्ला, पूर्वसंकायाध्यक्ष, शिक्षाशास्त्रविभाग, राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरूपति ने स्ववक्तव्य में बताया की देश के प्रथम शिक्षामन्त्री डॉ. मौलाना अबुल कलाम आजाद का शिक्षा दर्शन तथा शिक्षा नीति बहुत ही व्यावहारिक रही है। डॉ. मौलाना स्वतन्त्रता के पश्चात् लगातार दश वर्षों तक शिक्षामन्त्री के रूप में अनेक शिक्षा संस्थाओं का निर्माण करते हुए भारत की शिक्षा-नीति को सुदृढ़ करने का प्रयास किया है। विशिष्टातिथि के रूप में डॉ. प्रेमशंकर श्रीवास्तव, प्राचार्य, शिक्षा विभाग, इकफाई विश्वविद्यालय, अगरतला ने कहा कि भारत के प्रथम शिक्षामन्त्री

डॉ. अबुल कलाम आजाद ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग जैसी संस्थाओं की स्थापना करने का कार्य किया एवं भारतीय शिक्षा नीति को व्यावहारिक एवं पारदर्शी बनाने का प्रयास किया। इस कार्यक्रम के अध्यक्ष शिक्षाशास्त्र-विभागाध्यक्ष प्रो. बच्चा भारती ने कहा कि डॉ. अबुल कलाम आजाद प्रसिद्ध शिक्षाविद्, दार्शनिक, पत्रकार एवं स्वतन्त्रता सैनानी थे। इस अवसर पर शिक्षाशास्त्रविभाग के छात्राध्यापकों के लिए डॉ. मौलाना अबुल कलाम आजाद के व्यक्तित्व विषय पर निबन्ध लेखन प्रतियोगिता तथा मौलाना अबुल कलाम आजाद महोदय का शिक्षा में योगदान पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन श्री नन्ददुलाल मण्डल, सहायकाचार्य, शिक्षाशास्त्रविभाग के द्वारा किया गया।

➢ सतर्कता सप्ताह

भारतसरकार के निर्देशानुसार परिसर में 27 अक्टूबर - 2 नवम्बर, 2020 तक सतर्कता सप्ताह का आयोजन किया गया। 27 अक्टूबर, 2020 को प्रातः 11.00 बजे परिसर के निदेशक आचार्य रणजित् कुमार बर्मन ने परिसर के सभी अध्यापकों से प्रतिज्ञा-वाचन करवाया। इसके पश्चात् छात्रों के लिए ऑनलाईन (गूगलमीट) माध्यम से निबन्ध-लेखन एवं भाषण-प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। स्पर्धा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त छात्र-छात्राओं को ई-प्रमाणपत्र वितरित किये गए। इस कार्यक्रम का सम्पूर्ति-समारोह का आयोजन गूगलमीट माध्यम से किया गया, जिसमे डॉ. बाबूराम स्वामी, आंग्लरभाषाविभागाध्यक्ष, एम. बी. बी. कॉलेज, अगरतला ने मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित होकर सर्तकता के विषय में स्ववक्तव्य प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता आचार्य पवन कुमार, शिक्षाशास्त्र विभाग एवं संयोजन डॉ. सुमन आचार्जी, आधुनिकविभागाध्यक्ष के द्वारा किया गया।

➢ संविधान दिवस

मुख्यालय के निर्देशानुसार परिसर में दिनांक 26.11.2020 को एकलव्य परिसर, अगरतला में संविधान दिवस मनाया गया। जिसके अन्तर्गत प्रातः 11.00 बजे ऑनलाईन गूगलमीट द्वारा आयोजित कार्यक्रम में माननीय राष्ट्रपति जी द्वारा प्रदत्त संविधान के उद्देशिका वाचन में समस्त प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्रगण उपस्थित थे। इसी दिन अपराह्न 3.00 बजे संविधान दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया। जिसमें कार्यक्रम के अध्यक्ष के रूप में प्रो. बच्चा भारती, शिक्षाशास्त्रविभागाध्यक्ष, मुख्यातिथि के रूप में प्रो. चन्द्रिका बसु मजुमदार, जी. कला एवं वाणिज्यसंकायाध्यक्ष, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, त्रिपुरा तथा विशिष्टातिथि के रूप में डॉ. योगेन्द्र दीक्षित, संविदाध्यापक, राजनीति विज्ञान, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्रीरणवीर परिसर, जम्मू उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के उपलक्ष्य में छात्रों हेतु दिनांक 25.11.2020 को भाषण प्रतियोगिता, निबन्ध प्रतियोगिता तथा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. श्रीकर जी. एन. सहायकाचार्य, वेदान्तविभाग रहे।

➢ गणतन्त्र दिवस समारोह

26 जनवरी, 2020 को एकलव्य परिसर में गणतन्त्र दिवस समारोह का आयोजन सोत्साहपूर्वक किया गया। प्रातः 08.00 बजे परिसर निदेशक रणजित् कुमार बर्मन ने राष्ट्रध्वजारोहण करते हुए स्वतन्त्रता संग्राम में वीरगति को प्राप्त किये देशभक्तों को स्मरण कर उन्हें श्रद्धाञ्जलि समर्पित की। इस कार्यक्रम में परिसर के समस्त प्राध्यापकगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

➢ मातृभाषा दिवस

दिनांक 21.02.2021 को अन्ताराष्ट्रिय मातृभाषा दिवस का आयोजन किया गया, जिसके उपलक्ष्य में राज्यसरकार के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें परिसर के समस्त अध्यापक, कतिपय छात्रवृन्द एवं प्रभारी निदेशक डॉ. बच्चा भारती ने अपनी सहभागिता प्रदर्शित की। शोभायात्रा में संस्कृत भाषा से सम्बन्धित विभिन्न सुक्तियों को प्रदर्शित करते हुए संस्कृत भाषा के महत्व को उद्घोषित किया। तदुपरान्त परिसर के सदस्यों ने शतवार्षिकी रवीन्द्र भवन, अगरतला में त्रिपुराराज्य के मुख्यमंत्री श्री बिप्लवदेव जी की अध्यक्षता में आयोजित मातृभाषा उत्सव में भागग्रहण किया, जिसमें विभिन्न विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, संस्थाओं के गणमान्य अतिथि एवं छात्र भी समुपस्थित थे। इस कार्यक्रम में परिसर के दो छात्रों के द्वारा संस्कृतभाषा में प्रेक्षकों को सम्बोधित भी किया। तदुपरान्त ऑनलाइन माध्यम से राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें अध्यक्ष के रूप में परिसर के प्रभारी निदेशक प्रो. बच्चा भारती, मुख्यातिथि के रूप में प्रो. पवन कुमार, परीक्षा नियन्त्रक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, मुख्यवक्ता के रूप में प्रो. मदनमोहन पाठक, ज्योतिषविभागाध्यक्ष, लखनउ परिसर, विशिष्टातिथि के रूप में डॉ. तुलसीकुमार जोशी, वेदान्त विभाग, चिन्मयविद्यापीठ, डॉ. विश्वनाथ हेगडे, वेदान्तविभाग, श्री राजीवगान्धीपरिसर, श्रृंगेरी उपस्थित थे। इन्होंने क्षेत्रीयभाषा

के विकास पर अत्यन्त ही सारगर्भित एवं वैदुष्यपूर्ण व्याख्यान दिया। सारस्वतातिथि के रूप में एकलव्य परिसर के साहित्यविभागाध्यक्ष प्रो. सच्चिदानन्द तिवारी भी उपस्थित थे। सम्पूर्ण कार्यक्रम डॉ. गणेश्वरनाथ झा, व्याकरणविभागाध्यक्ष एवं डॉ ब्रह्मानन्द मिश्र, ज्योतिषविभागाध्यक्ष के संयोजकत्व तथा श्री बि. वि. लक्ष्मीनारायण, सहायकाचार्य, शिक्षाशास्त्रविभाग के सहसंयोजकत्व में सम्पन्न हुआ।

➢ भाषाबोधन वर्ग

परिसर में शिक्षाशास्त्र विभाग के द्वारा 24.03.2021 से 20.04.2021 तक नवागत छात्रों के लिए भाषा बोधन वर्ग का आयोजन किया गया। जिसमें विभागीय सभी अध्यापकों ने अध्यापन कार्य किया। यह बोधन वर्ग श्री नन्ददुलाल मण्डल, सहायकाचार्य, शिक्षाशास्त्रविभाग एवं श्री अनुप विश्वास, सहायकाचार्य, शिक्षाशात्रविभाग के संयोजकत्व में सम्पन्न हुआ।

5. परिसर की विभिन्न उपलब्धियाँ

➢ परिसर के शिक्षा-शास्त्र द्वितीयवर्ष की छात्रा मम्पी दास NET परीक्षा में उत्तीर्ण हुई।

➢ चिन्मय विश्व-विद्यालय द्वारा शंकर विजयोत्सधव के उपलक्ष्या में आयोजित भाषण प्रतियोगिता में परिसर के व्याकरण विभाग, आचार्य प्रथमवर्ष की छात्रा श्रुतिशिखा ने प्रथम स्थानि प्राप्तत किया।

➢ गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वपविद्यालय बिलासपुर द्वारा संस्कृनत सप्ताह महोत्सतव के उपलक्ष्य में ऑनलाईन माध्यम से आयोजित आशुभाषण प्रतियोगिता में परिसर के व्याकरण विभाग, आचार्य प्रथम वर्ष के छात्र गोपालकृष्णो दास ने प्रथम स्थांन कालीप्रसाद आचार्य ने द्वितीय स्थापन तथा श्रुतिशिखा ने तृतीय स्थ्रान प्राप्तण किया।

➢ "जनसंचारमाध्यमेन प्रतियोगितया संस्कृतशिक्षणम्" आमुख-पटल पर आयोजित संस्कृत ज्ञानवर्धक जीवन्तस प्रश्नोत्तमरी प्रतियोगिता में ज्योतिष विभाग, शास्त्री द्वितीयवर्ष की छात्रा पूजा रॉय ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

➢ संस्कृतरसास्वातद संस्था, हल्द्वोनी, उत्तराखण्ड द्वारा आयोजित संस्कृत सामान्यज्ञान प्रतियोगिता में ज्योतिष विभाग शास्त्री द्वितीयवर्ष की छात्रा पूजा रॉय ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

➢ संस्कृतरसास्वाद विश्वहितायसंस्कृतम् द्वारा आयोजित संस्कृत सामान्यज्ञान प्रतियोगिता में ज्योतिष विभाग शास्त्री द्वितीयवर्ष की छात्रा पूजा रॉय ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

6. स्थानान्तरण

➢ शिक्षाशास्त्रविभाग के प्राध्यापक आचार्य पवन कुमार केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक के पद पर नियुक्त होकर दिल्ली के लिए स्थानान्तरित हुए।

➢ शिक्षाशास्त्र विभाग के प्राध्यापक डॉ. वृन्दावन पात्र आचार्य के रूप में प्रोन्नति प्राप्त कर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्रीसदाशिवपरिसर के लिए स्थानान्तरित हुए।

इस प्रकार यह कहते हुए हमें अत्यन्त हर्ष एवं गौरव का अनुभव हो रहा है की इस सत्र में संस्कृत एवं संस्कृति सम्बद्ध अनेक कार्यक्रमों का सञ्चालन करते हुए एकलव्य परिसर प्रगतिपथ पर अग्रसर हो रहा है।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या:

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	-	00
उत्तर प्रेषित	-	00

4.2.12 श्रीरघुनाथ-कीर्ति-परिसर, देवप्रयाग, उत्तराखण्ड

1. परिसर परिचय

श्रीरघुनाथ कीर्ति आदर्श संस्कृत-महाविद्यालय (स्थापित 1908), देवप्रयाग को अपने त्रयोदश परिसर के रूप में दिनांक 16.06.2016 को अधिगृहीत किया गया। इस परिसर का नामकरण दो पौराणिक नदी अलकनन्दा एवं भागीरथी के दिव्य संगमस्थल के समीप पहाड़ों की कत्यूरी-शैली में निर्मित प्राचीन श्रीरघुनाथ जी के मन्दिर में विद्यमान प्रसिद्ध देवता श्रीरघुनाथजी के नाम पर हुआ है। यही स्थान वास्तविक रूप से गंगा का उद्गम-स्थान भी है।

दिनांक 16.06.2016 को इस परिसर का उद्घाटन किया गया। यहाँ पूर्व से गतिमान रघुनाथ कीर्ति आदर्श संस्कृत-महाविद्यालय ने परिसर को अपनी 3.443 हेक्टेयर भूमि दानस्वरूप दी। साथ ही उत्तराखण्ड सरकार ने भी 9.228 हेक्टेयर भूमि उपलब्ध कराई। दिनांक 06.05.2017 को इस परिसर का प्रथम शिलान्यास-समारोह उत्तराखण्ड के माननीय राज्यपाल महामहिम डा. के.के पाल जी के मुख्यातिथ्य में सम्पन्न हुआ था। दिनांक 08.11.17 को इस परिसर का द्वितीय शिलान्यास समारोह भारत सरकार के मानव संसाधनविकास राज्यमन्त्री मान्यवर डॉ. सत्यपालसिंह महोदय के मुख्यातिथ्य में, उत्तराखण्ड सरकार उच्चशिक्षामन्त्री डॉ. धनसिंहरावत के सारस्वतातिथ्य में सम्पन्न हुआ।

इस प्रकार परिसर के पास कुल 23 एकड भूमि वर्तमान है जिसे सम्बद्ध परिसरीय समिति से परामर्श के पश्चात् आवश्यक शैक्षिक, प्रशासनिक आवासीयभवन (बालक छात्रवास, बालिका छात्रवास एवं स्टाफ क्वार्टर), ग्रन्थालय, सभागृह (आडिटोरियम), खेल-मैदान (स्टेडियम) आदि के निर्माण-कार्य लगभग समाप्ति की ओर अग्रसर है।

2. उपलब्ध पाठ्यक्रम

नवप्रतिष्ठित इस परिसर में वर्ष 2020-21 में व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, वेद, वेदान्त एवं न्याय जैसे 06 विभागों में लगभग 100 छात्रों को अधोलिखित कक्षाओं में नियमित शिक्षा प्रदान की जा रही है जिन्हें उपर्युक्त पारम्परिक विषयों के साथ-साथ स्नातक-समकक्ष आधुनिक विषयों (हिन्दी, अंग्रेजी, इतिहास एवं कंप्यूटर साइंस आदि) का भी ज्ञान कराया जाता है।

- प्राक्-शास्त्री (इंटर मीडिएट)
- शास्त्री (स्नातक)
- आचार्य (स्नातकोत्तर)
- विद्यावारिधि (पीएच.डी.)

3. मुक्तस्वाध्यायपीठ

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में दूरस्थशिक्षा के माध्यम से संस्कृत के प्रचार प्रसार में निरन्तर लगा हुआ है और जिसके लिए केन्द्रीय विश्वविद्यालय के सभी परिसरों में मुक्तस्वाध्यायपीठ की स्थापना की गयी है। श्रीरघुनाथ कीर्ति परिसर में भी मुक्तस्वाध्यायपीठ की स्थापना 2020-21 सत्र में की गयी है। जिसके अन्तर्गत ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण के लिए सेतु पाठ्यक्रम और प्राक्शास्त्री से लेकर आचार्य पर्यन्त पाठ्यक्रम चलाये गये हैं, साथ ही संस्कृतपत्रकारिता प्रमाणपत्रपाठ्यक्रम, पालि एवं प्राकृत प्रमाणपत्रपाठ्यक्रम भी चालाये गये हैं। जिसमें संस्कृत छात्र अध्ययन कर रहे हैं। इसके समन्वयक का दायित्त्व साहित्यविभाग के प्राध्यापक डॉ. अनिलकुमार को दिया गया है। भविष्य में यहां पर्यटन और आयुर्वेद जैसे पाठयक्रम को भी योजना है।

4. विशिष्ट व्याख्यानमाला एवं संगोष्ठी

प्रतिवर्ष इस परिसर में प्रत्येक विभाग की ओर से राष्ट्रीय संगोष्ठी, कार्यशाला एवं विशिष्ट व्याख्यानमाला का भी आयोजन किया जाता है। परिसर में इस वर्ष भी कार्यक्रम आयोजित हुये थे। इस प्रसंग में इस वर्ष की यह विशेषता रही है कि इस वर्ष सभी विभागों की संगोष्ठी तथा व्याख्यानमालाएं अन्तर्जालीय माध्यम से की गयी। सभी संगोष्ठियां शनिवार और रविवार के दिन आयोजित की गयी। जो दिनांक 13.02.2021 से 28.02.21 तक आयोजित की गयी।

- **विशिष्ट-व्याख्यानमाला**- इस परिसर में विविध-विभागीय विशिष्ट-व्याख्यानमालाएं 13.02.2021 से 28.02.21 तक सम्पन्न हुई।
- **ज्योतिषविभागीया विशिष्टव्याख्यानमाला**- दिनांक 13.02.2021 को सम्पन्न हुई, जिसमें मुख्यवक्ता के रूप में प्रो. विनायक पाण्डेय (वाराणसी) ने ज्योतिषशास्त्रदृष्ट्या संक्रमणरोगविचार विषय पर विशिष्टव्याख्यान दिया।
- **व्याकरणविभागीया विशिष्ट-व्याख्यानमाला**- 14.02.2021 को सम्पन्न हुई जिसमें मुख्यवक्ता के रूप में प्रो.भगवत् शरणशुक्ल (वाराणसी) ने पाणिनीय व्याकरण परम्परा विषय पर विशिष्टव्याख्यान दिया।
- **वेदविभागीया विशिष्ट-व्याख्यानमाला** 20.02.2021 को सम्पन्न हुई जिसमें मुख्यवक्ता के रूप में प्रो. रवीन्द्र अम्बादास मूले (पूणे) ने 'को आयोजित हुई, संगोष्ठी का केन्द्रीय विषय- 'वैश्विक संस्कृतौ वैदिक वाङ्मयस्य प्रभाव:' विषय पर विशिष्टव्याख्यान दिया।
- **साहित्य-विभागीया विशिष्ट-व्याख्यानमाला** 21.02.2021 को सम्पन्न हुई जिसमें मुख्यवक्ता के रूप में प्रो. उमाकान्त चतुर्वेदी (वाराणसी) ने 'संस्कृतसाहित्ये शब्दशक्ति' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान दिया।
- **आधुनिकविभागीया विशिष्ट-व्याख्यानमाला** 27.02.2021 को सम्पन्न हुई जिसमें मुख्यवक्ता के रूप में प्रो. शिशिरकुमार पाण्डेय (लखनऊ) ने 'इतिहास में राष्ट्रवाद' विषय पर विशिष्टव्याख्यान दिया।
- **न्यायविभागीया विशिष्ट-व्याख्यानमाला** 28.02.2021 को सम्पन्न हुई जिसमें मुख्यवक्ता के रूप में प्रो. हरेरामत्रिपाठी (दिल्ली) ने 'दर्शनशास्त्रे नूतनप्रवृत्तय:' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान दिया।
- **राष्ट्रिय/अन्ताराष्ट्रिय संगोष्ठी**
- ज्योतिष विभागीया अन्तर्जालीया राष्ट्रिया संगोष्ठी 13.02.2021 को आयोजित हुई, संगोष्ठी का केन्द्रीय विषय- 'ज्योतिषशास्त्रदृष्ट्या संक्रमणरोगविचार:'।
- व्याकरण विभागीया अन्तर्जालीया अन्ताराष्ट्रिया संगोष्ठी 14.02.2020 को आयोजित हुई, संगोष्ठी का केन्द्रीय विषय- 'पाणिनीय व्याकरण परम्परा'।
- वेदविभागीया अन्तर्जालीया अन्ताराष्ट्रिया संगोष्ठी 20.02.2020 को आयोजित हुई, संगोष्ठी का केन्द्रीय विषय -'वैश्विक-संस्कृतौ वैदिक-वाङ्मयस्य प्रभाव:'।
- साहित्यविभागीया अन्तर्जालीया राष्ट्रिया संगोष्ठी 21.02.2021 को आयोजित हुई, संगोष्ठी का केन्द्रीय विषय -'संस्कृतसाहित्ये शब्दशक्तिविमर्श:'।
- आधुनिकविभागीया अन्तर्जालीया राष्ट्रिया संगोष्ठी 27.02.2021 को आयोजित हुई, संगोष्ठी का केन्द्रीय विषय -'साहित्य और इतिहास में राष्ट्रवाद'।
- न्यायविभागीया अन्तर्जालीया राष्ट्रिया संगोष्ठी 28.02.2021 को आयोजित हुई, संगोष्ठी का केन्द्रीय विषय -'दर्शनशास्त्रे नूतनप्रवृत्तय:'।
- स्वतन्त्रता दिवस पर कोरोनाविषयक अखिल-भारतीय कविसम्मेलन-दिनांक 15.08.2020 को परिसर के प्राचार्य जी की अध्यक्षता में एवं प्रो. बनमाली विश्वाल जी के संयोजकत्व में स्वतन्त्रता दिवस पर एक कोरोना विषय पर अन्तर्जाल माध्यम से अखिल भारतीय कविसम्मेलन अनुष्ठित हुआ जिसमें भारत के प्रतिष्ठित संस्कृत कवियों ने भाग लिया। जिसका संचालन डा. शैलेन्द्रप्रसाद उनियाल तथा डा. अनिलकुमार ने किया।
- **मातृभाषा दिवस पर संगोष्ठी**- दिनांक 21.02.2021 को मातृभाषा दिवस के उपलक्ष्य में अन्तर्जाल द्वारा एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें उत्तराखण्ड के सुप्रसिद्ध लोकभाषाविद् और लोकगायक डॉ. प्रीतम भरतवाण महोदय मुख्यवक्ता के रूप में उपस्थित थे। गढवाली लोकभाषा के सुविख्यात कवि मुरलीदिवान जी विशिष्टवक्ता के रूप में विद्यमान थे।
- **गणतन्त्र दिवस की पूर्वसन्ध्या पर राष्ट्रियचेतना-विषयक कवि-सम्मेलन**- दिनांक 25-01-2021 को प्रो. बनमाली विश्वाल जी की अध्यक्षता में और डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही के संयोजकत्व में गणतन्त्र दिवस की पूर्व सन्ध्या पर एक राष्ट्रिय चेतना विषयक अन्तर्जाल माध्यम से कविसम्मेलन अनुष्ठित हुआ जिसमें देश के प्रतिष्ठित कवियों ने भाग लिया। जिसका संचालन डा. शैलेन्द्रप्रसाद उनियाल तथा डा. अनिलकुमार ने किया।
- **शोध परियोजना**- बौद्ध तर्कभाषा विषयक एक रिसर्च प्रोजेक्ट यहाँ चल रहा था जो पूर्ण हो गया है और मुख्यालय भेज दिया गया है। अष्टादशी के अन्तर्गत विगत वर्षों में अधोलिखित दो अन्य रिसर्च प्रोजेक्ट के लिये संस्थान को प्रस्ताव भेजा गया है।
- समकालिक संस्कृत साहित्य विवरणात्मक ग्रन्थसूची

(Descriptive Catalogue of Contemporary Sanskrit Literature)

- पालि भाषा-स्वाध्याय पाठ्यसामग्री (Self study materials in Pali)
- **परिसरीय अन्तर्जाल** (website) - परिसरीय अन्तर्जाल (वेबसाइट) पहले www.srkcampus.org रूप में आरम्भ हुआ जिसे vc www.csu-devprayag.edu.in में देखा जा सकता है।
- संस्कृत पत्र-पत्रिकाओं का प्रकाशन-परिसर में अधोलिखित नियमित पत्रिकाओं का प्रकाशन प्रस्तावित था इनमें से सभी पत्रिकाओं का कार्य प्रगति पर है। ISSN नंबर की उपलब्धता में विलम्ब के कारण इन में से कुछ का प्रकाशन अब विलम्बित है।
- **देवभूमि-सौरभम्**-एक अन्ताराष्ट्रिय वार्षिक शोधपत्रिका (प्रकाशन-प्रतीक्षा में है।)
- **संस्कृतगङ्गा**-परिसरीय शोधपत्रिका
- **रघुनाथ-कीर्ति-पताका**-परिसरीय वार्षिक पत्रिका (एक अंक प्रकाशित)
- **रघुनाथ-वार्तावली**-परिसरीय त्रैमासिक वार्ता-पत्रिका (14-18 अंक तक अन्तर्जालीय प्रकाशन परिसरीय वेबसाइट पर हो चुका है।)
- **विभागीय पत्रिका**- इसके अतिरिक्त सभी विभागों की ओर से 06 विभागीय पत्रिकाओं का भी प्रकाशन किया गया है। इस वर्ष भी पुनः 07 विभागीय पत्रिकाओं का प्रकाशन संकल्पित है।
- **व्याकरण-शाब्दी त्रिपथगा** (दो अंक प्रकाशित, वर्तमान अंक प्रकाशनाधीन)।
- **साहित्य-साहिती** (दो अंक प्रकाशित, वर्तमान अंक प्रकाशनाधीन)।
- **ज्योतिष-दैवी** (वर्तमान अंक प्रकाशनाधीन)।
- **वेद-आम्नायहैमवती** (एक अंक प्रकाशित, दो अंक प्रकाशनाधीन)।
- **आधुनिक-आधुनिक शोध त्रिवेणी** (दो अंक प्रकाशित, वर्तमान अंक प्रकाशित)।
- **न्याय-न्यायशास्त्रार्थप्रकर्षः** (वर्तमान अंक प्रकाशनाधीन)।

5. विविध साहित्यिक सांस्कृतिक कार्यक्रम उत्सव एवं समारोह

- **पठनप्रतिज्ञादिवस**- परिसर में पठनप्रतिज्ञा दिवस का आयोजन 19.06.2020 को किया गया जिसका संचालन पुस्तकालय अध्यक्ष्य श्रीनवीन डोबरियाल जी ने किया जिसके अन्तर्गत सभी परिसरीय सदस्यों ने उसमें आनलाइन भाग ग्रहण किया।
- **राष्ट्रिय योगदिवस**- परिसर में योगदिवस 21.06.2020 को मनाया गया। इसका आयोजन आनलाइन माध्यम से किया गया और इसका संचालन श्रीनवीन डोबरियाल जी ने किया। सभी कर्मचारियों, प्राध्यापकों और छात्रों ने अपने निवास-स्थलों से विभिन्न प्रकार के योगासन करते हुए एक दूसरे को अपने छायाचित्र प्रेषित किये।
- **नयी शिक्षा नीतिकार्यक्रम**- उत्तराखण्ड सरकार के द्वारा दिनांक 19.08.2020 को राष्ट्रिय शिक्षानीति पर एक बृहत्तम कार्यक्रम 'नई शिक्षा नीति एवं संस्कृत' इस विषय पर आयोजित किया गया। जिसमें परिसर के प्राचार्य तथा कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।
- **संस्कृत-सप्ताहोत्सव**- श्रावणी पूर्णिमा के अवसर पर 03.08.20 से 09.08.2020 तक अन्तर्जाल के माध्यम से संस्कृत-सप्ताहोत्सव मनाया गया। 03.08.2020 को उद्घाटन समारोह में गुरुकुल कांगडी विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. रूपकिशोरशास्त्री महोदय के अभिभाषण से इसका उदघाटन किया गया। अध्यक्ष के रूप में परिसर प्राचार्य प्रो. के.बी.सुब्बारायुडु विद्यमान थे। दूसरे दिन छात्रों की निबन्ध-प्रतियोगिता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसका मुख्यविषय वर्तमान में आयुर्वेद की उपयोगिता रहा। तीसरे दिन भगवद्गीताकण्ठपाठ प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। चौथे दिन संक्रामक रोग-निवारणोपाय इस विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गयी। पांचवे, छठे और सातवे दिन विशिष्ट व्याख्यानमालाओं का आयोजन किया गया।
- **हिन्दी-पखवाडा**- 14.09.2020 से 28.09.2020 तक हिन्दी पखवाडा मनाया गया। उद्घाटन समारोह में मुख्यातिथि के रूप में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय लखनऊ परिसर प्रो. शिशिर कुमार पाण्डेय से उपस्थित थे एवं मुख्यातिथि के रूप में श्रीलालबहादुरशास्त्रीराष्ट्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय के हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. जगदेवशर्मा

उपस्थित रहे। 26.09.2020 को एक कार्यालयीय निबन्ध तथा शब्दावली की प्रतियोगिता कार्यालयीय कर्मचारियों के लिए आयोजित की गयी। 27.09.2020 को छात्रों के लिए हिन्दीविषयक-प्रश्नावली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 28.09.20 को समापन के अवसर पर उत्तराखण्ड-विश्वविद्यालय के प्रो. उमेशकुमार शुक्ल जी की उपस्थिति से सभी लाभान्वित हुए। इस प्रकार हिन्दी पखवाडा मनाया गया।

- **स्वतन्त्रता दिवस**- 15 अगस्त 2020 को मनाया गया। जिसमें परिसर-प्राचार्यद्वारा ध्वजारोहण किया गया और छात्रों द्वारा विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये।
- **राष्ट्रिय एकतासप्ताह**- सरदार बल्लभभाई पटेल जन्मदिवस के उपलक्ष्य में 31.10.2020 से 06.11.2020 तक राष्ट्रिय-एकता-सप्ताह मनाया गया। तथा सरदार बल्लभभाई पटेल के जीवन से सम्बन्धित अनेक कार्यक्रम छात्रों के द्वारा प्रस्तुत किये गये।
- **स्वच्छतादिवस**- गान्धी जयन्ती के अवसर पर 2.10. 2020 को परिसर में स्वच्छता दिवस मनाया गया। जिसमें परिसर के प्राचार्य और प्राध्यापकों ने मिलकर परिसर प्रांगण और आस पास की सफाई की। परिसर प्राचार्य ने इस अवसर पर सभी को सम्बोधित भी किया।
- **सतर्कतादिवसोत्सव**- 25.11.2020 को परिसर में सतर्कतादिवसोत्सव (vigilance day) मनाया गया।
- **वसन्त-पंचमी**- 29.01.2021 को परिसर में बसन्त-पंचमी के अवसर पर सरस्वती-पूजन का कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- **गणतन्त्रदिवस**- 26.01.2021 को परिसर में गणतन्त्रदिवस मनाया गया, जिसमें परिसर प्राचार्य द्वारा ध्वजारोहण किया गया और छात्रों द्वारा विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये।
- **परिसरभवन निरीक्षण हेतु निरीक्षण-समिति का आगमन**- 2 फरवरी 2021 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की तरफ से परिसर के अधूरे भवन निर्माण कार्य का निरीक्षण करने के लिए 5 सदस्यों की एक समिति निरीक्षण हेतु आयी जिसके द्वारा सम्पूर्ण कार्य का अवलोकन कर कार्य को पूरा करने पर तथा सम्बन्धित बजट आदि के विषयों पर अपनी रिपोर्ट मुख्यालय नई दिल्ली को सौंपी।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या:

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	-	00
उत्तर प्रेषित	-	00

5. वर्ष 2020-21 की प्रमुख गतिविधियाँ

5. वर्ष 2020-2021 की प्रमुख गतिविधियाँ

5.1 संस्कृत सप्ताहोत्सव

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ने 31 जुलाई से 06 अगस्त 2020 तक ऑनलाइन के माध्यम से संस्कृत सप्ताहोत्सव मनाया। इस महोत्सव के अन्तर्गत प्रख्यात संस्कृत विद्वानों के व्याख्यान कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की गई और छात्रों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। दिनांक 03 अगस्त 2020 में आयोजित संस्कृत सप्ताहोत्सव के विशिष्ट कार्यक्रम में माननीय शिक्षा मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने अध्यक्षता की। प्रो. अनिल डी. सहस्त्रबुद्धे, ए. आई.सी.टी.ई. भारत सरकार ने विशेष अतिथि के रूप में भाग लिया। संस्कृत सप्ताह महोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 31.07. 2020 को 'पद्मश्री' चमू कृष्ण शास्त्री, दिनांक 01.08.2020 को प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, पूर्व कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, दिनांक 02.08.2020 को प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, पूर्व कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, दिनांक 03.08.2020 को प्रो. के. रामसुब्रह्मण्यम् आई.आई.टी., मुंबई, दिनांक 04.08.2020 को प्रो. गौरी माहुलीकर, कुलपति, चिन्मय विश्वविद्यालय एवं प्रो. बृजकिशोर स्वाई, सेवानिवृत्त आचार्य जगन्नाथ विश्वविद्यालय, पुरी, दिनांक 05.08.2020 को प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी, कुलपति कविकुलगुरु कालिदास विश्वविद्यालय, नागपुर और दिनांक 06.08.2020 को प्रो. मणि द्रविड़ शास्त्री विशेष व्याख्यान ऑनलाइन माध्यम से प्रस्तुत किया। दिनांक 04.08.2020 को परमपूज्य श्रीमज्जगद्गुरु विधुशेखर भारती स्वामीजी, दक्षिणम्नाय पीठ, श्रृंगेरी ने आशीर्वाद प्रदान किया। छात्रों के लिए सुभाषित कंठपाठ, भाषण स्पर्धा, काव्य कंठपाठ प्रतियोगिता आयोजित की गई।

माननीय शिक्षामंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' संस्कृत सप्ताहोत्सव में सम्बोधन करते हुए

संस्कृत सप्ताह के विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम में व्याख्यान प्रदाता

प्रो. अनिल डी. सहस्त्रबुद्धे, अध्यक्ष, ए.आई.सी.टी.ई.

पद्मश्री श्री चमू कृष्ण शास्त्री

प्रो. वेम्पटि कुटुम्ब शास्त्री, पूर्व कुलपति, रा.सं. संस्थान

प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, पूर्व कुलपति, रा.सं. संस्थान

प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी, कुलपति, क.कु.का.सं.वि., नागपुर

प्रो. के. रामसुब्रह्मण्यम्, आई.आई.टी., मुम्बई

प्रो. मणि द्रविड़ शास्त्री, चेन्नई

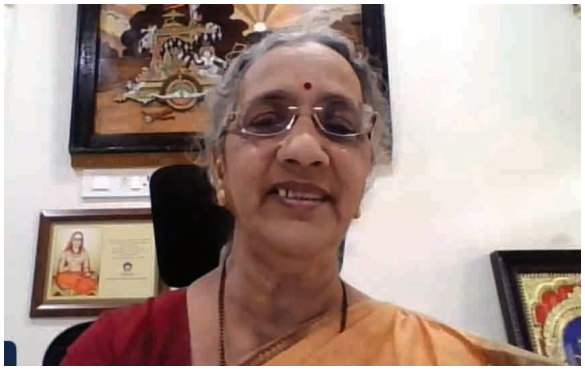

प्रो. गौरी माहुलिकर, कुलपति, चिन्मई विद्यापीठ

5.2 अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ने 21 जून, 2020 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया। यह कार्यक्रम ऑनलाइन मोड द्वारा आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय और उसके परिसरों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने

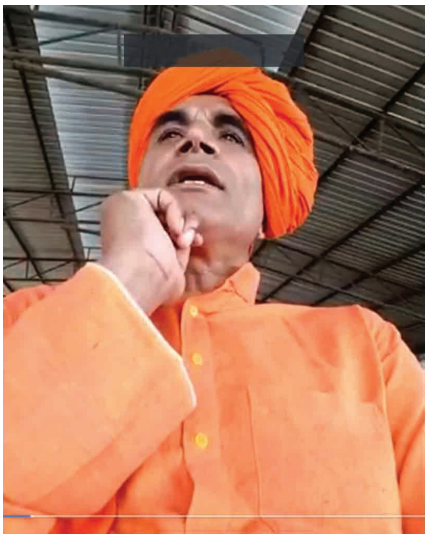

योग दिवस समारोह

5.3 हिंदी पखवाड़ा

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 14.09.2020 से 28.09.2020 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ऑनलाइन माध्यम से प्रख्यात विद्वानों के व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

हिन्दी पखवाड़ा पर वेबिनार

5.4 एकता दिवस

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ने दिनांक 31.10.2020 को परिसरों के साथ ऑनलाइन मोड के माध्यम से राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन किया। इस आयोजन में सभी कर्मचारियों और छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और सोशल मीडिया के माध्यम से आम लोगों को अखंडता में एकता, सार्वभौमिक भाईचारे और राष्ट्र के प्रति सम्मान के बारे में प्रेरित करने का प्रयास किया।

5.5 सतर्कता जागरूकता सप्ताह

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ने दिनांक 29 अक्टूबर से 3 नवंबर, 2020 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया। इन कार्यक्रमों में ऑनलाइन मोड के माध्यम से विश्वविद्यालय के अधिकारियों, कर्मचारियों और छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

5.6 स्वच्छता ही सेवा और फिट इंडिया अभियान

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय तथा इसके सभी परिसरों ने 02 अक्टूबर से 08 अक्टूबर, 2020 तक स्वच्छ भारत सप्ताह का आयोजन किया। कार्यस्थलों पर स्वच्छता का अभ्यास करने के अतिरिक्त इस अवसर पर निम्नलिखित गतिविधियाँ भी की गईं :

(ए) स्वच्छ भारत अभियान से संबंधित सामूहिक प्रतिज्ञा लेना।

(बी) उचित सामाजिक दूरी बनाए रखने और परिसर को प्लास्टिक मुक्त क्षेत्र बनाने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा स्वैच्छिक योगदान देना।

(सी) सभी छात्रों को अपने आवास, पड़ोस और सामाजिक नेटवर्क की सफाई रखने के लिए प्रेरित किया, साथ ही 'फिट इंडिया अभियान' के अवसर पर परिसरों ने रैलियां और एकता दौड़ कार्यक्रम का आयोजन किया।

5.7 केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस

महामहिम, भारत के राष्ट्रपति की सहमति प्राप्त करने के पश्चात् संसद के एक अधिनियम द्वारा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) को अब केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली के रूप में प्रख्यापित किया गया है और इसे 30 अप्रैल, 2020 को राजपत्र अधिसूचना एस.ओ. 1263 (ई) दिनांक 17 अप्रैल, 2020 शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, उच्च शिक्षा विभाग, भाषा विभाग के अन्तर्गत स्थापित किया गया। दिनांक 30.04.2020 को मुख्यालय कार्यालय, नई दिल्ली में परिसरों की सक्रिय भागीदारी के साथ ऑनलाइन के माध्यम से स्थापना दिवस मनाया गया। प्रो. पी.एन. शास्त्री, कुलपति, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली ने ऑनलाइन के माध्यम से इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

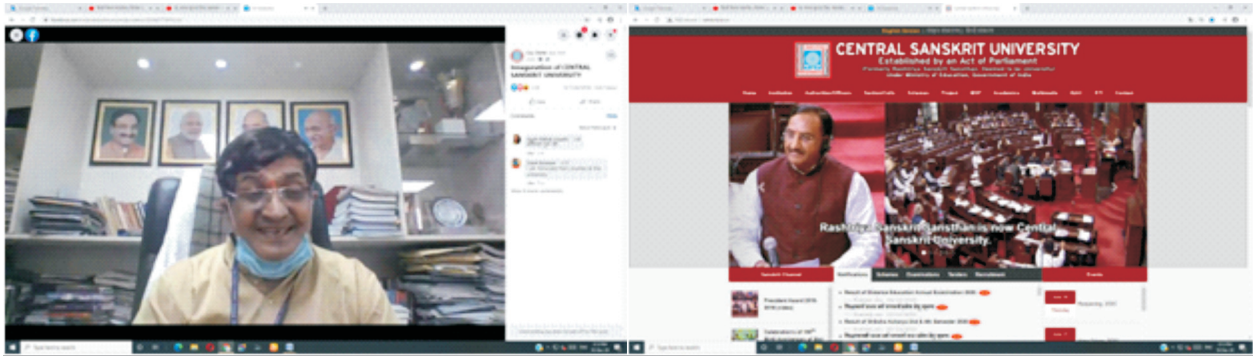

5.8 राष्ट्रीय शिक्षा दिवस

11 नवंबर, 2020 को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाया गया, इसी दिन महान स्वतंत्रता सेनानी, प्रख्यात शिक्षाविद् और प्रथम केंद्रीय शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की भी जयंती है। विश्वविद्यालय के परिसरों ने ऑनलाइन के माध्यम से शिक्षा के विभिन्न विषयों पर संगोष्ठी और व्याख्यान श्रृंखला आयोजित की और छात्रों को प्रेरित किया।

6. संलग्नक

शासि परिषद् के सदस्यों की सूची

(1.04.2020 से 31.03.2021)

1.	प्रो. पी.एन. शास्त्री कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, (पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान) जनकपुरी, नई दिल्ली-110058	अध्यक्ष, पदेन
2.	प्रो. पंकज लक्ष्मण जैनी विशेष अधिकारी गवर्नर, उत्तर प्रदेश, (पूर्व कुलपति, महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, देवास रोड, शिवनाथ सिटि, उज्जैन) राजभवन, लखनऊ - 226027 (उत्तर प्रदेश)	सदस्य (अध्यक्ष द्वारा नामित)
3.	डॉ. चाँद किरण सलूजा शैक्षणिक निदेशक, संस्कृत संवर्धन प्रतिष्ठान, 11204/5, द्वितीय तल, गौशाला मार्ग, मन्दिर मार्ग, नई दिल्ली-110005	सदस्य (अध्यक्ष द्वारा नामित)
4.	डॉ. प्रकाश पाण्डेय प्रो. संस्कृत विभाग, डॉ. बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर, बिहार	सदस्य (अध्यक्ष द्वारा नामित)
5.	संयुक्त सचिव (भाषाएं) मानव संसाधन विकास मंत्रालय/शिक्षा मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग, भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001	सदस्य (पदेन)
6.	संयुक्त सचिव एवं (वित्त सलाहकार) मानव संसाधन विकास मंत्रालय/शिक्षा मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग, भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001	सदस्य (पदेन)
7.	प्रो. श्रीनिवास वारखड़ी कुलपति, कविकुलगुरू कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय माउदा रोड़, रामटेक, (महाराष्ट्र) जिला-नागपुर-441006	सदस्य (06.06.2022)

क्रमशः....

8.	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा संकायाध्यक्ष (शिक्षा शास्त्र) केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, (पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान) जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुर बाईपास, जयपुर-302018 (राजस्थान)	सदस्य
9.	प्रो. (श्रीमती) भगवती सुदेश (आचार्या धर्मशास्त्र), केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, (पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान) जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुर बाईपास, जयपुर-302018 (राजस्थान)	सदस्य
10.	श्री शरत् चन्द्र शर्मा सहाचार्य (अंग्रेजी) केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, (पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान) श्रीरणबीर परिसर, ग्राम पोस्ट कोट-भलवाल, (नजदीक सेन्ट्रल जेल) तहसील एवं जिला जम्मू) पिन-181122	(सदस्य)
13.	प्रो. एस. सुब्रह्मण्य शर्मा कुलसचिव, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, (पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान) जनकपुरी, नई दिल्ली-110058	सचिव (पदेन)
14.	प्रो. ईश्वर भट्ट परीक्षा नियंत्रक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, (पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान) जनकपुरी, नई दिल्ली-110058	विशेष अतिथि

विद्वत् परिषद के सदस्यों की सूची
(31 मार्च 2021 के अनुसार)

1. कुलपति — अध्यक्ष
   कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
   (पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान)
   जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

संकायाध्यक्ष

2. प्रो. सुदेश कुमार शर्मा — सदस्य
   संकायाध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र,
   कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
   (पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान)
   जनकपुरी, नई दिल्ली-110058
   के.जे. सौमेया संस्कृत विद्यापीठ,
   प्रथम तल, सुरुचि कला भवन,
   विद्या विहार (पूर्व), मुम्बई-400077

3. प्रो. अर्कनाथ चौधरी — सदस्य
   संकायाध्यक्ष, वेद वेदांग (वेद, व्याकरण, ज्यौतिष,
   पुराणेतिहास एवं धर्म शास्त्र)
   केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
   (पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान)
   जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपाल पुरा बाईपास,
   जयपुर-302018 (राजस्थान)

4. प्रो. श्रेयांश कुमार सिंघई — सदस्य
   संकायाध्यक्ष, सर्वदर्शन, जैनदर्शन और बुद्धदर्शन संकाय,
   केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
   (पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान)
   जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपाल पुरा बाईपास,
   जयपुर-302018 (राजस्थान)

5. श्री शरत् चन्द्र शर्मा — सदस्य
   संकायाध्यक्ष, आधुनिक विषय संकाय,
   केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
   (पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान)
   श्री रणवीर परिसर, कोट-भलवाल,
   जम्मू - 181122 (जम्मू एवं काश्मीर)

क्रमशः....

6. प्रो. के.पी. केशवन — सदस्य
संकायाध्यक्ष, साहित्य संकाय,
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
(पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान)
गुरुवायूर परिसर, पो.ओ. पुरनाट्टुकरा,
जि.: त्रिचूर-680 551 (केरल)

7. प्रो. सुब्राय वेंकटरमन भट्ट — सदस्य
संकायाध्यक्ष, दर्शन (अद्वैत वेदान्त, मीमांसा
संख्या योग और न्याय दर्शन
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
राजीव गांधी परिसर, पो.आ. श्रृंगेरी,
जिला-चिकमंगलूर-577139 (कर्नाटक)

8. निदेशक, मुक्तस्वाध्यायपीठम् — सदस्य
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
(पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान)
56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,
नई दिल्ली - 110 058

विभागाध्यक्ष

9. प्रो. (श्रीमती) सी.एल. सिसली — सदस्य
अध्यक्ष, व्याकरण,
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
(पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान)
गुरुवायूर परिसर, पो.ओ. पुरनाट्टुकरा,
जि.: त्रिचूर-680 551 (केरल)

10. प्रो. अतुल कुमार नन्दा — सदस्य
विभागाध्यक्ष, धर्मशास्त्र
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
(पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान)
श्री सदाशिव परिसर, नजदीक मोची साही चक,
पुरी - 752 001 (उड़ीसा)

11. प्रो. श्रीमती सन्तोष मित्तल — सदस्य
विभागाध्यक्ष, शिक्षा शास्त्र,
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
(पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान)
गुरुवायूर परिसर, पो.ओ. पुरनाट्टुकरा,
जि.: त्रिचूर-680 551 (केरल)

12. प्रो. विजय कुमार जैन
विभागाध्यक्ष, बौद्ध दर्शन,
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
(पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान)
लखनऊ परिसर, विशाल खण्ड-4,
गोमती नगर, लखनऊ-226010 (उत्तर प्रदेश)

13. प्रो. शिशिर कुमार पाण्डेय — सदस्य
विभागाध्यक्ष, हिन्दी,
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
(पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान)
लखनऊ परिसर, विशाल खण्ड-4,
गोमती नगर, लखनऊ-226010 (उत्तर प्रदेश)

14. प्रो. विजयपाल शास्त्री — सदस्य
विभागाध्यक्ष, साहित्य
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
(पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान)
लखनऊ परिसर, विशाल खण्ड-4,
गोमती नगर, लखनऊ-226010 (उत्तर प्रदेश)

15. प्रो. मीनाति रथ — सदस्य
विभागाध्यक्ष, पुराणेतिहास,
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
(पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान)
श्री सदाशिव परिसर, नजदीक मोची साही चक,
पुरी - 752 001 (उड़ीसा)

16. प्रो. भारत भूषण मिश्रा — सदस्य
विभागाध्यक्ष, ज्यौतिष,
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
(पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान)
के.जे. सौमेया संस्कृत विद्यापीठ, मुम्बई (महाराष्ट्र)

17. प्रो. रंजीत कुमार बर्मन — सदस्य
विभागाध्यक्ष, वेदान्त,
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
(पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान)
एकलव्य परिसर, नजदीक बुद्ध मन्दिर,
राधा नगर, अगरतला, पश्चिम-त्रिपुरा 799006 (त्रिपुरा)

18. प्रो. सत्यम कुमारी — सदस्य
विभागाध्यक्ष, न्याय
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
(पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान)
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर - 302 018 (राजस्थान)

19. प्रो. (श्रीमती) गौरी प्रिया दास — सदस्य
विभागाध्यक्ष, सर्वदर्शन
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
(पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान)
श्री सदाशिव परिसर, नजदीक मोची साही चक,
पुरी - 752 001 (उड़ीसा)

20. प्रो. कमलेश कुमार मिश्रा — सदस्य
विभागाध्यक्ष, जैन दर्शन
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
(पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान)
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर - 302 018 (राजस्थान)

21. प्रो. मनोज कुमार मिश्रा — सदस्य
विभागाध्यक्ष, वेद विभाग
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
(पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान)
श्री रणवीर परिसर, कोट-भलवाल,
जम्मू - 181122 (जम्मू एवं काश्मीर)

22. श्री शरत् चन्द्र शर्मा — सदस्य
विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी संकाय,
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
(पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान)
श्री रणवीर परिसर, कोट-भलवाल,
जम्मू - 181122 (जम्मू एवं काश्मीर)

23. डॉ. सूर्य नारायण भट्ट — सदस्य
विभागाध्यक्ष, मीमांसा संकाय,
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
(पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान)
राजीव गांधी परिसर, पो.ओ. शृंगेरी,
जि. चिकमंगलूर - 577139 (कर्नाटक)

24. डॉ. अशोक कुमार मीणा — सदस्य
संकायाध्यक्ष, सांख्य योग,
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
(पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान)
श्री सदाशिव परिसर, नजदीक मोची साही चक,
पुरी - 752 001 (उड़ीसा)

विभागाध्यक्षों के अतिरिक्त अन्य दस आचार्य (वरीयता एवं परिवर्तित क्रम में)

25. प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु — सदस्य
विभागाध्यक्ष, वेद वेदांग संकाय,
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
(पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान)
श्रीरघुनाथ कीर्ति परिसर,
देवप्रयाग, पौड़ी-गढ़वाल, (उत्तराखण्ड)

26. प्रो. भगवती सुदेश — सदस्य
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
(पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान)
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर - 302 018 (राजस्थान)

27. प्रो. एच.के. मोहापात्रा — सदस्य
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
(पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान)
श्री सदाशिव परिसर, नजदीक मोची साही चक,
पुरी - 752 001 (उड़ीसा)

28. प्रो. लोकमान्य मिश्रा — सदस्य
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
(पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान)
लखनऊ परिसर, विशाल खण्ड-4, गोमती नगर,
लखनऊ - 226 010 (उ.प्र.)

29. प्रो. फतह सिंह — सदस्य
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
(पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान)
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर - 302 018 (राजस्थान)

30. प्रो. राजन ई.एम. — सदस्य
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
(पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान)
गुरुवायूर परिसर, पो.ओ. पुरनाट्टुकरा,
जि.: त्रिचूर-680 551 (केरल)

31. प्रो. रमाकान्त पाण्डेय — सदस्य
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
(पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान)
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर - 302 018 (राजस्थान)

32. प्रो. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय — सदस्य
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
(पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान)
गंगानाथ झा परिसर, चन्द्रशेखर आजाद पार्क, प्रयागराज (उ.प्र.)

33. प्रो. बनमाली बिश्वाल — सदस्य
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
(पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान)
श्रीरघुनाथ कीर्ति परिसर,
देवप्रयाग, पौड़ी-गढ़वाल, (उत्तराखण्ड)

34. प्रो. कमल चन्द्र योगी — सदस्य
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
(पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान)
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर - 302 018 (राजस्थान)

विभागाध्यक्षों के अतिरिक्त तीन सह आचार्य (वरीयता एवं परिवर्तित क्रम में)

35. डॉ. उदय नाथ झा — सदस्य
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
(पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान)
श्री सदाशिव परिसर, नजदीक मोची साही चक,
पुरी - 752 001 (उड़ीसा)

36. डॉ. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्य — सदस्य
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
(पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान)
वेद व्यास परिसर, बलाहार (हिमाचल प्रदेश)

37. डॉ. रामचन्द्रुलु बालाजी — सदस्य
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
(पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान)
राजीव गांधी परिसर, पो.आ. शृंगेरी,
जिला-चिकमंगलूर-577139 (कर्नाटक)

विभागाध्यक्षों के अतिरिक्त तीन सहायक आचार्य (वरीयता एवं परिवर्तित क्रम में)

38. डॉ. बत्तीलाल मीणा — सदस्य
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
(पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान)
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर - 302 018 (राजस्थान)

39. डॉ. विष्णुकान्त निर्मल — सदस्य
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
(पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान)
वेद व्यास परिसर, बलाहार (हिमाचल प्रदेश)

40. डॉ. गणेश शंकर — सदस्य
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
(पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान)
लखनऊ परिसर, लखनऊ (उत्तर प्रदेश)

तीन शिक्षाविद् जो संस्थान की सेवा में नहीं हैं

41. प्रो. आर्. एन्. शर्मा — सदस्य
14, जीवनकृष्णपथ, हेंग्राबारी
गुवाहाटी-781036

42. प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री — सदस्य
3/127, इन्द्रा विहार, ओल्ड जॉनीपुर,
जम्मू तवी-180007

43. प्रो. वीरुपाक्ष वी. जड्डीपाल — सदस्य
सचिव, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रिय वेद विद्या प्रतिष्ठान
चिन्तामणि गणेश मार्ग, जवासिया,
उज्जैन, पिन-456006 (म.प्र)

तीन सदस्य जो शैक्षणिक नहीं थे, विद्वत् परिषद् की मीटिंग में शामिल नहीं थे

44.
45. } विद्वत् परिषद् द्वारा चुने जाने पर
46.

47. कुलसचिव — सचिव
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
(पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान)
56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,
नई दिल्ली - 110 058

वित्त समिति के सदस्यों की सूची
(01.04.2020 से 31.03.2021)

1.	प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, (पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान) जनकपुरी, नई दिल्ली-110058	अध्यक्ष
3.	प्रो. चान्द किरण सलूजा शैक्षणिक निदेशक, संस्कृत संवर्धन प्रतिष्ठान, 11204/5, द्वितीय तल, गौशाला मार्ग, मन्दिर मार्ग, नई दिल्ली (नामित)	सदस्य
3.	डॉ. पंकज लक्ष्मण जानी कुलपति डॉ. बाबासाहब अम्बेडकर मुक्त विश्वविद्यालय, अहमदाबाद - 382481 (गुजरात) (सचिव द्वारा नामित, रा.सं.स. सोसाइटी) (01.04.2020 से 12.10.2020)	सदस्य
4.	श्री एस.के लोहानी पूर्व संयुक्त सचिव, वित्त मंत्रालय, मयूर विहार, दिल्ली, (नामित) (09.11.2020 से 31.03.2021)	सदस्य
5.	श्री नवीन सोई सेवानिवृत्त संयुक्त सचिव, वित्त विभाग, शिक्षा मंत्रालय (मानव संसाधन विकास मन्त्रालय) वाई-34, हौजखास, नई दिल्ली-110016 (नामित)	सदस्य
6.	संयुक्त सचिव (भाषाएं) शिक्षा मन्त्रालय (मानव संसाधन विकास मन्त्रालय), भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001 (शिक्षा मन्त्रालय द्वारा नामित)	सदस्य
7.	प्रो. एस. सुब्रह्मण्य शर्मा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, (पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान) जनकपुरी, नई दिल्ली-110058	सदस्य-सचिव

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के संकाय-सदस्यों का परिसर-वार विवरण

(31 मार्च 2021 के अनुसार)

1. श्री गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज (उ.प्र.)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी	निदेशक	.....
2.	प्रो. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय 'मणि'	आचार्य	साहित्य
3.	डॉ. अपराजिता मिश्रा	सहायकाचार्य	साहित्य
4.	डॉ. सुरेश पाण्डेय	सहायकाचार्य	व्याकरण
5.	डॉ. मोनाली दास	सहायकाचार्य	पुराणेतिहास

2. श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओडिशा)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. खगेश्वर मिश्र	निदेशक	.....
2.	प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु	आचार्य	अद्वैत वेदान्त
3.	प्रो. अतुल कुमार नन्द	आचार्य	धर्मशास्त्र
4.	प्रो. (श्रीमती) मिनती रथ	आचार्य	पुराणेतिहास
5.	प्रो. के.वी. सोमयाजुलु	आचार्य	नव्यव्याकरण
6.	प्रो. ललित कुमार साहु	आचार्य	धर्मशास्त्र
7.	प्रो. सूर्यमणि रथ	आचार्य	साहित्य
8.	प्रो. (श्रीमती) अनुपमा पुरुस्थी	आचार्य	नव्यव्याकरण
9.	प्रो. (श्रीमती) गौराप्रिय दाश	आचार्य	सर्वदर्शन
10.	प्रो. विजय पाल कच्छवाह	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
11.	प्रो. देवदत्त सरोडे	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
12.	प्रो. के. हरिप्रसाद	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
13.	प्रो. शम्भुनाथ महालिक	आचार्य	वेदान्त
14.	प्रो. मखलेश कुमार	आचार्य	पुराणेतिहास
15.	डॉ. उदयनाथ झा	सहाचार्य	साहित्य

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
16.	डॉ. (श्रीमती) निर्मला पाणिग्रही	सहाचार्य	शिक्षाशास्त्र
17.	डॉ. रमाकान्त मिश्रा	सहाचार्य	शिक्षाशास्त्र
18.	प्रो. वृन्दावन पात्रा	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
19.	डॉ. ऋषि राज	सहाचार्य	शिक्षाशास्त्र
20.	डॉ. अशोक कुमार मीना	सहायकाचार्य	सांख्ययोग
21.	डॉ. बी.पी.एम. श्रीनिवास	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
22.	डॉ. दुर्गाचरण षडङ्गी	सहायकाचार्य	नव्य व्याकरण
23.	डॉ. सुशान्त कुमार राज	सहायकाचार्य	साहित्य
24.	डॉ. आर्. बालमुरुगन	सहायकाचार्य	नव्यन्याय
25.	डॉ. महेश झा	सहायकाचार्य	नव्यन्याय
26.	डॉ. गणपति शुक्ल	सहायकाचार्य	नव्यन्याय
27.	डॉ. बिस्वरञ्जन पति	सहायकाचार्य	ज्योतिष
28.	डॉ. श्रीमती अनुराधामणि प्रतिहारि	सहायकाचार्य	पुराणेतिहास
29.	डॉ. (श्रीमती) सावित्री शतपथी	सहायकाचार्य	सर्वदर्शन
30.	श्री दुर्गाप्रसाद दासमहापात्र	सहायकाचार्य	इतिहास
31.	डॉ. उमेश चन्द्र मिश्र	सहायकाचार्य	नव्यव्याकरण
32.	डॉ. जी. सूर्य प्रसाद	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
33.	डॉ. सुशान्त कुमार राय	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
34.	डॉ. ओम नारायण मिश्रा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
35.	डॉ. सागरिका नन्दा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
36.	डॉ. भाग्य सिंह गुर्जर	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
37.	डॉ. रमाकान्त झा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
38.	डॉ. नन्दीघोष महापात्र	सहायकाचार्य	सर्वदर्शन
39.	डॉ. (श्रीमती) विजयलक्ष्मी महापात्र	सहायकाचार्य	ज्योतिष
40.	डॉ. नेपाल दास	सहायकाचार्य	पुराणेतिहास

3. श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. मदन मोहन झा	निदेशक	.....
2.	प्रो. कुलदीप शर्मा	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
3.	डॉ. मदन कुमार झा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
4.	डॉ. चन्द्रधर मेहर	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
5.	डॉ. विजय कुमार जेना	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
6.	डॉ. देवेन्द्र कुमार मिश्रा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
7.	प्रो. मनोज कुमार मिश्र	आचार्य	वेद
8.	डॉ. दीपक कुमार मिश्र	आचार्य	साहित्य
9.	प्रो. सतीश कुमार कपूर	आचार्य	साहित्य
10.	डॉ. पंकज	सहायकाचार्य	साहित्य
11.	प्रो. सच्चिदानन्द शर्मा	सहायकाचार्य	व्याकरण
12.	डॉ. घनश्याम मिश्र	सहायकाचार्य	सर्वदर्शन
13.	डॉ. रानी दाधीच	सहायकाचार्य	सर्वदर्शन
14.	प्रो. प्रभात कुमार महापात्रा	आचार्य	ज्योतिष
15.	डॉ. राम दास संगोत्रा	सहायकाचार्य	ज्योतिष
16.	डॉ. सुनीता	सहायकाचार्य	ज्योतिष
17.	प्रो. शरत् चन्द्र शर्मा	सहाचार्य	अंग्रेजी
18.	डॉ. गौतम कुमार चौधरी	सहायकाचार्य	शारीरिक शिक्षा

4. गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर (केरल)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. ई.एम. राजन	निदेशक	.....
2.	डॉ. विजयलक्ष्मी राधाकृष्णन्	सहायकाचार्य	व्याकरण
3.	डॉ. किरण किंची	सहायकाचार्य	व्याकरण
4.	डॉ. ई.पी. श्रीदेवी	सहाचार्य	साहित्य
5.	डॉ. के. विश्वनाथन्	सहायकाचार्य	साहित्य
6.	डॉ. ई.आर. नारायण	सहायकाचार्य	साहित्य
7.	डॉ. रामचन्द्र जोइसा एच.	सहायकाचार्या	साहित्य
8.	डॉ. आर्. प्रतिभा	सहाचार्य	अद्वैत वेदान्त
9.	डॉ. (श्रीमती) राधिका पी.आर्.	सहायकाचार्य	अद्वैत वेदान्त
10.	प्रो. नवीन होल्ला	आचार्य	न्याय
11.	डॉ. एन्.आर्. श्रीधरन्	सहाचार्य	न्याय
12.	डॉ. ओ.आर. विजयराघवन	सहायकाचार्य	न्याय

क्रमश:....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
13.	प्रो. अशोक कुमार कच्छवाह	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
14.	डॉ. के.के. शाइन	सहाचार्य	शिक्षाशास्त्र
15.	डॉ. के.के. हर्षकुमार	सहाचार्य	शिक्षा शास्त्र
16.	डॉ. के. गिरिधर राव	सहायकाचार्य	शिक्षा शास्त्र
17.	डॉ. वेणुगोपाल राव	सहायकाचार्य	शिक्षा शास्त्र
18.	डॉ. विद्याधर प्रभला	सहायकाचार्य	शिक्षा शास्त्र
19.	डॉ. श्याम राज	सहायकाचार्य	शिक्षा शास्त्र
20.	डॉ. विजयानन्दा अदीगा बी.	सहायकाचार्य	ज्योतिष
21.	डॉ. श्रीनिवासन पी.के.	सहायकाचार्य	ज्योतिष
22.	श्रीमती के.ए. जेस्सी	सहायकाचार्य	आधुनिक
23.	डॉ. शीबा एम.के.	सहायकाचार्य	अंग्रेजी
24.	श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा	सहायक निदेशक	शारीरिक शिक्षा

5. जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. अर्कनाथ चौधरी	प्राचार्य	
2.	प्रो. संतोष मित्तल	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
3.	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
4.	प्रो. फतेह सिंह	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
5.	प्रो. सोहनलाल पाण्डेय	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
6.	प्रो. वाई.एस. रमेश	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
7.	डॉ. शीशराम	सहाचार्य	शिक्षाशास्त्र
8.	डॉ. बत्तीलाल मीणा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
9.	डॉ. दरियाव सिंह	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
10.	डॉ. हरिओम शर्मा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
11.	डॉ. कैलाश चन्द्र सैनी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
12.	डॉ. अमृता कौर	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
13.	डॉ. अञ्जू चौधरी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
14.	डॉ. मनीष कुमार चण्डाक	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
15.	डॉ. बलवीर सिंह मीणा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
16.	प्रो. भगवती सुदेश	सहायकाचार्य	धर्मशास्त्र
17.	डॉ. मनोज कुमार साहु	सहायकाचार्य	धर्मशास्त्र
18.	प्रो. श्रेयांश कुमार सिंघई	प्रोफेसर	जैनदर्शन
19.	प्रो. कमलेश कुमार जैन	प्रोफेसर	जैनदर्शन
20.	प्रो. शिवकान्त झा	आचार्य	व्याकरण
21.	प्रो. श्रीधर मिश्र	आचार्य	व्याकरण
22.	प्रो. कमल चन्द्र योगी	आचार्य	व्याकरण
23.	प्रो. विष्णुकान्त पाण्डेय	आचार्य	व्याकरण
24.	प्रो. श्यामदेव मिश्रा	आचार्य	ज्योतिष
25.	प्रो. शुभस्मिता मिश्रा	सहाचार्य	ज्योतिष
26.	डॉ. विष्णु कुमार निर्मल	सहायकाचार्य	ज्योतिष
27.	डॉ. विजेन्द्र कुमार शर्मा	सहायकाचार्य	ज्योतिष
28.	प्रो. रामकुमार शर्मा	आचार्य	साहित्य
29.	प्रो. रमाकान्त पाण्डेय	आचार्य	साहित्य
30.	प्रो. किशोर कुमार दलाई	सहाचार्य	साहित्य
31.	प्रो. सत्यम कुमारी	आचार्य	सर्वदर्शन
32.	डॉ. पवन व्यास	सहायकाचार्य	सर्वदर्शन
33.	प्रो. गजेन्द्र प्रकाश शर्मा	आचार्य	शारीरिकशिक्षा
34.	डॉ. रेखा कुमारी	सहायकाचार्य	हिन्दी
25.	डॉ. सीमा अग्रवाल	सहायकाचार्य	राजनीतिविज्ञान

6. लखनऊ परिसर, लखनऊ

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. सर्व नारायण झा	निदेशक	.....
2.	प्रो. विजय कुमार जैन	प्राचार्य	बौद्ध दर्शन
3.	प्रो. लोक मान्य मिश्र	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
4.	डॉ. एम. चन्द्रशेखर	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
5.	प्रो. शिशिर कुमार पाण्डेय	आचार्य	आधुनिक
6.	प्रो. हरि नारायण तिवारी	आचार्य	व्याकरण
7.	प्रो. मदन मोहन पाठक	आचार्य	ज्योतिष
8.	प्रो. (श्रीमती) अवनीश अग्रवाल	आचार्य	शिक्षाशास्त्र

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
9.	प्रो. भारत भूषण त्रिपाठी	आचार्य	व्याकरण
10.	डॉ. देवी प्रसाद द्विवेदी	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
11.	डॉ. धनीन्द्र कुमार झा	आचार्य	व्याकरण
12.	डॉ. (श्रीमती) ग़ज़ाला अंसारी	आचार्य	साहित्य
13.	प्रो. रामनन्दन सिंह	आचार्य	बौद्ध दर्शन
14.	डॉ. पवन कुमार	सहायकाचार्य	साहित्य

7. श्री राजीव गान्धी परिसर, शृंगेरी (कर्णाटक)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. ए.पी.सच्चीदानन्द	प्राचार्य	.....
2.	प्रो. सुब्राय वि. भट्ट	आचार्य	मीमांसा
3.	प्रो. के. ई. मधुसूदनन्	आचार्य	नव्य न्याय
4.	प्रो. सी.एस.एस.एन. मूर्ति	आचार्य	व्याकरण
5.	प्रो. गोरांग बाग	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
6.	प्रो. सूर्यनारायण भट्ट	आचार्य	मीमांसा
7.	डॉ. चन्द्रकान्त	सहाचार्य	शिक्षाशास्त्र
8.	डॉ. रामचन्द्रुल बालाजी	सहाचार्य	शिक्षाशास्त्र
9.	डॉ. गणेश ईश्वर भट्ट	सहायकाचार्य	अद्वैत-वेदान्त
10.	डॉ. चन्द्रशेखर भट्ट	सहायकाचार्य	व्याकरण
11.	डॉ. राघवेन्द्र भट्ट	सहायकाचार्य	साहित्य
12.	डॉ. चन्द्रकला आर् कोण्डी	सहायकाचार्य	साहित्य
13.	डॉ. के.ए. पद्मनाभम्	सहायकाचार्य	व्याकरण
14.	डॉ. के. वेंकटेशमूर्ति	सहायकाचार्य	मुक्तस्वाध्यायकेन्द्र
15.	डॉ. गणेश टी. पण्डित	सहायकाचार्य	शिक्षा-शास्त्र
16.	डॉ. वेंकटेश तातार्य	सहायकाचार्य	मीमांसा
17.	डॉ. नारायण वैद्य	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
18.	डॉ. पी. अरविन्द कुमार सोमदत्त	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
19.	डॉ. दयानिधि शर्मा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
20.	डॉ. कोमपेल्ली विनय कुमार	सहायकाचार्य	साहित्य
21.	डॉ. प्रमोद भट्ट	सहायकाचार्य	व्याकरण
22.	डॉ. विश्वनाथ हेगड़े	सहायकाचार्य	अद्वैतवेदान्त

क्रमशः....

8. वेदव्यास परिसर, बलाहर (हिमाचल प्रदेश)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. लक्ष्मी निवास पाण्डेय	प्राचार्य	.....
2.	मनीष जुगरान	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
3.	डॉ. सत्यदेव	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
4.	डॉ. प्रतिज्ञा आर्य	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
5.	डॉ. कृष्णानन्द दनान	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
6.	डॉ. बी. नरेश कुमार नाईक	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
7.	डॉ. संजय कुमार	सहायकाचार्य	शारीरिक शिक्षा
8.	डॉ. गोपाल वर्मा	सहायकाचार्य	अंग्रेजी
9.	डॉ. सुभाष चन्द्र	सहायकाचार्य	हिन्दी
10.	डॉ. रागिनी शर्मा	सहायकाचार्य	व्याकरण
11.	डॉ. श्रीनाथधर द्विवेदी	सहायकाचार्य	व्याकरण
12.	डॉ. सुज्ञान कुमार माहान्ति	सहायकाचार्य	साहित्य
13.	डॉ. श्याम बाबू	सहायकाचार्य	साहित्य
14.	डॉ. राजकुमार मिश्रा	सहायकाचार्य	साहित्य
15.	डॉ. महिपाल सिंह	सहायकाचार्य	साहित्य
16.	डॉ. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम्	सहाचार्य	ज्योतिष
17.	डॉ. हरि नारायण धर द्विवेदी	सहायकाचार्य	ज्योतिष
18.	डॉ. भगवान सामन्तराय	सहायकाचार्य	अद्वैतवेदान्त
19.	डॉ. मञ्जूनाथ एस.जी.	सहाचार्य	अद्वैतवेदान्त

9. भोपाल परिसर, भोपाल (म.प्र.)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	डॉ. प्रकाश पाण्डेय	प्राचार्य	.....
2.	प्रो. सोमनाथ साहू	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
3.	प्रो. भानूमूर्ति	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
4.	प्रो. सुबोध शर्मा	आचार्य	व्याकरण
5.	प्रो. हंसधर झा	आचार्य	ज्योतिष

क्रमश:....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
6.	प्रो. नीलाभ तिवारी	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
7.	डॉ. नागेन्द्रनाथ झा	सहाचार्य	शिक्षाशास्त्र
8.	डॉ. सनन्दन कुमार त्रिपाठी	सहाचार्य	साहित्य
9.	डॉ. श्रीगोविन्द पाण्डेय	सहाचार्य	शिक्षाशास्त्र
10.	डॉ. अर्चना दूबे	सहाचार्य	हिन्दी
11.	डॉ. आर.एल. नारायण सिम्हा	सहाचार्य	शिक्षाशास्त्र
12.	डॉ. वेंकटरमण एस. भट्ट	सहाचार्य	शिक्षाशास्त्र
13.	डॉ. योगेश कुमार जैन	सहाचार्य	जैनदर्शन
14.	डॉ. धर्मेन्द्र कुमार सिंहदेव	सहाचार्य	साहित्य
15.	डॉ. प्रदीप कुमार पण्ड्या	सहाचार्य	व्याकरण
16.	डॉ. कैलाशचन्द्र दाश	सहायकाचार्य	व्याकरण
17.	डॉ. अजय कुमार मिश्र	सहायकाचार्य	साहित्य
18.	डॉ. मोहनी अरोड़ा	सहायकाचार्य	साहित्य
19.	डॉ. नरेश कुमार पाण्डेय	सहायकाचार्य	व्याकरण
20.	डॉ. संगीता गुन्देचा	सहायकाचार्य	हिन्दी
21.	डॉ. नन्दकिशोर तिवारी	सहायकाचार्य	व्याकरण
22.	श्री प्रताप	सहायकाचार्य	जैनदर्शन
23.	डॉ. नितिन कुमार जैन	सहायकाचार्य	जैनदर्शन
24.	डॉ. कृष्णकान्त तिवारी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
25.	डॉ. दाताराम पाठक	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
26.	डॉ. कलिकाप्रसाद शुक्ल	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
27.	डॉ. दम्ब्रूधर पति	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
28.	डॉ. रमन मिश्रा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
29.	डॉ. रजनी वी.जी.	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
30.	डॉ. राकेशकुमार वर्मा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
31.	डॉ. गोविन्द सरकार	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
32.	डॉ. रजनी	सहायकाचार्य	साहित्य

क्रमशः....

10. के.जे. सोमैया परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. भारतभूषण मिश्र	निदेशक	.....
2.	प्रो. बोध कुमार झा	आचार्य	व्याकरण
3.	प्रो. लीना सखरवाल	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
4.	डॉ. वी.एस.वी. भास्कर रेड्डी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
5.	डॉ. सुभाषचन्द्र मीना	सहायकाचार्य	व्याकरण
6.	डॉ. कुमार	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
7.	डॉ. जितेन्द्र कुमार रायगुरु	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
8.	डॉ. दशरथ भारसागर	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
9.	डॉ. एस. कृष्णा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
10.	डॉ. आरती मीणा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
11.	डॉ. स्वर्ग कुमार मिश्रा	सहायकाचार्य	साहित्य
12.	डॉ. इन्द्र कुमार मीणा	सहायकाचार्य	व्याकरण

11. मुख्यालय, नई दिल्ली

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. एस. सुब्रह्मण्य शर्मा	आचार्य	अद्वैत वेदान्त
2.	प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति	आचार्य	सर्वदर्शन
3.	प्रो. ईश्वर भट्ट	आचार्य	ज्योतिष
4.	प्रो. पवन कुमार	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
5.	प्रो. आर्. गायत्री मुरलीकृष्ण	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
6.	डॉ. मधुकेश्वर भट्ट	सहाचार्य	व्याकरण
7.	डॉ. रत्न मोहन झा	सहायकाचार्य	दूरस्थ शिक्षा
8.	डॉ. छोटी बाई मीणा	सहायकाचार्य	साहित्य

क्रमश:....

12. एकलव्य परिसर, अगरतला (पश्चिम त्रिपुरा)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. रणजित कुमार बर्मन	प्राचार्य	.....
2.	प्रो. सच्चिदानन्द तिवारी	आचार्य	साहित्य
3.	प्रो. बच्चा भारती	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
4.	प्रो. अवधेश कुमार चौबे	आचार्य	बौद्ध दर्शन
5.	प्रो. पवन कुमार	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
6.	डॉ. वृन्दावन पात्र	सहाचार्य	शिक्षाशास्त्र
7.	डॉ. कृष्ण शर्मा	सहायकाचार्य	धर्मशास्त्र
8.	डॉ. ओम प्रकाश	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
9.	श्री अजय कुमार गन्धा	सहायकाचार्य	वेदान्त
10.	डॉ. जी. नरसिंहुलु	सहायकाचार्य	अद्वैतवेदान्त
11.	डॉ. आर. शिवरामकृष्णासिंह	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
12.	डॉ. बी. वेंकटा लक्ष्मी नारायण	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
13.	डॉ. नन्ददूलाल मण्डल	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
14.	डॉ. अनूप बिश्वास	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
15.	डॉ. श्रीकारा जी.एन.	सहायकाचार्य	अद्वैतवेदान्त
16.	डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्रा	सहायकाचार्य	ज्योतिष
17.	डॉ. गंगेश्वर नाथ झा	सहायकाचार्य	व्याकरण
18.	डॉ. सुमन अचारजी	सहायकाचार्य	अंग्रेजी
19.	डॉ. मनोज श्रीमल	सहायकाचार्य	ज्योतिष
20.	डॉ. प्रदीप कुमार पाण्डेय	सहायकाचार्य	व्याकरण
21.	डॉ. ऋषि राज	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र

13. श्रीरघुनाथ-कीर्ति-परिसर, देवप्रयाग, पौड़ी गढ़वाल (उत्तराखण्ड)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. बनमाली बिश्वाल	निदेशक	व्याकरण
2.	प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु	प्राचार्य (11.02.2011 तक)	अद्वैत वेदान्त
3.	प्रो. विजयपाल शास्त्री	आचार्य	साहित्य
4.	डॉ. कृपाशंकर शर्मा	सहायकाचार्य	साहित्य
5.	डॉ. अनिल कुमार	सहायकाचार्य	साहित्य
6.	डॉ. आर. बालमुरुगन	सहायकाचार्य	न्याय
7.	डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही	सहाचार्य	न्याय
8.	डॉ. शेलेन्द्र प्रसाद उनियाल	सहायकाचार्य	वेद

विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) उपाधि प्राप्त शोध छात्रों का विवरण

(01.04.2020 से 31.03.2021 तक)

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
1.	बी. अमरनाथ शर्मा (16-1736)	एकलव्य परिसर	धर्मकीर्तिप्रणीतधातुप्रत्ययपञ्जिकायाः समीक्षात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
2.	मनीष शर्मा (16-1780)	भोपाल परिसर	न्यायमीमांसाशाब्दिकमतेषु उपपदविभक्त्यर्थस्य समीक्षणम्	व्याकरण
3.	नेहा राय (16-1779)	भोपाल परिसर	संस्कृतसाहित्ये सङ्गणकान्तर्जालयोरवदानस्य विमर्शनम्	साहित्य
4.	विपिन कुमार द्विवेदी (16-1755)	इलाहाबाद परिसर	श्रीमद्वाल्मीकिरामायणीय-राजनय-सिद्धान्तानामाधुनिकपरिप्रेक्ष्ये समीक्षणम्	साहित्य
5.	बद्रीनाराण शर्मा (16-1707)	जयपुर परिसर	टोंक-जयपुरजनपदयोः विद्याभारतीसम्बद्धविद्यालयीय-च्छात्राणां व्यक्तित्व-समायोजन-संस्कृतभाषाधिगमानां तुलनात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
6.	अजय कुमार जैन (16-1708)	जयपुर परिसर	बालकृष्णभट्टविरचिताऽलङ्कारसारस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
7.	मनीषा खेरया (16-1737)	मुख्यालय परिसर	आचार्यरामाशीषपाण्डेयविरचितस्य कृष्णोदयमहाकाव्यस्य काव्यशास्त्रीयं समीक्षणम्	साहित्य
8.	स्वयं प्रकाश उपाध्याय (16-1620)	इलाहाबाद परिसर	आचार्यजनार्दनप्रसादपाण्डेयमणिप्रणीतानां नीराजनानिस्यन्दिनी-रागिणीसंज्ञकानांकृतीनां समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
9.	रामप्रवेश त्रिपाठी (16-1798)	लखनऊ परिसर	गोस्वामीविठ्ठलनाथविरचितस्य शृङ्गाररसमण्डनस्य साहित्यिकं पर्यालोचनम्	साहित्य
10.	प्रेरणा पाण्डेय (16-1662)	इलाहाबाद परिसर	अच्युतशर्मविरचितायाः 'साहित्यसार' मातृकायाः सम्पादनमनुशीलनञ्च	साहित्य
11.	गोवन्द मिश्रा (16-1746)	लखनऊ परिसर	श्रीभास्करभट्टविरचितस्य परिभाषाभास्करस्य समीक्षात्मकमध्ययनं सम्पादनञ्च	व्याकरण
12.	दीपिका दीक्षित (16-1694)	लखनऊ परिसर	कालिदासकृतिषु नारीमनोविज्ञानम्	साहित्य
13.	अनिल कुमार पाण्डेय (16-1658)	इलाहाबाद परिसर	श्रीनागेशभट्ट-कृतायाः परिभाषावृत्तेः समीक्षात्मकमध्ययनं सम्पादनञ्च	व्याकरण
14.	शम्भू कुमार तिवारी (16-1735)	इलाहाबाद परिसर	सांख्यदर्शने श्रीकृष्णवल्लभाचार्यस्य योगदानम्	दर्शन
15.	एकता पल (16-1783)	लखनऊ परिसर	पर्यावरणदृष्ट्या सेतुबन्धमहाकाव्यस्य बृहदनुशीलनम्	साहित्य

क्रमशः....

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
16.	वेंकटानरसिंहाचार्य (16-1810)	पूर्णप्रज्ञ मन्दिर, बैंगलूरु	भारतश्रीनिवासाचार्यकृतस्य भागवततात्पर्यनिर्णयप्रकाशस्य सम्पादनमध्ययनं च	द्वैत-वेदान्त
17.	प्रभात कुमार तिवारी (16-1678)	इलाहाबाद परिसर	रघुवंशमहाकाव्यस्य एकमणिकृत संदेहापगाटीकायाः समीक्षात्मकं सम्पादनम्	साहित्य
18.	सीता देवी (16-1723)	लखनऊ परिसर	सीमा-उपन्यासस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
19.	शिवसाधन देवनाथ (16-1782)	एकलव्य परिसर	शुक्लयजुर्वेददृष्ट्या रुद्रदेवस्योपासनापद्धतेः विमर्शः	वेद
20.	मानस मसन्ता (16-1718)	पुरी परिसर	दक्षिणबङ्गप्रान्ते माध्यमिकविद्यालयाध्यापकेषु सूचना-सम्प्रेषणप्रविधिं प्रति जागरूकतायाः अध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
21.	रुची बर्नवाल (16-1793)	इलाहाबाद परिसर	पञ्चतन्त्रपरम्परायाम् अभिराजेन्द्रमिश्रप्रणीतायाः नवीनतमायाः कान्तारकथायाः समीक्षात्मकानुशीलनम्	साहित्य
22.	अरविन्द कुमार (16-1816)	जयपुर परिसर	संस्कृतव्याकरणशिक्षणे अभिक्रमितानुदेशनस्य विकासः-एकं प्रयोगात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
23.	लेजालिन हरिचंदन (16-1766)	इलाहाबाद परिसर	ओड़िशाप्रदेशे सेवाकालीनप्रशिक्षणकार्यक्रमं प्रतिमाध्यमिकशिक्षकाणामभिवृत्तेरध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
24.	हरिद्वार वर्मा (16-1730)	इलाहाबाद परिसर	डॉ. कपिलदेवपाण्डेयविरचितायाः काव्यप्रपानिकायाः समीक्षात्मकं परिशीलनम्	साहित्य
25.	प्रज्ञापरमिता महापात्रा (16-1750)	पुरी परिसर	सिद्धान्तलक्षणदीधितेः जागदीशी-गादाधरीदिशा समीक्षात्मकमध्ययनम्	नव्य-न्याय
26.	सन्दीप शर्मा (16-1676)	गरली परिसर	श्रीमद्भागवते प्रतिपादितानां मोक्षप्राप्तिमूलकानां तत्त्वानां समीक्षात्मकमध्ययनम्	दर्शन
27.	धनंजय मिश्रा (16-1760)	पुरी परिसर	सटीकस्य गीतगोपीपतिकाव्यस्य समीक्षात्मकं सम्पादनम्	साहित्य
28.	दर्शन कुमारी (16-1748)	गरली परिसर	अर्जुनरावणीयमहाकाव्यस्य आद्यसर्गपञ्चकस्य व्याकरणशास्त्रदिशा समीक्षात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
29.	दिलीप कुमार पल (16-1776)	पुरी परिसर	उपेन्द्रभञ्जकृतवैदेहीशविलासे पाणिनिव्याकरणस्य प्रभावः किञ्चन समीक्षणात्मकमध्ययनम्	नव्यव्याकरण
30.	माता प्रसाद पाठक (16-1686)	इलाहाबाद परिसर	श्रीरामसेवककृत-मुहूर्त्तभूषण-ग्रन्थस्य समीक्षात्मकं सम्पादनमध्ययनञ्च	ज्यौतिष
31.	विकास कुमार शर्मा (16-1753)	जयपुर परिसर	श्रीमद्वाल्मीकिरामायणस्य लोकव्यवहारपराणां प्रकृतिवर्णनपराणञ्च श्लाकरत्नानां शैक्षिकविवेचनम्	शिक्षाशास्त्र
32.	अवधेश गोयल (16-1584)	जयपुर परिसर	तद्धिते मत्वर्थीयप्रकरणादिद्विरुक्तप्रकरणान्तं तत्त्वबोधिनीबृहच्चन्द्रेन्दुशेखरयोः तुलनात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
33.	चरण सिंह (16-1774)	जयपुर परिसर	भरतपुरमण्डलस्य शासकीयाशासकीयविद्यालययोः अष्टमी-कक्षायाः छात्राणां संस्कृताभिरुचेः तुलनात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
34.	मणिका दास (16-1683)	लखनऊ परिसर	विविधविद्यालयेषु उच्चप्राथमिकस्तरे पठनरतानां संस्कृतच्छात्राणां सर्जनात्मकतायाः शैक्षिकोपलब्धेः बुद्धिलब्धेश्च तुलनात्मकमध्यनम्	शिक्षाशास्त्र
35.	सुकान्ति बेहरा (16-1689)	पुरी परिसर	वरदराजाचार्यप्रणीततार्किकरक्षायां समागतसिद्धान्त-समीक्षणम्	नव्यन्याय
36.	प्रतिमा जेना (16-1761)	पुरी परिसर	बदरीनाथप्रणीतगुणेश्वरचरितचम्पूकाव्यस्य समीक्षात्मकं सम्पादनम्	साहित्य
37.	निगमनन्दा पाणिग्राही (16-1759)	पुरी परिसर	परमहंसस्वामिनिगमानन्दप्रणीत प्रेमिकगुरु ग्रन्थस्य वैदान्तिक समीक्षणम्	अद्वैत वेदान्त
38.	प्रदीप चन्द्र धुण्डियाल (16-1772)	लखनऊ परिसर	विष्णुपुराणे निहितानां शैक्षिकतत्त्वानां साम्प्रतिकी प्रासङ्गिकता	शिक्षाशास्त्र
39.	सतीश रछोया (16-1600)	जयपुर परिसर	आचार्यरामप्रसादत्रिपाठीकृतस्य पाणिनीयव्याकरणे प्रमाणसमीक्षा इति नामधेयस्य ग्रन्थस्य दर्शनान्तररीत्या समीक्षात्मकमध्ययनम्	सर्वदर्शन
40.	सारिका दीपेश दूबे (16-1728)	भोपाल परिसर	जैनमुनिज्ञानसागरविरचित वीरोदयमहाकाव्यस्य काव्यशास्त्रीयमनुशीलनम्	साहित्य
41.	हनुमान प्रसाद शर्मा (16-1763)	जयपुर परिसर	राजस्थानराज्यस्य उच्चप्राथमिकस्तरीयच्छात्राणां सामाजिकार्थिकस्थित्याधारेण संस्कृतविषयोपलब्धेः तुलनात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
42.	कृष्णकुमार द्विवेदी (16-1727)	शृंगेरी परिसर	श्रीगोविन्दभट्टतिरिविरचितस्य मुहूर्त्तरत्नस्य समालोचनात्मकमध्ययनम्	फलित ज्योतिष
43.	सुखदेव भट्ट (16-1768)	शृंगेरी परिसर	महाभाष्यप्रदीपव्याख्यानयोः उद्द्योत-उद्द्योतनयोः आपञ्चमाह्निकं तौलनिकमध्ययनम्	व्याकरण
44.	पवन (16-1725)	शृंगेरी परिसर	मुहूर्तपदवी-मुहूर्तचिन्तामण्योः तुलनात्मकमध्ययनम्	फलित ज्योतिष
45.	शिल्पा पी. (16-1652)	गुरुवायूर परिसर	भासस्य भवभूतेश्च रामकथाश्रितनाटकानां तौलनिकमध्ययनम्	साहित
46.	दीप्तिमयी साहू (16-1777)	पुरी परिसर	श्रीसदाशिवकृतायाः नीलाचलेशार्चनचन्द्रिकायाः समीक्षात्मकं सम्पादनम्	धर्मशास्त्र
47.	सुजाता साहू (16-1684)	पुरी परिसर	भवभूतिनाटकेषु शिक्षाशास्त्रदृष्ट्या पारिवारिकमूल्यबोधः	साहित्य
48.	मीलान कर (16-1720)	पुरी परिसर	ओडिशाराज्ये विद्यालयेषु अन्यथाक्षमाणां शिक्षायां सर्वकारीययोजनानां कार्यान्वयनस्य अध्ययनम्	साहित्य
49.	श्वेता वर्मा (16-1806)	लखनऊ परिसर	प्राच्यविद्याधिगमे प्रो. गयाचरणत्रिपाठिनः योगदानम्	साहित्य
50.	संगीता कुमारी (16-1741)	जयपुर परिसर	राजस्थानराज्यस्य संस्कृतविद्यालयानां सामान्यविद्यालयानां माध्यमिकस्तरीय-छात्रेषु व्यक्तित्वस्य विभिन्नपक्षाणामाधारेण व्यावसाधिकाभिरुचेः अध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
51.	मनोज कुमार (16-1749)	गरली परिसर	हिमाचलप्रदेशस्य चम्बाजनपदे प्रचलितगादीभाषायां संस्कृतभाषायाः प्रभावस्याध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
52.	सत्य नारायण (16-1826)	मुम्बई परिसर	छन्दोऽलङ्कारध्वन्यादीनां सङ्गणकप्रयोगसमीक्षा	साहित्य
53.	सन्तोष कुमार (16-1801)	इलाहाबाद परिसर	श्रीमाणिकभट्टजोषिविरचितस्य समासशक्तिविचाराख्य-स्याप्रकाशितस्य हस्तलेखस्य समीक्षात्मकमध्ययनं सम्पादनञ्च	व्याकरण
54.	मनोज (16-1675)	गरली परिसर	अर्जुनरावणीयमहाकाव्यस्य एकादशसर्गात् पञ्चदश-सर्गान्तं यावत् व्याकरणशास्त्रदिशा समीक्षात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
55.	विष्णुदत्त तिवारी (16-1680)	मुख्यालय परिसर, नई दिल्ली	डॉ. हरिनारायणदीक्षितविरचितस्य भारतमाता ब्रूते महाकाव्यस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
56.	मोहित शुक्ला (16-1817)	लखनऊ परिसर	संस्कृतकाव्येषु नदीनां समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
57.	भूपसिंह योगी (16-1740)	जयपुर परिसर	श्रवणविकारयुतेषु बालकेषु संस्कृतभाषाधिगमे काठिन्यं तत्परिहारोपायाश्च	शिक्षाशास्त्र
58.	अनुपम देवी (16-1830)	लखनऊ परिसर	अभिराजसप्तशत्याः काव्यशास्त्रीयमनुशीलनम्	साहित्य
59.	विनोद कुमार शर्मा (16-1706)	जयपुर परिसर	संस्कृतशिक्षायाः संवर्द्धने संरक्षणे च राजस्थानस्य पाण्डुलिपिसंग्रहालयानाम् अवदानम्	शिक्षाशास्त्र
60.	ममता गौतम (16-1617)	जयपुर परिसर	राजस्थानराज्यस्य पारम्परिकाधुनिकसंस्कृतच्छात्रेषु संस्कृतपत्रपत्रिकाणां पठनाभिरुचेः अध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
61.	अरविन्द कुमार सिंह (16-1839)	इलाहाबाद परिसर	श्रीगणेशमुद्गलपुराणयोः तुलनात्मकं समीक्षिकञ्चाध्ययनम्	साहित्य
62.	सुषमा भोई (16-1773)	पुरी परिसर	रघुराजप्रणीतजगदीशशतकस्य समीक्षात्मकं सम्पादनम्	साहित्य
63.	माखन सिंह राठौर (16-1825)	जयपुर परिसर	राजस्थाने संस्कृतविद्यालयीयानामध्यापकानां सामाजिकार्थिकस्थित्याधारेण वृत्तिसंतोषस्य अध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
64.	गीत प्रकाश गुलपदिया (16-1843)	जयपुर परिसर	पण्ड्यानरेन्द्रकान्तशास्त्रिविरचितकाव्यत्रिवेणीग्रन्थस्य साहित्यशास्त्रीयतत्त्वानामनुशीलनम्	साहित्य
65.	रामधन भट्ट (16-1651)	इलाहाबाद परिसर	महामहोपाध्यायश्रीसिद्धचन्द्रगणिविरचितस्य काव्यप्रकाश-खण्डनस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
66.	गिरिराज मीणा (16-1714)	जयपुर परिसर	किरातार्जुनीयशिशुपालवधमहाकाव्ययोः वक्रोक्तिसिद्धान्त-दृष्ट्या समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
67.	कार्तिक पल (16-1799)	भोपाल परिसर	द्विवर्षीयशिक्षाशास्त्रिकार्यक्रमान्तर्गतानां छात्राध्यापकानाम् उपलब्ध्यभिप्रेरणायाः शैक्षिकाकाङ्क्षायाः शिक्षणवृत्तिं प्रति अभिवृत्तेश्च विश्लेषणात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
68.	अजीत कुमार आचार्य (16-1862)	पुरी परिसर	पर्यायबन्धचरितस्य समालोचनात्मकमध्ययनम्	साहित्य
69.	कमलेन्दु चंद्रा (16-1721)	पुरी परिसर	बङ्गप्रदेशस्य आधुनिकसंस्कृतकाव्यपरम्परायाः समीक्षात्मकम् अध्ययनम्	साहित्य
70.	संजीव मेहता (16-1716)	पुरी परिसर	अमरुशतकस्य सूर्यदासकृतटीकायाः शृंगारतरङ्गिण्याः समीक्षात्मकं सम्पादनम्	साहित्य
71.	विदुषी बोल्ला (16-1762)	मुम्बई परिसर	सङ्गणकमाध्यमेन शाब्दिकार्थसिद्धानतावगमदृशा परमलघुमञ्जूषायाः परिशलनम्	व्याकरण
72.	दीप्ति प्रभा साहू (16-1775)	पुरी परिसर	अथर्ववेदे मानवीयमूल्यबोधानां समीक्षात्मकमध्ययनम्	वेद
73.	अमिता चौरसिया (16-1791)	इलाहाबाद परिसर	अखिलानन्दशर्मप्रणीतस्य श्रीकृष्णचरितमहाकाव्यस्य परिशीलनम्	साहित्य
74.	पी. रमेश (16-1644)	पूर्णप्रज्ञ मन्दिर, बैंगलूरु	तत्त्वार्थदीपिका-नीलकण्ठप्रकाशिकयोः तुलनात्मकमध्ययनम्	न्याय
75.	शुभ्रादेवी मैती (16-1789)	पुरी परिसर	छान्दोग्योपनिषादि विविधोपासनानां समीक्षात्मकमध्ययनम्	अद्वैतवेदान्त
76.	मिहिर रंजन पंडा (16-1744)	पुरी परिसर	न्यायद्वैतवेदान्तदर्शनयोः ईश्वरतत्त्वविषयकं तुलनात्मकमध्ययनम्	नव्य न्याय
77.	आर.जी. धीरेन्द्र (16-1643)	पूर्णप्रज्ञ मन्दिर, बैंगलूरु	छलारि नरसिंहाचार्यकृतायाः कर्मनिर्णयटीका-गूढभावार्थ-पञ्चिकायाः पाठसमीक्षात्मकं सम्पादनम्	द्वैत वेदान्त
78.	दयाशंकर तिवारी (16-1591)	इलाहाबाद परिसर	आचार्यरेवाप्रसादद्विवेदिप्रणीतस्य "स्वातन्त्र्यसंभवम्" महाकाव्यस्य समालोचनात्मकमध्ययनम्	साहित्य
79.	रीना देवी (16-1635)	गरली परिसर	महाकविकल्याणदासविरचितस्य कल्याणकल्लोलग्रन्थस्य समीक्षात्मकं सम्पादनम् अनुशीलनं च	साहित्य
80.	अनंता शर्मा बी.जी. (16-1812)	पूर्णप्रज्ञ मन्दिर, बैंगलूरु	वेदान्तपरिभाषायाः व्याख्यानानां समीक्षणम्	अद्वैत वेदान्त
81.	निखलेश शर्मा (16-1712)	जयपुर परिसर	शिष्यधीवृद्धिद-सूर्यसिद्धान्तयोः तुलनात्मकमध्ययनम्	ज्योतिष
82.	सूर्य कुमारी (16-1828)	जयपुर परिसर	निघण्टुनिरुक्तान्तर्गतवाङ्नाम्नां यास्कस्कन्दादिभाष्यकाराणां दिशा ऋग्वेदे वाक्यत्त्वस्याध्ययनम्	वेद
83.	प्रज्ञा चतुर्वेदी (16-1841)	भोपाल परिसर	संवेगात्मकपरिपक्वता-विश्लेषणात्मकतार्किकक्षमता-निर्णयक्षमतानां सम्बन्धे छात्राणां संज्ञानात्मकशैल्याः अध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
84.	अंकुश कुमार (16-1765)	लखनऊ परिसर	नागेशभट्टदृष्ट्या भट्टोजिदीक्षितकौण्डभट्टाभ्यां प्रस्तुतसमासशक्तिशब्दशक्त्योः समीक्षात्मकमध्ययनम्	व्याकरण

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
85.	अंकुश शर्मा (16-1733)	गरली परिसर	सूर्यसिद्धान्तीयभूधरीटीकायाः स्पष्टाधिकारपर्यन्तं प्रायोगिकमध्ययनम्	ज्योतिष
86.	उमाकान्त तिवारी (16-1702)	लखनऊ परिसर	शुभाशुभफलनिर्द्धारणे सामुद्रिकशास्त्रस्य प्रायोगिकमध्ययनम्	ज्योतिष
87.	बन्ती देवी (16-1832)	गरली परिसर	ज्यौतिषे स्त्रीविचारः- वर्तमानसन्दर्भे तत्समीक्षणं च	ज्योतिष
88.	गणेश्वर साहू (16-1732)	गुरुवायूर परिसर	व्याकरणशिक्षणे सूक्ष्मशिक्षणस्य प्रयोगात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
89.	हेमन्त कुमार (16-1624)	गरली परिसर	पराशरोक्तदशानां प्रायोगिकमध्ययनम् तत्समीक्षणञ्च	ज्योतिष
90.	प्रज्ञा (16-1874)	भोपाल परिसर	अधिकारसूत्राणां सिद्धान्तरत्नाकर-लघुशब्देन्दुशेखर-टीकयोः तुलनात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
91.	ममता (16-1759)	मुख्यालय, नई दिल्ली	स्वामिहरिहरानन्दविरचितायाः श्रीहनुमच्चरित्रवाटिकायाः काव्यशास्त्रीयानुशीलनम्	साहित्य
92.	उमाकान्त ओझा (16-1800)	इलाहाबाद परिसर	श्रीवर्धमानविरचितस्य गणरत्नस्य समीक्षात्मकं सम्पादनम्	व्याकरण
93.	सुनीति (16-1698)	गरली परिसर	भोजदेवप्रणीतायाः चारुचर्यायाः समीक्षात्मकं सम्पादनम्	साहित्य
94.	नवीन कुमार (16-1797)	लखनऊ परिसर	पाणिनीयव्याकरणे आत्मनेपदपरस्मैपदस्थित्यौचित्यविचारः	व्याकरण
95.	विश्वम गोपाल के. (16-1770)	गुरुवायूर परिसर	श्रीनारायणगुरुदेवकृतिषु मूल्यशिक्षा-एकम् अध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
96.	अमित कपाटिया (16-1696)	गरली परिसर	उत्तरनैषधीयचरिते मनोवैज्ञानिकतत्त्वानां समीक्षणम्	साहित्य
97.	विग्नेश्वर के एस. (16-1804)	शृंगेरी परिसर	श्रीनारायणकृतभावनाविवेकव्याख्यायाः विषमग्रन्थ(ग्रन्थि) भेदिकायाः सम्पादनमध्ययनञ्च	मीमांसा
98.	कृष्णमूर्ति एलिस सुरेश एस. (16-1820)	गुरुवायूर परिसर	अनुपलब्धिप्रमाणस्वरूपविचारः-दार्शनिकम् एकमध्ययनम्	मीमांसा
99.	दीपक पाराशर (16-1842)	जयपुर परिसर	राजस्थानस्थधौलपुरमण्डलान्तर्गते ग्रामीणक्षेत्रे संस्कृतशिक्षा प्रभावयतां सामाजिकार्थिककारकाणामध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
100.	महेश चन्द्र मीणा (16-1700)	जयपुर परिसर	व्याकरणसिद्धान्तसुधानिधेः कृदन्तप्रकरणस्य समीक्षणम्	व्याकरण
101.	प्रशान्त मण्डल (16-1667)	जम्मू परिसर	पण्डितबालकृष्णप्रणीतस्य रामकृष्णपरमहंसदिव्यचरित-महाकाव्यस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
102.	कौस्तुभ मिश्रा (16-1868)	लखनऊ परिसर	भोजराजशासने शिक्षाव्यवस्थायाः ऐतिहासिकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
103.	नितेश कुमार मिश्रा (16-1750)	लखनऊ परिसर	आचार्यरतिनाथझामहोदयस्य कृतीनां परिशीलनम्	साहित्य
104.	अनुराधा मलिक (16.1852)	गुरुवायूर परिसर	विश्वेश्वरपाण्डेयविरचितानां काव्यानाम् अलङ्कारशास्त्रीयं समीक्षणम्	साहित्य
105.	अविराम झा (16-1858)	भोपाल परिसर	बिहारराज्ये उच्चमाध्यमिकस्तरीयच्छात्राणां जीवनमूल्यानां विकासे नियोजितशिक्षकशिक्षिकाणां शिक्षणाधिगमप्रक्रियां प्रति अभिरुचेः अभिप्रेरणायाः कुण्ठायाश्च तुलनात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
106.	कौशल कुमार झा (16-1778)	भोपाल परिसर	बिहारराज्ये प्रशिक्षणार्थिनां बौद्धिकस्तरस्य संवेगात्मक-परिपक्वतायाम् अध्ययनप्रवृत्तौ शैक्षिकोपलब्धिस्तरे जायमानस्य प्रभावस्याध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
107.	अनुज शर्मा (16-1724)	लखनऊ परिसर	संज्ञानात्मकसिद्धान्तदृशा वाक्यपदीयस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
108.	प्रवीण कुमार राय (16-1752)	मुख्यालय, नई दिल्ली	श्रीमद्भागवतान्तर्गत-कपिलदेवहुतिसंवादस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
109.	वेंकटारमन्ना उपाध्याय (16-1811)	पूर्णप्रज्ञ मन्दिर, बैंगलूरु	पाणिनीयव्याकरणव्युत्पत्तिदृशा शुक्लयजुर्वेदीयरुद्राष्टाध्यायीमन्त्राणां परिशीलनम्	द्वैत वेदान्त
110.	नीना के.सी. (16-1878)	गुरुवायूर परिसर	औचित्यसिद्धाप्तदिशा रामपाणिवादविरचितस्य राघवीयमहाकाव्यस्याध्ययनम्	साहित्य
111.	मुक्तेश कुमार गौतम (16-1802)	मुख्यालय, नई दिल्ली	ज्यौतिषशास्त्रदृष्ट्या इन्धनपदार्थानाम् अर्घनिर्धारणसमीक्षा	ज्योतिष
112.	शैलेन्द्र कुमार (16-1771)	लखनऊ परिसर	आचार्यज्ञानसागरस्य महाकाव्येषु प्रतिबिम्बितानां साम्प्रतिकसमस्यानाम् अनुशीलनम्	साहित्य
113.	मीनाक्षी व्यास (16-1751)	मुख्यालय, नई दिल्ली	बाणभट्टस्य साहित्ये शिक्षायाः स्वरूपं तस्य प्रासङ्गिकता च	साहित्य
114.	अमित शर्मा (16-1612)	गरली परिसर	सूर्यसिद्धान्तीयभूधरीटीकायाः त्रिप्रश्नाधिकारस्य प्रायोगिकमध्ययनम्	ज्योतिष
115.	मुकेश कुमार पारीक (16-1709)	जयपुर परिसर	टोडरमलविरचितवास्तुसौख्यग्रन्थस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	ज्योतिष
116.	अमित (16-1814)	मुख्यालय, नई दिल्ली	संस्कृतेऽनूदितसाहित्यस्य उद्भवो विकासश्च	साहित्य
117.	महेश शर्मा (16-1764)	जयपुर परिसर	राजस्थानराज्यस्य विभिन्नप्रशिक्षणमहाविद्यालयानां छात्राध्यापकेषु आन्तरिकमूल्याङ्कनविषये अभिवृत्तेः परीक्षाभयस्य च तुलनात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
118.	सर्वेश पाठक (16-1847)	भोपाल परिसर	एकविंशशताब्द्यां संस्कृतं प्रति मध्यप्रदेशस्य योगदान मूल्याङ्कनञ्च	साहित्य

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय से सम्बद्ध संस्थाएं

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
बिहार		
1.	जगदीश नारायण ब्रह्मचर्या आश्रम संस्कृत विद्यालय, पोस्ट अफिस-लगमा वाया-लोहना रोड़, जिला दरभंगा-847407(बिहार)	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम उत्तरमध्यमा-प्रथम
2.	देवराहा बाबा भक्त शिव शंकर संस्कृत महाविद्यालय (संस्कृतनगर) रामचन्द्रपुर, अन्धैल, पो. पटेली, वाया-ऊजियारपुर, जिला–समस्तीपुर, पिन–848132 (बिहार)	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
3.	डॉ. रामजी मेहता संस्कृत महाविद्यालय मालीघाट, मुजफ्फरपुर (बिहार) 842001	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण, प्राचीन व्याकरण, फलित ज्योतिष, सिद्धान्त ज्योतिष, सर्वदर्शन)
4.	राजकुमारी गणेश शर्मा आदर्श संस्कृत विद्यापीठ पो.आ. कोलहण्टा पटोरी, जिला–दरभंगा (बिहार) 846003	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, फलित एवं सिद्धान्त ज्योतिष, नव्यव्याकरण, फलित)
5.	सरस्वती आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, जिला-बेगूसराय, बिहार–851101	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
6.	रामसुन्दर संस्कृत विश्व विद्या प्रतिष्ठान रमोली बेलान (लक्ष्मीनाथ नगर) वाया बहेरा, जिला–दरभंगा 847407 (बिहार)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय,

क्रमशः....

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
		शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय, आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, वेद, ज्योतिष)
7.	डॉ. मंडन मिश्र संस्कृत महाविद्यालय, संजात, जिला–बेगुसराय (बिहार)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
8.	अजित कुमार संस्कृत शिक्षण संस्थान, उमाकान्त नगर, पो. लढोरा, जिला–समस्तीपुर–848302 (बिहार)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (व्याकरण, साहित्य फलित ज्योतिष)
9.	लक्ष्मी हरिकान्त संस्कृत प्राथमिक सहमाध्यमिक विद्यालय, झंझारपुर, जिला–मधुबनी, बिहार–847404	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
10.	दीनानाथ मिथिला संस्कृत विद्यापीठ, ग्राम-कालीधाम, पो. कथरा जिला–दरभंगा (बिहार) 847423	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
11.	जे.एन.बी. आदर्श संस्कृत महाविद्यालय पो. ऑ. लगमा, वाया लोहना रोड, जिला–दरभंगा (बिहार) 847407	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, वेद, व्याकरण और धर्मशास्त्र)।
दिल्ली		
12.	श्री मोतीनाथ संस्कृत महाविद्यालय, रमेश नगर, नई दिल्ली–110015	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, न्याय)
13.	ब्रह्मर्षि राम प्रपन्नाचार्य संस्कृत वेद वेदांग महाविद्यालय राजघाट के पीछे, पुराना पावर हाऊस, नई दिल्ली–2	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय

क्रमशः....

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
14.	श्रीराम ज्योतिष कर्मकाण्ड महाविद्यालय, (राम विद्या मन्दिर एजुकेशन सोसायटी के अन्तर्गत) मंडावली, दिल्ली–110092	आचार्य–प्रथम, द्वितीय (फलित ज्योतिष, सिद्धान्त ज्योतिष, कर्मकाण्ड, पौरोहित्य)
15.	वसंत ग्राम आदर्श संस्कृत विद्यालय वसंत विहार, नई दिल्ली–110057	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
16.	राम दल संस्कृत महाविद्यालय 1612, दरीबा कलाँ, दिल्ली–110006	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
17.	शारदा देवी संस्कृत विद्यापीठ, 1021-1024, गली शक्ति मन्दिर दरियागंज, नई दिल्ली–110002	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
18.	श्री महावीर विश्व विद्यापीठ ए-6, पश्चिम विहार, चौधरी बलबीर सिंह मार्ग, नई दिल्ली–110063	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, सर्वदर्शन)
19.	श्री हनुमान संस्कृत महाविद्यालय एफ-487/3, रघुवीर नगर नई दिल्ली–110027	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
20.	आर्य कन्या गुरुकुल न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली–110060	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
21.	राम ऋषि संस्कृत महाविद्यालय करावला, दिल्ली–110081	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
22.	आदर्श संस्कृत विद्यापीठ हरेवली, दिल्ली–110039	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय

क्रमशः....

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
23.	बाल विद्या मन्दिर (नजदीक रोहिणी-सेक्टर-20), पूठ कलाँ दिल्ली–110041	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
गुजरात		
24.	श्री रघुवर रामानंद वेदांत महाविद्यालय श्री कौशलेन्द्र मठ, सुरखेज रोड, पो. पलाडी, अहमदाबाद, गुजरात–380007	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (रामानंद वेदांत)
हरियाणा		
25.	आलोक संस्कृत महाविद्यालय चौधरी बलबीर सिंह मार्ग, महेन्द्रगढ़ (हरियाणा) – 123039	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
26.	हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ पो. बघौला, तहसील–पलवल जिला–फरीदाबाद (हरियाणा) 121102	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
27.	श्री रामानन्द ब्रह्मर्षि संस्कृत महाविद्यालय विराट नगर, पिंजौर (हरियाणा) 134102	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
28.	श्री लज्जाराम संस्कृत महाविद्यालय तीर्थ, पाण्डु पिण्डारा, जीन्द (हरियाणा) - 126102	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
जम्मू व कश्मीर		
29.	श्री गुरु गंगादेव संस्कृत महाविद्यालय, शिवकाशी, सुन्दरवनी जिला–राजौरी, जम्मू	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष वेद)

क्रमशः....

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
	झारखण्ड	
30.	लक्ष्मी देवी शर्राफ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, काली रेखा, वैद्यनाथ धाम देवघर, झारखण्ड, पिन : 814112	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय
	कर्नाटक	
31.	पूर्णप्रज्ञ संशोधन मन्दिर पूर्णप्रज्ञा विद्यापीठ, पूर्णप्रज्ञा नगर, कठरीगुप्पा मेन रोड, बैंगलोर–560028	विद्यावारिधि
	केरल	
32.	भारतीय संस्कृत महाविद्यालय पिलात्तरा रोड, वाया मंडुर जिला–कन्नूर – 670501 (केरल)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य)
33.	श्री रामकृष्ण आदर्श संस्कृत महाविद्यालय रामकृष्ण मठ, पो.–अरुणापुरम, पलै जिला–कोट्टायम – 686574 (केरल)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (अद्वैत वेदान्त)
34.	श्री शंकर संस्कृत विद्यापीठ पो. इड्डाकाडोम, वा. इजहूकोन, जिला–क्वीलोन (केरल) 691505	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य)
35.	कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, पो. बालूसरी, जिला–कालीकट – 673612	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, अद्वैत वेदान्त)
36.	कोंडगलूर विद्वत्पीठम् पैलेस रोड, पो. कोडंगलूर जिला–त्रिचूर (केरल) - 680664	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य)
37.	वूमेंस चैरिटेबल सोसाइटी, श्री शंकर संस्कृत विद्यापीठ, ओवर बिज जंक्शन, एम.जी. रोड़ तिरुवन्तपुरम, 695003 केरल	प्राक् शास्त्री-प्रथम, द्वितीय

क्रमशः....

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
38.	महेश्वरी संस्कृत कॉलेज गाँव व पो. कक्कुर जिला–कोजीकोड–673619 (केरल)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
महाराष्ट्र		
39.	मुम्बादेवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय भारतीय विद्याभवन, के.एम. मुन्शी मार्ग मुम्बई–400007	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय, आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, अद्वैत वेदान्त)
40.	श्री अंबाजी संस्कृत महाविद्यालय निवेतिया रोड, मलाड (पूर्व) मुम्बई (महाराष्ट्र) – 400097	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
मणिपुर		
41.	मणिपुर संस्कृत महाविद्यालय संगईपेटए सेरीकल्चर प्रोजेक्ट के सामने, पूर्वी इम्फाल, मणिपुर–795001	पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय, उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय, प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
42.	राधा माधव आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, पो. नाम्बोल, मणिपुर–795134	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण, फलित ज्योतिष, सर्वदर्शन)
पंजाब		
43.	बाबा हरदित गिरि संस्कृत विद्यालय संस्कृत-प्रचारिणी श्रीदसनामी अखाड़ा सरहिन्द शहर, जिला–फतेहगढ़ साहिब, पंजाब 140406	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य)
44.	श्री सरस्वती संस्कृत कॉलेज पो. खन्ना, जिला–लुधियाना (पंजाब) 141401	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
राजस्थान		
45.	नवजागृति संस्कृत विद्यापीठ, सिंधी कालोनी, गंगापुर सिटी, जिला–सवाई माधोपुर (राजस्थान) 322201	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–द्वितीय

क्रमश:....

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
उत्तर-प्रदेश		
46.	रानी पद्मावती तारा योग तंत्र आदर्श महाविद्यालय, इन्द्रपुर, (शिवपुर) वाराणसी उत्तरप्रदेश	उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष, सिद्धान्त ज्योतिष, कर्मकाण्ड, सर्वदर्शन एवं वेद)
47.	श्री बटुकनाथ संस्कृत महाविद्यालय बी-22/195, द्वारिकाधीश मन्दिर, शंकुलधारा, वाराणसी–221010	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्यव्याकरण)
48.	गिन्नी देवी संस्कृत विद्यापीठ, मोदीनगर, जिला गाजियाबाद–201204 उत्तर प्रदेश	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
49.	श्री टिबरीनाथ सांगवेद संस्कृत महाविद्यालय, नैनीताल रोड, बरेली, उत्तर प्रदेश–248005	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
50.	गान्धी संस्कृत महाविद्यालय, पँवरी गौहनिया, पो. जसरा, इलाहाबाद-212107 (उ.प्र.)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण)
51.	अनन्ता देवी संस्कृत महाविद्यालय ग्रा. व पो. कौंधियार, इलाहाबाद (उ.प्र.)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण)
52.	रानी पद्मावती तारायोग तन्त्र उच्च माध्यमिक विद्यालय इन्द्रपुर (शिवपुर), वाराणसी (उ.प्र.)	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
उत्तरांचल		
53.	ज्वाल्पा देवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय श्री. ज्वल्पाधाम, पो. पाटीसैण जिला-पौडी गढ़वाल-246167 उत्तरांचल	शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय

क्रमश:....

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
54.	आदर्श संस्कृत विद्यापीठ सल्ड महादेव, तहसील-धूमाकोट जिला–पौडी गढ़वाल–246279 (उत्तरांचल)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
पश्चिम बंगाल		
55.	पगलानन्द संस्कृत महाविद्यालय (विद्यालय स्तर) आचार्य भवन, प्लाट नं. 216, ग्राम व पो. दरुआ, थाना-कान्ताई, जिला-पूरबा, मेदिनीपुर-721401 (प.बं.)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
56.	श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, 7/2 पी.डब्ल्यू.डी. रोड, कोलकाता–700035	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, नव्यन्याय, अद्वैत वेदान्त, वेद, ज्योतिष, बौद्ध दर्शन, धर्म-शास्त्र)
57.	हरेश्वर संस्कृत महाविद्यालय लिंग्से, दार्जीलिंग हरलोक लिंग्से, वाया रीनोक (प.बं.) – 737133	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
58.	कालियाचक विक्रम किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, गाँव–कालियाचक पोस्ट ऑफिस हेरिया जिला–मिदनापुर (पश्चिम बंगाल) – 721430	प्रथमा-तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (व्याकरण, साहित्य, धर्मशास्त्र और अद्वैत वेदान्त)
59.	मदर उषा मेमोरियल ओरियन्टल सैन्ट्रल इंस्टीट्यूशन एण्ड आगम (तंत्र) रिसर्च सेन्टर, ग्राम व प्रो. तेनोहरी, जिला–उत्तर दीनाजपुर (पश्चिम बंगाल) – 733123	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय

क्रमश:....

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
60.	भारती चतुष्पती संस्कृत महाविद्यालय, श्री श्रीगुरु कर्ण निकेतन, अमूल्य पारा, नवद्वीप, नादिया, (पश्चिम बंगाल) – 741302	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्यव्याकरण, अद्वैत वेदान्त)
61.	रामकृष्ण मठ विवेवकानन्द वेद विद्यालय, पो. ओ. वेलूर मठ जिला–हावड़ा (पश्चिम बंगाल) – 711202	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
62.	ठाकुर गदाधर संस्कृत विद्यापीठ पोस्ट ऑफिस आरामबाग (कलिपुर) जिला हुगली (पश्चिम बंगाल)-712601	प्रथमा-तृतीय, पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय

संलग्नक-छ

परीक्षाओं को मान्यता देने वाली सरकारें

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
1.	भारत सरकार, कैबिनेट सचिवालय, कार्मिक विभाग, नई दिल्ली नं. 6/12/71 स्थापना (डी)	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल 2. मध्यमा-उच्चतर माध्यमिक 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 7. वाचस्पति-डी.लिट्.
2.	मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग नं. 796/786/1 (3)/72 दिनांक 5.12.1972	–वही–

क्रमशः....

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
3.	पंजाब सरकार, नं. 472-468-II/72/2686 दिनांक जनवरी, 1971	–वही–
4.	गोआ, दमन व दीव, विशेष-स्थापना-2065-II दिनांक 23 अक्तूबर, 1972	–वही–
5.	भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय/शिक्षा, नई दिल्ली सं.एफ. 7-2/83-संस्कृत-2, दि. 31.12.1992	शिक्षा आचार्य-एम.एड.
6.	तमिलनाडु सरकार, ज्ञापन सं. 94120/एच-172-2-शिक्षा पत्र संख्या-एल.डिस 35033/04 दिनांक 2 जनवरी, 1973	1. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 2. प्रथमा-मिडिल स्कूल 3. मध्यमा-उच्चतर माध्यमिक 4. पूर्वमध्यमा-मैट्रिक
7.	महाराष्ट्र सरकार, 82/ दिनांक 24-9-92 अनुशेष सं. एस.एस.एन. 3371/137427-ई दिनांक 23 अक्तूबर, 1972	1. उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री- उच्चविद्यालय प्रमाणपत्र
8.	उत्तर प्रदेश सरकार, सं. 10/3/1972 नियुक्ति (4) लखनऊ, दिनांक 27 अगस्त, 1973	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल (आठवीं कक्षा) 2. पूर्वमध्यमा-हाई स्कूल 3. उत्तरमध्यमा-इण्टर 4. शास्त्री-बी.ए. 5. आचार्य-एम.ए. 6. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 7. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 8. वाचस्पति-डी.लिट्
9.	हरियाणा सरकार, सं. 278, जी. शिक्षा (4ई) 74/14620 चंडीगढ़, दिनांक 13.5.1974 ज्ञापन सं.-डी 4/50-73-सीओ (2) चंडी दिनांक 21.10.1986	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल 2. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी या इण्टरमीडिएट 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 6. वाचस्पति-डी.लिट् 7. शिक्षाशास्त्री-ओ.टी. (संस्कृत)

क्रमश:....

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
10.	गुजरात सरकार, प्रस्ताव सं. एसएसएन-3266/72127 (73) ई 78583-जी सचिवालय, गान्धीनगर, दिनांक 30 अप्रैल 1986	1. शिक्षा-शास्त्री-बी.एड.
11.	हिमाचल प्रदेश सरकार, सं. 23-62/70/सेक्रे/ एजु-ए वोल् 3 दिनांक 17.3.1973	1. प्रथमा-मिडिल 2. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 7. वाचस्पति-डी.लिट्
12.	त्रिपुरा सरकार, सं. एफ. 83 (4-12) डीई/73 अगरतला, दिनांक 15.7.1972	–वही–
13.	राजस्थान सरकार, पी 9 (75) एस.पी./71/शिक्षा-5 दिनांक 18.3.1975 शिक्षा (ग्रुप 8) सं. एफ 10 व 74 शिक्षा (ग्रुप 4)/72 दिनांक 22 मई, 1978	1. प्रथमा-मिडिल 2. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 7. वाचस्पति-डी.लिट्
14.	जम्मू व कश्मीर सरकार, सं एजु. - 9/ई/74 स्वीकृत दिनांक 22.6.1975	1. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी अथवा पी.यू.सी. 2. शास्त्री-बी.ए. 3. आचार्य-एम.ए. 4. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 5. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 6. वाचस्पति-डी.लिट्
15.	ओडिशा सरकार 176/10/ईवाइई दिनांक 19.6.1975 सं. 20/32/75/828	1. शास्त्री-बी.ए. 2. आचार्य-एम.ए.
16.	पश्चिम बंगाल सरकार, शिक्षा विभाग सेक. ब्राँच, सं. 441 - एजु. (एस) 6 सी-II/89 कोलकाता, दिनांक 6 मई 1990	शिक्षाशास्त्री-बी.एड.

क्रमश:....

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
17.	बिहार सरकार, संकल्प सं. 8/आर.-2003/86 के.ए. 9139/पटना दि. 25-6-1987	1. प्रथमा-मिडिल 2. मध्यमा-पूर्व मैट्रिक (अंग्रेजी रहित) मैट्रिक (अंग्रजी सहित) 3. शास्त्री-(अंग्रेजी सहित) बी.ए. 4. आचार्य-(बी.ए. अंग्रेजी सहित उत्तीर्ण) एम.ए.

संलग्नक-ज

परीक्षाओं को मान्यता देने वाले विश्वविद्यालय

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
1.	महाराजा सायाजीराव बडौदा विश्वविद्यालय, पत्र सं. एसी/II/221 दिनांक 4.9.73	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
2.	सागर विश्वविद्यालय, सागर, पत्र सं. सामान्य/मान्यता/974 दिनांक 16.6.73 तथा दिनांक 9.4.1973	मध्यमा शास्त्री आचार्य	इंटरमीडिएट बी.ए. एम.ए.
3.	विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.) पत्र सं. प्रशासन/मान्यता/73 दिनांक 9 अगस्त, 1973	शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी. डी.लिट्
4.	आन्ध्र विश्वविद्यालय, पत्र सं. 1 (6) 3925/72 दिनांक 27.9.73 वाल्टेयर	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.

क्रमश:....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
5.	राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर पत्र सं. एफ-4-1/72 शैक्षिक-II/1146/ए, दिनांक 22.5.73	शास्त्री	बी.ए.
6.	कालीकट विश्वविद्यालय संदर्भ सं. जी ए (डी 4) 899/72 दिनांक 28.11.1973	शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. (संस्कृत मुख्य) एम.ए. (संस्कृत मुख्य) बी.एड. (संस्कृत) पी-एच.डी. डी.लिट्
7.	श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति संख्या-सी.आई. 33017/73 दिनांक 19.1.76	शास्त्री	बी.ए. (एम.ए. (संस्कृत) में प्रवेश के प्रयोजन से)
8.	मगध विश्वविद्यालय, बोध गया पत्र सं. 4767/48-23 डी II/बोध गया दिनांक 4.12.73	मध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि	हायर सेकेण्डरी बी.ए. एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी.
9.	जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू पत्र संख्या-एफ शैक्षिक/V/153/74/4195-99 दिनांक 14.2.1974	मध्यमा शास्त्री-भाग-1 शास्त्री-भाग-3 आचार्य	प्री-यूनिवर्सिटी बी.ए. (भाग-1) बी.ए. (अंतिम वर्ष) एम.ए., संस्कृत या साहित्याचार्य
10.	अन्नामलाई विश्वविद्यालय एल. डिस्. पी-बी 21/83/73 दिनांक 22.2.1974	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
11.	बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान आर.सी.आई/सम/141/376/74 दिनांक 24.6.74	मध्यमा शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा पाठ्यक्रम कला-स्नातक परीक्षा (त्रिवर्ष) एम.ए. डी.फिल्. डी.लिट्
12.	कानपुर विश्वविद्यालय, कानपुर पी एस के वी/बोर्ड/4318/74-75 दिनांक 22.11.74	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.

क्रमशः....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
13.	उत्कल विश्वविद्यालय, पत्र सं. ए सी-1/आर.एम./171/51046/75 दिनांक 1.7.1975	शास्त्री	बी.ए. (द्रष्टव्य क्रम सं. 32 भी)
14.	पूना विश्वविद्यालय, पूना	प्राक्शास्त्री	प्री-डिग्री
	ईएलजी/सम-109/3949	शास्त्री	बी.ए. (संस्कृत)
	दिनांक 26.4.1975	आचार्य	एम.ए. (संस्कृत)
		शिक्षाशास्त्री	बी.एड. (संस्कृत)
15.	जयपुर विश्वविद्यालय,	शास्त्री	बी.ए.
	पत्र सं. ई./3013	आचार्य	एम.ए.
	दिनांक 13.5.1975		
16.	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र	शास्त्री	बी.ए., शास्त्री
	पत्र सं. ए सी एम-II/6115	आचार्य	एम.ए.
	दिनांक 6.6.1975 और ए सी एम/II/137/76/18904 दिनांक 7.8.76, ए सी एम-II/137/81/4139 दिनांक 19.3.81		
	ए सी एम-II/08/एफ/37/3695 दिनांक 1-4-08	प्राक्शास्त्री	+2 स्तर परीक्षा
	ए सी एम-II/08/एफ/37/4788 दिनांक 25-4-08	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
17.	गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद,	शास्त्री	बी.ए.
	परीक्षा/बी. मान्यता सं. 32482 दिनांक 17.9.1975	आचार्य	एम.ए.
18.	केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली	प्रथमा	आठवीं
	देखिए डी.ओ.सं. 80628	पूर्वमध्यमा द्वितीय वर्ष	दसवीं
	दिनांक 27-5-1988	उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री-II	बारहवीं
	सी बी.एस.इ./कोआर्ड/एसओसीडी/ 2009/6147 दिनांक 3.3.09		
19.	केरल विश्वविद्यालय, त्रिवेन्द्रम	शास्त्री	बी.ए.
	पत्र सं. सी.-3/720/76	आचार्य	एम.ए.
	जिला त्रिवेन्द्रम दिनांक 22.3.76,	विद्यावारिधि	पी-एच.डी.
	एसी. सी 3/1600/77 दिनांक 3.1.81	वाचस्पति	डी.लिट्
20.	विश्व भारती सं. जी-4-43	शास्त्री	बी.ए.
	दिनांक 23.4.76	आचार्य	एम.ए.
		विद्यावारिधि	पी-एच.डी.
		वाचस्पति	डी.लिट्

क्रमश:....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
21.	भारतीय विश्वविद्यालय संघ संघ पत्र सं. ईवी II/(227)/76/32765 दिनांक 7.2.76 नई दिल्ली	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
22.	हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला पत्र सं. 3-8-74-एच पी यू (शैक्षिक) दिनांक 2.7.77, 3-27/79 दिनांक 4.7.80	शास्त्री शिक्षा-शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. बी.एड. एम.ए. पी-एच.डी. डी.लिट्
23.	दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली पत्र सं.-1/मान्यता/डी/84 दिनांक 14.11.84	शास्त्री आचार्य	बी.ए. पासकोर्स (एम.ए. संस्कृत में प्रवेश के प्रयोजन से) एम.ए.
24.	संभलपुर विश्वविद्यालय, संभलपुर पत्र सं. 11727/शैक्षिक दिनांक 4.5.79, 6824/शैक्षिक दिनांक 27.9.85 संभलपुर	शास्त्री आचार्य	बी.ए. पासकोर्स (एम.ए. संस्कृत में प्रवेश के प्रयोजन हेतु) एम.ए.
25.	श्री कामेश्वर सिंह दरभंगा विश्वविद्यालय पत्र संख्या-9356/74 दिनांक 4.10.74	मध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	मध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि विद्या वाचस्पति
26.	कर्णाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ पत्र सं.-मान्यता/के-108/शैक्षिक/1504 दिनांक 12.7.79	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
27.	गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर पत्र सं. सामान्य/मान्यता/3920 दिनांक 22.4.1980	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
28.	मद्रास विश्वविद्यालय पत्र सं. सी आर-III/मान्यता/1925 दिनांक 17.3.1980	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए. (यदि पाठ्यक्रम में अंग्रेजी एक विषय के रूप में हो)
29.	पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ पत्र सं. एस-16981 दिनांक 28.11.1980	प्रथमा मध्यमा शास्त्री आचार्य	प्राज्ञ विशारद शास्त्री आचार्य

क्रमशः....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
30.	श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय पत्र सं. 5163/84/एस.जे.एस.बी. दिनांक 10.8.84	प्रथमा पूर्वमध्यमा उत्तरमध्यमा शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	प्रथमा मध्यमा उपशास्त्री शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति
31.	बरहामपुर विश्वविद्यालय/भंज विहार, बरहामपुर, जिला-गंजाम उड़ीसा पत्र सं. 5131/शैक्षिक-II/बी यू/84 दिनांक 16.4.84 सं 5/01/शैक्षिक-I दिनांक 3.6.2005	शास्त्री आचार्य शिक्षा शास्त्री	बी.ए. (पास) एम.ए. (संस्कृत) बी.एड.
32.	उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर (उड़ीसा) पत्र सं. ए सी/आर एम/171ए/16292 दिनांक 31.3.84, ए सी/ मान्यता/सामान्य/ए-16178/84 दिनांक 29.3.84	आचार्य शिक्षा-शास्त्री	एम.ए. (संस्कृत) बी.एड.
33.	त्रिभुवन विश्वविद्यालय मछली टेकू, काठमांडू, नेपाल पत्र सं. 372/04 दिनांक 19.9.84	प्राक्शास्त्री शास्त्री	उत्तरमध्यमा शास्त्री
34.	संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी पत्र सं. जी-458/4019/74-85 दिनांक 28.5.85	प्रथमा पूर्वमध्यमा प्राक्शास्त्री/उत्तरमध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षा-शास्त्री शिक्षा-आचार्य	प्रथमा पूर्वमध्यमा उत्तरमध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षा-शास्त्री शिक्षा-आचार्य
35.	भोपाल विश्वविद्यालय, भोपाल पत्र सं. 1112/बी यू/शैक्षिक/85 दिनांक 15.3.85	शास्त्री/आचार्य शिक्षा-शास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए./एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी. डी.लिट्
36.	संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी पत्र सं. शै.-1722/92 दिनांक 22.12.92	आचार्य विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) वाचस्पति (डी.लिट्)	आचार्य विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) वाचस्पति (डी.लिट्)

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
37.	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र पत्र सं.-एसीएम/II/137/92/32489 दिनांक 28.12.92	शास्त्री (अंग्रेजी विषय के साथ)	बी.ए. (पास) टी डी सी (10+1+3 योजना के अंतर्गत) परंतु विद्यार्थी को अंग्रेजी विषय के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए।
		शास्त्री आचार्य	शास्त्री एम.ए. (यदि विद्यार्थी बी.ए. अंग्रेजी विषय के साथ पास हुआ हो)
38.	गांधीजी विश्वविद्यालय, कोट्टायम् सं.एसी.ए. I/3/305/86 (3) दि. 24.10.86	प्राक्शास्त्री तथा उत्तरमध्यमा शास्त्री शिक्षाशास्त्री आचार्य विद्यावारिधि एवं वाचस्पति	प्री.डिग्री (संस्कृत) बी.ए. (संस्कृत) बी.एड. एम.ए. पी.एच.डी.
39.	मणिपुर विश्वविद्यालय कांचीपुर, इम्फाल सूचना दिनांक 3 जनवरी, 1992	शास्त्री (अंग्रेजी सहित)	बी.ए.
40.	अजमेर विश्वविद्यालय, अजमेर पत्र सं. एफ 14 (193) शैक्षिक-II/यू ओ ए/92/3400/3506 दिनांक 6 फरवरी, 1992	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
41.	नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर, द्वारा सं. परीक्षा/मान्यता/ए/3667 दिनांक 1.4.78	शास्त्री	बी.ए. (एम.ए. भाग I में प्रवेश प्राप्ति हेतु)
42.	उदयपुर विश्वविद्यालय, उदयपुर, द्रष्टव्य सं. ई/3013 दिनांक 13.5.75	शास्त्री आचार्य	बी.ए. (यदि बी.ए. स्तर के अंग्रेजी विषय में उत्तीर्ण) एम.ए. (यदि बी.ए. स्तर का अंग्रेजी विषय उत्तीर्ण हो)
43.	ओसमानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, द्रष्टव्य सं. 1866/1-942/II/शैक्षिक दिनांक 20.4.73 सं. 265/एल/2001/शै.दि. 27.1.2001	शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि शिक्षाशास्त्री	बी.ए. एम.ए. पी-एच.डी. बी.एड.
44.	महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक, द्रष्टव्य सं. ए सी-/III/आर./81/2472 दिनांक 2.3.81	शास्त्री और आचार्य	उपलब्ध उच्चतर पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु

क्रमश:....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
45.	हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी, द्रष्टव्य सं.ए.पी.बी./10000/472/ प्रकाश/25-9-03 दिनांक 19.5.05	पूर्व मध्यमा उत्तर मध्यमा/प्राक् शास्त्री	मैट्रिक सीनियर सेकण्डरी
46.	शिक्षा निदेशक, दिल्ली एफ-32/1/25/शिक्षा/72 दिनांक : 28.8.72	प्रथमा मध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षा शास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	मिडिल स्कूल उच्च माध्यमिक बी.ए. एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी. डी.लिट्.
47.	शिक्षा निदेशक, मणिपुर II/3/71-एस.ई. दि. 30 अगस्त 1972	-वही-	-वही-

संलग्नक-झ

वार्षिक अनुदान स्वीकृत स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों की राज्य-वार संख्या का विवरण 2020-21

क्रमांक	राज्य	संगठनों की संख्या	क्रमांक	राज्य	संगठनों की संख्या
1.	आन्ध्र प्रदेश	05	11.	मणिपुर	02
2.	बिहार	08	12.	महाराष्ट्र	06
3.	छत्तीसगढ़	16	13.	मध्य प्रदेश	206
4.	दिल्ली	06	14.	ओड़िशा	02
5.	गुजरात	01	15.	पंजाब	03
6.	हिमाचल प्रदेश	03	16.	राजस्थान	22
7.	हरियाणा	15	17.	सिक्किम	10
8.	जम्मू और कश्मीर	01	18.	उत्तराखंड	43
9.	कर्नाटक	07	19.	उत्तर प्रदेश	74
10.	केरल	08	20.	पश्चिम बंगाल	163
				कुल	**415**

संलग्नक-अ

विश्वविद्यालय की वित्तीय सहायता से प्रकाशित प्रकाशनों का विवरण

क्र.	अनुदानप्राप्तकर्ता/लेखक	शीर्षक	प्रदत्त अनुदानराशि (रुपयों में)
1.	प्रो. ब्रजेश कुमार शुक्ला	श्रीबलभद्रमिश्रप्रणीत हायनरत्नम्	72,156/-
2.	डॉ. रानी दाधीच	अभिनय यात्रा	24,101/-
3.	डॉ. प्रयाग नारायण मिश्रा	जयन्तभट्टकृत आगमडम्बर के धार्मिक तथा दार्शनिक आयाम	51,070/-
4.	प्रो. आजाद मिश्र	व्याकरण सिद्धान्त कौमुदी रत्नाकर	79,094/-
5.	श्रीमती मधु शर्मा	मिलिन्दप्रश्न का सामाजिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन	17,469/-
6.	डॉ. प्रीति शुक्ला	श्रीमद्भागवद् गीता शांकरी विवृत्ति	97,246/-
7.	डॉ. तमन्ना कुमार भट्टाचार्य	बङ्गीयानां संस्कृतकाव्यामृतम्	89,961/-
8.	प्रो. दिनेश चन्द्र शास्त्री	श्रुति पन्था	35,056/-

संलग्नक-ट

प्रकाशन-अनुदान हेतु संस्वीकृत प्रस्तावों का विवरण

क्र.	आवेदक का नाम व पता	शीर्षक	रचना की अनुमानित लागत
1.	डॉ. रामाशीश पाण्डेय रोड नं. 3, कारमल होस्टल के नजदीक, हरमू, रांची, झारखण्ड-834002	स्त्रोत्रभारती	76,960/-
2.	डॉ. प्रकाश वी. जोशी ए-303, राजपरा सद, आई.सी.एस. कॉलोनी, शिवाजी नगर, पुणे, महाराष्ट्र-411007	मेघदूतम	22,750/-
3.	प्रो. ई.एम. राजन साहित्य विभाग, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गुरुवायूर परिसर, त्रिश्शूर, केरल-680551	प्रक्रियासर्वस्वम्	2,19,000/-
4.	डॉ. राघवेन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव 77/टी.पी./2 एफ. राम प्रिया रोड, प्रयागराज-211002	लीलावत्यां पाटीगणितम्	40,000/-
5.	शशि नाथ झा नई कॉलोनी, शुभांकरपुर, दरभंगा, बिहार-846006	गुणेश्वरचरितचम्पूः	90,304/-

क्रमशः....

क्र.	आवेदक का नाम व पता	शीर्षक	रचना की अनुमानित लागत
6.	डॉ. प्रीति शुक्ला डी-1, ए-7, द्वितीय तल, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058	Shrimadbhagwadgeeta an Analytical Approach	65,638/-
7.	शिवानन्द शुक्ला राजकीय संस्कृत कॉलेज, काजीपुर, रोड नं. 4, पटना, बिहार-800004	द्वात्रिंशपुत्तलिकासिंहासनम्	55,825/-
8.	डॉ. सुभाष षडंगी दुर्गा मन्दिर, अट्टाबिरा, बारगढ़, ओडिशा-768027	अच्युतानन्ददासकृतशून्यसंहितायाः दार्शनिकतत्त्वविश्लेषणम्	37,487/-
9.	शशि नाथ झा नई कॉलोनी, शुभांकरपुर, दरभंगा, बिहार-800006	विद्याकरसहस्रकम्	90,304/-
10.	बाबू लाल मीणा 21-22, गीता कॉलोनी, भारतपुर, राजस्थान-321001	प्रमुख संस्कृत रूपकों में अद्‌भुत रस का शास्त्रीय अध्ययन	66,705/-
11.	डॉ. ब्रह्मानन्द शुक्ला गॉव नगरपुर, पो.आ. चुनार, जिला-मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश-231304	व्याकरणभास्करः तस्य हलन्तादव्ययान्तो भागः	1,16,800/-
12.	डॉ. दिनेश चन्द्र शास्त्री वेद विभाग, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, गुरुकुल कांगड़ी, हरिद्वार, उत्तराखण्ड	वेदों में पुनरुक्ति	1,47,563/-
13.	डॉ. गजानन धरेन्द्र गॉव नवान, जिला चुरु, राजस्थान, पिन-331301	पाणिनिजैनेन्द्रव्याकरणयोः सन्धिप्रकरणस्य तुलनात्मकध्ययनम्	34,891/-

आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ शोध संस्थानों के नाम एवं पूर्ण पता (राज्यवार)

राज्यों के नाम		आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ शोध संस्थानों के नाम
तेलंगाना	1.	संस्कृत अकादमी (आदर्श शोध संस्थान), ओसमानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना-500007
बिहार	2.	राजकुमारी गणेश शर्मा संस्कृत विद्यापीठ कोलहन्टा, पटोरी, जिला-दरभंगा, बिहार-846003
	3.	जगदीश नारायण ब्रह्मचर्याश्रम, आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, पोस्ट-लगमा, वाया-लोहनारोड, रामभद्रपुर, जिला-दरभंगा, बिहार-847407
	4.	डॉ. रामजी मेहता आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, मालीघाट, मुजफ्फरपुर, बिहार-842001
	5.	श्रीस्वामी पराङ्कुशाचार्य आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, हुलासगंज, गया, बिहार-804407
	6.	श्री रामसुन्दर संस्कृत विश्वविद्या प्रतिष्ठान, रमौली-वेलौन (लक्ष्मीनाथनगर) भाया-बहेड़ा, जिला-दरभंगा, बिहार-847201
हरियाणा	7.	हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ, पोस्ट-बघौला, जिला-पलवल, हरियाणा-121102
	8.	श्री दीवान कृष्ण किशोर सनातन धर्म आदर्श संस्कृत कॉलेज, अम्बाला छावनी, हरियाणा-133001
हिमाचल प्रदेश	9.	हिमाचल आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, जांगला (रोहड़ू), तहसील-चढ़गाँव जिला-शिमला, हिमाचल प्रदेश-171214
	10.	सनातन धर्म आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, डोहगी, जिला-ऊना, हिमाचल प्रदेश-174307
झारखण्ड	11.	लक्ष्मी देवी शराफ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, हरिशरणम् कुटीर, कालीराखा, जिला-बी. देवघर, झारखण्ड-814112
कर्नाटक	12.	पूर्णप्रज्ञ संशोधन मंदिरम् आदर्श शोध संस्थान, कत्रिगुप्पा मुख्य सड़क मार्ग, बंग्लूरु, कर्नाटक-560028
केरल	13.	कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, पोस्ट-बालुशेरी, जिला-कालीकट, केरल-673612
	14.	चिन्मय इंटरनेशनल फाउंडेशन आदर्श शोध संस्थान, आदि शंकरा नीलियम, आदिशंकर मार्ग, पोस्ट-वेलियनाड, एरनाकुलम्, केरल-682313

क्रमशः....

राज्यों के नाम	आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ शोध संस्थानों के नाम
महाराष्ट्र	15. वैदिक संशोधन मंडल, आदर्श शोध संस्थान, टी.एम.वी. कॉलोनी, मुकुन्द नगर, तिलक विद्यापीठ, गुलटेकड़ी, पुणे, महाराष्ट्र-411037
	16. मुम्बा देवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय द्वारा भारतीय विद्या भवन, कुलापति मुंशी मार्ग, मुम्बई, महाराष्ट्र-400007
मणिपुर	17. श्री राधा माधव आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, नम्बोल, मणिपुर-795134
तमिलनाडु	18. मद्रास संस्कृत कॉलेज, 84, रोयपीठा हाई रोड, मइलापुर, चेन्नई, तमिलनाडु-600004
	19. श्री अहोबिला मठ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय सन्निधि, 53 गली, मदुरान्तकम्, चेन्नई, तमिलनाडु-603306
उत्तराखण्ड	20. श्री भगवानदास आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, पोस्ट गुरुकुल कांगड़ी, जिला-हरिद्वार, उत्तराखण्ड, पिन-249404
उत्तरप्रदेश	21. रानी पद्मावती तारा योग तन्त्र आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, इन्द्रपुर (शिवपुर), वाराणसी, उत्तर प्रदेश-221003
	22. श्री एकरसानन्द आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, जिला-मैनपुरी, उत्तर प्रदेश-205001
	23. श्री रंगलक्ष्मी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, वृन्दावन, जिला-मथुरा, उत्तर प्रदेश-281121
पश्चिम बंगाल	24. कालियाचक बिक्रम किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, ग्राम-कालियाचक, पोस्ट-हेरिया, जिला-पूर्व मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल-721430
	25. श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, 7/2-ए, पी.डब्ल्यू.डी. रोड, कोलकाता, पश्चिम बंगाल-700035
राजस्थान	26. श्रीमती लाड देवी शर्मा पंचोली आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, बरुन्दनी, भीलवाड़ा, राजस्थान, पिन कोड-311604

आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/शोध संस्थान

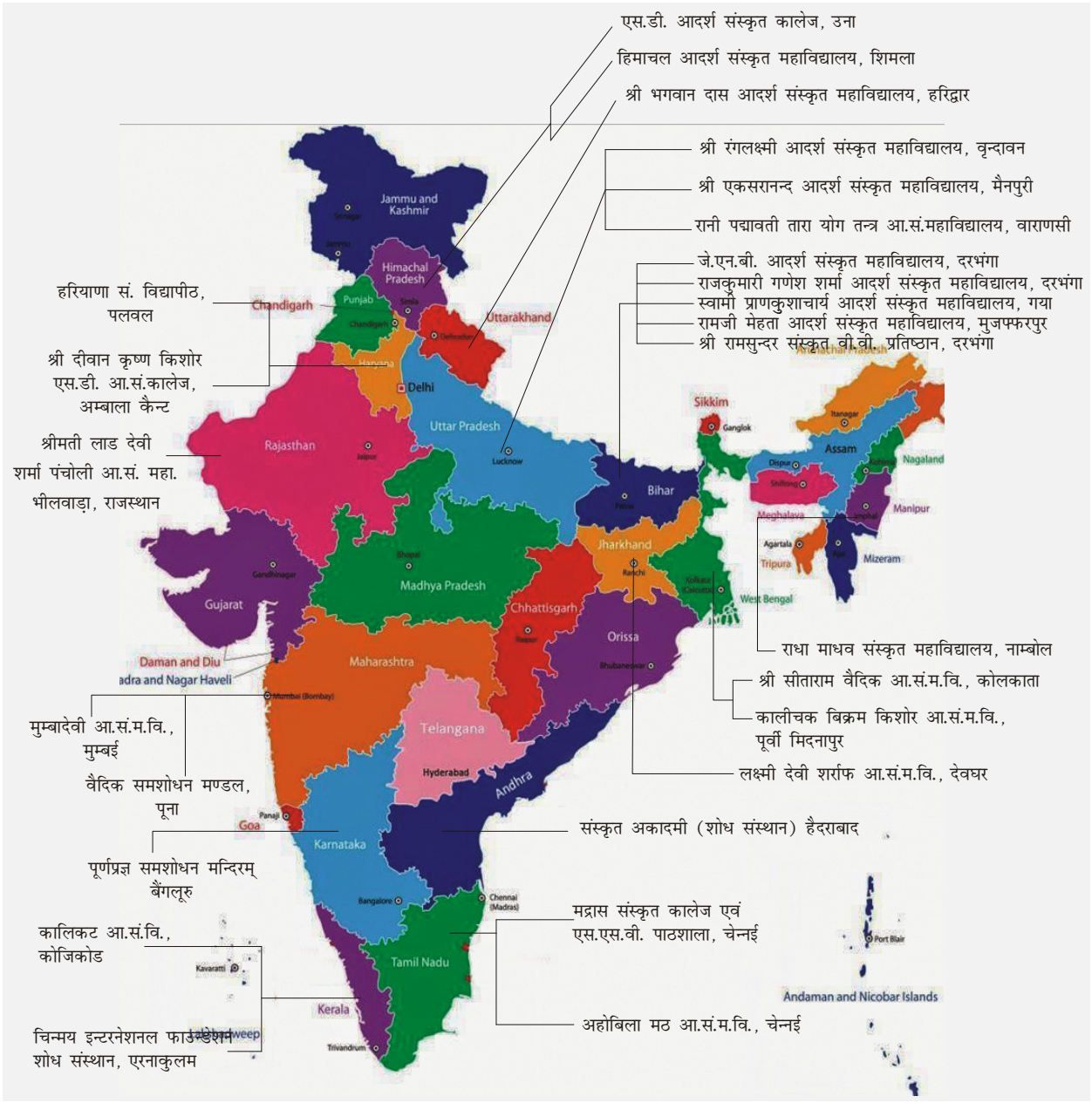

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की 31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए भारत के लेखा नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन-

हमने केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (सीएसयू), नई दिल्ली के संलग्न तुलन पत्र की 31 मार्च, 2021 तक की आय और व्यय खाते तथा प्राप्तियों और भुगतान लेखा की महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, शक्तियां और सेवा शर्तें) अधिनियम की धारा 19 (2) और केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम, 2020 की धारा 32(1) के अधीन खाते की लेखा परीक्षा की है। वित्तीय विवरणी में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के 12 परिसर तथा मुख्यालय सम्मिलित हैं। इनमें से तीन परिसरों और मुख्यालय के खातों की लेखापरीक्षा की गई और प्रतिवेदन के लिए विचार किया गया। ये वित्तीय विवरण केन्द्रीय विश्वविद्यालय प्रबंधन की जिम्मेदारी हैं। हमारा दायित्व इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय व्यक्त करना है।

2. इस पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन में भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (CAG) की टिप्पणियों को केवल सर्वोत्तम लेखांकन प्रथाओं, लेखांकन मानकों और प्रकटीकरण मानदंडों आदि के साथ वर्गीकरण अनुरूपता के संबंध में लेखांकन उपचार पर शामिल किया गया है। लेखापरीक्षा टिप्पणियों में वित्तीय लेनदेन, कानून का अनुपालन, नियम और विनियम (उचितता और नियमितता) और दक्षता-सह-प्रदर्शन पहलू, आदि, यदि कोई हो, शामिल हैं।

3. हमने अपने लेखा परीक्षा में भारत में स्वीकृत लेखा परीक्षण मानकों के अनुसार किया है। इन मानकों के लिए आवश्यक है कि हम इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखा परीक्षा की योजना बनाएं और निष्पादित करें कि क्या वित्तीय विवरण भौतिक गलत विवरणों से मुक्त हैं। लेखा परीक्षा में साक्ष्य और प्रकटीकरण में वित्तीय विवरणों की जांच, समर्थन पर एक परीक्षण आधार शामिल है। लेखा परीक्षा में उपयोग किए गए लेखांकन सिद्धांतों और प्रबंधन द्वारा किए गए महत्वपूर्ण अनुमानों का आकलन करने के साथ-साथ वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति भी शामिल है। हम मानते हैं कि हमारी लेखा परीक्षा एक उचित आधार प्रदान करती है

4. हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर, हम प्रतिवेदन करते हैं कि:

i) हमें सभी सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त हुए हैं, जो हमारे लेखा परीक्षा के उद्देश्य में हमारे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार हैं।

ii) इस प्रतिवेदन के साथ तुलन पत्र (बैलेंस शीट), आय और व्यय खाता और प्राप्तियां और भुगतान खाते शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आदेश संख्या 29-4/2012-एफडी दिनांक 17 अप्रैल 2015 के तहत निर्धारित प्रारूप में तैयार किए गए हैं।

iii) हमारी राय में, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा उचित लेखा पुस्तकों और अन्य प्रासंगिक अभिलेखों को बनाए रखा गया है, जहां तक कि यह ऐसी पुस्तकों का हमारी परीक्षा में प्रकट होता है।

iv) हम आगे प्रतिवेदन करते हैं कि:

क) तुलन पत्र (बैलेंस शीट)

क.1. संपत्ति

क.1.1 अचल संपत्ति (अनुसूची 4) - रुपये 377.16 करोड़

पूंजीगत कार्य प्रगति पर : रुपए 301.81 करोड़

उपरोक्त के संबंध में पुरी परिसर के लिए 12.01 करोड़ रुपये के कार्य की प्रगति शामिल है। के.लो.नि.वि. द्वारा 31.03.2021 को प्रस्तुत उपयोग-सह-व्यय प्रमाण पत्र के अनुसार 12.01 करोड़ रुपये की जमा राशि के समक्ष विभिन्न पूंजीगत

कार्यों के लिए 10.33 करोड़ रुपये उपयोग की गई और शेष 01.67 करोड़ रुपये है। शेष राशि को "शिक्षा सौध" भवन के व्यय में शामिल किया गया है जिसे 09.30 करोड़ रुपये के व्यय के साथ बनाया गया है। 9.30 करोड़ रुपए (31.03.2021 तक) और जुलाई 2019 से उपयोग में लाया गया और 50 लाख रुपये के फर्नीचर की खरीद की गई और 14.10.2020 से विभिन्न कक्षाओं/संकाय कक्षों आदि में उपयोग किया गया।

इसमें 11.48 करोड़ रुपये से अधिक पूंजीगत कार्य प्रगति पर है और 9.80 करोड़ रुपये की सावधि संपत्ति के अधीन मूर्त संपत्ति को कम करके और ऋण, अग्रिम और जमा राशि के तहत 1.6 करोड़ दिखाया गया है।

ख. सहायता अनुदान

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय को वर्ष 2020-21 में 192.85 करोड़ रुपये (गैर-एनईआर: 190.18 करोड़ और एनईआर: 2.67 करोड़) की सहायता अनुदान प्राप्त हुई एवं प्रारम्भिक शेष राशि 5.05 करोड़ (गैर-एनईआर: 1.13 करोड़ और एनईआर: 3.92 करोड़) थी। कुल 197.90 करोड़ (गैर-एनईआर: 191.31 करोड़ और एनईआर: 6.59 करोड़) सहायता अनुदान में से 194.17 करोड़ (गैर-एनईआर: रु. 188.21 करोड़ और एनईआर: रु. 5.96 करोड़) उपयोग किया। अप्रयुक्त सहायता अनुदान 31 मार्च 2021 को 3.73 करोड़ (गैर-एनईआर:3.11 करोड़ रुपये और एनईआर: 0.62 करोड़ रुपये) है।

ग. प्रबंधन पत्र

लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में शामिल नहीं की गई कमियों को उपचारात्मक/सुधारात्मक कार्रवाई के लिए अलग से जारी प्रबंधन पत्र के माध्यम से कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के ध्यान में लाया गया है।

v) पिछले पैराग्राफों में हमारी टिप्पणियों के अधीन, हम प्रतिवेदन करते हैं कि तुलन पत्र (बैलेंस शीट), आय और व्यय खाता और प्राप्तियां और भुगतान खाते इस प्रतिवेदन द्वारा निपटाए गए खातों की पुस्तकों के अनुरूप हैं।

vi) हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, उक्त वित्तीय विवरण लेखा नीतियों और खातों पर टिप्पणियों के साथ पढ़े जाते हैं, और ऊपर बताए गए महत्वपूर्ण मामलों और अनुबंध में उल्लिखित अन्य मामलों के अधीन हैं। इस लेखा परीक्षा प्रतिवेदन के लिए, भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रकट करता है।

क) जहां तक यह 31 मार्च 2021 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के मामलों की स्थिति के तुलन पत्र से संबंधित है; तथा

ख) और जहां तक यह उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय और घाटे के व्यय खाते से संबंधित है।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के लिए और उनकी ओर से

स्थान: नई दिल्ली **महानिदेशक, लेखा परीक्षा**

दिनांक : 14.12.2021 **(गृह, शिक्षा और कौशल विकास)**

नोट: 'प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक् लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।'

लेखा परीक्षा प्रतिवेदन के लिए अनुलग्नक

1. आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली की उपयुक्तता

इस विश्वविद्यालय में कोई अलग आंतरिक लेखा परीक्षा विंग नहीं है और लेखा अधिकारी (आंतरिक लेखा परीक्षा) का पद रिक्त है। तथापि आंतरिक लेखापरीक्षा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, मुख्यालय, परिसरों के वित्त विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों तथा सेवानिवृत्त वरिष्ठ लेखापरीक्षा कर्मचारियों द्वारा की जा रही है। विभिन्न लेखा परीक्षा समूह द्वारा 2018-19 के लिए आंतरिक लेखापरीक्षा पूरी कर ली गई है। 2019-21 की आंतरिक लेखा परीक्षा नहीं की गई है। कोई आंतरिक लेखापरीक्षा नियमावली नहीं है।

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की उपयुक्तता

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, मुख्यालय की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली को सदृढ़ करने की आवश्यकता है:

- लेखा अधिकारी का पद फरवरी 2015 से रिक्त है।
- वर्ष के दौरान केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, मुख्यालय की अचल संपत्तियों, पुस्तकों और सूची का भौतिक सत्यापन नहीं किया गया है।

3. संपत्ति के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

- सीएसयू मुख्यालय की अचल संपत्तियों का भौतिक सत्यापन 2019-20 तक किया गया है।
- सीएसयू मुख्यालय की पुस्तकालय पुस्तकों का भौतिक सत्यापन 2019-20 तक किया जा चुका है। साथ ही 1.79 लाख रुपये मूल्य की 1781 लापता पुस्तकों को आज तक बट्टे खाते में नहीं डाला गया है।
- देवप्रयाग और भोपाल परिसर की अचल संपत्तियों का भौतिक सत्यापन वर्ष 2020-21 के लिए किया गया है जबकि पुरी परिसर का भौतिक सत्यापन नहीं किया गया है (नमूना जांच इकाइयां)

4. सूची के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

- केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, मुख्यालयों जैसे स्टेशनरी और उपभोग्य सामग्रियों की सूची का भौतिक सत्यापन 2019-20 तक किया गया है।
- वर्ष 2020-21 के लिए भोपाल परिसर का भौतिक सत्यापन किया गया है जबकि देवप्रयाग और पुरी परिसर का भौतिक सत्यापन वर्ष 2020-21 (नमूना जांच इकाइयों) के लिए नहीं किया गया है।

5. वैधानिक देय राशि के भुगतान में नियमितता

दिनांक 31.03.2021 तक भोपाल परिसर के संबंध में समूह बीमा योजना (जी.आई.एस.) से संबंधित 1.14 लाख रुपये का वैधानिक बकाया लम्बित था।